



भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 35] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 28—सितम्बर 3, 2010 (भाद्रपद 6, 1932)
No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 28—SEPTEMBER 3, 2010 (BHADRA 6, 1932)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]
[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिज़र्व बैंक

(विदेशी मुद्रा विभाग)

मुंबई-400001

विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा विकल्प [ऑप्शन्स] (भारतीय रिज़र्व बैंक) निदेश, 2010 जुलाई 2010 की अधिसूचना सं. एफईडी-01/ईडी (एचआरके)-2010

भारतीय रिज़र्व बैंक, लोक हित में आवश्यक समझते हुए और देश की वित्तीय प्रणाली को देश के हित में विनियमित करने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45 डब्ल्यू द्वारा प्रदत्त और इस संबंध में सभी समर्थकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा मान्यता प्राप्त शेयर बाजारों (स्टॉक एक्सचेंज) में मुद्रा विकल्प (ऑप्शन्स) का कारोबार करने वाले सभी व्यक्तियों को निम्नलिखित निवेश देता है :-

1. संक्षिप्त शीर्षक और निदेशों का प्रारंभ

इन निदेशों को विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा विकल्प (भारतीय रिज़र्व बैंक) निदेश, 2010 कहा जाये और ये 30 जुलाई 2010 से प्रवृत्त होंगे।

2. प्रयोजनीयता

ये निदेश, प्रतिभूति संधिदा (विनियम) अधिनियम, 1956 की धारा 4 के अधीन मान्यताप्राप्त शेयर बाजार (स्टॉक एक्सचेंज) में व्यापारित मुद्रा ऑप्शन्स के लिए लागू होंगे।

3. अनुमति

(i) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर यथा अनुमोदित अमरीकी डॉलर-भारतीय रुपया हाजिर दर अथवा किसी अन्य मुद्रा-युग्म में मुद्रा ऑप्शन्स संधिदा की अनुमति दी जाती है।

- (ii) विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का अधिनियम 42) की धारा 2(v) में यथा परिभाषित केवल 'भारत के निवासी व्यक्तियों' को ही विदेशी मुद्रा दर जोखिम से बचाव अथवा अन्यथा के लिए विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा ऑप्शन्स की खरीद अथवा बिक्री करने की अनुमति दी जाती है।

4. मुद्रा ऑप्शन्स संविदा की विशेषताएं

मानकीकृत विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा ऑप्शन्स की निम्नलिखित विशेषताएं होंगी :-

- (क) मुद्रा ऑप्शन्स के लिए पूर्वाधिकार अमरीकी डॉलर- भारतीय रुपया (यूएसडी-आइएनआर) हाजिर दर होगा।
- (ख) ये ऑप्शन्स, प्रीमियम पद्धति के यूरोपीयन विकल्प मूल्य पर शेयरों की खरीद-बिक्री के होंगे।
- (ग) प्रत्येक संविदा 1000 अमरीकी डॉलर की होगी।
- (घ) प्रीमियम की बोली भारतीय रुपयों में की जाएगी। बकाया स्थिति अमरीकी डॉलर में होगी।
- (ङ) संविदाओं की परिपक्वता अवधि 12 महीनों से अधिक नहीं होगी।
- (च) संविदा का भुगतान भारतीय रुपयों में नकद में किया जाएगा।
- (छ) निपटान मूल्य संविदा के अंतिम दिन की भारतीय रिज़र्व बैंक की संदर्भ दर होगी।

5. सहभागी

- (i) विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का अधिनियम 42) की धारा 2(v) में यथा परिभाषित, 'भारत में निवासी व्यक्ति' को छोड़कर कोई अन्य व्यक्ति विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा ऑप्शन्स बाजार बाजार में भाग नहीं लेगा।
- (ii) उपर्युक्त उप-पैराग्राफ (i) में किसी बात के होते हुए भी, कोई अनुसूचित बैंक अथवा ऐसी कोई अन्य एजेंसी जो भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 अथवा किसी अन्य अधिनियम अथवा साधन जो विधि सम्मत हो के अधीन रिज़र्व बैंक के विनियामक क्षेत्र में आती है, भारतीय रिज़र्व बैंक के संबंधित नियंत्रक विभागों से अनुमति प्राप्त किए बिना विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा ऑप्शन्स बाजार में भाग नहीं लेगा।
- (iii) कानून द्वारा स्थापित किसी अन्य नियंत्रकों के नियंत्रण क्षेत्र में आने वाली संस्थाएं केवल अपने संबंधित नियंत्रकों की पूर्वानुमति से ही विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा

ऑप्शन्स बाजार में सहभाग करेंगे तथा ऐसी संस्थाओं की सदस्य अथवा ग्राहक के रूप में सहभागिता संबंधित नियंत्रक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार होंगी।

6. सदस्यता

- (ii) मुद्रा वायदा बाजार में व्यापार करने के लिए सेबी के पास पंजीकृत सदस्य मान्यताप्राप्त शेयर बाजार के विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा ऑप्शन्स बाजार में व्यापार करने के लिए पात्र हैं। विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा ऑप्शन्स बाजार में व्यापार तथा समाशोधन, दोनों के लिए सदस्यता भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अधीन होंगी।
- (iii) विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 की धारा 10 के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्राधिकृत व्यापारी श्रेणी-1 बैंक के रूप में प्राधिकृत बैंकों को स्वयं अथवा अपने ग्राहकों की ओर से मान्यता प्राप्त शेयर बाजारों के विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा ऑप्शन्स बाजार के व्यापार तथा समाशोधन सदस्य बनने की अनुमति निम्नलिखित न्यूनतम विवेकपूर्ण अपेक्षाओं को पूरा करने पर दी जाती है।
 - (क) 500 करोड़ रुपये की न्यूनतम निवल मालियत।
 - (ख) 10 % का न्यूनतम सीआरएआर।
 - (ग) निवल अनर्जक परिसंपत्तियां 3% से अधिक न हो।
 - (घ) पिछले 3 वर्षों में निवल लाभ अर्जित किया हो।

विवेकपूर्ण अपेक्षाएं पूरी करने वाले प्राधिकृत व्यापारी श्रेणी-1 बैंक विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा ऑप्शन्स वायदा संविदाओं के व्यापार (क्रय-विक्रय) तथा समाशोधन और जोखिम प्रबंधन हेतु अपने बोर्ड के अनुमोदन से विस्तृत दिशा-निर्देश निर्धारित करें।

- (iii) उपर्युक्त न्यूनतम विवेकपूर्ण अपेक्षाएं पूरी न करने वाले प्राधिकृत व्यापारी श्रेणी-1 बैंक और प्राधिकृत व्यापारी श्रेणी-1 बैंक जो शहरी सहकारी बैंक अथवा राज्य सहकारी बैंक हैं, भारतीय रिज़र्व बैंक के संबंधित नियंत्रक विभागों के अनुमोदन के अधीन, विदेशी मुद्रा व्यापारित मुद्रा ऑप्शन्स बाजार में केवल ग्राहक (क्लायंट) के रूप में भाग ले सकते हैं।

7. विदेशी मुद्रा क्रय-विक्रय स्थिति सीमाएं

- (i) मुद्रा ऑप्शन्स में विविध वर्गों के सहभागियों हेतु विदेशी मुद्रा क्रय-विक्रय स्थिति-सीमाएं, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अधीन होंगी।
- (ii) प्राधिकृत व्यापारी श्रेणी-1 बैंक, निवल जोखिम की आरंभिक स्थिति (एनओपी) और सकल अंतर सीमा जैसी विवेकपूर्ण सीमाओं के भीतर कार्य करेंगे। स्वयं अपनी ओर से विदेशी मुद्रा व्यापारिक मुद्रा ऑप्शन्स में बैंकों की ऑप्शन स्थिति उनके निवल जोखिम की आरंभिक स्थिति और सकल अंतर सीमाओं का हिस्सा बनेंगी।

8. जोखिम प्रबंध उपाय

विदेशी मुद्रा व्यापारिक मुद्रा ऑप्शन्स का व्यापार (क्रय-विक्रय) प्रारंभिक, अधिकतम हानि और कैलेंडर स्प्रेड मार्जिन्स के अधीन होंगे और विदेशी मुद्रा के समाशोधन निगमों/समाशोधन गृहों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर सहभागियों द्वारा ऐसे मार्जिन्स रखे जाते हैं।

9. निगरानी और प्रकटीकरण

विदेशी मुद्रा व्यापारिक मुद्रा ऑप्शन्स बाजार में लेनदेनों की निगरानी और प्रकटीकरण का कार्य भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाएगा।

10. मुद्रा ऑप्शन्स में व्यापार (क्रय-विक्रय) करने के लिए शेयर बाजारों(एक्सचेंज)/समाशोधन निगम को प्राधिकार देना

मान्यता प्राप्त शेयर बाजार (स्टॉक एक्सचेंज) और उनके अपने-अपने समाशोधन निगम/समाशोधन गृह, विदेशी मुद्रा व्यापारिक मुद्रा ऑप्शन्स से संबंधित अथवा अन्यथा कोई कारोबार नहीं करेंगे जब तक कि उनके पास विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 की धारा 10(1) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी प्राधिकार पत्र न हो।

11. भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकार

भारतीय रिजर्व बैंक, समय-समय पर लोक हित में, वित्तीय स्थिरता के हित में और भारत में विदेशी मुद्रा बाजार के सुव्यवस्थित विकास और उसकी निरंतरता बनाए रखने के लिए आवश्यक समझी जाने वाली अन्य कार्रवाई करें अथवा सहभागियों के लिए पात्रता मानदंड, सहभागीवार विदेशी मुद्रा का क्रय-विक्रय की सीमा का आशोधन करें, मार्जिन निर्धारित करें और/अथवा पहचान किये गये सहभागियों के लिए विशिष्ट मार्जिन, कोई अन्य विवेकपूर्ण सीमा लगाए/आशोधित करें।

एच. आर. खान
कार्यपालक निदेशक

भारतीय स्टेट बैंक

मुंबई, दिनांक 27 जुलाई 2010

एसबीडी क्र. /2/2010-11--एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 25, उप धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार-विमर्श के बाद भारतीय स्टेट बैंक श्री आर. श्रीधरन्, प्रबन्ध निदेशक एवं समूह कार्यकारी (सहयोगी एवं अनुषंगी), कारपोरेट बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, मुंबई को दिनांक 27 जुलाई 2010 से निम्नलिखित सहयोगी बैंकों के निदेशक के रूप में नामित करता है :-

- (1) स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
- (2) स्टेट बैंक ऑफ पटियाला

ओम प्रकाश भट्ट
अध्यक्ष

भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान

चैन्स-600034, दिनांक 25 मई 2010

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

3 एससीए(5)/1/2008-2009-- संस्थान की अधिसूचना सं. 3एससीए(4)/1/2008-2009 तारीख 30 नवम्बर, 2009 के प्रतिनिर्देश से, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् ने निम्नलिखित सदस्यों के नामों को 1 अक्टूबर, 2008 से सदस्यों के रजिस्टर में पुनः सम्मिलित कर दिया है :-

क्रम सं.	सदस्य रजिस्ट्रीकरण सं.	सदस्य का नाम	31	021018	श्री श्रीहरि वी. एफसीए
			32	021170	श्री गुरुनाथ वीएन, एफसीए
			33	021203	श्री समसुखीन ए. एफसीए
1	004572	श्री नागपूषण राव वी. एफसीए	34	021274	श्री गोविंदराजन एस. एसीए
2	005240	श्री लक्ष्मणस्वामी यू. एफसीए	35	021294	श्री अब्राहम चेरिवन, एफसीए
3	006954	श्री अन्नामलाई एम. एफसीए	36	021312	श्री जसोक्त कुमार वी. एसीए
4	008315	श्री जगन्नाथन एस टी. एसीए	37	021501	श्री कसीनापुनी वेंकटेश्वर राव, एफसीए
5	008383	श्री रामदास एस. एफसीए	38	021582	श्री नागेश्वर राव के. एफसीए
6	008785	श्री इफ्फाल एम ओ एच. एसीए	39	021662	श्री शास्त्री एबीपीएस, एफसीए
7	009720	श्री ब्रज राव एम टी. एफसीए	40	021779	श्री मुख्तार अली साजनलाल, एसीए
8	010519	श्री चंद्रमीली एन. एसीए	41	021859	श्री राजशेखरन एम. एफसीए
9	013554	श्री वासुदेवन पी के. एसीए	42	021912	श्री कोटेश्वर राव एन. एसीए
10	014165	श्री कुप्पा वेंकट सुब्रमन्या शास्त्री, एफसीए	43	022683	श्री रामराज एन. एफसीए
11	014553	श्री अर्लंदयीया सेट्टी आर वी. एफसीए	44	022717	श्री सुरेश कुमार एच. एफसीए
12	015079	श्री माधवेय पी. एफसीए	45	022734	श्री रंगानाथन पी वी. एफसीए
13	016330	श्री चन्नाबसप्पा आर एच. एफसीए	46	022747	श्री नरसिंहन डब्ल्यू के. एसीए
14	016459	श्री नायक सुकुमार, एफसीए	47	022833	श्री वैद्य टी साइमन, एफसीए
15	019004	श्री रामचंद्रय्या सी. एफसीए	48	022905	श्री बाला सुब्रमन्या रामा वीवी, एफसीए
16	019098	श्री लमेश एस एस. एसीए	49	023018	श्री वेदवीर एन. एफसीए
17	019155	श्री मुकुण्ठन डी. एसीए	50	023345	श्री कर्मा जी के ए वी. एसीए
18	019443	श्री वेंकटेश्वरन एम. एसीए	51	023552	श्री रामकृष्णन एन. एफसीए
19	019454	श्री थॉमस के जे. एफसीए	52	023700	श्री गणेशन एन. एफसीए
20	019581	श्री चंद्रशेखरन एम एस. एसीए	53	023911	श्री नागेश्वर ए. एफसीए
21	019625	श्री वारकी के वी. एसीए	54	024069	श्री नसीर मोहम्मद एम एच. एसीए
22	019647	श्री चंद्रय्या चेट्टी पी. एसीए	55	024137	श्री श्रीनिवासन एस. एफसीए
23	019678	श्री गुंडू राव वी आर. एफसीए	56	024145	श्री बालासुब्रमणियन एम. एसीए
24	019679	श्री रमेश लक्ष्मली. एफसीए	57	024160	श्री रंगन एन कनन्, एफसीए
25	019689	श्री संकरनाथराजन टी एस. एसीए	58	024356	श्री वैकुण्ठम टी एस. एफसीए
26	020076	श्री शंकर के. एफसीए	59	024496	श्री नंदा कुमार सी. एफसीए
27	020292	श्री रामनाथन एच. एसीए	60	024610	श्री शेखर के. एसीए
28	020406	श्री सोमशेखरन एन. एफसीए	61	024806	श्री कुरुविलाचन पी जे. एसीए
29	020764	श्री श्रीवाधसन सी एस. एफसीए	62	024914	श्री जैन सुवीर चंद. एफसीए
30	020897	श्री अलागप्पन वीआर. एसीए	63	025044	श्री संपत कुमार के. एफसीए

64	025172	श्रीमती वसंती रमेश, एसीए	112	028965	श्री जितेन्द्र बाबू एम. एफसीए
65	025216	श्री रमेश गुप्ता एस. एफसीए	113	029146	श्री आनंद बी. एफसीए
66	025282	श्री संकर टी एस. एफसीए	114	029270	श्री बालाजी ए. जी. एसीए
67	025509	श्री रमेश कृष्णामधारी एस. एफसीए	115	029341	श्री जमाल मैदीन एम. ए. एसीए
68	025515	श्री भट बालाजी बी. एफसीए	116	029345	श्रीमती उमा मेनन, एफसीए
69	025689	श्री रमेश कुमार बी. एसीए	117	029402	श्री तिरुमायास्वायन एस. जी. एसीए
70	025740	श्रीमती अक्काराजू तनुजा राव, एसीए	118	029487	श्री रात्नामूर्ति डी. एसीए
71	025847	श्री गोपाळकृष्णन पी. एसीए	119	029499	श्री कनन एस. एसीए
72	025945	श्री अश्वेया बी. ए. एसीए	120	029517	श्री हेजमादी धीरज रामचंद्र, एसीए
73	025960	श्री प्रकाश एन. एसीए	121	029531	श्री श्रीनिवासराजगोपाल, एफसीए
74	025970	श्री शिवशंकर बी. एसीए	122	029551	श्री गुमाडी वेंकटेश्वर राव, एफसीए
75	026153	श्री महेन्द्र कुमार एस. एफसीए	123	029583	श्री चंदर एस. एसीए
76	026227	श्री शैलेख राज जी. एफसीए	124	029653	श्री अरुणा कुमार एमएसएनवीएस, एसीए
77	026305	श्री गोवर्धन रेड्डी ए. एफसीए	125	029719	श्रीमती राधिका सुधीर, एसीए
78	026398	श्रीमती मीनाकुमारी वेंकटेश्वरन, एफसीए	126	029759	श्री बालासुब्रमणियन ए. के. एसीए
79	026423	श्री चाको आई सी. एफसीए	127	029912	श्री चंद्रमौली एस. एसीए
80	026471	श्री मुरलीधरन पी. एफसीए	128	029931	श्री वास्टिन लियो आर. एसीए
81	026640	श्री सतीश बाबू डी. एसीए	129	029985	श्री गिरीधर दीवी. एसीए
82	026674	श्री पलानीवेल् के. एसीए	130	031197	श्री कनन एम. एसीए
83	026794	श्री शंकर एस. एसीए	131	031739	श्री गुरका बृजकिशोर कालूराम, एसीए
84	026851	श्री गोविंद पानी. एसीए	132	034346	श्री पराजपे गीरीश एस. एसीए
85	027048	श्री जॉय वर्दीस. एसीए	133	035956	श्री सायकंदर देव सेनोजीत, एसीए
86	027072	श्री नामेश्वर राव के. एसीए	134	036969	श्री अय्यर शंकर समन्वयन, एफसीए
87	027131	श्री राधा कृष्णन के. एसीए	135	038668	श्री रविकुमार रामनन, एसीए
88	027165	श्री वादीराज सी एस. एसीए	136	042228	श्री जोशी प्रयाग अविनाश, एसीए
89	027195	श्री मोहन कुमार एम. एफसीए	137	043567	श्री तिरुमलाई पी. एसीए
90	027237	श्री तिरुमतीईया चौधरी सीएच. एफसीए	138	047147	श्रीमती लता बी. एसीए
91	027286	श्री अंबलपट्टी श्रीनिवास अचार्य के. एफसीए	139	048901	श्री हरियाव सिंह राज पी. एफसीए
92	027333	श्री कृष्णामूर्ति आर. एसीए	140	051024	श्री अरिंदम गुहा, एसीए
93	027450	श्री राधा श्रीकृष्ण राय ए. एफसीए	141	057509	श्री आनंद मालू, एफसीए
94	027506	श्री नाथयणन टी. एसीए	142	057894	श्रीमती वैद जया. एसीए
95	027507	श्री राजा नंदकुमार एफसीए	143	059132	श्री सिन्हा अश्वीक, एसीए
96	027814	श्री शंकर राव डी. एफसीए	144	059626	श्री अजय डिग्गल, एफसीए
97	027870	श्री नागराजन रामनाथ, एसीए	145	060071	श्री रामजी शंकर, एसीए
98	027937	श्री गणपति कृष्णन एस. एसीए	146	060119	श्री पैडीशेट्टी सुरेश, एसीए
99	028002	श्री राघवेन्द्र राव एन. एसीए	147	060619	श्री अरनब पाल, एसीए
100	028148	श्री वेंकटसुब्रमणियन आर. एसीए	148	061251	श्री सुब्रमणियम के. एसीए
101	028161	श्री मैथ्यू वर्दीस, एफसीए	149	061285	श्री केजरीवाल दिनेश, एसीए
102	028202	श्री सूर्यनाथयणन के. एफसीए	150	063272	श्री बाजला अमित कुमार एसीए
103	028207	श्री गोपाल के. एफसीए	151	063688	श्री शिपानी विक्रम कुमार एसीए
104	028268	श्री नारायण राव जी. एसीए	152	064961	श्रीमती चंद्र बेद. एसीए
105	028275	श्री रमेश के. एसीए	153	065625	श्री कृष्ण जालान, एसीए
106	028449	श्री श्रीनिवास राव के. एफसीए	154	072451	श्री त्रिगादा मूर्ति टी. एफसीए
107	028609	श्री गणेश शर्मा बी. एसीए	155	076571	श्री शिरीश जैन, एसीए
108	028823	श्रीमती ताप्ती घोष, एसीए	156	078594	श्रीमती अनीता शिरिश जैन, एसीए
109	028845	श्री रवि विश्वनाथ एन. एफसीए	157	079704	श्री अरौंधा अनुल, एसीए
110	028897	श्री रामसुब्रमणियन सी. एसीए	158	084971	श्री रमेश पी. एफसीए
111	028901	श्रीमती माला श्रीनिवासन, एसीए	159	087237	श्री दिनेश कुमार अग्रवाल, एफसीए
			160	087530	श्री सीरियक मैथ्यू, एफसीए
			161	088929	श्री रंभराजन एस. एसीए

162	091841	श्री अय्यर जगदीशन कृष्णमूर्ति, एसीए	211	203396	श्री शशीचल्ला सिंगनामाला, एसीए
163	093159	श्री गणपति सुब्रमणियम आर, एसीए	212	203426	श्रीमती जैनसम्मा कुरियन, एसीए
164	097697	श्री हरिहर प्रसाद पी जी, एसीए	213	203453	श्री दीनराघव रेड्डी नल्लामित्ती, एसीए
165	099099	श्री जयदेव के, एसीए	214	203640	श्री जयगंधन डी, एसीए
166	104424	श्रीमती चारुलता सोनी, एसीए	215	203673	श्री दिनेश सिंह, एसीए
167	113905	श्री सुनिल बजाज, एसीए	216	203688	श्रीमती राज्य लक्ष्मी बी, एसीए
168	115144	श्रीमती रेखा के लक्ष्मण, एसीए	217	203725	श्री श्रीकृष्ण पी, एसीए
169	119194	श्रीमती अक्षता सुधाकर घरोडे, एसीए	218	203730	श्री कृष्णन टी, एसीए
170	200002	श्री बालाकृष्णन एच, एसीए	219	203977	श्री वैकटेशन एस, एसीए
171	200010	श्री रंगनाथन ए एस, एसीए	220	204143	श्री सेबी जॉन सी, एसीए
172	200013	श्री रामास्वामी बी, एसीए	221	204217	श्रीमती सुघन्या पी, एसीए
173	200077	श्री मुखली एन, एसीए	222	204227	श्री ज्योसेफ फिलिप, एसीए
174	200225	श्री सुरेश के, एसीए	223	204248	श्री गोपालकृष्णन ई, एसीए
175	200328	श्री अंजनीयुलू रेड्डी जोन्नाला, एसीए	224	204295	श्रीमती भारती के, एसीए
176	200416	श्री अजीत नारायण एरडी, एसीए	225	204316	श्री संकरारेड्डी पी, एसीए
177	200548	श्री पॉलोस बी ए, एसीए	226	204587	श्री श्रीनिवास राव एम, एसीए
178	200582	श्री जॉर्ज कैरियन, एसीए	227	204609	श्री बालासुब्रमणियन बी बी, एसीए
179	200737	श्री दीपक नटराज रामामूर्ति, एसीए	228	204668	श्री प्रसन्ना पाई एस, एसीए
180	200771	श्रीमती अनिन्दिता मुखर्जी, एसीए	229	204686	श्री अनजय्या बोद्धपति, एसीए
181	200897	श्री रियाज अहमद एस, एसीए	230	204687	श्री गरुपति बीस वैकट सत्यनारायण, एसीए
182	201015	श्री देशपांडे बालाचंद्र श्रीमराव, एसीए	231	204743	श्री सबागोपन आर, एसीए
183	201037	श्री सुरीर के पी, एसीए	232	204755	श्री कृष्ण रेड्डी ए, एसीए
184	201123	श्री सुमित्रा नंदन श्रीवत्स के, एसीए	233	204799	श्री कुमार जी, एसीए
185	201176	श्रीमती अनिता गोपीनाथ, एसीए	234	204926	श्री गोकुलकृष्णन बी, एसीए
186	201215	श्रीमती सुमति आर डी, एसीए	235	204968	श्री जाल्पूरी प्रवीण, एसीए
187	201374	श्री रमेश बाबू के, एसीए	236	205275	श्रीमती कालिदत्ति जी, एसीए
188	201472	श्रीमती इंदिरा वेणुगोपाल, एसीए	237	205371	श्रीमती बेरिल निशा पिबेलो, एसीए
189	201738	श्री जेबाचंद्रन एस पारनजोथी, एसीए	238	205407	श्री वेणुगोपाला बी, एसीए
190	201844	श्री रघु राम प्रसाद बी, एसीए	239	205502	श्रीमती लिता जेम्सी, एसीए
191	201911	श्री जॉली जार्ज, एसीए	240	205572	श्री वैद्यनाथन एस, एसीए
192	201949	श्री हाजा नचुरली ए एस, एसीए	241	205580	श्री उमाकांत एन, एसीए
193	202033	श्री श्रीराम पी बी, एसीए	242	205649	श्री मोरी श्याम सुंदर, एसीए
194	202098	श्री गोपाल बी, एसीए	243	205677	श्री त्वाराजन जे, एसीए
195	202184	श्री कृष्ण मणि आर, एसीए	244	205680	श्री राधाकृष्णन एम, एसीए
196	202203	श्री नागेशप्पा बी, एसीए	245	205683	श्री एज्जेर एस, एसीए
197	202260	श्री राघुला श्रीधर राव, एसीए	246	205687	श्री डेनरी आई, एसीए
198	202336	श्री गणेश बाबू एम, एसीए	247	205708	श्री श्रीराम जे, एसीए
199	202358	श्री श्रीकुमार एस, एसीए	248	205766	श्री वैकटेश टी, एसीए
200	202546	श्री रविचंद्रन टी आर, एसीए	249	205851	श्री नागेश्वर राव आर बी, एसीए
201	202606	श्री त्यागा तुम्बपन एस, एसीए	250	205887	श्री वैकट रामण आर, एसीए
202	202719	श्री आनंदन के आर, एसीए	251	205892	श्री वेलायूथान जे, एसीए
203	202786	श्रीमती चित्रा एच, एसीए	252	205948	श्री धंकावन के जे, एसीए
204	202814	श्री रविचंद्रन टीवी, एसीए	253	205986	श्री मनोज एस, एसीए
205	202914	श्री वैकटेशन के एस, एसीए	254	205991	श्री रामकुमार एस बी, एसीए
206	202994	श्री बाळाजी महासाठे के, एसीए	255	206044	श्री श्रीकांत एस, एसीए
207	203171	श्री सुब्रमणियम एम, एसीए	256	206073	श्री सांका विश्वेश्वरा राव, एसीए
208	203254	श्री नारायणन एस, एसीए	257	206324	श्री संजीव ए, एसीए
209	203359	श्री यदुशंकर जी, एसीए	258	206359	श्री केशन शाह, एसीए
210	203378	श्री आनंद राव टी बी, एसीए	259	206400	श्रीमती वसुन्दा जीवन गुजराली, एसीए
			260	206504	श्री साई गणेश के, एसीए

261	206521	श्रीमती गीता रामकृष्णन, एसीए	312	208876	श्री नरसिंमम वी, एसीए
262	206539	श्री बोनी मैथु, एफसीए	313	208886	श्रीमती प्रिया श्रीनिवासन, एसीए
263	206643	श्रीमती हरिता वी, एफसीए	314	208948	श्रीमती श्रीदेवी के, एसीए
264	206736	श्री रामनाथन जे, एसीए	315	209028	श्री राजेश के एस, एसीए
265	206750	श्री जॉर्ज मीनान, एफसीए	316	209058	श्रीमती राजलक्ष्मी एन, एसीए
266	206767	श्री सुमाथ वी, एसीए	317	209088	श्रीमती पार्वतावास्तीनी एस, एसीए
267	206891	श्री कण्ठिन्द्र निचानामेटला, एसीए	318	209118	श्री सखीनाथ जी एन, एसीए
268	206895	श्रीमती रेवती बालाजी, एसीए	319	209121	श्री पुलावर्ती एस वी के किशोर, एफसीए
269	206901	श्री प्रभु आर, एसीए	320	209135	श्री सुंदरा राजेश ए, एसीए
270	206911	श्रीमती सुकन्या आर, एसीए	321	209144	श्री रणकुमार पी, एसीए
271	206920	श्री सत्य प्रमोद कौशिक, एसीए	322	209178	श्री फंक्जें कुमार बाफना, एसीए
272	206927	श्रीमती विद्या पी, एसीए	323	209264	श्रीमती उष्मा शाह, एसीए
273	206972	श्री सुरेश आर, एफसीए	324	209277	श्री वेंकट हनुमा उदयकांत देवराज, एसीए
274	206992	श्री दैसिकन एन, एसीए	325	209285	श्री सावू सी एस, एसीए
275	207020	श्री बालाजी के, एसीए	326	209316	श्री सुशील कुमार के एस, एसीए
276	207134	श्री अरविंद बाबू गोरेल, एसीए	327	209349	श्री हरीश वी, एसीए
277	207266	श्री वेंकटाचलम जी, एसीए	328	209353	श्री राजन्य वी, एसीए
278	207286	श्रीमती प्रथा राधा माधवी, एसीए	329	209383	श्री गणेश कुंदरा एन, एसीए
279	207287	श्री पूर्णचंद्र राव कासुकुर्ति, एफसीए	330	209406	श्री जावेद अशफाक अजानी, एफसीए
280	207365	श्री कोतूरी श्रीधर, एफसीए	331	209409	श्री सत्य बंगारु सेट्टी बंडारु, एफसीए
281	207439	श्री एमेश आर, एफसीए	332	209440	श्रीमती अंजेलीअदती डी, एफसीए
282	207482	श्री रमेश ए आर, एसीए	333	209524	श्री जॉनमन जेवियर, एफसीए
283	207518	श्री गोपी राज एस, एसीए	334	209623	श्रीमती जयश्री जगदीश, एसीए
284	207601	श्रीमती अनिता एस, एफसीए	335	209653	श्री गिरिश पोद्दार, एसीए
285	207630	श्री श्रीराम विश्वनाथ ए, एसीए	336	209734	श्री अरुण कुमार एम के, एसीए
286	207729	श्रीमती जया रमास्वामी, एसीए	337	209736	श्रीमती वनलक्ष्मी जी, एसीए
287	207737	श्री राजेश प्रभु सी, एसीए	338	209788	श्रीमती कादंबरी एन नानई, एसीए
288	207791	श्रीमती राजश्री आर, एसीए	339	209797	श्री रवि कुमार के, एसीए
289	207857	श्री विक्रम प्रभाकर एल, एसीए	340	209893	श्री रोषि आर, एसीए
290	207949	श्री अन्नाममोटला अच्युत किरण, एसीए	341	209898	श्री मोहनन्द अफजल खान, एसीए
291	208086	श्री रादेश कृष्णा एस, एसीए	342	209983	श्री नारायण डेगडे, एसीए
292	208095	श्रीमती माधवी वी, एफसीए	343	210063	श्री सम कुमार एस, एसीए
293	208213	श्रीमती सेल्लबा पार्वती वी, एसीए	344	210110	श्री सुरेश कुमार पी, एसीए
294	208227	श्रीमती सीतू अग्रवाल, एसीए	345	210115	श्री संतोष एल, एसीए
295	208228	श्री सुमन्त कुमार के, एफसीए	346	210192	श्री रामप्रसाद यू, एसीए
296	208254	श्री रामाकृष्णन वी, एसीए	347	210230	श्री सतीश कुमार आर, एसीए
297	208334	श्री चंद्रप्पा एस एस, एसीए	348	210318	श्री बालाजी एन, एसीए
298	208536	श्री प्रकाश पी, एफसीए	349	210327	श्री प्रसाद पी ए, एफसीए
299	208543	श्री यामन शेनॉय वी, एफसीए	350	210347	श्री अनंत प्रभु टी आर, एसीए
300	208577	श्री वीरापानेनी मुरली कृष्ण, एसीए	351	210361	श्री अनिल कुमार, एसीए
301	208583	श्री वेणु गोपाल वी, एफसीए	352	210418	श्री चैतन्य सी एस, एसीए
302	208623	श्री मैथु जोस, एफसीए	353	210450	श्री सक्ने लंबदे इरेशी शव, एसीए
303	208636	श्री मोहम्मद अदनान उमर सैत, एसीए	354	210464	श्री शंकर ए एम, एसीए
304	208650	श्री मस्तान राव टी, एसीए	355	210509	श्री जगत भारकर, एफसीए
305	208663	श्री स्नेहन जी ओलीकारा, एफसीए	356	210664	श्रीमती सिंदुजा वी वी, एसीए
306	208718	श्री मधु कुमार एस एस, एफसीए	357	210674	श्रीमती राखी एन बंनारगुटी, एसीए
307	208764	श्री प्रवीण कुमार के, एसीए	358	210681	श्री श्रीनिवासन वी, एसीए
308	208796	श्री राहुल के, एसीए	359	210712	श्री विनोद कुमार पी, एसीए
309	208804	श्री परमेश्वरन पी एन, एसीए	360	210938	श्री जय शंकर पेरला, एसीए
310	208806	श्रीमती राजना कुरुविल्ला, एसीए			
311	208870	श्री नामेश कुमार मेगोलु, एसीए			

361	210947	श्रीमती वीणाधारी भोमसेट्टी एस. एसीए	410	212814	श्री रामाकृष्णन एम बी. एसीए
362	210991	श्री रंजीत बी. एसीए	411	213020	श्रीमती अंजू मैथ्यू, एसीए
363	211059	श्रीमती सुकृति वैकटेश, एसीए	412	213030	श्री वारा प्रसाद जी एन एस, एसीए
364	211071	श्रीमती कावेटी श्री रमानी कैलजा, एसीए	413	213071	श्री वैकट फनी राज कुमार ए, एफसीए
365	211150	श्री त्रिविक्रम रेड्डी चितला, एफसीए	414	213086	श्री विशाल सिसोदिया, एसीए
366	211164	श्री रामनाथ शाबू पल्लारोडू, एफसीए	415	213092	श्री कुमार रेड्डी पी एस, एसीए
367	211168	श्री बालगोपाल जी, एसीए	416	213122	श्री पात्रा रवि कृष्ण, एसीए
368	211230	श्रीमती दीना जैकब, एसीए	417	213180	श्री चलापति दीवीएस, एफसीए
369	211262	श्री जय किरण कार्तिक पी, एसीए	418	213323	श्री स्टीफन जॉय, एसीए
370	211342	श्री विपिन कोशी धोमस, एसीए	419	213336	श्री दीपक एम डी, एसीए
371	211416	श्री संतोष कुमार बी, एसीए	420	213393	श्रीमती अंजली प्रभू, एसीए
372	211452	श्री गोबुल तापडिया, एसीए	421	213432	श्री वैकट रमण राव नीरेल्ला, एसीए
373	211498	श्री स्टीफेन ज्ञानशेखरन एस, एसीए	422	213444	श्री चंद्रशेखर एस, एसीए
374	211543	श्रीमती वसुधा एस, एसीए	423	213494	श्री मुरली मोहन राजू रेड्डीचेरला, एसीए
375	211587	श्री बालकृष्णन पी, एसीए	424	213528	श्री किरण कुमार टी, एसीए
376	211651	श्री राम किरण ए, एसीए	425	213547	श्री सतीश एम जी, एसीए
377	211694	श्री रेविन मोसेस राज जी, एफसीए	426	213615	श्री कन्नाप्पन के एन, एसीए
378	211776	श्री कार्तिकेय पी जासिनाथुनी, एसीए	427	213643	श्री प्रसाद गोविंदरे भट्ट, एसीए
379	211948	श्री तिल्लमाला डी राघव, एसीए	428	213661	श्रीमती हेमामालिनी एस, एसीए
380	211953	श्री उदय भास्कर एन, एसीए	429	213709	श्रीमती जांसी मेजेला मेरी एस, एसीए
381	211990	श्री विजेश के आर, एसीए	430	213797	श्रीमती शारदा जी, एसीए
382	212035	श्री सुनील जैन, एसीए	431	213807	श्री प्रमोद कुमार एम, एसीए
383	212046	श्रीमती मार्तगी के, एसीए	432	213811	श्रीमती अनुषा आर जैन, एसीए
384	212063	श्री वासुदेवन के आर, एसीए	433	213837	श्रीमती रामया बी, एसीए
385	212084	श्री मुरली मोहन राव मोक्कापति, एसीए	434	213852	श्री सतीश कुमार आर, एसीए
386	212234	श्री प्रभु करुणाकर मुन्कास, एसीए	435	213892	श्री बालाजी पी, एसीए
387	212237	श्री सुनील कुमार जैन, एसीए	436	213919	श्री हरीश एच, एसीए
388	212369	श्री अकेल्ला श्री राम वंशी, एसीए	437	213923	श्री शिवशाम आर, एसीए
389	212373	श्रीमती आरती एस, एसीए	438	213930	श्रीमती श्रीप्रिया आर, एसीए
390	212375	श्री विष्णु डी, एसीए	439	213952	श्री श्रीनिवास दुग्गमपुडी, एसीए
391	212420	श्री मुनीप्रल्ली गायत्री दिनाकर, एसीए	440	213975	श्री ब्रजि प्रसाद अंबातिपुडी, एसीए
392	212426	श्रीमती सधिका एम, एसीए	441	214044	श्री सुधीर सत्यपाल एस, एसीए
393	212440	श्रीमती अरुणा एन, एसीए	442	214059	श्रीमती श्रीविद्या के, एसीए
394	212464	श्रीमती सुजाता पी, एसीए	443	214081	श्री नायसन सुईस, एसीए
395	212465	श्री इमांषी लक्ष्मीकांत, एसीए	444	214083	श्री रवि कुमार चेन्नुपति, एसीए
396	212488	श्री वैकटेश वी आर, एसीए	445	214141	श्री किशोर एलेक्स, एफसीए
397	212494	श्री रामकुमार के, एसीए	446	214143	श्री दिनोद आर, एसीए
398	212498	श्रीमती शिल्पा एन आर, एसीए	447	214147	श्री सूर्य चंद्र शैखर मल्ला, एसीए
399	212500	श्रीमती आरती नाथन, एसीए	448	214149	श्री बाला वैकट सुब्रमणियम चिन्नी, एसीए
400	212502	श्री गुरुमूर्ति डी, एसीए	449	214297	श्री अराज अनवर अली एस, एसीए
401	212552	श्री मुखेश फालोर, एसीए	450	214456	श्री सोमिल कुमार वी एम, एसीए
402	212581	श्रीमती संघ्या जी, एसीए	451	214510	श्री श्रीराम फणेश्वर के, एसीए
403	212595	श्री तन्वीर अहमद एस, एसीए	452	214542	श्री शकेश वी, एसीए
404	212630	श्री नटराजन एच, एसीए	453	214593	श्री विक्रम धर्करिया ए, एसीए
405	212717	श्री कार्तिक बालासुब्रमणियन, एसीए	454	214619	श्रीमती विनीता रविन्द्रनाथ, एसीए
406	212757	श्री सतीश कुमार जैन कासरा, एसीए	455	214622	श्री प्रशंत जैन, एसीए
407	212761	श्री सुधाकर ओरुगती, एसीए	456	214659	श्रीमती शारदा सी बी, एसीए
408	212762	श्री नूस्तराह बाशा एस एम, एसीए	457	214665	श्रीमती कृष्णा प्रिया डी, एसीए
409	212789	श्री हरीश के एस, एसीए	458	214667	श्री ईश्वर सुन्दराज, एसीए

459	214671	श्रीमती शोधना जी, एसीए	509	216709	श्री कृष्ण मोहन यू, एसीए
460	214682	श्री शिवकुमार जी, एसीए	510	216721	श्री गोपाल कृष्ण तक्रपुरी, एसीए
461	214790	श्री श्रीधर, एसीए	511	216775	श्री श्रीनिवास राव कोलसानी, एसीए
462	214796	श्रीमती दीप्ती वाई जी, एसीए	512	216794	श्री रजनीश दहल, एसीए
463	214797	श्री प्रवीण सी जी, एसीए	513	216814	श्री शिव कुमार जी, एसीए
464	214939	श्री बेस्टो वर्गीस, एसीए	514	216815	श्रीमती चैत्र के मिश्रा, एसीए
465	214970	श्री विनोद कुमार जी, एसीए	515	216843	श्री निश्चय सराफ, एसीए
466	214974	श्री आदित्य नरेन्द्र, एसीए	516	216852	श्री सचिन दत्तात्रे सानू, एसीए
467	214975	श्रीमती कविता पी, एसीए	517	216863	श्रीमती सरस्वती अधिकारी, एसीए
468	215041	श्रीमती कृष्ण कृष्ण सोनधवा, एसीए	518	216880	श्रीमती श्री विद्या लक्ष्मी के, एसीए
469	215228	श्री राजेश खन्ना सी, एसीए	519	216881	श्री वैकट नाग प्रसाद मुख्याला, एसीए
470	215265	श्रीमती सुमिता स्तनम, एसीए	520	217007	श्री राजशेखर रेड्डी येथ, एसीए
471	215320	श्री रामबाबू आदेपू, एसीए	521	217012	श्री जयन्नाथ प्रसाद मोहपात्रा, एसीए
472	215334	श्री अराली विश्वनाथ चंद्रकांत, एसीए	522	217068	श्री राजकुमार राय बी एस, एसीए
473	215340	श्री वैकटराघवन एस, एसीए	523	217118	श्री अजू स्कॉरिया, एसीए
474	215379	श्री जतिन बतरा, एसीए	524	217211	श्रीमती लक्ष्मी कृष्णन, एसीए
475	215381	श्री दुर्गर अशित जगत सिंह, एसीए	525	217219	श्रीमती यमजाजी सी, एसीए
476	215474	श्री गणेश कुमार जे, एसीए	526	217268	श्री कृष्णराज एस, एसीए
477	215515	श्री रवि कुमार के, एसीए	527	217295	श्री वंजीनाथन एम, एसीए
478	215560	श्री स्वामप्रसाद पी जी, एसीए	528	217325	श्री गौरव गुप्ता आर, एसीए
479	215576	श्री सुनील कुमार पी, एसीए	529	217509	श्रीमती भीरजा आर, एसीए
480	215607	श्री सघवा बारी टी, एसीए	530	217645	श्रीमती वैकट किरणमई एन, एसीए
481	215611	श्री सेन्थिलकुमार बी, एसीए	531	217652	श्रीमती शमीमा नज़रीन, एसीए
482	215658	श्रीमती राधामणि के, एसीए	532	217658	श्रीमती अम्बिक तलवार, एसीए
483	215750	श्री टोनी जोसेफ, एसीए	533	217661	श्री जॉन पॉन्टेलिल फ्रितिस, एसीए
484	215759	श्री सुनील कुमार एम, एसीए	534	217714	श्री सचिन एस शाह, एसीए
485	215813	श्री अनंत राण साहू, एसीए	535	217775	श्री खाजा करीमुल्ला शैख, एसीए
486	215831	श्री कार्तिक नाथरायण पी आर, एसीए	536	217776	श्री विजय नारकर देसू, एसीए
487	215845	श्रीमती हेमा जोशी, एसीए	537	217860	श्रीमती कृपा जी, एसीए
488	215886	श्री रमेश बाबू मुत्तुकी, एसीए	538	217886	श्री तेजस जे शाह, एसीए
489	216006	श्री वैकट चंद्र शेखर अल्लूरी, एसीए	539	217938	श्री मनोहर जे, एसीए
490	216089	श्री संतोष टी बी, एसीए	540	217984	श्री कोटेश्वर राव पसुमास्ती, एसीए
491	216130	श्री विनेश कुमार अग्रवाल, एसीए	541	218009	श्री विवेक एन राघव, एसीए
492	216146	श्रीमती अनुषा रघुनाथन, एसीए	542	218019	श्रीमती विद्या वाई, एसीए
493	216177	श्री गोकुलदास पाई एच, एसीए	543	218074	श्री मेहुल लजित कुमार, एसीए
494	216202	श्री देवशसेदटी किरण कुमार, एसीए	544	218145	श्री अनंत प्रसाद बी आर, एसीए
495	216204	श्री आनंद एम, एसीए	545	218251	श्री श्रीराजराजवति एस, एसीए
496	216215	श्री श्रीहरि जी, एसीए	546	218258	श्री सत्यनारायण सी एस, एसीए
497	216219	श्री शिव शंकर रेड्डी गानम रेड्डी, एसीए	547	218334	श्रीमती सुचारिता बी, एसीए
498	216261	श्रीमती रेवी पॉल, एसीए	548	218599	श्रीमती अर्चना अम्मानय्या, एसीए
499	216271	श्री सुब्बा राव उन्नम, एसीए	549	218635	श्रीमती हसीना प्रवीण शैख, एसीए
500	216340	श्री बीजी जोसेफ, एसीए	550	218685	श्री अमित कुमार बजाज, एसीए
501	216372	श्री प्रवीण जैन, एसीए	551	218704	श्री आदित्य पी, एसीए
502	216382	श्री अंपूर्ण जे के, एसीए	552	218705	श्री अशोक कल्याण तव्या, एसीए
503	216434	श्रीमती नेहा मेहता, एसीए	553	218823	श्री शिवदर्शन एस अंकलकोटी, एसीए
504	216451	श्री मुस्लीम नंदूरी, एसीए	554	218824	श्री दिलीप सधाकृष्णन, एसीए
505	216505	श्रीमती संगीता आर, एसीए	555	218834	श्री बाता कृष्ण गलीपल्ली, एसीए
506	216599	श्री कार्तिक कोल्लूरी, एसीए	556	218872	श्री महावीर जैन एम, एसीए
507	216671	श्री रमेश सी एस, एसीए	557	218982	श्री साहू सुधाकर, एसीए
508	216677	श्री अजय कुमार रौद्रे, एसीए	558	218990	श्री सिनेश जोसेफ, एसीए
			559	219006	श्रीमती वसुंधरा एल, एसीए
			560	219013	श्रीमती सरिता बी, एसीए

561	219066	श्री रघुस्वम के एल, एसीए	593	220419	श्रीमती निखिल मिश्र, एसीए
562	219107	श्रीमती ममता ओमप्रकाश बागडिया, एसीए	594	220603	श्री मदन कुमार जे, एसीए
563	219127	श्रीमती दिव्या बी, एसीए	595	220666	श्री मल्लेश्वर जे, एसीए
564	219148	श्रीमती मनीषा बी अग्रवाल, एसीए	596	220798	श्रीमती मधुसूता राजेन्द्र, एसीए
565	219222	श्रीमती तेजल कौशिक गौड़, एसीए	597	220823	श्री अश्विन दिनाकर, एसीए
566	219249	श्री दीपक कुमार, एसीए	598	220826	श्रीमती श्रेया जैन, एसीए
567	219270	श्री सेबी जॉर्ज, एसीए	599	220830	श्री समीर पी बी, एसीए
568	219368	श्री पीटर फर्नांडिस, एसीए	600	220832	श्री रवि बाबू छल्ला, एसीए
569	219373	श्री राम कृष्णजी गुप्ता कुचम, एसीए	601	220898	श्री चैतन्य कुमार के, एसीए
570	219470	श्री गणपतिनेनी सांवाशिया राय, एसीए	602	220900	श्री लक्ष्मण कुमार एस, एसीए
571	219505	श्री एकन्य तावत, एसीए	603	220988	श्रीमती अंजना आर, एसीए
572	219654	श्रीमती रेखिता एस एन, एसीए	604	221020	श्रीमती वानीश्री नायडू सी, एसीए
573	219713	श्री श्रीनिवास सी जी, एसीए	605	221034	श्री कनकराज एन, एसीए
574	219748	श्री राजा सोमशेखर गुप्ता, एसीए	606	221040	श्री राघवेंद्र बी सेट्टर, एसीए
575	219779	श्रीमती सुनयना तमराकर, एसीए	607	221066	श्री अनुराध जी, एसीए
576	219808	श्री श्रीपाल डी, एसीए	608	221147	श्री लोकेश के बी, एसीए
577	219821	श्री सुनील कुमार एम, एसीए	609	221157	श्रीमती शिवायामी एन, एसीए
578	219845	श्री सुरेन्द्र मोदगैरी एन पी, एसीए	610	221237	श्री सेबेस्टियन फिलिप, एसीए
579	219870	श्री राजू आर, एसीए	611	401261	श्री संजीव कुमार, एसीए
580	219913	श्रीमती लावण्या एस, एसीए	612	402737	श्रीमती चंद्रशेखर राय, एसीए
581	219963	श्री आदित्य यू जी, एसीए	613	404042	श्रीमती जयसिंह दीप्ती, एसीए
582	220010	श्री सुरती कृष्ण मोनागीरी, एसीए	614	404076	श्री कुशकर गोख, एसीए
583	220035	श्री मुकेश गुप्ता, एसीए	615	404630	श्रीमती काजल डोग, एसीए
584	220037	श्री रोहित खाडगेनिया, एसीए	616	405209	श्री अग्रवाल राज कुमार, एसीए
585	220147	श्री प्रह्लाद कुमार एस, एसीए	617	406078	श्री रजत अग्रवाल, एसीए
586	220175	श्री किरण ज्ञानबोध, एसीए	618	406368	श्री रवि कांत, एसीए
587	220313	श्री राजेश कुमार के, एसीए	619	500963	श्री रैद सुनील, एसीए
588	220317	श्री हसनाब बाबू कनमारलापुडी, एसीए	620	501193	श्रीमती गोष्ठा विद्या, एसीए
589	220352	श्रीमती शशिकला पी, एसीए	621	505376	श्रीमती इवातूरी मावुरी, एसीए
590	220359	श्री सुब्बा राव कापूरानी, एसीए	622	506343	श्री नरेन्द्र कुमार, एसीए
591	220361	श्रीमती श्रीदेवी आर, एसीए	623	510527	श्री सतीश विरुमेला, एसीए
592	220380	श्री अभिजीत प्रहाराज, एसीए	624	511021	श्री दिनाद के, एसीए
			625	511035	श्री रमेश आर, एसीए
			626	511257	श्री कसणा के एम, एसीए

टी. कार्तिकेयन
सचिव

3एससीए(5)/2/2008-2009: संस्थान की अधिसूचना सं. ए(1)/4/82-83 तारीख 31/03/1983, 3एससीए(4)/18/87-88 तारीख 31/03/1988, 3एससीए(4)/12/89-90 तारीख 25/10/1989, 3एससीए(4)/4/94-95 तारीख 22/02/1995, 3एससीए(4)/5/95-96 तारीख 12/03/1996, 3एससीए(4)/5/96-97 तारीख 07/04/1997, 3एससीए(4)/3/97-98 तारीख 31/03/1998, 3एससीए(4)/4/1998-99 तारीख 07/05/1999, 3एससीए(4)/4/1999-2000 तारीख 17/04/2000, 3एससीए(4)/5/2000-2001 तारीख 12/20/1201, 3एससीए(4)/5/2001-2002 तारीख 21/05/2002, 3एससीए(4)/4/2002-2003 तारीख 30/04/2003, 3एससीए(4)/4/2003-2004 तारीख 23/08/2004, 3एससीए(4)/5/2004-2005 तारीख 07/07/2006, 3एससीए(4)/20/305-2006 तारीख 29/08/2007, 3एससीए(4)/20/306-2007 तारीख 30/05/2008, 3एससीए(4)/1 /2007-2008 तारीख 25/02/2009 के प्रतिनिर्देश से, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ

का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् ने निम्नलिखित सदस्यों के नामों को, उनके नामों के सामने उल्लिखित तारीखों से सदस्यों के रजिस्टर में पुनःसम्मिलित कर दिया है :-

क्रम सं.	सदस्य रजिस्ट्रार सं.	सदस्य का नाम	नाम पुनः सम्मिलित करने की तारीख
1	009024	श्री अम्पारा कोडावलेनी एसीए	16/10/2008
2	016656	श्री भीमचन्द्रा जमनादास अंबानी, एसीए	21/4/2008
3	018167	श्री गोपासकृष्ण एन एसीए	26/3/2008
4	018178	श्री गोपी नृप राणू एसीए	2/4/2009
5	018214	श्री शंकर आर एसीए	2/6/2009
6	018526	श्री मल्लिकार्जुन जोस पौल एसीए	20/3/2008
7	019162	श्री वासुदेवन पी एसीए	13/1/2009
8	019592	श्री योगेश एन एसीए	7/5/2008
9	020539	श्री रंगनाथ ए सी एसीए	2/12/2008
10	021362	श्री श्रीनिवासन आर एसीए	6/2/2009
11	022865	श्री हरीश सेतिया एन एसीए	24/6/2008
12	022931	श्री बालासुब्रमण्यम पी एसीए	29/12/2008
13	022985	श्री बालाशंकर जे एसीए	9/9/2008
14	023370	श्री लक्ष्मण एसीए	25/4/2008
15	023435	श्री जयदेव डीनमाराय निरुप एसीए	2/6/2008
16	024074	श्री गोपी कुमार के एस एसीए	22/5/2008
17	024126	श्री वेंकटरा एन एसीए	23/6/2008
18	024702	श्री पद्मनाभन के एसीए	25/2/2008
19	025796	श्री शक्ति जोसेफ एसीए	14/5/2008
20	025832	श्री जयकांत जे एसीए	8/8/2008
21	026043	श्री श्रीधर एस एसीए	25/2/2008
22	026053	श्री रवि शंकर आर एसीए	30/10/2008
23	026092	श्री राम शंकर मूर्ति आर एस एसीए	26/3/2009
24	026383	श्री निरुप राजेन्द्र प्रसाद जी एसीए	5/1/2009
25	026908	श्री रघु बी एसीए	18/6/2008
26	027779	श्री श्रीनिवास यू एसीए	8/5/2008
27	028723	श्री राममूर्ति आई एसीए	5/1/2009
28	031515	श्री गुरुराज शंकर मट्ट एसीए	29/9/2008
29	044377	श्री नागार्जुन कुमार अर्कला एसीए	8/2/2009
30	054935	श्री स्वामीनाथन टी एसीए	30/4/2008
31	060398	श्री राधेलाल इरुग एसीए	14/5/2008
32	089996	श्री कुदीगंटला रवि किशोर एसीए	11/12/2008
33	090014	श्री जगन्नाथ राय कुमार एसीए	11/9/2008
34	111417	सुश्री श्रीज एन जॉन एसीए	20/3/2008
35	200060	श्री धनमनराजन के एसीए	11/9/2008
36	200365	श्री कल्याणसुंदर एन एसीए	15/4/2008
37	200769	श्री शिवशंकर के एसीए	29/1/2009
38	201086	श्री अरविन्द एन आर एसीए	6/6/2008
39	201166	श्री वीरेंद्र निरुप एसीए	28/5/2008
40	201363	सुश्री श्रीनिवास चण्डेसर एसीए	18/8/2008
41	201834	श्री जयशंकर एन एसीए	12/5/2008
42	201844	श्री रघु राम भस्कर बी एसीए	18/12/2007
43	202469	सुश्री सविता रेड्डी बी एसीए	10/6/2008
44	202696	श्री अरिंद कुमार एन एसीए	22/5/2008
45	202740	श्री दुर्गा वेंकट गोपाल कृष्ण एसीए	21/4/2008
46	203088	श्री लक्ष्मण जे एसीए	29/4/2008
47	203596	श्री वेंकटराज कुमार पी एसीए	29/12/2008
48	203738	श्री ईश्वर बसाद बी एसीए	21/5/2008
49	204153	सुश्री रेडिका रानी भाग्येश एसीए	16/5/2008
50	204870	सुश्री विद्या बी एसीए	22/12/2008
51	204887	श्री कृष्णमूर्ति आई एसीए	20/2/2009
52	204939	श्री महाशिवराज एन एसीए	30/9/2008
53	205029	सुश्री विजय के बी एसीए	15/9/2008
54	205238	श्री गुंड वेंकटराज एसीए	20/12/2007
55	205320	श्री रघु राम नंदारिणी एसीए	26/3/2008
56	205732	श्री निरुप एन एसीए	4/9/2008
57	205741	श्री राजकुमार एन एसीए	5/5/2008
58	205774	श्री सुंदरराजन बी एसीए	2/7/2008
59	205946	श्री वटवज के एसीए	29/4/2008
60	206155	श्री श्री शंकर खंडेरे एसीए	16/10/2008
61	206205	श्री ज्ञानसेखरन बी एसीए	1/9/2008

62	206323	श्री लक्ष्मण के एसीए	28/3/2008
63	206396	श्री गुरु जी बी एसीए	6/5/2008
64	206827	सुश्री सुजाता एन एसीए	14/5/2008
65	207131	श्री प्रसाद नारायण एसीए	8/1/2008
66	207281	श्री सुधीर शंकर एसीए	30/1/2008
67	207510	श्री श्रीधर पी एसीए	17/12/2007
68	207520	श्री गोपाल एस एसीए	22/5/2008
69	207547	श्री सुनील सुन्दर एसीए	5/5/2008
70	207604	श्री विष्णुकांत एस एसीए	2/5/2008
71	207778	श्री पुरोहित आर एसीए	2/1/2009
72	207843	सुश्री श्रीनिवास ए आर एसीए	31/3/2008
73	207983	श्री कार्तिकेयन आर एसीए	21/4/2008
74	208068	सुश्री ममता बल्लभ एसीए	22/5/2008
75	208260	श्री कृष्ण बाबक बी एसीए	1/9/2008
76	208274	श्री विवेक कनक पी एसीए	30/4/2008
77	208810	श्री कुमार श्री एसीए	29/4/2008
78	209073	सुश्री श्रुति के बी एसीए	27/3/2008
79	209091	श्री सुनील बी आर एसीए	30/7/2008
80	209154	श्री संतराम एस एसीए	14/3/2008
81	209339	श्री राजेश बी एसीए	18/8/2008
82	209615	श्री अरुण रामचंद्र एसीए	17/2/2009
83	209677	श्री हरि हर सुब्रमण्यम पी के एसीए	22/4/2008
84	210139	सुश्री उमा शंकर प्रकाश एसीए	25/4/2008
85	210335	सुश्री जेनिश मुलजकन एसीए	14/2/2008
86	210427	श्री अस्तोक कुमार शंकर एसीए	28/4/2008
87	210488	श्री श्रीनारायण एसीए	21/4/2008
88	210667	श्री जनार्दन बी मजरेकर एसीए	15/4/2008

89	210902	श्री अरुण एस एसीए	9/4/2008
90	211027	श्री गणेशराज आर एसीए	7/7/2008
91	211589	श्री किशोर कुमार एन एसीए	9/7/2008
92	211693	श्री निहार रंजन पट्टी एसीए	10/4/2008
93	211790	श्री कुमार एन एसीए	21/5/2008
94	212776	सुश्री मीता मोहंती एसीए	29/8/2008
95	213294	श्री देवकी लीला नागा श्रीनिवास एसीए	28/4/2008
96	213520	श्री सतीश कुमार रामल्लो एसीए	9/7/2008
97	213566	श्री राजकुमार पीएस एसीए	16/5/2008
98	213626	श्री सुधी प्रकाश पावकी एसीए	2/5/2008
99	213695	सुश्री नेहा शंकर एसीए	6/5/2008
100	215182	सुश्री सीता केकेबीन ए एसीए	30/4/2008
101	216366	श्री विद्यावती धामल सी ए एसीए	6/5/2008
102	216507	श्री संतोष एस बी एसीए	24/3/2008
103	216513	श्री मल्लिकार्जुन नाव गोरेपति एसीए	15/4/2008
104	216538	श्री सुधाशिवराज डी एसीए	5/5/2008
105	216688	श्री कार्तिक पटनायक एसीए	26/12/2007
106	216752	श्री रवि बी एसीए	16/4/2008
107	217164	श्री विजयजीत कलश एसीए	1/4/2008
108	217430	सुश्री गुजुलक्ष्मी एन एसीए	16/5/2008
109	217536	श्री साधुल अग्रवाल एसीए	10/4/2008
110	218957	श्री शिवाजी कुमार दिग्गज एसीए	10/4/2008
111	503634	श्री राध अश्विनी एसीए	10/4/2008

टी. कार्तिकेयन
सचिव

3एससीए(5)/3/2008-2009 : संस्थान की अधिसूचना सं. 4एससीए(1)/8/77-78 तारीख 13/02/1978, 3एससीए(4)/10/83-84 तारीख 31/03/1984, 3एससीए(4)/7/85-86 तारीख 30/09/1985, 3एससीए(4)/10/86-87 तारीख 27/02/1987, 3एससीए(4)/8/129-90 तारीख 25/1/1988, 3एससीए(4)/8/90-91 तारीख 01/12/1990, 3एससीए(4)/3/93-94 तारीख 11/01/1994, 3एससीए(4)/4/94-95 तारीख 22/02/1995, 3एससीए(4)/5/95-96 तारीख 12/03/1996, 3एससीए(4)/5/96-97 तारीख 07/04/1997, 3एससीए(4)/3/97-98 तारीख 31/03/1998, 3एससीए(4)/4/1998-99 तारीख 07/05/1999, 3एससीए(4)/4/1999-2000 तारीख 17/04/2000, 3एससीए(4)/5/2000-2001 तारीख 12/12/2001, 3एससीए(4)/5/2001-02 तारीख 21/05/2002, 3एससीए(4)/4/2002-2003 तारीख 30/04/2003, 3एससीए(4)/4/2003-2004 तारीख 23/08/2004, 3एससीए(4)/5/2004-2005 तारीख 07/07/2006, 3एससीए(4)/3/2005-2006 तारीख 29/08/2007, 3एससीए(4)/3/2006-2007 तारीख 30/05/2008, 3एससीए(4)/1/2007-2008 तारीख 25/03/2009 के प्रतिनिर्देश से, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् ने निम्नलिखित सदस्यों के नामों को, उनके नामों के सामने उल्लिखित तारीखों से सदस्यों के रजिस्टर में पुनःसम्मिलित कर दिया है :-

क्र. सं.	सदस्य संविष्टीकरण सं.	सदस्य का नाम	नाम पुनःसम्मिलित करने की तारीख	क्र. सं.	सदस्य संविष्टीकरण सं.	सदस्य का नाम	नाम पुनःसम्मिलित करने की तारीख
1	003132	श्री सत्यनारायण मुर्ति जी की एफसीए	1/10/2004	24	019660	श्री सत्यनारायण एन. एसीए	1/10/2007
2	004172	श्री रामानुजम जी, एसीए	1/10/2005	25	019835	श्री सच्चिदानंदन पी. जी, एसीए	1/10/1999
3	007471	श्री वेण्कट के. वेण्कट, एसीए	1/10/2007	26	020091	श्री गुलाब कृष्णदेवी कमलेश्वर एफसीए	1/10/2007
4	009234	श्री चंद्रशेखर जी के, एसीए	1/10/2002	27	020166	श्री नंद्य कुमार एन. एसीए	1/10/2005
5	011465	श्री सत्यनारायण जी ए. एसीए	1/10/2006	28	020657	श्री जॉन मैथ्यू, एसीए	1/10/2006
6	012462	श्री रामनारायण रामनारायण, एफसीए	1/10/2006	29	020856	श्री अनवरुति एन. एफसीए	1/10/2007
7	012746	श्री अल्लुवरुथियन, एसीए	1/10/2007	30	020916	श्री सत्यनारायण एन. के. एसीए	1/10/2002
8	013596	श्री मधुसूदन राव देवीनेनी, एफसीए	1/10/1998	31	020965	श्री मोहन राव के. एन. एफसीए	1/10/2007
9	015379	श्री सुनंदराजन एन. एफसीए	1/10/2005	32	021022	श्री जयंत बर्मा, एसीए	1/10/1990
10	015689	श्री विष्णु राजनारायण, एसीए	1/10/2007	33	021053	श्री श्रीराम जी, एसीए	1/10/2007
11	015709	श्री मंगेश अग्रवाल, एफसीए	1/10/1995	34	021129	श्री शशि मोहन एन. एन. एसीए	1/10/2007
12	016160	श्री रामकृष्ण जी, एसीए	1/10/1996	35	021392	श्री शिवारंजन राव एन. एफसीए	1/10/2002
13	016234	श्री सत्यनारायण जी, एसीए	1/8/1984	36	021426	श्री जॉन मथ्या, एसीए	1/10/2007
14	018443	श्री मधुसूदन एन. एसीए	8/12/2000	37	021463	श्री रामराज ए. एफसीए	1/10/2005
15	018455	श्री मणिमोहन, एसीए	1/10/2006	38	021502	श्री जॉन रामराज के. एसीए	1/8/1983
16	018652	श्री प्रमोद कुंजर अमाठी, एसीए	1/10/2007	39	022191	श्री कृष्णमोहनी एन. एसीए	1/10/2007
17	018945	श्री फर्नांडो एन. ए. एफसीए	1/10/2004	40	022266	श्री वेण्कटेश्वर के. एफसीए	1/10/2006
18	019001	श्री सत्यनारायण एन. आर. एफसीए	1/8/1977	41	022351	श्री विजय जी. जी, एसीए	1/10/2006
19	019399	श्री सत्यनारायण राव जी, एफसीए	1/10/1996	42	022542	श्री संकर जी, एसीए	1/10/2007
20	019490	श्री वीर संसभ जी, एसीए	22/12/2003	43	022672	श्री रामचंद्रन आर. एसीए	1/10/2007
21	019496	श्री विजय राव जी, एफसीए	22/12/2003	44	022802	श्री अल्लुवरुथियन एन. ए. एसीए	1/10/1998
22	019540	श्री सोमसुंदर जी, एसीए	22/12/2003	45	022810	श्री विजय वेण्कट, एफसीए	1/10/2004
23	019548	श्री शिव कृष्ण राव के. एफसीए	1/8/1986	46	022837	श्री सत्यनारायण, एसीए	1/10/2001
				47	022929	श्री जी. सत्यनारायण जी, एसीए	1/10/1993
				48	022994	श्री शिव कृष्ण कृष्ण, एसीए	1/10/2006
				49	023144	श्री सुब्बा राव ए. जी. आर. एफसीए	1/10/1998
				50	023174	श्री शेषाशक्ति के. जी, एफसीए	1/10/1998
				51	023256	श्री ब्रह्मराज एन. एसीए	1/10/2007

52	023291	श्री वैकुण्ठराज एम. एसीए	1/10/2006	111	027967	श्री सुब्रमन्य ए. एसीए	5/12/1994
53	023310	श्रीमती रामनिरुपम कलशिंग	1/10/2007	112	028060	श्री श्रीवास्तव आर. एसीए	1/10/2004
54	023324	श्री अजयराज एस. एसीए	1/10/2004	113	028114	श्री श्रीकांत एन. एसीए	1/10/2006
55	023612	श्री नंद कुमार एस. एसीए	1/10/2007	114	028235	श्री श्याम प्रमोद जी. एसीए	1/10/2004
56	023660	श्री राजा गोपालन एस. एसीए	1/10/1989	115	028285	श्री अरुण इम्माडल, एसीए	1/10/1993
57	023716	श्री राजगोपाल के. एसीए	1/10/2007	116	028309	श्री चंद्रशेखर टी. एसीए	1/10/1998
58	023778	श्री मलानी प्रसाद आर. एसीए	5/12/1994	117	028505	श्रीमती लक्ष्मी ए. एसीए	8/12/2000
59	023814	श्री अलागुदेन एस. एसीए	1/10/2001	118	028553	श्रीमती लक्ष्मी सुब्रमण्यम जी. एसीए	1/10/2002
60	023978	श्री श्रीवत्सल अजय, एसीए	1/10/2007	119	028579	श्री रवि गोपाल ए. एसीए	1/10/2007
61	024049	श्री जयराज एस. एसीए	1/10/2006	120	028588	श्री श्रीधर पी. एसीए	1/10/2005
62	024106	श्री नरसिम्हा मुर्ति सी एस जी एल, एसीए	12/1/8997	121	028706	श्री मनोहरन आर. एसीए	12/1/8997
63	024207	श्री कनन आर. एसीए	1/10/2002	122	028835	श्री अजीत मनन, एसीए	22/12/2003
64	024278	श्री मुत्ती एस. एसीए	8/12/2000	123	028921	श्री आनंद से. एसीए	1/10/2007
65	024362	श्री रमेश सुन्दर, एसीए	1/10/2007	124	028964	श्री शरफ भाग्यन के. एसीए	1/10/2001
66	024572	श्री स्वाधीनम पी. एसीए	1/10/2007	125	028976	श्री चतल वैकट सूर्य प्रकाश, एसीए	1/10/2007
67	024596	श्री विवेकानंद राव जी. एसीए	1/10/2006	126	028985	श्री वैकुण्ठराज ए. एसीए	1/10/2005
68	024644	श्री नागबजन आर. एसीए	1/10/2005	127	028996	श्री वैकट शिव कमलूति पी. एसीए	1/10/2006
69	024873	श्री फक्रुद्दीन एस. एसीए	1/10/2007	128	029096	श्री सत्यनारायण पी. एसीए	1/10/2002
70	024896	श्री धीवीराजू सुब्रमण्य एसीए	1/10/1999	129	029162	श्रीमती कृष्णा कुमारी सी. एसीए	1/10/2006
71	025042	श्री अमरेश पी. आर्. एसीए	1/10/1999	130	029230	श्री हमास्वामी जी. एसीए	1/10/2001
72	025156	श्री विजयन पी. एसीए	1/10/1989	131	029355	श्री शिवराम कामथ पी. एसीए	1/10/2007
73	025163	श्री कृष्णराज एस. ए. एसीए	1/10/2002	132	029414	श्री राम कुमार गी. एसीए	1/10/2004
74	025382	श्री चण्डी एस. पी. एसीए	1/10/2007	133	029436	श्री सुन्दर राजन पी. एसीए	1/10/1996
75	025401	श्री पद्मनीधरन पी. एसीए	1/10/1993	134	029479	श्री लक्ष्मी प्रसाद पी. एसीए	5/12/1994
76	025580	श्री श्रीनिवास एस. एसीए	22/12/2003	135	029489	श्री महेश एन. एसीए	1/10/1998
77	025696	श्री सुन्दर आर. एसीए	1/10/2006	136	029548	श्री रवि चंद्रन के. एसीए	1/10/1993
78	025733	श्री विश्वनाथ एस. एसीए	1/10/2005	137	029826	श्री लॉरेल एलेक्जेंडर एसीए	1/10/2001
79	025872	श्री रमेश सी एस. एसीए	1/10/2007	138	029831	श्रीमती सीता जी. एसीए	1/10/2007
80	025899	श्री भास्कराज सुब्रमण्य आर. एसीए	1/10/1999	139	029937	श्री रंगनाथकुमार पी. पी. एसीए	5/12/1994
81	025906	श्री कमलेश आर. एसीए	1/10/2007	140	029959	श्री निरुद्धन पी. पी. एसीए	1/10/2006
82	025982	श्री सत्यजी पी. आर. एसीए	22/12/2003	141	031117	श्री संजय पी. एस. एसीए	1/10/1998
83	026102	श्री अनी कुमार पी. पी. एसीए	1/10/2002	142	036019	श्री वर्धन एन. एस. एसीए	1/10/1989
84	026180	श्री सति के एस. एसीए	1/10/2004	143	037383	श्रीमती राजा शंकर, एसीए	1/10/2005
85	026188	श्री दुर्गा प्रसाद टी. एसीए	1/10/2006	144	038574	श्री श्रीधर कमलूति, एसीए	1/10/2007
86	026269	श्री मोहन के आर. एसीए	1/10/2006	145	041069	श्रीमती रत्ना विश्वनाथ, एसीए	1/10/2007
87	026279	श्री सदाशिव एस. एसीए	1/10/2006	146	043607	श्री देवी पी. पी. एस. एसीए	1/10/2002
88	026311	श्री रामराजु पी. एसीए	1/10/1999	147	043870	श्री राम सुब्रमण्यन ए. एसीए	1/10/2007
89	026354	श्री परेश पी. एसीए	1/10/2005	148	044933	श्री वल्लुवन एस. एसीए	1/10/1995
90	026472	श्री कल्याण सुन्दरम पी. एसीए	1/10/2004	149	045994	श्री पुष्प नन्दन सुरेश प्रसाद, एसीए	1/10/2006
91	026585	श्री मोहन पी. एसीए	1/10/1998	150	046640	श्री राम कुमार के. एसीए	12/1/8997
92	026583	श्री शिव राम कृष्णा पी. पी. एसीए	1/10/2002	151	047213	श्री गुरुदेव जी. एसीए	1/10/2007
93	026731	श्री श्रीकांत पी. एसीए	22/12/2003	152	051122	श्री वेकटेश पी. पी. एसीए	1/10/1999
94	026931	श्री श्रीनिवास ए. एसीए	1/10/2006	153	051823	श्री नारायण एस. एस. एसीए	1/10/2006
95	026994	श्री सेवेस्टियन के जोसेफ, एसीए	1/10/2002	154	052060	श्री सुधाश पी. एसीए	1/10/2007
96	027060	श्री चण्डी एस. पी. एसीए	1/10/2004	155	052889	श्री चंद्र शंकर एस. एसीए	1/10/2007
97	027077	श्रीमती विजयश्री सी. चारी, एसीए	1/10/1995	156	053140	श्री राजू के. हरिहराचार्य, एसीए	1/10/2006
98	027168	श्री अश्विनी नायडु जी. एसीए	1/10/2006	157	054004	श्रीमती अलमेलु बालासुब्रमण्यम, एसीए	1/10/2004
99	027342	श्री नामराजन पी. एस. एसीए	1/10/2007	158	055518	श्री लक्ष्मीनाथ जी. पी. एसीए	1/10/2006
100	027352	श्री पद्मनाभन पी. एसीए	1/10/2007	159	057594	श्री डे सुमित कान्ची, एसीए	1/10/2006
101	027397	श्री श्रीनिवास आर. ए. एसीए	1/10/2006	160	058092	श्री कुमार संतोष, एसीए	1/10/2007
102	027398	श्री मुत्ती पी. एसीए	1/10/2004	161	058836	श्री रास राजेश, एसीए	1/10/2005
103	027408	श्रीमती मल्ली अनंद एसीए	1/10/2007	162	059882	श्री लोनेन देवमुत्ता, एसीए	1/10/2006
104	027662	श्री लेश डी. एसीए	1/10/2007	163	060165	श्री प्रोफ. बाबू, एसीए	1/10/2006
105	027742	श्री चंद्रशेखर आर. एस. एसीए	1/10/2001	164	060281	श्री डे सुजीय, एसीए	1/10/2007
106	027752	श्री चंद्रमौली ए. एसीए	1/10/2006	165	060438	श्री चण्डी विवेक लक्ष्मी, एसीए	1/10/2002
107	027766	श्रीमती लक्ष्मी सुब्रमण्य, एसीए	1/10/2006	166	060469	श्री अमरेश सुन्दर, एसीए	1/10/2004
108	027824	श्री सुदर्शन ए. एसीए	1/10/2002	167	060582	श्री जयका विष्णु, एसीए	1/10/2007
109	027829	श्री कनन पी. पी. एसीए	8/12/2000	168	060632	श्री प्रो. यन्नेश, एसीए	1/10/2005
110	027875	श्री श्रीनिवास एम. एसीए	1/10/2007	169	060782	श्री खान मोहम्मद आसिफ, एसीए	1/10/2007

170	061965	श्रीमती सुर्वेका विमली, एसीए	1/10/2007	225	202237	श्री संजय आर, एसीए	1/10/2006
171	062028	श्रीमती भार्गवी रे, एसीए	1/10/2007	226	202325	श्री अने श्रीनिवास बन्नु, एसीए	1/10/1999
172	062792	श्री आनंद पी, एसीए	1/10/2007	227	202454	श्री प्रसन्ना एम पी, एसीए	8/12/2000
173	063952	श्री धर सजिक, एसीए	1/10/2007	228	202477	श्री लक्ष्मण पी, एसीए	1/10/2007
174	065555	श्री माधव मुंजु, एसीए	1/10/2007	229	202488	श्री एकदेवराय एम, एसीए	1/10/2007
175	076125	श्री श्रीनिवास श्रीराम, एसीए	1/10/2004	230	202498	श्री लीला पी, एसीए	1/10/2007
176	077603	श्रीमती पूर्णिमा एम, एसीए	1/10/2007	231	202570	श्री माधवल एम, एसीए	1/10/2007
177	082645	श्री निरुपमाई पी, एसीए	1/10/2006	232	202611	श्री आनंद के, एसीए	1/10/2002
178	083673	श्री सुब्रह्मण्यम सुरेश, एसीए	1/10/2007	233	202623	श्री सुदर्शन आर, एसीए	1/10/2001
179	084472	श्री हर्षिबन्धु कांठेलिक, एसीए	1/10/2004	234	202628	श्री जनरानी श्रीनिवास जाली, एसीए	1/10/2001
180	086532	श्री रवि राज के एस, एसीए	1/10/2007	235	202757	श्री गोपाल कृष्णन एम, एसीए	1/10/2007
181	088561	श्री लक्ष्मी नारायणन पी, एसीए	1/10/2006	236	202804	श्री मोहनराज एम पी, एसीए	1/10/2006
182	088845	श्री वेण्कटस्वम एम एम, एसीए	1/10/1993	237	202855	श्री डेविड राजन ए, एसीए	1/10/2005
183	094016	श्रीमती श्रीकृपा श्रीनिवासन, एसीए	1/10/2005	238	202924	श्री प्रसाद बीबीएसएसएसजेबी, एसीए	22/12/2003
184	095232	श्री नाथ मुनालीन, एसीए	1/10/2004	239	203001	श्री नरसिम्हबुधु रेड्डी आई, एसीए	1/10/2007
185	097136	श्री वेदी रविन्द्र सिंह, एसीए	1/10/2004	240	203082	श्री कौशु जीर्ण, एसीए	1/10/2007
186	098402	श्री जैन सोम, एसीए	1/10/2007	241	203134	श्रीमती नंदनी फराहर, एसीए	1/10/2007
187	098793	श्री इंदिरा नरसिम्हा, एसीए	1/10/2004	242	203137	श्री रघु रमन एम, एसीए	1/10/2007
188	099137	श्री वेणु नवनीत कुमार, एसीए	1/10/2007	243	203179	श्री आनंद कुमार पी, एसीए	1/10/2005
189	101964	श्री कोल्लुरी संतोष हरिनाथ, एसीए	1/10/2007	244	203180	श्री सुशील एम, एसीए	1/10/2006
190	107425	श्री श्रीराम नरसिम्हा, एसीए	1/10/2007	245	203205	श्री प्रेमचंद देवराकोन्ना, एसीए	1/10/2007
191	108195	श्री शिवार्थ जस्टिन बासकुन्ना, एसीए	1/10/2006	246	203223	श्री नारायण विश्वरूपन राव, एसीए	1/10/2007
192	111102	श्रीमती पीन पंचाली, एसीए	1/10/2006	247	203329	श्री सुब्रह्मण्यम के, एसीए	1/10/1999
193	111986	श्री सुब्रह्मण्यम सुनील मोहनराज, एसीए	1/10/2006	248	203390	श्री जालाजी ए पी, एसीए	1/10/2006
194	113508	श्रीमती वासुदेवनी पी, एसीए	1/10/2007	249	203400	श्री श्रीराम केशिदेवा, एसीए	1/10/2001
195	115664	श्रीमती सुधी जोमप्रवरा, एसीए	1/10/2007	250	203413	श्री श्रीनिवास कुमार पी, एसीए	1/10/2007
196	119375	श्रीमती वेणु केशव राव, एसीए	1/10/2007	251	203481	श्रीमती कतिनी पी, एसीए	1/10/2006
197	200087	श्री श्रीनिवास पी, एसीए	1/10/2007	252	203483	श्री जीला मित्रा जी, एसीए	1/10/2004
198	200227	श्री बालासुब्रह्मण्यम पी, एसीए	1/10/1995	253	203724	श्री प्रभोद कुमार के, एसीए	1/10/2006
199	200343	श्री गोपाल कृष्ण अक्षयपी, एसीए	1/10/2007	254	203750	श्री विवेकानंद विनीत पी, एसीए	1/10/2004
200	200356	श्री सुवर्ण पी, एसीए	1/10/2007	255	203776	श्री सुनील टी आर, एसीए	1/10/2007
201	200400	श्रीमती जीजे विमल, एसीए	1/10/2007	256	203865	श्री लीला एम, एसीए	1/10/2005
202	200439	श्री कृष्ण राव सुशील एम एम, एसीए	5/12/1994	257	203879	श्री कालिका एम, एसीए	1/10/2007
203	200493	श्री आनंद नारायणन एम, एसीए	1/10/2007	258	203971	श्री श्रीनिवास राव ए, एसीए	1/10/2004
204	200577	श्री अश्वथामा एम, एसीए	1/10/2007	259	204019	श्री लीला कृष्ण, एसीए	1/10/2002
205	200603	श्री रेणुकोषल एम, एसीए	1/10/1998	260	204028	श्री सुब्रह्मण्यम के, एसीए	1/10/2007
206	200703	श्री रंजित कनकरावु सुब्रह्मण्यम, एसीए	1/10/2002	261	204119	श्री श्रीनिवास रेड्डी ई, एसीए	1/10/2007
207	200777	श्री लोका एम, एसीए	1/10/2007	262	204158	श्री जयलक्ष्मी ए, एसीए	1/10/2004
208	200791	श्री श्रीराम पी, एसीए	1/10/2007	263	204262	श्री अजित कुमार ए, एसीए	8/12/2000
209	200799	श्री प्रभाकर के एस पी, एसीए	1/10/2007	264	204270	श्री रंजित रमन राव पी, एसीए	1/10/2002
210	200844	श्री दीपक धिलानी, एसीए	22/12/2003	265	204330	श्री सुब्रह्मण्यम के, एसीए	1/10/2005
211	201021	श्री रामचन्द्र नायर एम पी, एसीए	1/10/2007	266	204366	श्रीमती प्रमोदपी एम, एसीए	1/10/2004
212	201130	श्री सुशील एम पी एस, एसीए	1/10/2007	267	204455	श्री लक्ष्मीराम बालासुब्रह्मण्यम, एसीए	1/10/2005
213	201183	श्री लक्ष्मी कुमार के, एसीए	8/12/2000	268	204477	श्री वंशमोहन पी, एसीए	1/10/2006
214	201187	श्री विजयराव राव कोदण्ड, एसीए	1/10/2007	269	204616	श्री लक्ष्मीराम ए एस, एसीए	1/10/2006
215	201281	श्री सुरेश ए आर, एसीए	1/10/2006	270	204666	श्रीमती गोपी जे चंदर एसीए	22/12/2003
216	201348	श्री कृष्णन जी, एसीए	1/10/2007	271	204814	श्री नारी रेड्डी एम, एसीए	8/12/2000
217	201466	श्री कनन एम, एसीए	1/10/2007	272	204820	श्री हरी एम, एसीए	1/10/2007
218	201510	श्री लीला आर, एसीए	22/12/2003	273	204854	श्री सुब्रह्मण्यम पी, एसीए	1/10/2007
219	201634	श्री रेवेलीना वेण्कटस्वम राजु, एसीए	1/10/2007	274	204917	श्री वेण्कटस्वम के, एसीए	1/10/1998
220	201645	श्री मोहन कृष्णन के, एसीए	1/10/1998	275	205014	श्री श्रीनिवास राव वेण्कट, एसीए	1/10/2007
221	201686	श्री रविन्द्र भाई, एसीए	1/10/2007	276	205052	श्रीमती शशि पी, एसीए	1/10/2006
222	201831	श्री श्रीनिवास पी, एसीए	1/10/2006	277	205131	श्री राजकुमार के, एसीए	1/10/2006
223	201903	श्री चंद्रशेखर बन्नु पी, एसीए	1/10/2006	278	205184	श्री तेजस्वनी एम, एसीए	1/10/2005
224	201996	श्री सुरेश के, एसीए	1/10/1996	279	205237	श्री रवि एस, एसीए	1/10/2005
				280	205242	श्री मोहन आर, एसीए	1/10/2007
				281	205279	श्री बालासुब्रह्मण्यम पी, एसीए	1/10/2004
				282	205294	श्री रविंद्र एम पी, एसीए	1/10/2001
				283	205352	श्री विरजाम्बुनी लक्ष्मी नरसिम्हा राव, एसीए	1/10/2001
				284	205408	श्री कालिकामनायन एम, एसीए	1/10/2007

285	205476	श्री कार्तिकेयन टी. एसीए	1/10/2007	340	208005	श्री शिवरायन बी. पी. एसीए	1/10/2006
286	205504	श्री कुमारलक्ष्मिन एन. एसीए	1/10/2002	341	208015	श्रीमती रेवत कुमरिन. एसीए	1/10/2007
287	205695	श्री आता कुमार एच. पी. एसीए	1/10/2007	342	208042	श्री सत्यन के. एसीए	1/10/2004
288	205713	श्री श्रीरंग टी. एन. एसीए	1/10/2007	343	208075	श्री श्रीरंग एन. एसीए	1/10/2007
289	205721	श्रीमती सतीश अचर, एसीए	1/10/2007	344	208126	श्री जानकी लक्ष्मी कडुमा, एसीए	1/10/2007
290	205729	श्री वैकट सुधा राव जेनु, एसीए	1/10/2007	345	208249	श्री वैकर ए. एसीए	1/10/2007
291	205734	श्री राघवेंद्र के. हिमर, एसीए	1/10/2006	346	208271	श्री श्रीनिवासन गार्ड, एसीए	1/10/1999
292	205782	श्री राममहेश्वर नायडु एन. एसीए	1/10/2006	347	208296	श्री कार्तिक पी. एसीए	1/10/2007
293	205818	श्री वैकटेश्वर के. एसीए	1/10/2005	348	208312	श्रीमती अनिता जी. एसीए	1/10/2006
294	205823	श्री अरुण अग्रवाल, एसीए	1/10/2006	349	208351	श्री मोहन आर. एसीए	1/10/2001
295	205867	श्री सत्यनारायण एस. पी. एसीए	1/10/2006	350	208379	श्री सचिन के. एसीए	1/10/2007
296	205917	श्री कदवेलु सी. एस. एसीए	1/10/2007	351	208394	श्री भवनी कुमार सी. एन. एसीए	1/10/2006
297	206051	श्री राव वैद्यु. एसीए	1/10/2005		208396	श्री एटनायक प्रभात कुमार, एसीए	1/10/2004
298	206061	श्री कृष्ण एन. एसीए	1/10/2007	353	208433	श्री रवि के. एसीए	1/10/2007
299	206077	श्री सुदेश के. सी. एसीए	1/10/2007	354	208463	श्रीमती दिशावती बी. एसीए	1/10/2005
300	206096	श्री रामनाथन डी. एसीए	1/10/2006	355	208563	श्री केशव आर. एसीए	1/10/2006
301	206116	श्री अरुण सलुजा, एसीए	1/10/1998	356	208575	श्री राजा एम. पी. एसीए	1/10/2005
302	206117	श्री शेखर के. एसीए	1/10/2007	357	208637	श्री ज्योति चण्डेन्द्र एन. एसीए	1/10/2007
303	206192	श्रीमती कला सुब्रमणियम, एसीए	22/12/2003	358	208643	श्री सुदीप माधव, एसीए	1/10/2005
304	206217	श्री चक्रवर्ती रोहित, एसीए	1/10/2007	359	208696	श्री विरवनाथन के. पी. एसीए	1/10/2007
305	206332	श्रीमती मोंगुला गौत, एसीए	1/10/2004	360	208761	श्री हरीश एन. डी. एसीए	1/10/2007
306	206335	श्री रमेश बाबू एन. एसीए	1/10/2004	361	208927	श्री कार्तिक स्वामीनाथ जी. एसीए	1/10/2007
307	206356	श्रीमती मधुवी एस. एसीए	1/10/2007	362	208962	श्रीमती गण्डीया शम्भा जी. एसीए	1/10/2007
308	206366	श्री महेश्वर बी. एसीए	1/10/2005	363	208965	श्री रविशंकर ए. एन. एसीए	1/10/2007
309	206410	श्री वैकट रामन एन. एसीए	1/10/2006	364	209010	श्री आनंद आर. एसीए	22/12/2003
310	206420	श्री टी. वैद्यु. एन. एसीए	1/10/2006	365	209112	श्री संजित ए. आर. एसीए	1/10/2004
311	206444	श्री सई कुमार एसीए, एसीए	1/10/2007	366	209117	श्री सुगावर के. एसीए	1/10/2004
312	206471	श्रीमती शारदा यू. एसीए	1/10/2001	367	209136	श्री मोहन अनिवास एन. ए. एसीए	1/10/2007
313	206487	श्री स्वाकृष्णा टी. एसीए	1/10/2004	368	209197	श्री रामचंद्र गार्ड टी. बी. एसीए	1/10/2005
314	206517	श्री भुवनेश्वर एन. एसीए	1/10/2007	369	209167	श्री प्रणय एन. एसीए	1/10/2004
315	206559	श्री मदन मोहन गुप्ताजीपुरी, एसीए	1/10/2007	370	209266	श्री लक्ष्मण बी. एसीए	1/10/2007
316	206589	श्री सीबी सेबेस्टियन, एसीए	1/10/2002	371	209363	श्री प्रवीण आर. एसीए	1/10/2004
317	206662	श्री वैकट लक्ष्मी नारायण कोडा, एसीए	1/10/2007	372	209393	श्री मनोज के. कुमरिन, एसीए	1/10/2007
318	206732	श्री मिनेश मंडरी एन. एस. एसीए	1/10/2007	373	209424	श्री हरीश मोहम्मद के. ए. एसीए	1/10/2004
319	206744	श्री प्रमोद कुमार जी. एसीए	22/12/2003	374	209447	श्री आनंद तीक्ष्ण एन. एसीए	1/10/2007
320	206749	श्री श्रीनिवास लक्ष्मी मोंगुली, एसीए	1/10/2006	375	209485	श्रीमती वीजाकृष्णा एन. एसीए	1/10/2006
321	206825	श्री मनोज पी. आर. एसीए	1/10/2007	376	209542	श्रीमती श्रीमि जोसेफ, एसीए	22/12/2003
322	206898	श्री हरि नारायण एन. के. एसीए	8/12/2000	377	209595	श्री जीनेश एन. एसीए	1/10/2007
323	206981	श्रीमती सुषमि एस. एसीए	1/10/2001	378	209611	श्री मिलिगम एस. बी. एसीए	1/10/2007
324	207157	श्री वाङ्मयलक्ष्मी बी. एन. जी. वारा प्रसाद, एसीए	1/10/2004	379	209629	श्री अरुण कुमार एन. एसीए	1/10/2005
325	207158	श्री जयशंखी अण्णलक्ष्मी, एसीए	1/10/2006	380	209666	श्री बाबू सेबेस्टियन, एसीए	22/12/2003
326	207187	श्री कानन आर. बी. एसीए	1/10/2007	381	209771	श्रीमती अनिता जीनसन, एसीए	1/10/2007
327	207225	श्री कोटेश्वर एच. बी. पवार, एसीए	1/10/2007	382	209824	श्री राजेश आर. एसीए	1/10/2006
328	207250	श्री राजेश आर. एसीए	1/10/2006	383	209834	श्री वैकटेश्वर बी. एसीए	1/10/2005
329	207390	श्री रामकुमार आर. एसीए	1/10/2007	384	209844	श्री शिवकुमार बी. एसीए	1/10/2004
330	207428	श्रीमती आरती आर. एसीए	1/10/2007	385	209863	श्री दयानंद ए. एसीए	1/10/2006
331	207450	श्री आनंद सी वैकटेश्वर, एसीए	1/10/2007	386	209907	श्री मनोज आर. एसीए	1/10/2006
332	207467	श्रीमती सीता आर. एसीए	1/10/2006	387	209920	श्री शिवु रितिश गार्ड, एसीए	1/10/2007
333	207611	श्री कृष्णा ई. एसीए	1/10/2006	388	209952	श्री मधुसूदन राव पुपला, एसीए	1/10/2007
334	207642	श्री श्रीनिवास अग्रण कनूपल्ली, एसीए	1/10/2007	389	209979	श्री जेमी मैनुएल, एसीए	1/10/2007
335	207692	श्री वैकटेश्वर शारदा के. एसीए	1/10/2007	390	210084	श्री श्रीराम बी. एस. एसीए	1/10/2007
336	207760	श्री अरुण एस. आर. एसीए	1/10/2004	391	210098	श्री दामयन्त मुवर्त्त, एसीए	1/10/2007
337	207761	श्री अरुण के. एसीए	1/10/2002	392	210120	श्री वैकटेश्वर एन. एसीए	1/10/2004
338	207956	श्रीमती अरुणा एन. एसीए	1/10/2007	393	210182	श्री शाजी सी. जे. एसीए	1/10/2006
339	207977	श्री सुदेश कुमार जी. एसीए	1/10/2007	394	210200	श्री अनाम कृष्ण मोहन, एसीए	1/10/2002
				395	210296	श्री वैकटेश्वर गार्ड, एसीए	1/10/2007
				396	210310	श्री कार्तिकेय आर. एसीए	1/10/2007
				397	210359	श्री धारुदेव एस. पुलेडि, एसीए	1/10/2007
				398	210387	श्री रमेश ए. एस. एसीए	1/10/2006
				399	210421	श्री अरुण पी. एसीए	1/10/2007
				400	210555	श्री नर्मन बी. एस. एसीए	1/10/2006
				401	210595	श्रीमती रिन्नी चक्रवर्ती, एसीए	1/10/2006
				402	210638	श्री शाह प्रीनट जनक, एसीए	1/10/2007
				403	210657	श्री भाग्यलक्ष्मी के. सी. एसीए	1/10/2006

404	210698	श्री कसालीख सुनीर, एसीए	1/10/2006	464	213616	श्री सुरेश के. एसीए	1/10/2004
405	210609	श्री सोना पवन कुमार, एसीए	1/10/2004	465	213637	श्री सुदर्शन टी.ए. एसीए	1/10/2007
406	210876	श्रीमती पद्मा श्री, एसीए	1/10/2005	466	213693	श्री रामभाषन पी. एसीए	1/10/2007
407	210932	श्रीमती सुभा एम. एसीए	1/10/2006	467	213766	श्री विजय प्रताप मांडवी, एसीए	1/10/2007
408	210953	श्रीमती आशिका एडिजोबेन पंडे, एसीए	1/10/2006	468	213824	श्रीमती मंजरी हिमालिंद, एसीए	1/10/2007
409	210961	श्री जगन्नाथ प्रसाद एम. एसीए	1/10/2007	469	213886	श्रीमती माला सुजमणियन, एसीए	1/10/2005
410	211048	श्री सुहास डी. एसीए	1/10/2006	470	213897	श्री विजयस गोलम, एसीए	1/10/2004
411	211090	श्री गौनाथी सुंदरम एम. एसीए	1/10/2005	471	213970	श्री विशा शंका गंधिवन्दा, एसीए	1/10/2007
412	211097	श्री अजीतकुमार के. एसीए	1/10/2004	472	214079	श्री गिरि वी. पी. एसीए	1/10/2007
413	211135	श्री श्रीपाद अडिगा, एसीए	1/10/2005	473	214105	श्री रोहित जी. एसीए	1/10/2007
414	211165	श्री कबीर कान्तुदीन राजनी, एसीए	1/10/2006	474	214135	श्री अश्वरूप वैकण, एसीए	1/10/2007
415	211170	श्री सिद्धार्थ सिंह, एसीए	1/10/2006	475	214150	श्री सुधाकर के. एसीए	1/10/2006
416	211187	श्री अमित कुमार के. एसीए	1/10/2007	476	214163	श्री ओबुला देवकी डी. एसीए	1/10/2006
417	211353	श्री विजयस पटेल, एसीए	1/10/2006	477	214196	श्रीमती उषा देवी पी. यू. एसीए	1/10/2007
418	211426	श्री सी कवि पटवर्दी, एसीए	1/10/2006	478	214203	श्री लोकल नाथ डी. एसीए	1/10/2004
419	211492	श्री बल्लुदीन जामर, एसीए	1/10/2006	479	214267	श्री श्रीनिवास रत सुखरत्ना, एसीए	1/10/2006
420	211511	श्री राजगोपल जार, एसीए	1/10/2007	480	214377	श्रीमती जाका जाकविज, एसीए	1/10/2006
421	211618	श्री सुरेश कुमार कोमीरैशेट्टी, एसीए	1/10/2005	481	214446	श्री रविन्द्र महादेव अवादे, एसीए	1/10/2007
422	211830	श्री अणमोल नाथ, एसीए	1/10/2007	482	214449	श्री रामा कृष्णा के. एसीए	1/10/2007
423	211840	श्री विश्वनाथ एम. एसीए	1/10/2007	483	214485	श्री उमा महेश्वर लक्ष्मी, एसीए	1/10/2005
424	211847	श्री पुनीत चव्हा, एसीए	1/10/2006	484	214493	श्रीमती लक्ष्मिकुमार अंबरीश, एसीए	1/10/2007
425	211875	श्री जीए जॉन, एसीए	1/10/2007	485	214537	श्री रामाभाषन सी. एसीए	1/10/2006
426	211897	श्रीमती प्रीति सुदी, एसीए	1/10/2006	486	214556	श्री विजय कुमार अश्वरूप, एसीए	1/10/2007
427	212055	श्री लतीफ कुमार पटेल, एसीए	1/10/2007	487	214597	श्री तंजुक अरुणा कुमार, एसीए	1/10/2007
428	212131	श्रीमती ज्योत्सना विज, एसीए	1/10/2006	488	214647	श्री वीरव्हा चोपरी बंराकुडी, एसीए	1/10/2005
429	212140	श्री बंजारेसर पटवर्दी, एसीए	1/10/2005	489	214649	श्री ललीत मंडवळी, एसीए	1/10/2005
430	212220	श्री साधु लालाख, एसीए	1/10/2007	490	214859	श्री वेणु बाबू चंन्नुपति, एसीए	1/10/2006
431	212230	श्री किरीत कुमार, एसीए	1/10/2007	491	214908	श्री सोनीयापन आर एम. एसीए	1/10/2006
432	212289	श्री लक्ष्मण नाथन गली, एसीए	1/10/2005	492	214953	श्री श्रीरत्न एन डी. एसीए	1/10/2007
433	212305	श्री देवन प्रानुन, एसीए	1/10/2006	493	214988	श्री हेमन्त टी. के. एसीए	1/10/2007
434	212328	श्री लक्ष्मण अर. एसीए	1/10/2006	494	215055	श्रीमती लक्ष्मी वी. एसीए	1/10/2007
435	212407	श्री मुकेश भिलाल, एसीए	1/10/2007	495	215074	श्रीमती अनुपमा सति, एसीए	1/10/2007
436	212412	श्री आशोक गती नंद, एसीए	1/10/2007	496	215110	श्री अजित कुडेल, एसीए	1/10/2005
437	212505	श्री वैकुण्ठ के. एसीए	1/10/2006	497	215137	श्री लखन गंधिवन्दा, एसीए	1/10/2006
438	212550	श्री किशोर नायर, एसीए	1/10/2007	498	215146	श्री विरिंद के. पटेल, एसीए	1/10/2006
439	212580	श्री शिवरामका देवना, एसीए	1/10/2006	499	215253	श्रीमती विन्की चारुवती, एसीए	1/10/2006
440	212598	श्री सुरेश जी. एसीए	1/10/2006	500	215279	श्री मोहम्मद हुसैन एम. एसीए	1/10/2006
441	212618	श्री एदोनी जॉन, एसीए	1/10/2006	501	215342	श्री मोहम्मदी संतोष कुमार, एसीए	1/10/2005
442	212623	श्री श्रीनिवास गानाबंड, एसीए	1/10/2007	502	215362	श्री रमेश अश्वरूप, एसीए	1/10/2007
443	212629	श्रीमती रविना सुकेश, एसीए	1/10/2004	503	215461	श्री विजय राव अर. एसीए	1/10/2005
444	212898	श्री रंजित नरसिम्हा राव, एसीए	1/10/2004	504	215476	श्री श्रीनिवाससु वेन्नुरी, एसीए	1/10/2005
445	212710	श्री श्रीराम पी. एसीए	1/10/2007	505	215546	श्री जयमनवईराज डी. एसीए	1/10/2007
446	212818	श्री वेल्नारी विष्णुकांत, एसीए	1/10/2007	506	215578	श्री हनुमंत देवकी एम. एसीए	1/10/2007
447	212819	श्री बंजारेसर एम. एसीए	1/10/2006	507	215579	श्री भद्रसुंदर देवकी डी. एसीए	1/10/2007
448	212842	श्री नाथ गिरीश, एसीए	1/10/2007	508	215691	श्री लक्ष्मण लक्ष्मण एम. एसीए	1/10/2006
449	212845	श्री रवि प्रकाश के. एम. एसीए	1/10/2007	509	215758	श्री रमणजनेयलु बोरे, एसीए	1/10/2006
450	212885	श्री टीनी प्रसिद, एसीए	1/10/2007	510	215793	श्री संजिवन कुमार डी. एसीए	1/10/2006
451	212908	श्री श्रीकांत पी. पी. एसीए	1/10/2004	511	215989	श्रीमती छत्ता गंधारे, एसीए	1/10/2007
452	212990	श्री महेश्वर अरुण सुंदर, एसीए	1/10/2004	512	216057	श्री रवि प्रकाश प्रदी, एसीए	1/10/2007
453	213019	श्री रमेश चंद्र मारवा, एसीए	1/10/2007	513	216096	श्री लिनोय सुंदराम, एसीए	1/10/2007
454	213027	श्री रमेश गुप्ता, एसीए	1/10/2006	514	216106	श्रीमती सूर्या सुभाषी डी. एसीए	1/10/2007
455	213237	श्री सतत गौड़, एसीए	1/10/2007	515	216112	श्री सोमवंशी लखिन प्रकाश, एसीए	1/10/2006
456	213261	श्री रंजित चव्हा, एसीए	1/10/2004	516	216135	श्री जयन नाथक, एसीए	1/10/2007
457	213312	श्री जयवंतर एम. एसीए	1/10/2007	517	216174	श्री अजित कुमार सुंदर, एसीए	1/10/2007
458	213332	श्री सुधीर वी. एम. एसीए	1/10/2004	518	216197	श्री सुहासिणी एम. एम. एसीए	1/10/2007
459	213371	श्री जिलाकोटा रामाकृष्ण, एसीए	1/10/2007	519	216238	श्री श्रीनिवास राव डी. एम. एसीए	1/10/2007
460	213407	श्रीमती सुधा एम. एम. एसीए	1/10/2006	520	216281	श्री आनंद कुमार अमा, एसीए	1/10/2006
461	213523	श्री सांभाविष देवकी गुप्ता, एसीए	1/10/2004	521	216319	श्री लक्ष्मणा सुभाषिणी, एसीए	1/10/2007
462	213549	श्री मनीष जी. एसीए	1/10/2007	522	216335	श्री किरास एम. एसीए	1/10/2007
463	213560	श्री लक्ष्मण एम. एसीए	1/10/2007				

523	216416	श्री रविन्द्र नाग जे, एसीए	1/10/2007	549	217900	श्री अरविन्द टेकूरकर, एसीए	1/10/2007
524	216440	श्रीमती लोपिका जे, एसीए	1/10/2007	550	217942	श्री प्रियव्रत विश्वास, एसीए	1/10/2007
525	216462	श्री परम कुमार पांडे, एसीए	1/10/2007	551	217991	श्री मिश्रा विद्यान कुमार, एसीए	1/10/2007
526	216484	श्री रामनन्दन सी, एसीए	1/10/2007	552	218003	श्रीमती निम्नुमाल बीमल, एसीए	1/10/2007
527	216498	श्री अनूप कुमार पांडा, एसीए	1/10/2007	553	218146	श्रीमती गान्ध्या एन धामस, एसीए	1/10/2007
528	216571	श्री आनन्द कुमार, एसीए	1/10/2007	554	218201	श्री सायनाथन आर, एसीए	1/10/2007
529	216603	श्रीमती मधुशालिनी आर, एसीए	1/10/2007	555	218286	श्री नरगज्ज ई, एसीए	1/10/2007
530	216694	श्री राव सीएच वी के, एसीए	1/10/2007	556	218430	श्री नवीन कुमार आर, एसीए	1/10/2007
531	216701	श्री एलडोस के ए, एसीए	1/10/2007	557	218443	श्रीरती विद्या आर, एसीए	1/10/2007
532	216747	श्री जगन के, एसीए	1/10/2007	558	218523	श्री निरोध गंड पात्रा, एसीए	1/10/2007
533	216750	श्री प्रमोद कुमार टी, एसीए	1/10/2006	559	218552	श्री रेवाट राजेश गुप्ता	1/10/2007
534	216760	श्री लतीश कुमार के, एसीए	1/10/2007			ओन्गरला, एसीए	
535	216799	श्री राजेश देवशास्त्र, एसीए	1/10/2007	560	218609	श्रीमती उमा बी, एसीए	1/10/2007
536	216935	श्री नवीन एम, एसीए	1/10/2007	561	218687	श्री लक्ष्मी नारायणन एम, एसीए	1/10/2007
537	217305	श्रीमती शिवका मनपुरिया, एसीए	1/10/2007	562	218760	श्रीमती देवी सरोजनी के, एसीए	1/10/2007
538	217307	श्री ललन श्रीमहा धरकरन पी, एसीए	1/10/2006	563	219225	श्री भार्गव वैकटेश्वर राव, एसीए	1/10/2007
539	217334	श्री सुवीर कुमार जैन, एसीए	1/10/2007	564	219244	श्री गिरी कुमार विमल, एसीए	1/10/2007
540	217347	श्री वैकटेश्वर राव बी, एसीए	1/10/2007	565	219257	श्रीमती सुमा डी आर, एसीए	1/10/2007
541	217386	श्री शिव नारायण बी, एसीए	1/10/2007	566	400101	श्रीमती कल्याणकरम एकता, एसीए	1/10/2006
542	217415	श्रीमती किष्का बर्नोपाई पंचाल, एसीए	1/10/2007	567	400260	श्री मधु दिनेश कुमार, एसीए	1/10/2007
543	217448	श्री श्रीनिवास एम, एसीए	1/10/2007	568	400492	श्री प्रिन्टो वरुण, एसीए	1/10/2007
544	217455	श्री श्रीनिवास वी, एसीए	1/10/2007	569	404003	श्री राज अभिषेक, एसीए	1/10/2007
545	217602	श्रीमती नशिकला सी, एसीए	1/10/2007	570	503516	श्री अग्रवाल विकास, एसीए	1/10/2007
546	217608	श्री मोहन सी, एसीए	1/10/2007	571	504276	श्रीमती अरुण मेघा, एसीए	1/10/2006
547	217676	श्री अरुण बी, एसीए	1/10/2007	572	505739	श्री रमा प्रदीप एन, एसीए	1/10/2007
548	217816	श्री सुमन कुमार पी, एसीए	1/10/2007				

टी. कार्तिकेयन
सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 2010

संख्या: एन-15/13/1/7/2010-यो0 एवं वि0

कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948, (1948 का 34) की धारा-48(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 अगस्त, 2010 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा आन्ध्र प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1955 में निर्दिष्ट व्यक्तिगत हितलाभ आन्ध्र प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जाएंगे, अर्थात् :

" आन्ध्र प्रदेश राज्य के तरंगल जिले के भूपालपल्ली मण्डल के, भूपालपल्ली, जंगोडु, कासिमपल्ली, कॉपेल्ली, कुंडूरुपल्ली एवं पोल्लुरामय्यपल्ली राजस्व गाँव में स्थित सभी क्षेत्र तथा घनपूर मण्डल के चेलपूर राजस्व गाँव में स्थित सभी क्षेत्र "

(आर0 सी0 शर्मा)
निदेशक (यो. एवं. वि.)

दिनांक 29 जुलाई 2010

संख्या: एन-15/13/10/3/2008-यो0 एवं वि0

कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948, (1948 का 34) की धारा-46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 जुलाई, 2010 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा उड़ीसा कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1957 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ उड़ीसा राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जाएंगे, अर्थात् :

“ जिला संबलपुर की रेंगाली तहसील में 1. रेंगाली, 2. लापोंगा, 3. तिलेईमाल, 4. धारोपाणी, 5. बोमालोई, 6. खडियापाली, 7. देरबा, 8. पंडलोई, 9. कतरबागा, 10. भोईपाली, 11. लुधापाली, 12. जंगला, 13. थेलकोलोई, 14. धूबेन्डापाल, 15. गुरुपाली के राजस्व गांव एवं जिला झारसूगुडा की झारसूगुडा तहसील में 1. हिर्मा, 2. बड़माल, 3. श्रीपुरा, 4. सिराईपाली, 5. कुकरजंघा के राजस्व गांव ” ।

(आर0 सी0 शर्मा)
निदेशक (यो. एवं. वि.)

दिनांक 30 जुलाई 2010

संख्या: एन-15/13/1/14/2009-यो0 एवं वि0

कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948, (1948 का 34) की धारा-46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 अगस्त, 2010 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा आन्ध्र प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ आन्ध्र प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जाएंगे, अर्थात् :

“ आन्ध्र प्रदेश राज्य के मेदक जिले के शिवमपेट मण्डल के नवाबपेट एवं गोमारम राजस्व गाँव में स्थित सभी क्षेत्र । ”

(आर0 सी0 शर्मा)
निदेशक (यो. एवं. वि.)

दिनांक 30 जुलाई 2010

संख्या: एन-15/13/9/1/2004-यौ० व वि०

कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948, (1948 का 34) की धारा-46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 अगस्त, 2010 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा पश्चिम बंगाल कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1953 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ महाराष्ट्र राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जाएंगे, अर्थात् :

" जिला नागपुर के बूटीबोरी ग्राम पंचायत के महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामण्डल का औद्योगिक क्षेत्र (एम.आई.डी.सी.) व जिला व तालुका नागपुर के राजस्व ग्राम रेंगापार, बोरी तथा नागपुर जिला के हिंगणा तालुका की ग्राम पंचायत व राजस्व सीमा के ऐसे क्षेत्र जिन में इस अधिनियम के संदर्भित उपबन्ध पहले से ही लागू हैं, के साथ-साथ, गोंद तुरकमारी, सुकली, किन्ही, बीडगणेशपुर, उमरी, आमगाव, वटेघाट, टेंभरी, पोही, किरमिटी, भारकस, सालईदाभा, गंगापुर, खापा, मांडवा, टाकलघाट में आने वाले क्षेत्र ।"

(आर० सी० शर्मा)
निदेशक (यो. एवं. वि.)

संख्या: एन-15/13/1/2/2009-यौ० एवं वि०

कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948, (1948 का 34) की धारा-46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 जुलाई, 2010 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा आन्ध्र प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ आन्ध्र प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जाएंगे, अर्थात् :

" आन्ध्र प्रदेश राज्य के अदिलाबाद जिले के जयपुर मण्डल के इन्दारम् राजस्व गोंद में स्थित सभी क्षेत्र " ।

(आर० सी० शर्मा)
निदेशक (यो. एवं. वि.)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(उच्चतर शिक्षा विभाग)
ऑरोविल प्रतिष्ठान
ऑरोविल, दिनांक 16 अगस्त 2010
ऑरोविल विश्व नगर निगम विकास योजना
(परिप्रेक्ष्य 2025)

सं. AF/64-C/2010--सं.आ. यतः ऑरोविल प्रतिष्ठान अधिनियम, 1988 (1988 की सं. 54) के परिच्छेद 4 की उद्देशिका में ऑरोविल को एक अंतर्राष्ट्रीय नगर निगम के रूप में वर्णित किया गया है। विश्व भारत और भारत के बाहर के विभिन्न संगठनों से प्राप्त निधियों की सहायता एवं केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों से प्राप्त होने वाले प्रभूत अनुदानों से विकसित किया जा रहा है और यह कि संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा समय-समय पर पर्यटन संकल्पों में ऑरोविल को एक ऐसी परियोजना के रूप में समर्थित किया गया है जो अंतर्राष्ट्रीय मेल-मिलाप और विश्व में शांति के सन्धन में योगदान करती है।

2. यतः धारा 3 में साथ-साथ यह उल्लेख है कि ऑरोविल से संबंधित श्री अरविन्द गोसायटी की सारी वस्तु और अचल परिसंपत्तियाँ केन्द्रीय सरकार को अर्पित व उत्तम न्यस्त की जाती हैं और साथ ही भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) के 29.04.1992 की अधिसूचना संख्या एफ 27-15/91-यूयू के साथ पठित धारा 6(1), उक्त संपत्तियाँ 01 अप्रैल, 1992 से ऑरोविल प्रतिष्ठान में न्यस्त करती हैं।

3. चूँकि धारा 17(घ) साथ-साथ ही ऑरोविल प्रतिष्ठान के शासी बोर्ड को शक्ति देता है कि अन्य बातों के साथ-साथ ऑरोविल प्रतिष्ठान में निहित परिसंपत्तियों के प्रबंधन को वह उचित रूप से सुनिश्चित करे और धारा 17(ड.) में साथ ही उक्त शासी बोर्ड को शक्ति प्रदान की गई है कि वह ऑरोविल प्रतिष्ठान की आवासीय सभा (रेजिडेंट असेम्बली) के परामर्श से ऑरोविल नगर निगम का विकास योजना तैयार करे तथा उक्त नगर निगम का योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित करे।

4. यतः ऑरोविल यूनिवर्सल नगर निगम विकास योजना (परिप्रेक्ष्य 2025) को आवासीय सभा (रेजिडेंट असेम्बली) के परामर्श से और शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार के नगर तथा ग्राम नियोजन शगठन की सक्रिय तकनीकी सलाह से, उक्त नगर निगम के भविष्य के विकास को विनियमित करने के लिए तैयार किया गया था और जिसे ऑरोविल प्रतिष्ठान के शासी बोर्ड ने 17 तथा 18 दिसम्बर, 1999 को आयोजित अपनी 21वीं बैठक में अनुमोदन प्रदान किया था।

5. यतः उक्त लाउन्शिप के भविष्य के विकास को विनियमित करने के लिए केन्द्रीय सरकार ने, उक्त विकास योजना को भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग) के 12 अप्रैल, 2001 के पत्र सं एफ 27-3/2000 यूयू के तहत अनुमोदन प्रदान किया है।

6. अतः अब धारा 17(ड.) द्वारा इसमें निहित की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऑरोविल प्रतिष्ठान का शासी बोर्ड, केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से एतद्वारा ऑरोविल विश्व नगर निगम विकास योजना (परिप्रेक्ष्य 2025) को अधिसूचित करता है जो इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होगा।

एम. रामास्वामी
सचिव

ऑरोविल विकास योजना

1. भाग एक

भौजुदा परिदृश्य

1.1 प्रस्तावना

शहरी क्षेत्रों के लिए तैयार किया गया विकास योजना शहरी विकास की प्रक्रिया में मार्गदर्शन देने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है। अनेक वर्षों में यह देश के शहरों के संबंध में योजना निर्माण में महत्वपूर्ण दृष्टिकोण के रूप में उभरा है। इसमें संदेह नहीं कि विकास योजना की अवधारणा ने शहरों और कस्बों के विकास और वृद्धि पर स्पष्ट प्रभाव डाला है। तथापि, विकास योजना और उसकी कारगरता के मुद्दे पर शहरी विकास और गरीबी उपशमन मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में जिसमें विकास योजना की कारगरता में सुधार लाने के लिए प्रगतिशील, पारदर्शी और प्रभावी दृष्टिकोण पर चर्चा की गई। तदनुसार, शहरी विकास और गरीबी उपशमन मंत्रालय, भारत सरकार ने शहरी विकास योजना तैयार करने और कार्यान्वयन से जुड़े दिशा-निर्देशों के संबंध में इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर्स, इंडिया को अध्ययन करने (यूडीपीएफआई) का कार्य सौंपा। इन दिशा निर्देशों में एक ऐसी योजना प्रणाली की सिफारिश की गई है जिसमें परस्पर जुड़ी चार योजनाओं का सेट है जिसमें सबसे उपर परिप्रेक्ष्य योजना तथा नीचे परियोजनाओं की योजना शामिल है और जिसमें विकास योजना और वार्षिक योजना शहरी परिप्रेक्ष्य योजना के कार्यान्वयन को सुकर बनाएंगी। इन दिशा निर्देशों के अनुसार आरोविल के इस विकास योजना (परिप्रेक्ष्य : 2025) की परिकल्पना की गई है।

1.1.2 विकास योजना (परिप्रेक्ष्य:2025) में एक परिप्रेक्ष्य योजना का प्रावधान किया गया है जो प्रस्तावों के कार्यान्वयन के लिए पंचवर्षीय योजनाएं और वार्षिक योजनाएं तैयार कर मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगी। इसे तीन भागों में प्रस्तुत किया गया है। भाग एक में भौजुदा परिदृश्य का वर्णन किया गया है तथा विकास के लिए आवश्यक तत्वों का वर्णन किया गया है। भाग दो में दीर्घकालिक वृद्धि के लिए सिद्धांत और निदेश निर्धारित किए गए हैं तथा इसमें ऑरोविल को पर्यावरण के लिए अत्यधिक अनुकूल बनाने के लिए विकास प्रस्ताव दिए गए हैं। इसमें भूमि के उपयोग, आवासीय घनत्व और अवसंरचना विकास के गुणात्मक और मात्रात्मक पहलुओं की दृष्टि से प्रमुख नीतियां निर्धारित की गई हैं। भाग तीन में विकास को बढ़ावा देने वाले विनियम और विकास के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया दी गई है।



1.2 नगर निगम की शुरुआत : दृष्टि

1.2.1 वर्ष 1954 में मदर ने भविष्य निरूपण किया था कि धरती पर कोई ऐसा स्थान होना चाहिए जिसे कोई भी राष्ट्र केवल अपनी संपत्ति होने का दावा न करें। वह ऐसा स्थान हो जहां सद्भावनायुक्त और अपनी आशा के प्रति निष्ठावान लोग एक परम सत्य नामक सत्ता को मानें तथा वह स्थान शांति, मैत्री और सामंजस्य से भरपूर हो, जहां मनुष्य की संघर्ष की सभी प्रवृत्तियों का उपयोग केवल उसके दुःखों के कारणों पर विजय पाने, उसकी कमजोरी और अज्ञानता को दूर करने तथा उसकी सीमाओं तथा अक्षमताओं पर विजय पाने के लिए किया जाएगा। यह ऐसा स्थान होगा जहां आत्मा की जरूरतों और प्रगति के लिए देखभाल को इच्छाओं की संतुष्टि और आनंद प्राप्ति और भौतिक सुख पर वरीयता दी जाएगी।



1.2.2 इस स्थान पर बच्चे अपनी आत्मा से संपर्क बनाए रखते हुए बड़े होंगे तथा समेकित रूप से विकसित होंगे। यहां शिक्षा दी जाएगी परंतु उसका उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना और प्रमाण-पत्र प्राप्त करना नहीं होगा बल्कि मौजूदा संकायों को समझ करना और नए संकाय सृजित करना होगा। इस स्थान पर उपाधियों और अच्छी स्थितियों का स्थान सेवा और संगठन के अवसर लेंगे। प्रत्येक व्यक्ति के मामले में शरीर की आवश्यकताएं समान रूप से पूरी की जाएंगी। सामान्य

रूप से बौद्धिक, नैतिक और आध्यात्मिक उच्चता को न केवल जीवन के आनंद और शक्तियों की वृद्धि करने में अभिव्यक्ति मिलेगी बल्कि कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को बढ़ाने में भी अभिव्यक्ति मिलेगी।

1.2.3 सभी प्रकार का कलात्मक सौंदर्य जो चित्रकला, स्थापत्य कला, संगीत, साहित्य आदि से प्राप्त होता है, सबको उपलब्ध होगा। उनसे प्राप्त होने वाला आनंद प्राप्त करना अपनी अपनी क्षमता के अनुसार सीमित हो सकता है पर सामाजिक और वित्तीय स्थिति के कारण इस आदर्श स्थान में धन की हैसियत संप्रभु स्वामी की नहीं होगी। भौतिक समृद्धि और सामाजिक स्थिति की अपेक्षा व्यक्तिगत योग्यता को अधिक महत्व प्राप्त होगा। यहां कार्य करना केवल जीविका का साधन नहीं होगा बल्कि यह ऐसा साधन होगा जिसके जरिए पूरे समूह के लिए सेवा करते हुए अपनी क्षमताओं और संभावनाओं को विकसित किया जा सकेगा जिससे एक ओर सबके लिए जीविका प्राप्त होगी और कार्य के लिए क्षेत्र प्राप्त होगा। संक्षेप में, यह ऐसा स्थान होगा जहां मानव-मानव के बीच के संबंध, जो पूरी तरह से प्रतियोगिता और संघर्ष पर आधारित होते हैं, के स्थान पर ऐसे प्रतिस्पर्धी संबंध लेंगे जहां बेहतर कार्य और सहयोग किया जा सकेगा और सही मायने में भाईचारे की भावना विकसित होगी।

1.2.4 1960 के दशक में इस शहर को मूर्त रूप मिला जब मदर ने कहा " दुनिया में भारत वह देश है जहां सभी मानवीय कठिनाइयां हैं और उनका निदान भारत में ही होगा और इसीलिए मुझे ऑरोविल बनाना पड़ा " क्योंकि आध्यात्मिक दृष्टि से भारत दुनिया का सर्वोत्कृष्ट देश है। आध्यात्मिकता का उदाहरण प्रस्तुत करना उनका मिशन है। श्री अरविंद यह तथ्य पढ़ाने के लिए दुनिया में अवतरित हुए।

1.2.5 श्री अरविंद और मदर के कार्य और प्रेरणा के आधार पर ऑरोविल का उद्देश्य ऐसा स्थल है जो विविधता में मानव एकता की अभिव्यक्ति करता है। इस कारण यह अपने आपको मानव विकास में अगले चरण के लिए परीक्षण स्थल और प्रयोगशाला के रूप में प्रस्तुत करता है। ऑरोविल की नींव उस समय पड़ी जब मदर ने बरगद के पेड़ की पहचान शहर के भौतिक केंद्र के रूप में की। इस स्थल के पूर्व में समुद्र, उत्तर में कालूवेली टैंक पश्चिम में टिडिदनम रोड और दक्षिण में पाडिचेरी है।

1.2.6 ऑरोविल के वैश्विक नगर निगम का उद्घाटन 5000 लोगों की मौजूदगी में 28 फरवरी, 1968 को किया गया था। 124 देशों के प्रतिनिधि और भारत के सभी राज्यों ने संगमरमर जटिल

एक पात्र में अपनी मजबूती की थोड़ी सी मिट्टी ऑरोविल के मातृ मंदिर के स्थान पर रखी। इसने शहर की नींव डालने की प्रतीक रूप दिया जो मानव एकता और अंतर्राष्ट्रीय समझ के प्रति समर्पित था। मदर ने ऑरोविल चार्टर की घोषणा की।



1.2.7 ऑरोविल चार्टर (घोषणा)

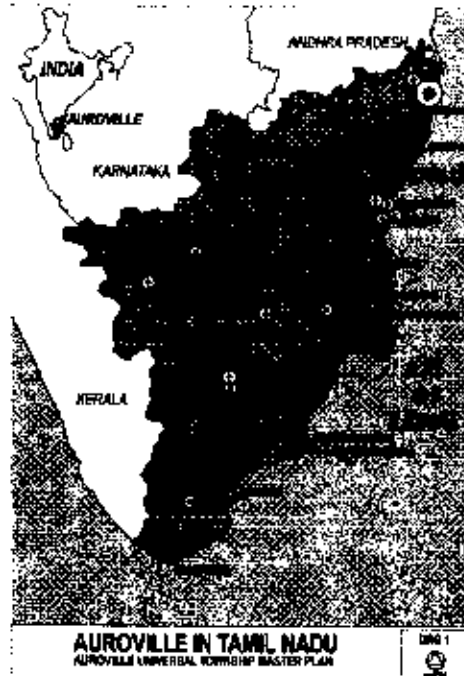
- ऑरोविल किसी व्यक्ति विशेष का नहीं है। ऑरोविल संपूर्ण मानदता का है। परंतु, ऑरोविल में निवास करने के लिए दैवी जगत्प्रकृता के प्रति इच्छुक होना पड़ेगा।
- ऑरोविल एक ऐसा स्थान होगा जहां की शिक्षा कभी समाप्त नहीं होगी, वहां निरंतर प्रगति जारी रहेगी तथा वहां का युवा कभी वृद्ध नहीं होगा।
- ऑरोविल के अतीत और भविष्य के बीच का सेतु बनना है। बाहरी और भीतरी सभी खोजों का लाभ उठाकर ऑरोविल भावी यथार्थपरकता की दिशा में निर्भयतापूर्व आगे बढ़ेगा।
- वास्तविक मानवीय एकता के सजीव स्वरूप के लिए ऑरोविल भौतिक तथा आध्यात्मिक अनुसंधान का स्थल बनेगा।

- 1.2.8 मदर की परिकल्पना थी कि ऑरोविल का विकास 20 वर्ग कि०मी० में एक नगर निगम के रूप में किया जाए जहां 50,000 लोग रह सकें। 1966, 1968, 1970 और 1983 में आयोजित यूनेस्को की आम सभा ने ऑरोविल को सर्व सम्मति से समर्थन दिया। अब यह ऑरोविल प्रतिष्ठान अधिनियम (भारत सरकार अधिनियम सं. 54, दिनांक 29 सितंबर, 1988) के तहत प्रशासित होता है जिसमें एक विकास योजना की तैयारी का प्रावधान किया गया है।
- 1.2.9 इस अधिनियम में ऑरोविल के उपक्रमों के अधिग्रहण और स्थानांतरण तथा ऐसे उपक्रमों को इस प्रयोजनार्थ स्थापित किए गए प्रतिष्ठान में लगाने का प्रावधान किया गया है ताकि ऑरोविल के मूल चार्टर के अनुसार तथा उससे जुड़े मामलों या आनुषांगिक मामलों के लिए इसके बेहतर प्रबंधन तथा और अधिक विकास के लिए दीर्घकालिक प्रबंध किए जा सकें।
- 1.2.10 कुल मिलाकर देश के लिए ऑरोविल की प्रासंगिकता यह है कि यहां परिश्रमपूर्वक और प्रतिबद्धतापूर्वक व्यक्तिगत या सामूहिक रूप में किए गए सभी अनुसंधानों का उपयोग जीवन स्तर को उठाने के लिए किया जाता है। नगर के बारे में विचार करते समय मदर ने नगर निगम की एक रूपरेखा तैयार की और इसे चार प्रमुख जोनों — आवासीय जोन, अंतर्राष्ट्रीय जोन, औद्योगिक और सांस्कृतिक जोन में विभाजित किया। मदर द्वारा स्वयं अपने हाथों से खींचा गया मूल स्केच, ऑरोविल नगर निगम के भावी विकास का आधार है।

1.3 स्थान और क्षेत्रीय स्थिति



- 1.3.1 ऑरोविल, भारत के पूर्वी तट पर चेन्नई से 160 कि०मी० दक्षिण और पांडिचेरी से मात्र 6 कि०मी० उत्तर में स्थित है। शुरु शुरु में यह स्थल एक बंजर पठार था। शुष्क खड्डों से घिरा हुआ था जहां किसी प्रकार की वनस्पति का नामोनिशान तक नहीं था जैसाकि चित्र में दर्शाया गया है। आरोविल नगर निगम पूर्व तट राजमार्ग के पास ही स्थित है जिसके कारण यहां चेन्नई और पांडिचेरी दोनों स्थानों से पहुंचना आसान हो जाता है। चित्र 2 में दर्शाई गई ऑरोविल नगर निगम की क्षेत्रीय अवस्थिति से स्पष्ट हो जाता है कि यद्यपि यह तमिलनाडु के विलुपुरम जिले का भाग है, व्यावहारिक रूप में यह पांडिचेरी से जुड़ा हुआ है।



तमिलनाडु में ऑरोविल

ऑरोविल यूनिवर्सल नगर निगम का विकास योजना

- 1.3.2 जैसा कि पहले उल्लेख किया जा चुका है, नगर निगम की चारदीवारी 2.5 कि०मी० व्यास के वृत्त के रूप में है जिसमें 20 वर्ग कि०मी० का क्षेत्र शामिल है। इसका अधिकांश भाग विल्लुपुरम जिले में पड़ता है जिसमें इरुम्बाई और बोम्मापालयम की पंचायतें आती हैं। इस भूमि का कुछ भाग पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के कोट्टाकुप्पम, रायापुदुपाक्कम, माथुर पंचायत और अलानकुप्पम में पड़ता है। यहां की जमीन आमतौर पर खेती के लिए उपयुक्त नहीं है और पूरे क्षेत्र की पहचान पिछड़े क्षेत्र के रूप में की गई थी।

पुनरुत्पादन, जल संरक्षण, भवन प्रौद्योगिकी आदि से संबंधित हो, पूरे क्षेत्र को लाभान्वित कर रहे हैं।

1.4 जलवायु और भौतिक विशेषताएं

1.4.1 ऑरोविल की जलवायु उष्ण कटिबंधी है। आमतौर पर शुष्क मौसम जनवरी से जुलाई तक सात माह रहता है। मई और जून में सबसे अधिक गर्मी पड़ती है परंतु बीच में कभी कभी बारिश होती है। मुख्य रूप से वर्षा ऋतु अक्टूबर से जनवरी तक चलती है। वर्षा में औसत बारिश 1,230 मि०मी० होती है। मौजूदा पवन दक्षिण पूर्व से बहती है।

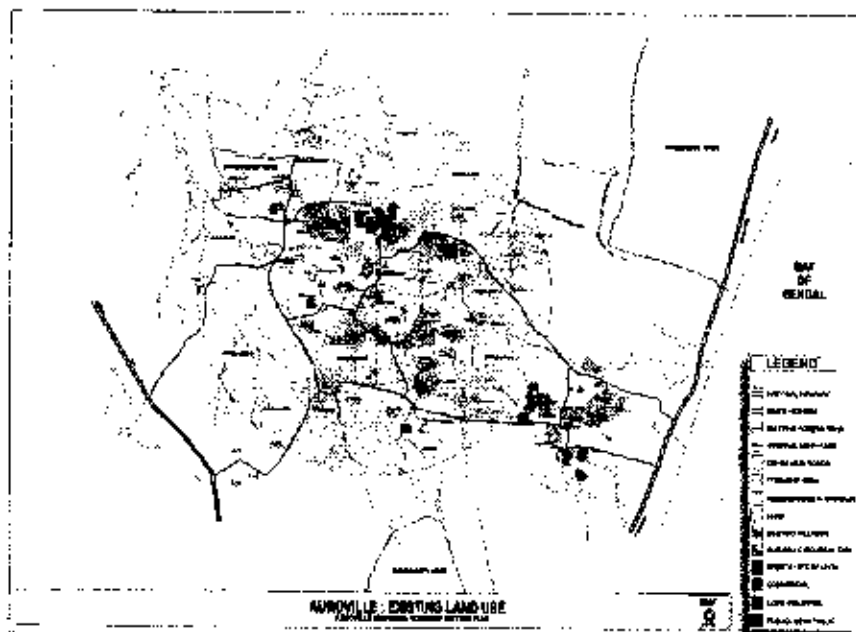


1.4.2 निर्दिष्ट आरोविल टाउनशिप क्षेत्र का केंद्रीय भाग समुद्र तल से 50 कि०मी० से भी ऊपर है। इस स्थान की ढाल केंद्र से किनारे के हिस्से की ओर है। अनियंत्रित बहाव आस-पास की जमीन के कटाव का मुख्य कारण है। गहरी खड्डें मुख्य रूप से निर्दिष्ट क्षेत्र के पूर्व और दक्षिण में स्थित हैं। नगर निगम के आस-पास कुछ जलाशय या "एरिज" हैं जिनमें इरुमबाई एरी सबसे बड़ा है।

1.4.3 चित्र 3 में दर्शाये गये क्षेत्र के भौगोलिक ढांचे से स्पष्ट है कि सबसे ऊपर की मिट्टी कटोर लैंडस्काइट है जिसके नीचे अलग-अलग गहराई पर चिकनी मिट्टी की परतें हैं। यह मिट्टी पारंपरिक तरीके से उत्खनन खेती के लिए उपयुक्त नहीं है। 1976 में जिला अधिकारी द्वारा भी यही आकलन किया गया था जिसने निष्कर्ष निकाला था कि "संपूर्ण क्षेत्र

1.5 मौजूदा भूमि का उपयोग

1.5.1 नगर निगम की स्थापना के समय से ही इस भूमि के उपयोग में काफी परिवर्तन आया है। 1968 में जो भूमि बंजर और सीमांत थी वही आज ऑरोविलवासियों के प्रयास से विकसित और उत्पादक भूमि बन गई है। नगर निगम के निर्दिष्ट 20 वर्ग कि०मी० के भूमि क्षेत्र में से लगभग 12 प्रतिशत का विकास इस समय शहरी उपयोग के लिए किया गया है तथा शेष का उपयोग कृषि, बागान तथा गैर-शहरी कार्यों के लिए किया जा रहा है। सारणी 1 में दिए गए और चित्र 4 में दर्शाए गए भूमि उपयोग से स्पष्ट होता है कि विकसित क्षेत्र का लगभग 40 प्रतिशत आवासीय क्षेत्र के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। नगर निगम में अगला महत्वपूर्ण भू-उपयोग सार्वजनिक और अर्द्ध सार्वजनिक है और यह विकसित क्षेत्र का लगभग 28 प्रतिशत है। 12 प्रतिशत क्षेत्र में वाणिज्यिक, विनिर्माण तथा अन्य आर्थिक गतिविधियां चलाई जाती हैं। लगभग 13 प्रतिशत भूमि पर सड़कें और गलियां हैं जो शहरी और गैर-शहरी दोनों जरूरतों को पूरा कर रही हैं।



सारणी 1. भौतिक भूमि उपयोग - 2007

भूमि उपयोग	सीमा (हेक्टेअर)	प्रतिशत
अ. विकसित क्षेत्र		
1. औद्योगिक	95	40.9
क) ग्रामीण परिवार	20	
ख) आर्सेनल समुदाय	75	
2. वाणिज्यिक	19	8.2
3. निवृत्त और आर्थिक निवेशक्षेत्र	11	4.8
4. सार्वजनिक और अर्द्ध सार्वजनिक उपयोग	65	28.0
रिजर्व शक्ति क्षेत्र, उद्यान और प्रशासन/संस्था		
क अंतर्गत अन्य बड़े क्षेत्र शामिल है		
5. सड़कें/मलिया	39	13.0
6. कनेक्शन (टैबल क्षेत्र)	13	5.6
उप योग	232	100.0
ब. अनिवारित क्षेत्र		
1. पुनर्स्थापित भूमि	598	34.5
2. कृषि		
क) कृषि और संबंधित अनुसंधान	51	2.9
ख) कृषि बरत	549	54.3
3. जलवायव	45	2.6
4. जलवायव और अन्य भूमि	98	5.7
जल क्षेत्र	1731	100.0
संग्रहित योग	1963	

1.5.2 आरोविल के अस्तित्व में आने के बाद वहां प्रारंभ में रहने वाले निवासियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर खड्डों के उपर नियंत्रण बांध (चेक डैम) बनाए। मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए बड़ी संख्या में बांध बनाए तथा बड़ी संख्या में वृक्षों का रोपण कर उनकी देखभाल की। पिछले 32 वर्षों में दो मिलियन से अधिक पेड़ लगाए गए हैं। इस कार्य का बहुत बड़ा भाग भारत सरकार की परियोजनाओं जैसे वेस्टलैंड रिजनरेशन, वाटरशेड मैनेजमेंट और रिफोरेस्टेशन प्रोजेक्ट्स की सहायता से किया गया। इन सबसे बंजर भूमि को उत्पादक भूमि में परिवर्तन करने तथा शहरी तथा हरित उपयोग के लिए विकासमान स्थल के रूप में परिवर्तित करने में मदद मिली है।

अ. विकसित क्षेत्र

1.5.3 आवासीय क्षेत्र में ग्रामीण बस्तियां और ऑरोविल सामुदायिक बस्तियां दोनों आती हैं।

क) **ग्रामीण बस्तियां** – आरोविल नगर निगम क्षेत्र में छह ग्रामीण बस्तियां हैं जहां के अधिकांश मकान मिट्टी और टाट से बनाए गए हैं। उनमें से अधिकांश मकानों को हाल ही में यहां के निवासियों ने अधपके और पक्के मकानों में तब्दील कर दिया है। किसी भी परंपरागत छोटी ग्रामीण बस्ती के समान यहां भी एक ही निर्मित ढांचे या अलग-अलग छोटे छोटे निर्मित आवासीय ढांचों से आर्थिक गतिविधियां भी चलाई जाती हैं।

ख) **ऑरोविल समुदाय**: वर्तमान में वहां 95 ऑरोविल आवासीय समुदाय हैं। ये समुदाय 3 से 80 आवासीय इकाइयों में फैले हुए हैं। इनके अतिरिक्त, छोटी बस्तियों के भी कुछ मकान हैं। आवासीय इकाइयों में वैयक्तिक आवास के साथ-साथ एपार्टमेंट भी शामिल हैं। इनमें एपार्टमेंट अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। विनिर्दिष्ट नगर निगम क्षेत्र से ठीक बाहर कुछ और समुदाय भी हैं जो ऑरोविल के विकास के शुरुआती दिनों में अस्तित्व में आए। ये 100 हेक्टेअर में फैले हुए हैं।

1.5.4 नगर निगम के वाणिज्यिक क्षेत्र में खुदरा सेवा जो रोजमर्रा की जरूरत की खाद्य और अन्य सामग्री उपलब्ध कराता है, सामुदायिक भोजन के साथ, अतिथि गृह तथा अपने प्रदर्शन को स्थान तथा बिक्री स्थल सहित यात्री सूचना केंद्र आते हैं जहां ऑरोविल में निर्मित पदार्थ बेचे जाते हैं।



- 1.5.5 विनिर्माण उपयोग में लगभग 100 बड़ी और छोटी विनिर्माण और संसाधन इकाइयां आती हैं जिनके उत्पादों का विपणन स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर होता है। ये इकाइयां 50–75 वर्ग मीटर के भूखंड से 5 हेक्टेअर के भूखंड तक में फैली हुई हैं।
- 1.5.6 सार्वजनिक और अर्द्ध सार्वजनिक उपयोग में स्कूल, स्वास्थ्य, सेवाएं और उपयोगिता आती हैं। शांति क्षेत्र जो सार्वजनिक और अर्द्ध सार्वजनिक उपयोग का हिस्सा है, ऑरोविल का सर्वाधिक विशिष्ट क्षेत्र है। यह ऑरोविल का केंद्र है जिसमें मातृमंदिर – ऑरोविल की आत्मा, स्थापना समारोह के अवसर पर निर्मित अर्न और एम्पीथिएटर केंद्रीय वट वृक्ष, झील तथा मातृमंदिर के चारों ओर लगाए गए उद्यान आते हैं।
- 1.5.7 प्रशासनिक और संस्थात्मक उपयोगों में मुख्य रूप से प्रशासनिक केंद्र आता है जो इंडियन नेशनल पवेलियन (भारत निवास) स्थित है।
- 1.5.8 वर्तमान में मनोरंजन मुख्य रूप से कुछ कीड़ा क्षेत्रों के रूप में है जो सेंटर फील्ड और सर्टीट्यूड प्ले एरिया जैसे आवासीय समुदायों के पास स्थित हैं।
- 1.5.9 ईस्ट कोस्ट रोड और पांडिचेरी – टिंडिविनम रोड से ऑरोविल में प्रवेश किया जाता है। तथापि, नगर निगम के भीतर ही अस्थायी पथरीली और कच्ची सड़कें हैं जिनसे ऑरोविल की बहुत सी सुविधाओं/बरतियों तक पहुंचा जा सकता है। सुनियोजित तरीके से सड़कों का निर्माण किए जाने पर इनमें से कुछ को पक्का किया जाएगा।

ब. अनिर्मित क्षेत्र

- 1.5.10 पुनरुद्धारित क्षेत्र : शुरू से ही ऑरोविल जमीन की पुनरुद्धार गतिविधि और अनुकूल तथा दीर्घकालिक आवास के सृजन में संलग्न रहा है। रोपे गए वृक्षों से कठोर भूमि में परिवर्तन आया है और पूर्वोल्लिखित कालुवेली शिद्यार की भविष्यवाणी सत्य सिद्ध हो रही है। इन पौधों से न केवल पर्यावरण में सुधार हुआ है बल्कि भूमि का कटान रोक कर भूमि को उत्पन्न कृषि योग्य बनाया गया है। इस प्रकार के पौधों में देशी और विदेशी दोनों प्रकार की प्रजातियां शामिल हैं। इनमें से कुछ क्षेत्रों में लगभग विलुप्त हो चुकी स्वदेशी वृक्षों की प्रजातियां जो मंदिर के आस-पास पाई जाती हैं का, पुनः रोपण किया गया है।
- 1.5.11 कृषि और संबंधित उपयोगों में शामिल है — ऑरोविलवासियों द्वारा निवासियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए या कृषि की पद्धतियों में सुधार लाने हेतु खेती के पैटर्न के विविधीकरण के लिए अनुसंधान हेतु भूमि का उपयोग आरो-आर्चर्ड और पिचान्दीकुलम जड़ी बुटी औषधि केन्द्र कुछ विशिष्ट उदाहरण हैं। अधिकांश मामलों में उत्पादन और अनुसंधान साथ साथ चलते हैं। इनमें से अधिकांश कार्बनिक (जैव) खेती की पद्धतियों पर आधारित है।
- 1.5.12 कृषि में ऐसी जमीन शामिल है जिसका उपयोग आमतौर पर ग्रामीण धान, कैंसुरीना या काजू सहित अन्य फसलें उगाने के लिए किया जाता है।
- 1.5.13 जलाशय: कुल मिलाकर पांच "एरिज" है जिनमें से इरुमबाइ एरी और अलंकुप्पम एरी का आकार काफी बड़ा है। ये मौसमी जलाशय हैं जिनसे कुछ सीमा तक जमीन की सिंचाई विशेषकर बरसात के बाद सिंचाई करने में मदद मिलती है।



1.5.14 खड्ड तथा अन्य परती भूमि: आरोविल की स्थलाकृति में और उसके आस-पास खड्ड इसकी खास विशेषता है। ये खड्डें जमीन की कटान के कारण बने हैं। इनमें से कुछ खड्डें 2.5 मीटर लंबी, 20-30 मीटर चौड़ी और 2.5 गहरी हैं। बड़ी खड्डें पूर्व और दक्षिण में निर्दिष्ट नगर निगम क्षेत्र से बाहर हैं। समस्या के इन क्षेत्रों का प्रयोग जल प्रबंधन, भूमि के पुनरुद्धार, कृषि और पेय जल की आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त कुछ हिस्से पोशम्बोक (सरकारी जमीन) और अन्य प्रकार की जमीन के हैं जिन्हें बजर माना जाता है।

1.5.15 उभरते भूमि उपयोग ढांचे पर विचार करने पर संपूर्ण आरोविल नगर निगम पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय दृष्टि से संवेदनशील है। नियंत्रण बांधों, पुनरुद्धारित भूमि और रोपण के तहत आने वाले क्षेत्र दीर्घकालिक रूप में नगर निगम को विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण पर्यावरणीय स्रोत हैं। इससे, पुनरुद्धारित प्राकृतिक पर्यावरण में सन्निहित मानव आवास के सुनियोजित विकास का संकेत मिलता है।

1.6 जनसांख्यिकीय विशेषताएं

1.6.1 विश्व नगर निगम के रूप में शहर की परिकल्पना का उद्देश्य आध्यात्मिक और भौतिक संसाधनों का विकास करना था। केवल वही लोग इसका भागरिक्त बनने के लिए आकर्षित होते हैं जो "दैवी जागरूकता का सर्विटर" बनने की इच्छा रखते हैं। इसलिए वृद्धि की सामान्य जनसांख्यिकीय प्रक्रिया आरोविल पर लागू नहीं होती। इसी पृष्ठभूमि में नगर निगम की जनसांख्यिकीय विशेषता को देखा जाना चाहिए।

1.6.2 आरोविल की मौजूदा जनसंख्या में निम्नलिखित शामिल हैं :

- निवासी आरोविलवासी
- अनुसंधानकर्ता और छात्र जो सीखने तथा विकास के प्रयासों में योगदान करने के लिए अल्प अवधि के लिए आते हैं।
- आरोविल की आर्थिक और सेवा गतिविधियों में काम कर रहे आस-पास के गांवों के दिन में काम करने वाले लोग।
- विविध क्षेत्रों से आरोविल के कार्य का अनुभव देखने के लिए थोड़े समय के लिए कभी कभी आने वाले आगंतुक।

नीचे अंतिम दो श्रेणियों में सूचीबद्ध जनसंख्या टाउनशिप की फ्लोटिंग जनसंख्या की श्रेणी में आती है।

1.6.3 ऑरोविल की जनसंख्या जिसमें ऑरोविल के निवासी शामिल हैं, 1972 में 320 से बढ़कर 1980 में 676 हो गई। वर्तमान में यह 2095 है। इससे स्पष्ट है कि पिछले 40 वर्ष में पांच गुना वृद्धि हुई है।

1.6.4 निवासी ऑरोविलवासी: वर्तमान में भिन्न भिन्न राष्ट्रों के 2095 ऑरोविलवासी हैं जिनमें भारतीयों की संख्या अच्छी खासी है। सारणी 2 में आरोविल की जनसंख्या में राष्ट्रीयता को दर्शाने वाला विवरण है। अब तक जनसंख्या की वृद्धि की गति धीमी रही है। तथापि, यह देखा जा सकता है कि चूंकि बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं और विकासात्मक गतिविधियों में तेजी आ रही है, इसलिए आगामी वर्षों में विभिन्न देशों के लोग आरोविल की ओर आकर्षित होंगे। इस संदर्भ में यह उल्लेख भी किया जा सकता है कि अलग अलग देशों में अनेक केंद्र स्थापित किए गए हैं और उसी प्रकार के केंद्र भारत के भिन्न भिन्न राज्यों में स्थापित करने का प्रस्ताव है। ये केंद्र आरोविल के बारे में सूचनाएं प्रसारित कर जागरूकता बढ़ाएंगे और आरोविल की वर्तमान गतिविधियों के विस्तार के लिए बड़ी संख्या में विशेषज्ञों को आकर्षित करेंगे।

सारणी - 2

क. सं.	देश	राष्ट्रीयता	संख्या	क. सं.	देश	राष्ट्रीयता	संख्या
1	अल्जीरिया	अल्जीरियन	1	23	इजराइल	इजरायली	24
2	यूएसए	अमेरिकन	73	24	इटली	इटालियन	103
3	अर्जेंटीना	अर्जेंटीनियन	7	25	जपान	जेपनीज	4
4	ऑस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलियन	12	26	कजाकिस्तान	कजाख	1
5	ऑस्ट्रिया	ऑस्ट्रियन	7	27	कोरिया	कोरियन	27
6	बेल्जियम	बेल्जियन	19	28	लाटविया	लाटवियन	2
7	बेलारूस	बेलारूसियन	3	29	ल्युथोनिया	ल्युथोनियन	1
8	ब्राजील	ब्राजीलियन	3	30	मोलडोवा	मोलडोवीयन	1
9	इंग्लैंड	ब्रिटिश	47	31	नेपाल	नेपाली	4
10	बुल्गारिया	बुल्गारियन	2	32	न्यूजीलैंड	न्यूजीलैंडर	1
11	कनाडा	कनाडियन	24	33	नावे	नावेजियन	1
12	चीन	चीनी	1	34	रूस	रूसी	51
13	कोलम्बो	कोलंबियन	1	35	स्लोवेन	स्लोवेनी	5
14	डेनमार्क	डेनीश	3	36	दक्षिण अफ्रीका	दक्षिण आफ्रीकी	6
15	हॉलैंड	डच	78	37	स्पेन	स्पैनिश	34
16	इथोपिया	इथोपियन	2	38	श्रीलंका	श्रीलंकन	4
17	फ्रांस	फ्रेंच	309	39	स्वीडन	स्वीडीश	18
18	जर्मन	जर्मन	231	40	स्वीट्जरलैंड	स्वीस	54
19	हंगरी	हंगरीयन	6	41	थाइलैंड	थाई	1
20	आइसलैंड	आइसलैंडिस	2	42	तिब्बत	तिब्बती	6
21	भारत	भारतीय	897	43	यूक्रेन	यूक्रेनियन	15
22	आयरलैंड	आयरिश	2			कुल	2095

1.6.5 छात्र और अनुसंधानकर्ता: किसी भी समय ऑरोविल में 100 छात्र या अनुसंधानकर्ता मिल जाएंगे। जैसे जैसे ऑरोविल का विकास होगा छात्रों और अनुसंधानकर्ताओं की संख्या भी बढ़ेगी। ये छात्र पूरी दुनिया से आते हैं और समर्पित युवा होते हैं जो ज्ञान प्राप्त कर अपनी रुचि के क्षेत्र में उसका इस्तेमाल करना चाहते हैं। उनकी रुचि कला, स्थापत्य से लेकर विभिन्न अन्य विषयों और उनके दीर्घकालिक विकास में होती है। अनुसंधानकर्ताओं की अनुमानित संख्या प्रतिवर्ष 1,200 है।

1.6.6 दिवस-कार्यकर्ता: ऑरोविल, आस-पास रहने वाले 5,000 लोगों को अपनी विनिर्माण इकाइयों और सेवाओं में काम करने का अवसर प्रदान करता है। इन कामगारों के मकान आस-पास के गांवों में होते हैं और इसलिए ये शाम को अपने घर लौट जाते हैं। विनिर्माण और सेवा इकाइयों में संलग्न दिवस कार्यकर्ताओं का ब्यौरा सारणी 3 में दिया गया है। विनिर्माण और सेवा इकाइयों में लगभग 48 प्रतिशत दिन में काम करने वाली कामगार महिलाएं हैं जो इस बात की सूचक है कि कार्य बल में महिलाओं की सहभागिता अधिक है।

सारणी 3: दिवस कार्यकर्ता

श्रेणी	पुरुष	%	महिला	%	कुल	%
विनिर्माण	1550	59.6	1375	57.3	2925	58.5
सेवाएं	1050	40.4	1025	42.7	2075	41.5
कुल	2600	100	2400	100	5000	100

1.6.7 आकस्मिक आगंतुक: मातृमंदिर, बाहरी आगंतुकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है और औसतन 1,000 व्यक्ति प्रतिदिन यहां आते हैं। रविवार और छुट्टी के दिन विशेष दिन होते हैं जब आगंतुकों की संख्या 2000 तक पहुंच जाती है। उनके उपयोग के लिए वाहनों की वाहन स्थल और सूचना केंद्र जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ऐसे आगंतुकों के अतिरिक्त ऑरोविल की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में छात्र और पेशेवर लोग यहां आते हैं। ऐसे प्रयोजन के लिए किसी भी समय औसतन 50 से 75 व्यक्ति आते हैं और भविष्य में इसमें निश्चित रूप से वृद्धि होनी है। आगंतुकों के लिए अतिथिगृह की सुविधाएं उपलब्ध हैं। लगभग 2.5 लाख आकस्मिक आगंतुक यहां प्रतिवर्ष आते हैं।

1.6.8 निवासी ऑरोविलवासियों की आयु और लिंग के संघटन से ज्ञात होता है कि लगभग 70 प्रतिशत निवासी आरोविलवासी सक्रिय आयु वर्ग में हैं। लगभग 20 प्रतिशत जनसंख्या स्कूल जाने वाले बच्चों की है। हालांकि 06 प्रतिशत निवासी 60 वर्ष से उपर आयु के हैं, फिर भी उन्हें अपने

अपने क्षेत्र में सक्रिय कार्यकर्ता माना जाता है। महिला और पुरुष का अनुपात 881:1000 है परंतु यह अनुपात समय समय पर बदलता रहता है। सारणी 4 में ओरोविल वासियों की आयु का विवरण दिया गया है।

सारणी 4: ओरोविलवासियों की आयु संबंधी विवरण - 2009

आयु वर्ग	व्यक्तियों की संख्या	%
0-14	298	19.62
15-19	99	6.52
20-24	91	5.99
25-29	131	8.62
30-39	278	18.30
40-49	308	20.28
50-59	228	15.01
60+	86	5.66

1.6.9 व्यावसायिक ढांचे के संबंध में विशिष्ट आंकड़ों के अभाव में टाउनशिप में विस्तृत रोजगार नमूना के संबंध में विवरण देना संभव नहीं है। तथापि, अधिकांश ओरोविल निवासी कृषि सेवा, व्यावसायिक कौशल और उद्यमी गतिविधियों में संलग्न है जैसाकि सारणी 5 में दिया गया है।

सारणी 5: ओरोविल - सेक्टरवार रोजगार

मुख्य सेक्टर	इकाइयों की संख्या	ओरोविलवासी	दिवस-कामगार
विनिर्माण	35	200	2925
सेवाएं	120	520	1775
ग्रामीण और कृषि से संबंधित	10	130	300

1.7 नगर निगम की अर्थव्यवस्था

- 1.7.1 ऑरोविल की नगर निगम की वर्तमान अर्थव्यवस्था विनिर्माण इकाइयों और सेवाओं पर आधारित है। हालांकि वाणिज्यिक और परिवहन क्षेत्र में रोजगार नाम मात्र का है, इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। तथापि, कृषि जिसमें सहायक भूमि उत्पादन प्रयास शामिल है, ऑरोविल की अर्थ व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण सेक्टर है।
- 1.7.2 वर्तमान में ऑरोविल में 228 से अधिक लघु और मध्यम विनिर्माण इकाइयां कार्यशील हैं। विनिर्मित उत्पादों में कम्प्यूटर साफ्टवेयर इलेक्ट्रॉनिक और इंजीनियरिंग प्रोडक्ट, अल्टरनेट तथा एप्रोपिएट प्रौद्योगिकियों में प्रयुक्त होने वाले पिंड मिल, सौर लालटेन और हीटर और बायोगैस सिस्टम जैसे उपकरण शामिल हैं।
- 1.7.3 सेवा सेक्टर में निर्माण और वास्तुशिल्पीय सेवाएं नवीकरणीय ऊर्जा और समुचित भवन सामग्री जैसे कार्यकुशल संसाधन प्रबंधन और दीर्घकालिक से जुड़े विभिन्न सेक्टरों में अनुसंधान और प्रशिक्षण।
- 1.7.4 कृषि क्षेत्र से जुड़े लोग खाद्य उत्पादन विशेषकर फल और सब्जियां, दुग्ध उत्पादन तथा संबंधित अनुसंधान और प्रशिक्षण तथा जैव कृषि, मृदा संरक्षण और जल प्रबंधन में संलग्न हैं।
- 1.7.5 ऑरोविल की आर्थिक गतिविधियां, अनुसंधान और प्रशिक्षण का मिश्रण है जिनमें प्रौद्योगिकीय, सामाजिक और पारिस्थितिकीय क्षेत्रों की परंपरागत और उच्च स्तर का शिक्षण शामिल होता है। ऑरोविल में शुरू की गई महत्वपूर्ण अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियां सारणी 6 में दी गई हैं।

सारणी 6: अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थाएँ और उनकी गतिविधियाँ

	परियोजना/संस्थाएँ	सेक्टर/ गतिविधियाँ
1	अन्नदाना	दक्षिण एशियाई नेटवर्क भारत और दक्षिण एशिया में आनुवांशिक संसाधनों की सुरक्षा
2	ओरेका	प्वन चक्की तथा घाटवीय उत्पादों का अनुसंधान और विनिर्माण
3	ऑरोविल अभिलेखागार	ऑरोविल से जुड़े अभिलेखों का संकलन और भंडारण
4	ऑरोविल का भविष्य	समेकित शहरी आयोजना और नगर का जालीकरण
5	शारीरिक शिक्षा विकास केंद्र	ऑरोविल के युवकों तथा आसपास के ग्रामीणों की शारीरिक शिक्षा और गौवोन्मुख कार्यक्रम
6	वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र सीएसआर-मुख्य	प्रशिक्षित प्रबंधन तथा नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रशिक्षण केंद्र
	सीएसआर बायोगैस	गोबर प्रौद्योगिकी के संबंध में अनुसंधान विकास और विनिर्माण
	सीएसआर जल और सफाई	गंदेपानी की सफाई की प्रणाली पर रख-रखाव का कम खर्च/रूट जोन उपचार केंद्र
	एवीबीसी-फेरोसीमेंट	फेरो सीमेंट प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और प्रशिक्षण
	एवीबीसी-पृथ्वी निर्माण	पृथ्वी निर्माण में अनुसंधान और प्रशिक्षण तथा "ओरम" उपस्कर का विनिर्माण
	एवीबीसी-स्थापत्य सिनर्जी	भवनों की अभिनव डिजाइन और निर्माण
	सिनर्जी	दल बनाना, परियोजना तैयार करना और जैव क्षेत्रीय गतिविधियों में प्रशिक्षण, मल्टीमीडिया साफ्टवेयर पैकेज का विकास
7	भारतीय संस्कृति में भारतीय अध्ययन और अनुसंधान	भारतीय संस्कृति के संबंध में पुस्तकालय और संसाधन केंद्र
8	संस्कृति हाल	भारतीय कला और संस्कृति संबंधी गतिविधियाँ
9	संरक्षण	जल संरक्षण, मछली पालन, जैव कृषि और पर्यावरणात्मक अध्ययन भूमिगत जल का अध्ययन और पर्यावरणात्मक मानीटरिंग
10	कला मित्र	कलाकारों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, भारतीय और पश्चिमी दोनों प्रकार के नृत्य, प्रदर्शनियों समारोहों रंगमंच आदि को प्रोत्साहन
11	पंखिया खजूर	बेकार की और खराब जमीन में सुधार, जलाशय पुनर्वास और मृदा संरक्षण, वनरोपण, प्रलेखन और प्रशिक्षण
12	पिंचान्दिकुलम जैव संसाधन केंद्र	औषधीय शाक और पौधे पेड़ों की वाटिका
13	श्री अरविंद अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान केंद्र (एसएआईआईईआर)	दार्शनिक, शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक आयामों को शामिल करते हुए समेकित शिक्षा में अनुसंधान/ अनुसंधान के भाग के रूप में यह नई पठन पाठन सामग्री के सृजन और प्रोत्साहन को प्रोत्साहित करता है

1.8. आवास

1.8.1 ऑरोविल के वर्तमान आवास में वैयक्तिक आवास, सामुदायिक आवास, एपार्टमेंट और युवाओं के छात्रावास शामिल हैं। सामुदायिक आवास में वैयक्तिक और पारिवारिक आवास उपलब्ध कराए जाते हैं जिनमें रसोईघर तथा अन्य सुविधाएँ सामान्य होती हैं। औसत परिवार का आकार दो व्यक्तियों का होता है परंतु वास्तव में एक व्यक्ति वाले परिवार भी काफी संख्या में हैं। वर्तमान में अलग-अलग आकार की 800 आवास इकाइयाँ हैं। निर्माण सामग्री पर आधारित घरों के प्रकार से स्पष्ट होता है कि अधिकांश घरों में स्थानीय सामग्री तथा स्थानीय तौर पर बनाई गई फेरो सीमेंट छत और पैनल इस्तेमाल किए गए हैं। आवास संबंधी विशेषताएँ सारणी 7 में दर्शाई गई हैं।

सारणी 7: आवास संबंधी विशेषताएँ

आवास निर्माण				
सामग्री	यूनिट का क्षेत्र $\frac{1}{4}$ वर्ग मी $0\frac{1}{2}$			
	30-70	80-150	160 और ऊपर	
स्थानीय सामग्री	111	59	31	201
फेरो सीमेंट	122	165	69	356
टाइल्स	56	70	20	146
कंकरीट	11	27	26	64
सभी प्रकार	300	321	146	767

1.8.2 चूँकि ऑरोविल में उचित निर्माण सामग्री के संबंध में प्रयोग चल रहा है इसलिए दीवारों में कच्ची ईंटें, स्थिर मिट्टी के ब्लॉक, कूटी गई मिट्टी तथा पक्की ईंटें भी लगी हैं। ऑरोविल में (फायर ब्रिक हाउस) तकनीक का प्रयोग भी किया गया है जिसमें पूरा ढाँचा मिट्टी से बनाकर उसमें भट्टे के समान आग लगा दी जाती है जिससे बिल्कुल नए प्रकार का निर्मित मकान सामने आ जाता है। यहाँ के स्थापत्य से अभिनव डिजाइन और वैकल्पिक भवन सामग्री का संकेत मिलता है। ऑरोविल में निर्माण प्रौद्योगिकी में किए गए प्रयोगों का डिजाइन और सामग्री पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा और ऊर्जा की खपत में कमी आएगी तथा पारिस्थितिकी अनुकूल अपनाए जाएंगे।

1.9 भौतिक और सामाजिक अवसंरचना

1.9.1 रास्ता जालीकरण ऑरोविल रोड नेटवर्क में पहुँच मार्ग आते हैं जिन पर कोलतार तो बिछा है पर सँकरे हैं और उनका रख-रखाव ठीक नहीं है। ये पूर्वोत्तर रोड और टिंडिवनन-पांडिचेरी को ग्रामीण बस्तियों, अंदरूनी कंकरीले रास्तों, पैदल रास्ता और सड़कों से जोड़ते हैं। अधिकांश अंदरूनी सड़कें अस्थायी प्रकृति की हैं जिनसे आवासीय समुदायों और जनसुविधाओं तक पहुँचा जाता है। कंकरीले मार्गों की चौड़ाई 10 मी० है। विनिर्दिष्ट टाउनशिप क्षेत्र में सड़कों की कुल लंबाई 23.7 किमी० है। मौजूदा भूमि प्रयोग मानचित्र (चित्र 4) में दिए गए प्रमुख पहुँच मार्ग और आंतरिक संपर्क मार्ग से स्पष्ट होता है कि इस क्षेत्र में सड़कों का अच्छा जालीकरण है। मौजूदा रोड नमूना में नगर निगम के चारों ओर एक सर्कुलर रोड और दूसरी सेमी-सर्कुलर रोड है जो नगर निगम के विनिर्दिष्ट क्षेत्र की चारदीवारों के पास से गुजरती है। आंतरिक और बाहरी दोनों सड़कों को त्रिज्या (रेडियल) के आकार की सड़कों ने जोड़ रखा है। आंतरिक और सर्कुलर सड़कों को जानबूझ कर कंकरीला रखा गया है ताकि जल रिस कर एक्वीफर को भर सके। सिद्धांत रूप में इन्हें पैदल चलने के लिए बनाया गया है परंतु धीमी गति के वाहनों जैसे साइकिल और स्कूटरों की संख्या धीरे-धीरे लगातार बढ़ रही है। मातृमंदिर में आने वाले पर्यटकों और आगंतुकों की संख्या में वृद्धि होने के कारण मोटर से चलने वाले वाहनों जैसे गाड़ी और बसों की संख्या खासकर छुट्टी के दिनों और सप्ताह के अंत में बढ़ जाती है। टाउनशिप के पूर्वी भाग में बाहरी गोलाई रास्ता में लिंक न होने के अतिरिक्त नगर निगम रोड नेटवर्क में फर्नीचर, चिन्हों और संकेतों का अभाव है। पूर्वी तट की सड़क और टिंडिवनन-पांडिचेरी सड़क दोनों को जोड़ने वाले प्रमुख संपर्कों तथा आंतरिक सड़कों एवं पहुँच मार्गों की ज्यामिति में सुधार किया जाना अपेक्षित है।

1.9.2 जलापूर्ति : पीने और सिंचाई दोनों कार्यों के लिए पूरी जलापूर्ति भूमिगत संसाधनों पर आधारित है। पिछले 40 वर्षों में अनेक गहरे कुएँ खोदे गए हैं और आज इनकी संख्या 130 से अधिक हैं। इनमें से 80 कुओं से पर्याप्त जल प्राप्त हो रहा है। वे सब मिल कर प्रतिदिन औसत 3800 क्यू एम की आपूर्ति कर सकते हैं जो 1.4 मिलियन क्यूएम वार्षिक होता है। तथापि ऑरोविल ऐसे जिले में स्थित है जहाँ के भूमिगत जल की स्थिति (नाजुक) कही जा सकती है क्योंकि 90 प्रतिवर्ष पुनः भराई (रिचार्ज) क्षमता का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि न केवल पुनः भराई की क्षमता बढ़ाई जाए बल्कि जल का संरक्षण और पुनः प्रयोग किया जाए

। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए ऑरोविल गहन जल प्रबंधन अनुसंधान और अनुप्रयोग में संलग्न है।

1.9.3 घरेलू औद्योगिक और बागवानी के लिए प्रतिदिन 4.5 मिलियन पेय जल का प्रयोग आवश्यकता से अधिक माना जाता है और ऐसे उपाय किए जा रहे हैं जिनसे इसे कम करके शहरों के उचित मानकों तक लाया जाए। वितरण प्रणाली में विकेन्द्रीकृत पंपिंग इकाइयाँ और भंडारण जलकुंड शामिल हैं जिनकी संख्या लगभग 60 है। भंडारण रिजर्वायरों में एक बड़े उपरी रिजर्वायर की धारिता 1.5 लाख लीटर है और 8 मध्यम आकार के छोटे स्तर के कुंड में 10,000 लीटर से 40,000 लीटर तक की धारिता है। मौजूदा पंपिंग क्षमता भावी जनसंख्या की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। तथापि, ऊर्जा और जल की खपत के प्रयोग में कृपायत के लिए उचित जल संरक्षण आवश्यक है। इस समय वर्षा का जल सड़कों से बह जाता है और खड़जा मार्ग पानी में डूब जाता है जहाँ बांध प्रणाली से भूमिगत जल बढ़ाने में मदद मिलती है

1.9.4 दूषित जल और सफाई : सभी आवासीय इकाइयों की दूषित जल निपटान की अपनी प्रणाली है। यहाँ लगी 20 सामुदायिक स्तर की उपचार सुविधाएं (आवासीय तथा औद्योगिक एवं वाणिज्यिक इकाइयों के लिए) हैं जिनमें दूषित पानी इमहाफ टैंक, बैफ़ल रिएक्टर और रूट जोन और लैगूनिंग सिस्टम है। बादवाले 22 प्रायोजिक स्वरूप के हैं और पर्यावरण को गंदा करने वाले जल को बाहर करने की कारगरता का परीक्षण करते हैं।

1.9.5 ठोस गंदगी के निपटान, का प्रबंधन इको सर्विस द्वारा किया जाता है, जिसे 1995 में शुरू किया गया था। अनुमान है कि प्रति सप्ताह 3500 किलोग्राम गंदगी एकत्र होती है। इसमें से लगभग 2000 किग्रा अग्रेनिक है और आमतौर पर इसे स्थल पर कंपोस्ट खाद बना दिया जाता है। लगभग 1000 किग्रा को पुर्नउपयोग किया जाता है और शेष 500 किग्रा को स्वास्थ्य केन्द्र में 800 सेल्सियस तापमान पर भस्म कर दिया जाता है 400 से 500 किलो तक रिसाइकिल न होने वाली गंदगी जैसे रबड़ के सामानों, थर्मोकोल, फाइबर ग्लास और पेट और स्टोरेज बैटरी का भंडारण अस्थायी स्टोरेज फैसिलिटी में किया जाता है जब तक स्वीकार्य निपटान समाधान प्राप्त नहीं हो जाता। इस पर ही गंदगी को अलग कर लेने की पद्धति की शुरुआत किए जाने के कारण यह गंदगी निपटान प्रबंधन संभव हो सका है।

1.9.6 ऊर्जा : ऑरोविल में प्रतिवर्ष 1.75 मिलियन किलोवाट बिजली की खपत होती है जिसकी आपूर्ति तिरुचित्राबलम स्थित टीएनईबी फीडर स्टेशन से की जाती है। कुल कनेक्टेड लोड 3.17 मेगावाट है जिसमें से 1.5 मेगावाट घरेलू प्रयोजन के लिए है और शेष औद्योगिक और वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए है।

1.9.7 लगभग 150 घरों में ऊर्जा की आवश्यकता पूरा करने के लिए सौर पीवी बिजली और हीटर उपयोग में लाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 140 वाटर पंपिंग सिस्टम और हवा से चलने वाले 30 पंप हैं। 800 उपभोक्ता कनेक्शनों को विद्युत वितरण 41 वितरण ट्रांसफार्मरों और जमीन के नीचे 30 कि०मी० तक बिछाए गए तारों द्वारा किया जाता है।



1.9.8 दूरसंचार और संचार साधन : नगर निगम की आवश्यकता की पूर्ति एक दूरभाष केंद्र द्वारा की जाती है, जिसकी 1000 लाईनें हैं, और जिनका पूरा-पूरा उपयोग किया जाता है। भारत निवास में एक छोटा डाक घर भी है जो पूरी तरह से ऑरोविल क्षेत्र के लिए काम करता है। ऑरोविल के ईमेल और इलेक्ट्रॉनिक बुलेटिन बोर्ड नेटवर्क के ऑरोविल में और बाहर 1050 प्रयोगकर्ता हैं। नगर निगम की अपनी स्वयं की आंतरिक बटवारा सेवा है और साप्ताहिक ऑरोविल समाचार से सभी निवासियों को ऑरोविल की घटनाओं के बारे में जानकारी मिलती है।

1.9.9 ऑरोविल, आंतरिक और बाहरी परिचालन के लिए नियमित रूप से दो मासिक पत्रिका, अंग्रेजी में और एक तमिल में प्रकाशित करता है। अंग्रेजी भाषा का एक मासिक पत्रिका, "ऑरोविल टुडे" और मासिक है और दूसरा "ऑरोविल आऊटरिच" त्रैमासिक है। "कालीवेली निलम" तमिल

भाषा में निकाला जाता है। ऑरोविल, संस्थापित मुद्रण और मल्टी मीडिया संसाधन इकाइयों द्वारा अपनी सूचनाओं को हैंडिल करने और फैलाने में सक्षम है।

1.9.10 शमशान भूमि और कब्रिस्तान — वर्तमान ऑरोविल में एक कब्रिस्तान है जिसका इस्तेमाल ग्राभीण जन करते हैं। ऑरोविल वासियों के लिए कोई नियमित कब्रिस्तान या शमशान नहीं है परंतु इस प्रयोजनार्थ एक स्थल हरित पट्टी (ग्रीन बैल्ट) के दक्षिण में एडवेंचर कम्युनिटी के पास चुना गया है।

1.9.11 शिक्षण : ऑरोविल का शैक्षिक अनुसंधान बच्चों की क्षमता को उच्चतम संभव स्तर तक पहुँचाना चाहता है और यह बाल केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित है। इस समय ऑरोविल में रहने वाले बच्चों के लिए दो शिशु सदन (क्रेच) एक किंडरगार्टन, दो प्राथमिक स्कूल (ट्रांसमिशन और दीपनम) और तीन उच्चतर स्कूल (लास्ट स्कूल सेंटर फार फर्दर लर्निंग और आफ्टर स्कूल) हैं। ये सभी शैक्षिक सुविधाएं काफी नजदीक स्थित हैं और नगर निगम में अच्छी तरह फैली हुई हैं। नए हाई स्कूल की सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। चार और स्कूल हैं (न्यू क्वाड्रेशन, ईसायम्बलम, अरुलवाज्ही और इलैंगकराल) जो आस-पास के गाँवों की सेवा कर रहे हैं।



1.9.12 इन संस्थाओं में आसपास के 13 गाँवों और ऑरोविल के 700 बच्चे पढ़ रहे हैं। ये स्कूल अभिनय यटन और शिक्षण पद्धति का प्रयोग करते हैं और आयु के अनुसार खेल के मैदान की और खेल सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। 1984 में स्थापित संगठन श्री अरविंद अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान संस्थान (एसएआईआईआर) ऑरोविल की बहुविध शैक्षिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में समन्वय करता है।

1.9.13 स्वास्थ्य: तमिलनाडु राज्य की सरकार द्वारा मिनी स्वास्थ्य केंद्र के रूप में मान्यताप्राप्त ऑरोविल स्वास्थ्य केंद्र बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित है। यहाँ प्रतिदिन ऑरोविल समुदाय तथा गाँवों और इडयानचावडी, पुतुराय, कोट्टाकारी, माथुर राया पुटुपक्कम और मोरानांडी स्थित छह केंद्रों के लगभग 200 रोगियों की सेवा की जाती है।

1.9.14 आपातकालीन और जटिल रोगों के लिए रोगियों को पांडिचेरी भेजा जाता है जो मात्र 6 कि०मी० दूर है। ऑरोविल अन्य वैकल्पिक स्वास्थ्य पद्धतियों और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के बारे में प्रयोग कर उन्हें बढ़ावा देता है।

1.9.15 पर्यटक असंवर्धना: ऑरोविल में पर्यटकों के लिए सुविधाओं में एक सूचना केंद्र, अतिथि गृह और आगतुक केंद्र है जहाँ सूचना सेवा, एक बूटिक और एक भोजनालय है। अतिथिगृह में साफसुथरे और हरे भरे माहौल में 400 व्यक्तियों को साधारण मूल्य देकर रहने की सुविधा है। युवाओं तथा युवा अध्ययनकर्ताओं को जौरमेटरी सुविधा (शयनशाला) भी उपलब्ध कराई जाती है। वाहनों के रुकने सुविधाओं में कभी भी 20 बसें खड़ी की जा सकती हैं।

1.9.16 मनोरंजन: ऑरोविल, ऑरोविल के युवाओं और बच्चों तथा आसपास के गाँवों के निवासियों को अनेक प्रकार के खेलकूद और शारीरिक शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराता है जिनका उद्देश्य क्षेत्र में इन अवसरों को अधिक से अधिक बढ़ाना है। नगर निगम में इस समय टेनिस, फुटबाल, वालीबाल और बैडमिंटन के लिए अनेक बाहरी खेलों के लिए चार खेल के मैदान हैं और एक जिमनेजियम तथा अंदर खेल सुविधाएँ हैं। यह नियमित आधार पर सामूहिक खेल, एथेलेटिक्स और बास्केटबाल, वालीबाल, फुटबाल, टेबल टेनिस और क्रिकेट में खेल आयोजित करता है। इन प्रतियोगिताओं के लिए बहुत से सहभागी आस-पास के गाँवों से आते हैं। हालाँकि ऑरोविल नगर निगम क्षेत्र तटवर्ती क्षेत्र से दूर है, इसके चिन्मुदालियारचावडी गाँव के समीप में समुद्र के किनारे सुविधाएँ विकसित की हैं।

1.9.17 सामाजिक सांस्कृतिक सुविधाएँ: ऑरोविल सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र बन चुका है जो ऑरोविल के निवासियों और आस-पास के लोगों की सेवा करता है। सबसे महत्वपूर्ण सुविधा भारत नियास के श्री अरविंद कला मंडप में हैं जहाँ 840 लोगों के बैठने की सुविधा है।

कार्यक्रम तथा पारंपरिक एवं आधुनिक नृत्य, नाटक और संगीत नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। समुदाय और पर्यावरणात्मक जागरूकता कार्यक्रम के आधार पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने में अनेक समूह संलग्न हैं।

1.9.18 आध्यात्मिक केंद्रः— मदर के शब्दों में मातृमंदिर, जो ऑरोविल का आध्यात्मिक और भौतिक केन्द्र है जो "पूर्णता ईश्वर के साथ मिलन को बढ़ती मानवीय एकता में मनुष्य की इच्छा का दैवी उत्तर है", मातृमंदिर शांति और ध्यान केंद्रित करने का स्थान है।



1.9.19 ढाँचे के संबंध में प्रमुख कार्य पूरे होने वाले हैं और आसपास के उद्यानों के विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। मातृमंदिर उद्यानों सहित 28 हेक्टेअर क्षेत्र में फैला हुआ है। मातृमंदिर और इसके आंदोलन को पूर्णता की ओर अग्रसर होने से ऑरोविल की वृद्धि और ऑरोविल की बढ़ती सामग्री का संकेत मिलता है।

1.9.20 गाँवों तक पहुँच (विलेज आउटरीच) ऑरोविल के आसपास के गाँवों के विकास से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है जिन्हें 1984 में तमिलनाडु सरकार द्वारा विकास की आवश्यकता में अत्यंत पिछड़ा क्षेत्र माना गया था। ऑरोविल के बिल्कुल पास 13 गाँव हैं, जहाँ 40,000 लोग रहते हैं और जैव क्षेत्रीय भाग में लगभग 40 गाँव हैं। ऑरोविल में सफाई कर्मचारी से इंजीनियर तक लगभग 500 स्थानीय लोगों को रोजगार मिला हुआ है जिनमें से अधिकांश को अपनी योग्यता और कौशल में सुधार के लिए ऑरोविल में प्रशिक्षण दिया गया है। ऑरोविल, ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को शहरों और नगरों में पलायन का वास्तविक और व्यवहार्य विकल्प सफल करवाता है जो स्व-सुधार और स्वरोजगार चाहने वालों का एकमात्र विकल्प है।

- पड़ोसी गाँवों के 500 से अधिक बच्चे ऑरोविल स्कूलों में भाग लेते हैं, अन्य 900 बच्चे अपने गाँवों के स्कूलों में ऑरोविल की कक्षाओं में पढ़ते हैं ।
- पड़ोसी गाँवों के 20,000 से अधिक लोग प्रति वर्ष ऑरोविल से स्वास्थ्य सेवा सुविधा प्राप्त करते हैं ।

1.9.21 स्थापना काल से ही ऑरोविल की एक प्रमुख गतिविधि गाँवों का विकास रही है । पिछले 25 वर्षों से ऑरोविल ग्राम विकास समूह (एवीएजी, स्वास्थ्य केंद्र पिट्चांडिकुलम, हार्वेस्ट, पालमायरा) पड़ोसी गाँवों के विकास कार्यक्रम में संलग्न है। इस कार्यक्रम को अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से धन प्राप्त होता है और इसके उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- शिक्षा, एहतियाती देखभाल और उपचार द्वारा स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाना
- महिलाओं का सशक्तीकरण
- विकास कार्यक्रमों में लोगों की सहभागिता सुनिश्चित कर प्रत्येक गाँव में सामुदायिक भावना की वृद्धि को बढ़ावा देना ।
- व्यावसायिक शिक्षा और स्वरोजगार द्वारा स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना ।
- बंजर भूमि के सुधार: बंजर प्रबंधन और पर्यावरण के सुधार में सहकारी प्रयास में ग्रामीणों को शामिल करना ।
- गाँवों के बच्चों को शिक्षा देना

1.9.22 इस समय गाँवों के बच्चों के लिए पाँच प्रमुख शैक्षिक कार्यक्रम जैसे न्यू क्रिएशन (आवास सुविधा सहित), इलैगनारकाल ईसाय एम्बलम, लाइफ एजुकेशन सेंटर और अरुल वाजी हैं । इस कार्यक्रम में एनीमेटर गाँवों में जाकर नियमित रूप से कक्षाएँ लेते हैं और विशेष गतिविधियाँ चलाते हैं ।

1.10. प्रशासनिक ढाँचा

1.10.1. भारत सरकार द्वारा अधिनियमित ऑरोविल प्रतिष्ठान अधिनियम, 1988 में ऑरोविल के मूल चरित्र के अनुसार और उससे जुड़े मामलों या आनुषांगिक मामलों के लिए ऑरोविल के बेहतर प्रबंधन और आगे विकास के लिए दीर्घकालिक प्रबंध करने हेतु ऑरोविल प्रतिष्ठान की स्थापना का प्रावधान किया गया है । ऑरोविल प्रतिष्ठान में निम्नलिखित तीन प्राधिकरण हैं:

- शासी समिति
- नगरीक सभा
- अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार परिषद

1.10.2 प्रतिष्ठान के कार्यों में ऑरोविल की गतिविधियों की देखीकरण और समीक्षा, नागरिक सभा असेम्बली के परामर्श से ऑरोविल के लिए विकास योजना तैयार करना, योजना के अनुसार ऑरोविल का विकास सुनिश्चित करना तथा ऑरोविल के आदर्शों को प्राप्त करने के लिए धन प्राप्त करने में समन्वय करना तथा उसका वितरण करना।

1.10.3. शासी बोर्ड, जिसमें केन्द्र सरकार के नामितों सहित प्रख्यात और वरिष्ठ व्यक्ति होते हैं, की जिम्मेदारी ऑरोविल के उचित प्रबंधन और विकास की है। शासी बोर्ड के अध्यक्ष और सचिव की नियुक्ति भारत सरकार करती है। शासी समिति, ऑरोविल के आदर्शों के प्रोत्साहन और नागरिक सभा असेम्बली के परामर्श से ऑरोविल की गतिविधियों और सेवाओं की एकता और समन्वय के लिए जिम्मेदार होता है। ऑरोविल की मूल नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा करता है और ऑरोविल के भावी विकास के लिए आवश्यक निर्देश देता है। यह नागरिक सभा द्वारा तैयार किए गए ऑरोविल के कार्यक्रम को सहमति प्रदान करता है।

1.10.4. नागरिक सभा असेम्बली, जिसमें 18 वर्षों की आयु के ऊपर के सभी निवासी शामिल होते हैं, ऑरोविल की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है और उनकी सदस्यता अवधि के बारे में निर्णय लेती है। नागरिक सभा, शासी समिति और प्रबंधन सचिव के समक्ष अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए अपने ही सदस्यों में एक कार्य समिति को चुनती है। नागरिक सभा के लिए शासी बोर्ड से अनुमोदन के लिए ऑरोविल का मास्टर प्लान तैयार करना जरूरी है।

1.10.5. अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार परिषद ऐसा निकाय है जिसमें भारत और विदेशों के प्रख्यात व्यक्ति शामिल होते हैं जो शासी बोर्ड और रेजीडेंट असेम्बली के सलाहकार के रूप में काम करते हैं। शासी बोर्ड और अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की वर्तमान सदस्यता परिशिष्ट—। पर देखी जा सकती है।

1.10.6. समुदाय की भूमिका: जहाँ तक विकास योजना तैयार करने का संबंध है, रेजीडेंट असेम्बली की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऑरोविल प्रतिष्ठान अधिनियम की धारा 17 (ड) के अनुसार शासी समिति, नागरिक सभा के परामर्श से विकास योजना तैयार कर उसे कार्यान्वित करता है।

1.10.7. यहाँ दो महत्वपूर्ण परिषदें अर्थात् कार्यकारी परिषद और विकास परिषद हैं । ऑरोविल परिसर संगठन के विशिष्ट पक्षों के प्रबंधन के लिए अनेक समूह जैसे प्रवेश समूह समन्वय समिति, निधि और परिसंपत्ति प्रबंधन समिति, भूमि और संपदा प्रबंधन, परियोजना समन्वय समूह आदि गठित किए गए हैं । **परिशिष्ट—II** से ऑरोविल के भिन्न-भिन्न कार्य दलों की जिम्मेदारियों के बारे में संकेत मिलता है। विकास परिषद ऑरोविल के भौतिक विकास की आयोजना और निगरानी पक्ष पर नजर रखती है जबकि परियोजना कार्यान्वयन समूह परियोजनाओं को तैयार करने और निधियाँ उपलब्ध कराने में कार्य दलों और परियोजना एजेंसियों की मदद करता है।

1.10.8. इस प्रकार परियोजनाओं की तैयारी और कार्यान्वयन में काफी स्वायत्तता प्राप्त है। ऑरोविलवासियों को टाउनशिप की सभी विकासत्मक गतिविधियों में भाग लेने की प्रेरणा मिलती है। मदर द्वारा परिकल्पित ऑरोविल के विकास के केन्द्रीय उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इसका अभी पूरी तरह से समन्वय करना है । तथापि, विकास योजना की योजना बनाने और कार्यान्वित करने (परिप्रेक्ष्य 2025) के लिए प्रतिष्ठान के भाग के रूप में एक पृथक संस्था स्थापित करना जरूरी होगा।

1.10.9. **सेवा अभिक्रम :** वर्तमान में ऑरोविल में अनेक सेवा इकाइयाँ हैं जो जलापूर्ति, विद्युत और संचार तथा कचरा प्रबंधन की देखभाल करती हैं। ये हैं: ऑरोविल जल सेवा, ऑरोविल विद्युत सेवा, ऑरोविल दूरभाष सेवा, ऑरोविल सड़क सेवा और ऑरोविल पर्यावरण सेवा । इन सेवाओं का रख-रखाव प्रयोगकर्ताओं से सेवा शुल्क लेकर और ऑरोविल केन्द्रीय रख-रखाव निधि से अंशदान लेकर किया जाता है।

1.10.10. एक केन्द्रीकृत खरीददारी और वितरण सेवा है जिसे "पाउर टाउंस " (सबके लिए) कहा जाता है। यह दैनिक आवश्यकताओं के विक्री केन्द्र स्टोर के रूप में काम करता है। यहाँ नकद के बदले लेन-देन नहीं होता। पूरी प्रणाली अलग-अलग खाते रखकर संचालित की जाती है। पाउर टाउंस भवन/सुविधाएं इस समय नगर निगम की चारदीवारी के पास स्थित हैं जिन्हें क्राउन एरिया में स्थानांतरित करने का विचार है और नगर निगम में इसके अनेक आउटलेट होंगे।

1.10.11. कानून और व्यवस्था के लिए यद्यपि नगर निगम में कोई थाना (पुलिस थाना) नहीं है, आपातकालीन स्थिति का सामना करने के लिए पुलिस संपर्क सेवाएँ उपलब्ध हैं । इस संदर्भ में ऑरोविल के लिए मदर की दृष्टि का उल्लेख करना समीचीन होगा "कोई फौज नहीं, कोई पुलिस

नहीं, उनके स्थान पर गाड़ों की ऐसी सेना होगी जिसमें खिलाडि और जिम्नास्ट होंगे।" मदर के इच्छा के अनुसार ऑरोविल का संरक्षण का काम युवा स्वयंसेवक द्वारा किया जाता है।

1.11. नगर निगम की गतिविधियों के लिए निधियाँ उपलब्ध कराना

1.11.1 ऑरोविल की गतिविधियों का वित्त पोषण निवासियों के अंशदान, भारत और विदेशों से प्राप्त अनुदान और दान, ऑरोविल की इकाइयों द्वारा अर्जित आय तथा भारत सरकार के अनुदानों से होती है। इन गतिविधियों का समन्वय विभिन्न कार्य समूहों द्वारा किया जाता है।

1.11.2 ऑरोविल निधि ऐसा माँग है जो अधिकृत तौर पर निधियाँ प्राप्त करती हैं, वितरित करती हैं, और लेखांकन करती हैं तथा इसी के जरिए ऑरोविल की इकाइयों और परियोजनाओं को विभिन्न योजनाओं के लिए प्राप्त भारत और विदेशी दान पहुँचते हैं। ऑरोविल प्रतिष्ठान सचिवालय के व्यय का वहन वार्षिक अनुदानों के माध्यम से शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा किया जाता है। परिशिष्ट-III में दिये गये वर्ष 2008-09 के आय व्यय के विवरण से राजस्व के सामान्य स्रोतों और व्यय की महत्वपूर्ण मदों के बारे में जानकारी मिलती है।

1.11.3 पिछले दस वर्षों के दौरान ऑरोविल ने 150 करोड़ रु० अर्जित किए जिसमें से 100 करोड़ रु० आंतरिक रूप से अर्जित किए गए थे। शेष 50 करोड़ रु० विदेशी दानों (46 प्रतिशत) भारत की एजेसियों और लोगों (38 प्रतिशत) और भारत सरकार के अनुदान (16 प्रतिशत) से एकत्र किया गया था।

1.11.4 सत्तर के दशक में वित्तीय सेवा की शुरुआत ऐसे प्रयास के रूप में की गई जिससे ऑरोविलवासियों की नकदी का हिसाब-किताब रख कर उन्हें नकद लेन-देन से मुक्त किया जा सके। तब से सभी इकाइयों और ऑरोविलवासियों के बीच हुए लगभग सभी लेन-देन इन खातों का उपयोग कर स्थानांतरण द्वारा किए गए हैं।

1.11.5 ऑरोविल एकिक निधी ऐसी प्रणाली है जो ऑरोविल सेवाओं तथा अन्य दायित्वों के लिए सामूहिक सहायता देती है तथा जिन ऑरोविलवासियों के पास निजी संसाधन नहीं होते उन्हें अनुरक्षण भत्ता देती है। ऑरोविल यूनिटी फंड का वित्त पोषण वार्षिक इकाइयों से प्राप्त धन से होता है जो अपने लाभ का कुछ प्रतिशत देती हैं, इसी प्रकार मेहमानों के अंशदान

परियोजनाओं, ऑरोविल निधी में जमा लोगों के धन के ब्याज तथा ऑरोविलवासी व्यक्तियों के दान से इसका वित्त पोषण होता है । इसके अतिरिक्त प्रत्येक ऑरोविल इकाई, प्रत्येक माह प्रत्येक ऑरोविल कार्य के लिए 1000 रु देती है। जुलाई, 1995 से ऑरोविल यूनिटी फंड ने ऑरोविलवासियों से बैंकों में कम ब्याज पर जमा अपना धन अपने वित्तीय सेवा खाते में जमा कराकर और इन खातों पर मिलने वाला ब्याज छोड़ कर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है । इससे इस समय कुल पूँजी 4 करोड़ रु० की हो गई है । इस पूँजी के ब्याज का उपयोग अब मुख्य रूप से ऑरोविली यूनिटी फंड के मासिक बजट के वित्त पोषण के लिए किया जाता है।

1.11.6 ऑरोविल एकिक निधी अपनी प्रतिमाह 35 लाख रु० की आय को 40 गतिविधियों और सेवाओं में वितरित कर देती है। ऑरोविल एकिक निधी के खातों का प्रतिमाह 'ऑरोविल न्यूज' में प्रकाशन किया जाता है बजट समन्वय समिति इस निधि के प्रशासन के लिए जिम्मेदार होती है । पिछले दो वर्षों में सेवाओं से हट कर बल व्यक्ति पर चला गया है। ऑरोविल एकिक निधी बजट, को विशेषकर ऑरोविलवासियों के रख-रखाव पर काफी ध्यान दिया जाता है। आज की तारीख में लगभग 370 ऑरोविल वासियों और उनके परिवारों के भरण पोषण के लिए आबंटन पर गहरी नजर रखी जाती है ताकि प्रत्येक व्यक्ति के हितों को ध्यान में रखा जा सके । अगस्त, 1999 में ऑरोविल अनुरक्षण निधि ने एक नए साफ्टवेयर की शुरुआत की जिसमें प्रत्येक ऑरोविलवासी के लिए नकद और गैर-नकद खाता रखने का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य ऑरोविल की ऐसी आंतरिक अर्थव्यवस्था में प्रवेश कराना है जहाँ पैसे का आदान-प्रदान न करना पड़े। आशा की जाती है कि ऑरोविलवासी जो स्वयं, परियोजनाओं या वाणिज्यिक इकाइयों में शामिल हैं, को धीरे-धीरे अलग तरीके से शामिल किया जाएगा ।

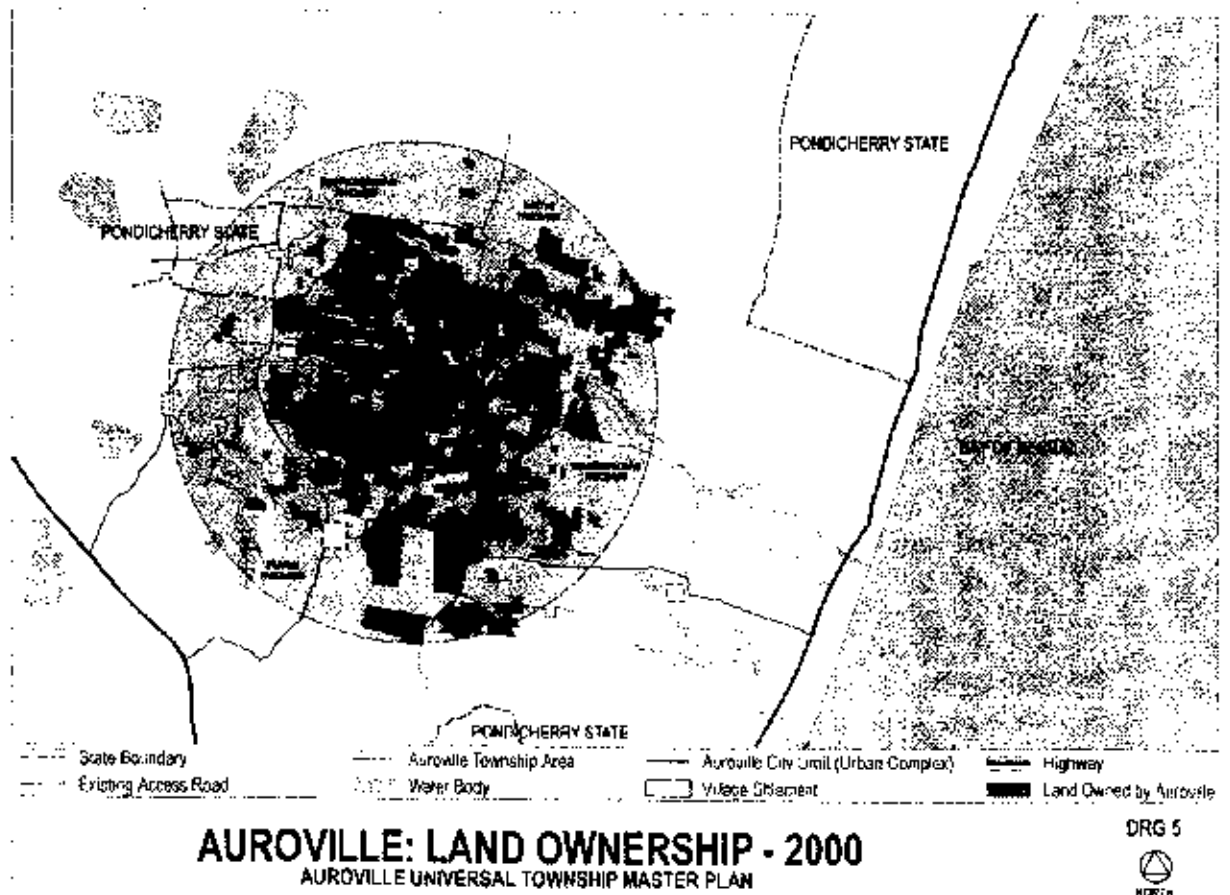
1.12. भूमि का स्वामित्व

1.12.1. ऑरोविल के विनिर्दिष्ट क्षेत्र में 19.63 वर्ग कि०मी० अर्थात् 1963 हेक्टेअर भूमि शामिल है। मास्टर प्लान के अनुसार ऑरोविल के उचित और अनुशासित विकास के लिए ऑरोविल प्रतिष्ठान द्वारा उक्त क्षेत्र की सभी गतिविधियों पर नियंत्रण करना होगा। इस प्रयोजन के लिए ऑरोविल प्रारंभ से विकास के लिए आवश्यक भूमि प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील है। अब तक सभी भूमि उनके मालिकों से बातचीत कर प्राप्त की गई है। 01 अगस्त, 2009 की स्थिति के अनुसार विनिर्दिष्ट क्षेत्र में ऑरोविल के पास 778 हेक्टेयर भूमि है जैसा कि सारणी 8 में उल्लेख किया गया है:

सारणी 8: ऑरोविल: भूमि का स्वामित्व (हेक्टेअर में)

	ग्रीन बेल्ट	सिटी एरिया	कुल
1. प्रतिष्ठान के स्वामित्व में	393.52	421.06	0814.59
2. सरकार के स्वामित्व में	046.96	031.91	0078.87
3. निजी स्वामित्व में	984.61	085.28	1069.89

1.12.2 चित्र 5 में इंगित भूमि के स्वामित्व के वितरण से स्पष्ट है कि सिटी एरिया की लगभग 83 प्रतिशत जमीन ऑरोविल फाउंडेशन के पास है जबकि 17 प्रतिशत अभी अधिग्रहित की जारी है। तथापि हरियाली क्षेत्र के संबंध में 70 प्रतिशत भूमि निजी स्वामित्व में है और सुनियोजित तथा अनुशासित विकास के लिए ऐसा किया जाना जरूरी है।



1.12.3 भूमि के विकास की मौजूदा नीति में स्पष्ट रूप से खुले स्थान और पर्यावरणीय प्राचलों के अनुपालन की बात कही गई है। उपर्युक्त प्राचलों और ऑरोविल के विकास के लिए परियोजना के विकास को ध्यान में रखते हुए विकास परिषद ऐसी सभी परियोजनाओं की जांच करती है।

1.13. ऑरोविल के विकास के लिए अति आवश्यक बातें

1.13.1 ऑरोविल के विकास के लिए एक प्रमुख आवश्यकता आवास के लिए प्रावधान है। पर्याप्त आवास के अभाव में नए लोगों को रहने के लिए प्रोत्साहित करना संभव नहीं हो सका है। पर्याप्त आवास, विकास निधि से जुड़ा हुआ है। अन्य महत्वपूर्ण कारक हैं कि अभी भी शहरी क्षेत्र में ऐसे भूखंड हैं जिन्हें ऑरोविल ने प्राप्त नहीं किया है और सड़क, सीवरज, जलापूर्ति, विद्युत और संचार जैसी लागत प्रभावी बुनियादी सुविधाओं को कार्यान्वित करने के लिए जिसकी महती आवश्यकता है।

1.13.2 शहरी क्षेत्र एरिया के चारों ओर के हरियाली क्षेत्र के 1,440 हेक्टेअर जमीन है और यह ऑरोविल के विकास का अभिन्न अंग है और ऑरोविल के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए इसका उचित उपयोग महत्वपूर्ण है। विनिर्दिष्ट क्षेत्र के भीतर और बाहर दोनों स्थानों पर दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने के लिए जरूरी बहुत सामग्री अनुसंधान हरियाली क्षेत्र में किए जाने हैं जिन्हें सैद्धांतिक शहरी विकास की तैयार में प्राप्त कर लेना चाहिए। हरियाली क्षेत्र का रख-रखाव मुख्य रूप से कृषि और वन संबंधी इस्तेमाल की दृष्टि से किया जाना चाहिए ताकि यह न केवल मौजूदा ग्रामीण बस्तियों में रच-बस जाए बल्कि जलसंरक्षण, एक्विफायर रिचार्ज, जैव-विविधता संरक्षण और मनोरंजन जैसी पर्यावरणत्मक गतिविधियां भी चलाई जा सकें।

1.13.3 इसलिए जरूरी है कि ऑरोविल के विकास के लक्ष्य के विपरीत किसी प्रकार का विकास होने से पूर्व हरियाली क्षेत्र प्राप्त कर ली जाए। इसलिए ऑरोविल की पूर्ण अंतर्निहित क्षमता का उपयोग तभी हो सकेगा जब प्रभूत संसाधन जुटाए जाएं तथा मास्टर प्लान (परिप्रेक्ष्य: 2025) का उचित कार्यान्वयन किया जाए।

2. भाग दो विकास संबंधी प्रस्ताव

2.1 ऑरोविल की जनसंख्या

2.1.1 ऑरोविल नगर निगम की परिकल्पना ऐसे स्थान के रूप में की गई है जहाँ अधिकतम 50,000 लोग ऐसे आध्यात्मिक और भौतिक अनुसंधान का विशेष कार्य करने के लिए आकर ठहरेंगे जिसका न केवल भारत बल्कि विश्व भर में व्यापक प्रभाव होगा। आज ऑरोविल में ऐसे कार्यदलों की संख्या 1000 है जिन्होंने परिश्रमपूर्वक इसके आधार और अवसंरचना को तैयार किया है। इससे अधिक संख्या में ऐसे समर्पित लोग नहीं मिल सकते। अवसंरचना के सुव्यवस्थित भावी विकास से दुनिया भर से कार्यरत लोग ऑरोविल की ओर आकर्षित होंगे। अनुमान है कि ऑरोविल में वर्ष 2015 तक 15000 लोग आ जाएंगे। सन 2025 में ऑरोविल की जनसंख्या 50,000 तक होने की अपेक्षा है।

2.1.2 सारणी 9 में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों की संख्या तथा परिवार का आकार दिया गया है सारणी 9: ऑरोविलवासियों का अनुमानित आयु वर्ग

आयु वर्ग	वर्ष 2015		वर्ष 2025	
	कुल	पुरुष	महिलाएं	कुल
0-19	4000	2000	2000	17000
20-59	10000	6000	4000	28000
60	1000	4000	600	5000
सभी आयु वर्ग	15000	8400	6600	50000

2.1.3 कार्यशील जनसंख्या: वर्ष 2015 में कार्यशील लोगों की संख्या 20 से 59 के बीच अर्थात् 10,000 होगी। ये लोग ऑरोविल के लिए सामान या सेवाओं के उत्पादन से या व्यापक लाभ पहुँचाने वाले अनुप्रायोगिक अनुसंधान गतिविधियों से सीधे जुड़े रहेंगे। विभिन्न क्षेत्रों में कामगारों का अनुमानित ब्यौरा सारणी 10 में दिया गया है।

सारणी 10: वर्ष 2015 के क्षेत्रवार रोजागार का अनुमानित ब्यौरा

सेक्टर	अनुमानित सं०	%
प्राथमिक	1000	10
कृषि, वन विकास पशुपालन, वन्य जीवन, मत्स्यकी तथा ऐसी अन्य गतिविधियाँ		
माध्यमिक	6000	60
विनिर्माण जिसमें मध्यम आकार के स्वच्छ उद्योग, कुटीर और घरेलू उद्योग और दस्तकारी शामिल होंगे जिनकी खपत पत स्थानीय स्तर पर निर्यात के लिए होगी		
तृतीयक	3000	30
व्यापार, परिवहन, निर्माण और सेवाएं		
कुल	10000	100

2.2 मास्टर प्लान की आवश्यकता

2.2.1 ऑरोविल की अब तक की गतिविधियां व्यापक आयोजन दायरे में और संकल्पना योजना के आधार पर कार्यान्वित की गई थीं जिन्हें शहर के मुख्य वास्तुविद और नियोजक रोजर एंगर ने तैयार किया था और जिसे मदर का आशीर्वाद प्राप्त था। तथापि, निम्नलिखित कारणों से एक मास्टर प्लान की आवश्यकता पड़ी।

५

ऑरोविल फाउंडेशन ऐक्ट की आवश्यकता ऑरोविल फाउंडेशन ऐक्ट, जिसे संसद द्वारा 1988 में अधिनियमित किया गया था, में ऑरोविल की भावी वृद्धि के मार्गदर्शन के लिए एक विकास योजना तैयार करने का प्रावधान है। ऑरोविल फाउंडेशन ऐक्ट की संगत धाराएँ नीचे दी जा रही हैं :

17. शासी समिति की शक्तियाँ और कार्य इस प्रकार होंगे

(ड.) नागरिक सभा से परामर्श से ऑरोविल के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उस प्लान के अनुसार ऑरोविल का विकास सुनिश्चित करना।

19 (1) नागरिक सभा ऐसे कार्य करेगी जो अधिनियम द्वारा अपेक्षित हैं

और ऑरोविल के निवासियों से संबंधित सभी गतिविधियों के बारे में शासी बोर्ड को सुझाव देगी।

(2) नागरिक सभा, विशेष रूप से और पूर्ववर्ती शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना

(सी) ऑरोविल का विकास योजना तैयार कर सकती है और ऑरोविल की गतिविधियों से जुड़े संगठनों को मान्यता देने के लिए शासी समिति से अनुमोदन की सिफारिश कर सकती है।

2.2.2 अब समय आ गया है कि नगर निगम का सुव्यवस्थित विकास किया जाए क्योंकि ऑरोविल को विनिर्दिष्ट क्षेत्र को 2000 हेक्टेयर में से 850 हेक्टेयर भूमि प्राप्त हो गई है। ऑरोविल अपने विकास के लिए आवश्यक भूमि धीरे धीरे प्राप्त करता जा रहा है। सिटी एरिया में भवन विकास तथा अवसंरचना विकास के लिए आवश्यक जमीन का 70 प्रतिशत से अधिक भाग प्राप्त कर लिया गया है। इसलिए अब सुव्यवस्थित विकास तथा गतिविधियाँ और जनसंख्या का विस्तार संभव है। मास्टर प्लान (परिप्रेक्ष्य: 2025) से ऐसा विकास आसान हो जाएगा।

2.2.3 नगर निगम के लिए प्राप्त की गई पूरी जमीन की सुरक्षा तथा नियम विरुद्ध विकास को रोकने के लिए, इसके भावी विकास के लिए नक्सा तैयार करना आवश्यक होगा। ऑरोविल को हिरियाली क्षेत्र में आने वाली भूमि का 70 प्रतिशत अधिग्रहण करना है। ऑरोविल की हरी भरी गतिविधियाँ ऐसे संभावित तत्वों को आकर्षित करती हैं जो भूमि के शांतिपूर्ण प्रयोग के लिए खतरा बन जाते हैं इसलिए यह जरूरी है कि सभी शेष जमीन प्राप्त कर ली जाए। ऑरोविल के स्वामित्व वाली तथा निजी स्वामित्व वाली जमीनों के लिए उचित योजना हेतु विकास योजना तैयार करना अति आवश्यक हो गया है।

2.3. विकास योजना (परिप्रेक्ष्य: 2025) के लक्ष्य और उद्देश्य

2.3.1. जैसाकि ऑरोविल प्रतिष्ठान अधिनियम में उल्लेख किया गया है, विकास योजना (परिप्रेक्ष्य : 2025) का व्यापक उद्देश्य सुनियोजित तरीके से ऑरोविल का विकास सुनिश्चित करना है। अधिनियम की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा नगर निगम के विजन को मूर्त रूप देने के लिए विकास योजना (परिप्रेक्ष्य: 2025) के विशिष्ट उद्देश्य

- इस प्रमुख विभाग में विकास के लिए प्रमुख नीतियाँ और निदेश तैयार करना ।
- सड़कों और पहुँच मार्गों का सोपान निर्धारित करना ।
- नगर निगम के 20 किमी० के क्षेत्र में आने वाली सभी जमीन के उपयोग के लिए जमीन अलग अलग विभाग करना ।

- निवासी जनसंख्या की शैक्षिक, स्वास्थ्य और सामाजिक जरूरतों के लिए सामान्य सुविधाओं के मानक निर्धारित करना।
- नगर निगम की सामाजिक और भौतिक अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं की पहचान करना।
- ऐतिहासिक, पर्यावरण पारिस्थिकीय दृष्टि से संवेदनशील और सौंदर्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करना।
- ऐसे दीर्घकालिक विकास के लिए तंत्र तैयार करना जो पर्यावरण की जरूरतों और विकास में संगति बिठा सके तथा ऐसे विकास के लिए दिशानिर्देश तैयार करना।
- निवेशों की जरूरतों की पहचान करना।
- विकास योजना में पड़ोसी गावों को मिलाने के लिए नीतियाँ सुझाना ताकि वे आर्थिक विकास के लिए ऑरोविल से निकटता का लाभ उठा सके।

2.4 संकल्पना और दृष्टिकोण

2.4.1. मदर ने 1965 ऑरोविल की रूपरेखा में नगर के लिए मूल संकल्पना निर्धारित की। इस रूपरेखा में वे सभी महत्वपूर्ण गतिविधियाँ शामिल कीं जो इसे विश्व-नगर निगम बनाने के विजन को पूरा करे। जिस रूप में यह संकल्पना अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और स्थानीय सोच को दर्शाती है वह असाधारण है। यह आज भी उतना ही आधुनिक और नवीन है जितना यह अपनी स्थापना के समय चालीस वर्ष पूर्व था। (कृपया स्केच देखें) इस संकल्पना में ऑरोविल और इसके पार्श्ववर्ती क्षेत्रों के बीच घनिष्ठ संपर्क की बात कही गई है ताकि विकास का समग्र माडल तैयार किया जा सके जिसमें शहरी और ग्रामीण बस्तियाँ अलग अलग न होकर एक दूसरे की पूरक समझी जाएं। संतुलित दीर्घकालिक विकास की दिशा में बढ़ने के लिए इस संकल्पना की व्यापक सिफारिश की जा रही है।

2.4.2. सांस्कृतिक क्षेत्र की गतिविधियाँ समाप्त न होने वाली शिक्षा का प्रतिनिधित्व करती है; अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र ऑरोविल विश्वविद्यालय की स्वीकृति दर्शाता है; औद्योगिक जोन सुदृढ़ आर्थिक आधार पर बल देता है; आवासीय क्षेत्र मानवीय एकता की भावना भरता है, और हरियाली क्षेत्र पर्यावरणीय, आर्थिक आध्यात्मिक तथा भौतिक दीर्घकालिकता व्यक्त करती है। हरियाली क्षेत्र की गतिविधियों से नगर की आंतरिक तथा क्षेत्र की बाहरी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है। ये सभी गतिविधियाँ ऑरोविल की केन्द्रीय मुद्दा : मानवीय एकता के लिए जीना और

काम करना - से निःसृत होती हैं यही धर्मों और दर्शनों का वास्तविक संदेश है। मातृमंदिर के शान्ति क्षेत्र, अनंतकालीन वट वृक्ष और भारत तथा विश्व के सभी भागों की मिट्टी से युक्त एम्पीथिएटर ईश्वरीय उपस्थिति का आभास देते हैं।

2.4.3. अपनी स्थापना काल से ही ऑरोविल ने मानवीय विकास में सहायक अनेक अभिनय कार्य किए हैं। ऑरोविल का विकास योजना सेटिलमेंट प्लानिंग में नए प्रतिमान बनाएगा जिससे भारत तथा अन्य देशों के उन शहरों को बसाने में मदद मिलेगी जहाँ बहुत अधिक शहरीकरण हो रहा है। इससे साफ हो जाएगा कि किस प्रकार 'शहरी' और 'ग्रामीण' क्षेत्र एक दूसरे का पूरक बन कर अपने पारस्परिक लाभ के लिए अभिन्न और समग्र रूप में विकसित हो सकते हैं। हाल तक शहरी विकास को अच्छा नहीं माना जाता था और सभी नीतियाँ इस बात पर बल देती थी कि ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन रोका जाए। तथापि ये नीतियाँ सफल नहीं हुई हैं और शहरी क्षेत्र तेजी से बढ़ रहे हैं और अधिक से अधिक विकृत होते जा रहे हैं। इस समय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार की राय शहरीकरण के पक्ष में है क्योंकि वे विकास का आधार बन गए हैं और ऐसी नीतियों पर बल देते हैं जो शहरीकरण को बढ़ावा देती हैं। अति होने पर ये नीतियाँ नुकसानदेह भी हो सकती हैं क्योंकि शहरी क्षेत्र सीमित प्राकृतिक संसाधनों और उनकी बेलगाम वृद्धि पर बहुत अधिक दबाव डालते हैं जिससे संपूर्ण राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा में व्यवधान पड़ सकता है। यही कारण है कि योजना बनाने वाले आज सुदृढ़ ग्रामीण-शहरी संपर्क बनाने की बात करते हैं।

2.4.4 कृषि और ग्रामीण विकास के संबंध में बात करते हुए योजना आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा "हमारी जनसंख्या एक बिलियन (दसखरब) से ऊपर हो चुकी है और विशेषज्ञों का मानना है कि 2035 तक हम विश्व के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश चीन को पीछे छोड़ देंगे। इस बढ़ती जनसंख्या का पेट भरने के लिए अतिरिक्त 5-6 मिलियन (दसलाख) टन अन्न का उत्पादन प्रति वर्ष करना होगा। इसके अतिरिक्त, हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि संतुलित आहार जो हमारे लोगों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है, में अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थ शामिल होने चाहिए। बुनियादी कैलोरी संबंधी आवश्यकता से समझौता किए बिना ये भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। यह सभी ऐसे संदर्भ में करना होगा जो कम अनुकूल हैं। सर्वप्रथम यह स्वीकार करने की आवश्यकता है कि कृषि के लिए उपलब्ध भूमि में विस्तार सीमित है। वास्तविकता यह है कि कृषि क्षेत्र कम होता जाएगा। पर्यावरणीय दृष्टि से वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भू क्षेत्र में वृद्धि की जानी चाहिए क्योंकि यह इतना कम हो गया है कि स्थिति खतरनाक हो गई है और मानव स्वास्थ्य के लिए यह

भी अति आवश्यक है। शहरीकरण और उद्योगों की बढ़ती माँग से भी कृषि योग्य भूमि में कमी आएगी, हालाँकि हमें इसे न्यूनतम रखना चाहिए। ये ऐसे आवश्यक तत्व हैं जिन्हें हम नजर अंदाज नहीं कर सकते

2.4.5 ऑरोविल का विकास दृष्टिकोण उपर्युक्त दर्शन को संज्ञान में लेने पर बहुत आगे तक जाता है। मास्टर प्लान का दृष्टिकोण यह स्थापित करना है कि शहरी क्षेत्रों की ओर खींचने वाले आर्थिक और मानवीय बौद्धिक संसाधनों का उपयोग संतुलित योजना विकास के लिए किया जा सकता है और एक समान तथा आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ समाज बनाया जा सकता है। तथापि यह सामान्य बात है। शहरी क्षेत्रों के विस्तार से न केवल बहुमूल्य ग्रामीण जमीन पर अतिक्रमण होता है बल्कि वे ग्रामीण बस्तियों के आस पास ऐसे बस जाते हैं जिससे गांव गरीबी और कम संसाधन के द्वीप बन जाते हैं जबकि पड़ोस में उनकी अवसरचना उपलब्ध होती है।

2.4.6 इसलिए ऑरोविल की अवधारणा ऐसा शहर बसाना है जहाँ इष्टतम घनत्व के साथ जमीन में किफायत बरती जाएगी परंतु आदर्श शहरी स्वरूपों या आवश्यक सुविधाओं के प्रश्न पर समझौता नहीं किया जाएगा। आस-पास की हरियाली क्षेत्र खाद्य उत्पादन, वानिकी, मृदा संरक्षण, जल प्रबंधन, कचरा प्रबंधन, गाँव विकास तथा दीर्घकालिक विकास के लिए जरूरी अन्य सेक्टरों में अनुप्रयोगिक अनुसंधान के लिए उर्वर क्षेत्र होगा। परिणामस्वरूप प्राप्त नवाचारी पद्धतियों को ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों, विशेषकर भारत में जहाँ शहरी ग्रामीण विभाजन निरंतर बढ़ रहा है, में लागू/विस्तृत किया जा सकता है।

कृषि के लिए योजना: चुनौतियाँ और अवसर: केसी पंत, योजना खंड 44, सं० 9, सितंबर 2009

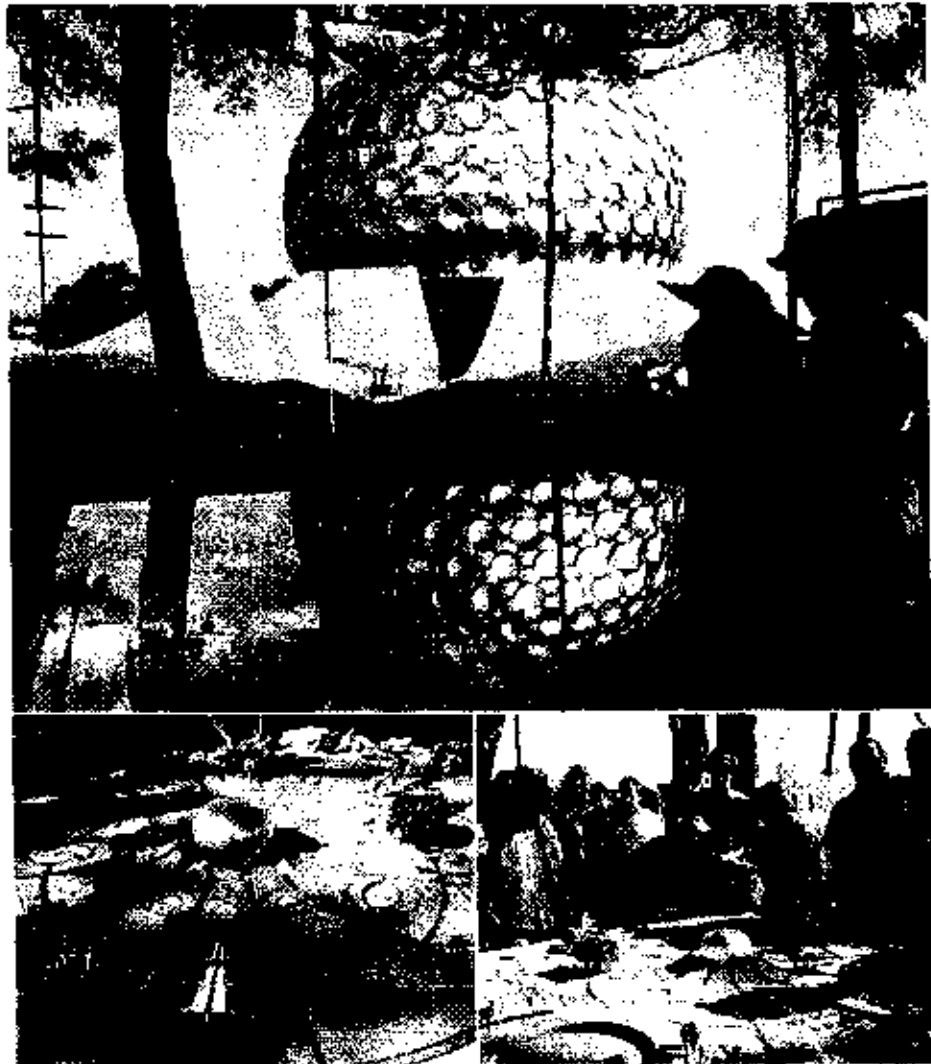
2.5 प्रस्तावित भूमि उपयोग योजना

2.5.1 नगर निगम के बुनियादी आदर्शों और आरोविल में विकसित किए जा रहे नवाचारी दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए भूमि-उपयोग ढांचा निम्नलिखित पर आधारित है।

- निर्मित क्षेत्र जिसमें भवन तथा आवासीय, सांस्कृतिक, विनिर्माण संबंधी, वाणिज्यिक और उपयोगिता के विकास, अंतर्राष्ट्रीय मंडप और खुले स्थान शामिल होंगे, मातृमंदिर के चारों ओर विकसित किए जाएंगे जिसके उद्यान नगर निगम के केंद्र में स्थित होंगे।
- गैर निर्मित बड़े क्षेत्र, जिसमें कृषि उपयोग, पुनरुद्धारित वन, टैंक, जलाशय चैनल तथा दीर्घकालिक विकास प्रोत्साहन से जुड़ी अनेक हरित गतिविधियाँ शामिल होंगी, निर्मित क्षेत्र के

चारों ओर स्थित होंगी, और शहर और इसके जैव क्षेत्र के बीच अंतर पृष्ठ की भूमिका निभाएंगी

2.5.2 औरोविल की स्थापना काल से ही आज तक इसकी योजना और विकास के मूल में यह दृष्टि रही है कि शहरी क्षेत्र और हरियाली क्षेत्र सहित ग्रामीण क्षेत्रों के बाहरी क्षेत्रों के बीच परस्पर संबंध होगा जो परस्पर सहयोगी स्वरूप का होगा। प्रत्येक क्षेत्र एक दूसरे के पूरक होंगे तथा शहरी और ग्रामीण सेक्टरों की गतिविधियों का समर्थन करेंगे। इस प्रकार शहरी और ग्रामीण विभाजन कम होगा जो इस समय शहरी योजना में घर कर गया है और ग्रामीण-शहरी सांतत्यक को प्रोत्साहित कर रहा है।



2.5.3. शहरी क्षेत्र में भूमि का उपयोग: पहले चर्चित अवधारणा को ध्यान में रखते हुए शहरी क्षेत्र में मातृमंदिर, वटवृक्ष, झील, एम्पीथिएटर और केंद्र में उद्यान सहित शांति क्षेत्र के, उसके चतुर्दिक निम्नलिखित प्रयोग क्षेत्र होंगे:

- आवासीय क्षेत्र
- अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र
- औद्योगिक क्षेत्र
- सांस्कृतिक क्षेत्र

2.5.4 एक दूसरा विशेष जोन भी है जो 75 मीटर चौड़ाई में चारों जोनों से गुजरता है जिसमें एक गोलाकार रास्ता है जिसके सामने इमारतें हैं। इसे "क्राउन एरिया" कहते हैं। यह क्राउन क्षेत्र उपर्युक्त चारों जोनों में गतिविधियों के समर्थन के लिए आवश्यक अधिकांश सेवाएँ उपलब्ध कराएगा क्राउन क्षेत्र में विकास अन्य जोनों के साथ इसकी निकटता और अंतरा पृष्ठ के आधार पर स्वाभाविक रूप से कुछ भिन्न होगा। जोनिंग विनियमन के प्रयोजन से क्राउन एरिया के चारों जोनों को पृथक जोन माना जाता है।

2.5.5 भूमि उपयोग आयोजना में अपनाए गए मूल सिद्धांत/प्राथम्य सारणी:11 में दिए गए हैं।

सारणी 11: प्रमुख आयोजना नीतियाँ

विकास का सेक्टर	योजना/प्राथम्य की योजना बनाना
1. आवासीय	प्रति व्यक्ति रहने का अधिकतम स्थान 30 वर्ग किमी० रेंज का घनत्व और रोचक स्थापत्य रूप भेद्य स्थान के रूप में 50 प्रतिशत खड़ा रहित स्थान, सामूहिक और सामुदायिक उपयोग, जल और ऊर्जा प्रबंधन के पर्यावरण के अनुकूल पद्धतियाँ, पैदल और साइकिल मार्ग, शांतिपूर्ण भूदृश्य निर्माण तथा पौध रोपण
2. औद्योगिक	साफ प्रदूषण न करने वाले उद्योग, लघु और मध्यम आकार, स्थानीय रोजगार का विस्तार, युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्थानीय उद्यम को प्रोत्साहन कामगारों के लिए काम का अच्छा माहौल, कार्यकुशल प्रबंधन पद्धतियाँ
3. शिक्षा और संस्कृति	मानवता के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय भारत/पूर्व-पश्चिम अध्ययन, संस्कृति ज्ञान का समन्वय, कला, शिल्प और प्रौद्योगिकी
4. अन्तर्राष्ट्रीय	अंतर देशिय मिलन एक्सचेंज के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मंडप, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, संस्कृति, दर्शन और मानविकी

- | | |
|----------------------|---|
| 5. भवन विकास | अभिनव ऊर्जा की कम खपत, लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी, पर्यावरण के अनुकूल, बाधारहित स्थापत्य, स्वदेशी सामग्री |
| 6. जल | जल संरक्षण
वाटरशेड प्रबंधन
गंदे पानी की पुर्न उपयोग
एक्विफर भंडारण और रिकवरी, लवण प्रवेश की रोकथाम
जल संचयन |
| 7. ऊर्जा | सौर, पवन और बायोमास ऊर्जा का प्रयोग, मांग और पूर्तिपक्ष का बेहतर प्रबंधन |
| 8. ठोस गंदगी | ठोस पर अलगाव
कम्पोस्टिंग और पुर्न उपयोग
ख़ातरनाक और अर्द्धभोजनीय कचरे का विशेष निपटान
शून्य कचरा स्थिति प्राप्त करना |
| 9. यातायात और परिवहन | अन्य पैदल और साइकिल मार्ग
प्रदूषण न करने वाले यातायात को प्रोत्साहन
गो'वों के साथ अंतरापृष्ठ के लिए सर्विस नोट प्रदूषण न करने वाले वाहनों की डिजाइन तैयार करना |
| 10. स्वास्थ्य | व्यापक मेडिकल रेंज का मिश्रण, स्वदेशी प्रणाली पर बल, स्वास्थ्य अच्छा करने की पद्धतियाँ. |
| 11. हरियाली क्षेत्र | स्वस्थ उत्पादक रोजगार
पर्यावरण के लिए अनुकूल तकनीकों में सर्वोत्तम पद्धतियों के लिए क्षेत्र प्रयोगशाला
पर्यावरणात्मक दीर्घकालिकता
खाद्य सुरक्षा
शहरी ग्रामीण संपर्क विकसित करना |
| 12. जैव - क्षेत्र | दीर्घकालिक विकास में लोगों की सहभागिता, सफाई और जलापूर्ति की स्थिति में सुधार, लागत प्रभावी तकनीकों से आवास में सुधार,
नवाचारी अनुसंधान कार्यक्रम
बेहतर कृषि पद्धतियाँ |

2.5.6 प्रस्तावित जमीनी उपयोग जोन का ब्यौरा सारणी 12 में दिया गया है और प्रस्तावित भूमि उपयोग के चित्र 6 में दर्शाया गया है। हरियाली क्षेत्र में प्रस्तावित भूमि का उपयोग सारणी 13 में इंगित किया गया है तथा सामान्य भूमि उपयोग वर्गीकरण के अनुसार भूमि को पुनः समूहबद्ध करना सारणी 14 में दिया गया है।

मंडप	63.50	12.90	अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र की मुख्य गतिविधि से जुड़ी उपयोग, संचार, दुकान और अन्य सामान्य सुविधाएं जिसमें आवास और कर्मचारी आवास शामिल हैं।
क्राउन	4.50	1.00	
3 औद्योगिक जोन	126.00	25.70	कुटीर उद्योग सहित गैर प्रदूषणकारी विनिर्माण इकाइयाँ
आर्थिक	84.50	19.30	
क्राउन	8.50	1.70	छात्रावास, डॉरमेटरी अतिथिगृह और जोन में मुख्य गतिविधि के लिए सहायक सुविधाएं
प्रशासन	7.00	1.40	महा मंडप शहर प्रशासन कार्यालय और आवास
व्यावसायिक प्रशिक्षण	16.00	3.30	व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, प्रयोगशाला सहित अनुसंधान प्रयोगशालाएँ
4. सांस्कृतिक जोन	96.00	18.50	शैक्षिक संस्थाएं विश्वविद्यालय, खेलकूद केंद्र और कर्मचारी आवास
प्रमुख सांस्कृतिक	91.00	18.50	
क्राउन	5.00	1.00	रापिंग, यूटिलिटी, संचार और मनोरंजन केंद्र और सम्बद्ध सुविधाएँ जो जोन में आवास सहित सांस्कृतिक गतिविधियों का समर्थन करती हो
कुल	491.00	100.00	

सारणी 13: हरियाली क्षेत्र में प्रस्तावित भूमि उपयोग, 2025

	क्षेत्र हेक्टेअर	%	प्रमुख प्रयोगकर्ता
निर्मित (*) (मौजूदा बस्तियाँ बनाई रखी जाएँ)	156	10.5	ऑरोडिल सामुदायिक और ग्रामीण आवासीय क्षेत्र, सर्विस नोड्स और यूटिलिटी तथा मुख्य पहुँच मार्ग
अनिर्मित	1316	89.5	कृषि और वन प्रकार के प्रयोग और मनोरंजन, पक्षी और वन्य जीवन
कुल	1472	100.0	

नोट 4*) प्रस्तावित हरियाली क्षेत्र में मौजूदा बस्तियाँ कृषि, वानिकी, पौध रोपण, भूमि विकास की सहायक हैं और इसलिए उन्हें ऑरोविल नगर निगम के भावी विकास में बनाए रखने का विचार है। तथापि प्रधान उपयोग से असम्बद्ध इन बस्तियों में कोई विस्तार नहीं होगा। इसी प्रकार मौजूदा ग्रामीण बस्तियाँ भी निर्मित क्षेत्र का भाग हैं और उन्हें बनाए रखना होगा।

सारणी 14 : शहरी क्षेत्र में विस्तृत भूमि उपयोग - 2025

प्रयोग	हैक्टेयर में सीमा	%	अभ्युक्ति
1. आवासीय	121	24.64	रिहायशी ज़ोन 80% अन्य ज़ोन 20%
2. वाणिज्यिक	20	4.10	ज़ोनों को जोड़ने वाले अधिकतर क्राउन क्षेत्र में
3. औद्योगिक	56	11.40	औद्योगिक ज़ोन/विनिर्माण इकाइयाँ
4. सार्वजनिक और अर्द्ध-सार्वजनिक		32.38	
क. मातृ-मंदिर	159	5.70	खंड क्षेत्र
ख. पैविलियन	28	7.73	अंतर्राष्ट्रीय ज़ोन
ग. शैक्षिक और सांस्कृतिक	38	14.86	सांस्कृतिक और अन्य ज़ोन
घ. प्रशासनिक, उपयोगिताएँ और अन्य उपयोग	73	4.07	औद्योगिक और अन्य ज़ोन
	20	9.36	सभी ज़ोनों में प्रदान की जाती है
	46		
5. खुली जगह और मनोरंजन		18.12	सभी ज़ोनों को सेवित करने के लिए
6. परिवहन और संचार	89		
कुल	491	100.00	

2.5.7 प्रस्तावित भूमि-उपयोग संरचना से यह देखा जा सकता है कि कुल क्षेत्र के सार्वजनिक और अर्द्ध-सार्वजनिक उपयोग की प्रतिशततः अधिक है क्योंकि ऑरोविल की कल्पना और डिजाइन सार्वजनीन नगरी के रूप में किए जाने के नाते इसमें उच्च श्रेणी की कई अंतर्राष्ट्रीय पैविलियनों,

सांस्कृतिक और शैक्षिक केन्द्रों की व्यवस्था होगी। परिवहन और संरचना के अधीन सड़कें, साइकिल, ट्रैक और फुटपाथ शामिल हैं। उपर्युक्त सारणी में सड़कों सहित 156 हैक्टेयर में फैले ग्रीन बेल्ट में शहरी उपयोगों को शामिल नहीं किया गया है।

2.5.8 हरियाली क्षेत्र में भूमि उपयोग : हरियाली क्षेत्र में अनिर्मित क्षेत्र में भूमि उपयोग की तीन कोटियां हैं अर्थात् कृषि और फार्मिंग, वन और भूमि-संपोषण तथा मनोरंजन क्षेत्र। इनके विकास का डिजाइन इस तरह से किया जाएगा, जिससे कि बायो-डायवर्सिटी, पर्यावरणीय पुनरुद्धार, भूमि संपोषण, जल प्रबंधन और व्यापक उपयोग के लिए उपर्युक्त क्रियाकलापों की प्रौद्योगिकी अंतरण का संवर्द्धन हो। ऐसा होने पर हरियाली क्षेत्र ऑरोविल और इर्द-गिर्द के गांवों के लिए न केवल एक परिसंपत्ति के रूप में उभरेगा बल्कि दीर्घकालीन सतत विकास के लिए एक राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र बनेगा।

(क) कृषि और खेती

हरियाली क्षेत्र के पश्चिमी भाग पर इरिस, प्राकृतिक जल निकासी मार्ग और गाँव बस्तियां हैं, जो गहन कृषि विकास के लिए आरक्षित हैं। इसमें लगभग 500 हैक्टेयर भूमि शामिल है। इस समय यह भूमि या तो खाली पड़ी है या इसका आंशिक प्रयोग होता है। इन्हें प्रोटोटाइप फार्मों की स्थापना करने के लिए प्रयोग में लाया जाएगा जिन पर फसल की समुचित किसमें पैदा की जाएंगी, जिन्हें तमिलनाडु में विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों में कुशलतापूर्वक उत्पादित किया जा सके ताकि इन क्षेत्रों में किसानों के लाभ के लिए इन्हें दोहराया जाता रहे। भौगोलिक क्षेत्र, तमिलनाडु के कुरिंजी, मुलै, मुरुदम, नैथल और पलै पांच तही पारंपरिक क्षेत्रीय वर्गीकरण के अनुरूप हैं।

जल, प्रबंधन, मृदा संरक्षण, आर्गेनिक फार्मिंग और बीज संग्रहण में ऑरोविल के चल रहे कार्य, जो राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों और अभिकरणों के सहयोग से चलाए जा रहे हैं, से खाद्य सुरक्षा प्रोत्साहित होगी और कृषि-आर्थिक संभावना दोनों ही स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर आशानुकूल हो सकेंगी।



(ख) संपोषित भूमि और वृक्षारोपण

हरियाली क्षेत्र का पूर्वी भाग, जिसे पहले ही वृक्षों के गहन वृक्षारोपण के साथ विकसित किया गया है, उससे ज्वार भाटा वाली शक्तिशाली हवाओं, जो तट से आती हैं, के खिलाफ अवरोध का काम देता है। हाल ही तक, ये भूमि क्षरण, खाइयों के बनने और भूमि की गुणवत्ता में गिरावट का मुख्य कारण थी।

यह भूमि लगभग 560 हैक्टेयर पर फैली है। इसे, देशी वन वनस्पति को पुनः स्थापित करने, जोन पूल और बीज बैंकों के जरिए बायो-डायवर्सिटी प्रसारित करने और शून्य बहाव (जीरो रन आफ) पैरामीटरों और प्रथाओं को शुरू करने हेतु भूमि संपोषण के चल रहे कार्य को मजबूती प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाएगा। हरियाली क्षेत्र का यह भाग अपजल का उपचार और पुनः आवर्तन (रिसाइक्लिंग), पुख्ता अपशिष्ट प्रबंधन और बायोमास व अवशेषों के माध्यम से वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादित करने के प्रयोगों द्वारा ऑरोविल नगरी का भी रूप लेगा। इस संबंध में ऑरोविल पहले ही राज्य और केन्द्रीय सरकारी अभिकरणों के साथ सहयोग कर रहा है।



(ग) मनोरंजन : हरियाली क्षेत्र का एक अन्य प्रयोजन यह है कि यह यहां रहने वालों के लिए बाहरी मनोरंजन सुविधाएं प्रदान करेगा । इस प्रयोजन के लिए 258 हैक्टेयर भूमि रखी गई है जिसमें पड़ोसी गांवों के लाभ के लिए वानस्पतिक बागान और कृषि एवं सामाजिक वानिकी भी शामिल है । इस क्षेत्र के भीतर आधुनिक कब्रिस्तान और शमशान भूमि भी प्रस्तावित हैं ।

2.5.9 हरियाली क्षेत्र में उपयोगिताओं का सारांश उन्हें क्रियान्वित करने वाले हिस्सेदारों के साथ, सारणी 15 में दिया गया है।

सारणी 15 : हरियाली क्षेत्र में उपयोगिताओं का सारांश

प्रमुख उपयोग	क्रियान्वित करने वाले हिस्सेदार
1. कृषि और खेति	ऑरोविल ग्रुप
जल प्रबंधन	ऑरोविल फार्म ग्रुप
एकुइफर स्टोरेज और रिकवरी	ऑरोविल ग्रीन वक रिसोर्स सेंटर (एजीआईसी)
मृदा संरक्षण	वाटर हार्वेस्ट
आर्गेनिक फार्मिंग सहित फार्मिंग	फल्मिरा
जलवायु संवर्द्धन	ऑरोविल विलेज एक्शन ग्रुप (एफपीएजी)

<p>मत्स्य पालन ग्रामीण विकास और सर्विस नोड्स कृषि और सामाजिक वानिकी</p>	<p>भूमि प्रयोग समन्वयन सहयोगी हिस्सेदार : विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधी तमिलनाडु राज्य परिषद भारत सरकार विकास अनुसंधान निगम राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड एमआई (दि नीदरलैंड्स), डानिडा (डेनमार्क) गिफरिड (जर्मनी—इसरायली सरकारी सहयोग) स्टिचिंग डे जाइर (दि नीदरलैंड्स) डीएफआईडी (यूके), साउथ ईस्ट एशिया सीड बैंक</p>
<p>2 वन और भूमि संरक्षण सैक्रिड ग्रेव्स बायोडायवर्सिटी पार्क औषध-वनस्पतियां दूध उत्पादन, फलोद्यान जीरो रन-आफ प्रैक्टिस वेस्ट वाटर रिसाइकलिंग सॉलिड वेस्ट रिसाइकलिंग वैकल्पिक ऊर्जा ऊर्जा वृक्षारोपण, वनस्पतियां फूल भवन और सड़क सामग्री तथा परिवहन प्रौद्योगिकी ग्रामिण सेवा प्रौद्योगिकी अंतरण और प्रचार-प्रसार</p>	<p>ऑरोविल ग्रुप ऑरोविल ग्रीन वर्क रिसोर्स सेंटर पल्लिरा पिदचांदीकुलम बायो-रिसोर्स सेंटर शक्ति, वाटर हार्डट ऑरोविल सेंटर फार साइंटिफिक (सीएसआर) ऑरोविल बिल्डिंग सेंटर लैंड यूज को-ऑर्डिनेशन सहयोगी हिस्सेदार विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य परिषद राज्य के पर्यावरण, वन और ग्रामीण विकास विभाग पर्यावरण और वन मंत्रालय राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड राजीव गांधी पेयजल मिशन हुडको, एनबीओ, बीएमपीटीसी, एमएनईएस, अंडमान इकोलॉजिकल टीम, यू.एनसीएचएस, यूरोपियन कमीशन, स्विसएड, जीटीजेड, गेट, केएफडब्ल्यू बोर्ड (जर्मनी), जर्मन-एग्रो एक्शन, कॉमनवैल्थ ह्यूमन इकोलॉजी काउंसिल (सीएचईसी) इर्नेप एसोसिएशन साइंटिफिक (फ्रांस) शैश होल्ड फाउंडेशन (यूएस), स्टिचिंग डे जैर (दि नीदरलैंड्स), कनाडा फंड, आईसीईएफ (इंडियन कनाडियन एनवायरमेंट फौंसिलिटी)</p>

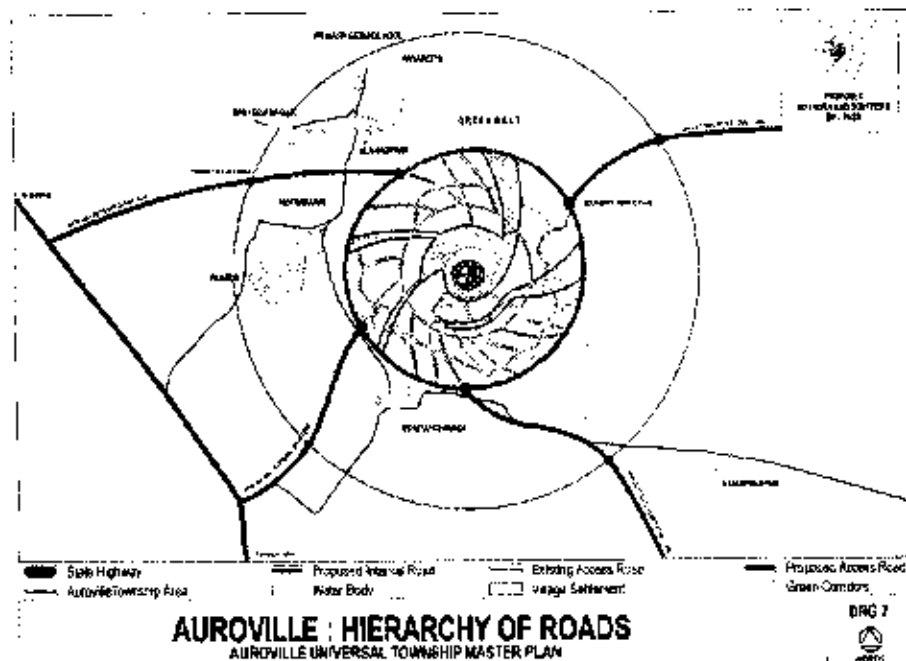
3. मनोरंजन	ऑरोविल ग्रुप :
वनस्थिति बागान	एजीआरसी, एवीएजी, लैंड यूज को-ऑर्डिनेशन
मुर्गी पालन	सहयोगी हिस्सेदार :
कब्रिस्तान और शमशान स्थल	राज्य और भारत सरकार के पर्यावरण विभाग
विलेज सर्विस नोड	ग्रामीण विकास

* प्रमुख हिस्सेदारों का संकेत दें जो वर्तमान में ऐसे क्रियाकलापों में शामिल हैं । यह आशा की जाती है कि जैसे-जैसे ऑरोविल के क्रियाकलाप बढ़ेंगे, यहां अतिरिक्त सहयोगी हिस्सेदार आएंगे ।

2.6 भौतिक और सामाजिक आधारिक संरचना

क. आधारिक संरचना :

सड़क जाल : चार तरह की सड़कों से युक्त, सड़क जाल का आयोजन, यातायात की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने और नगरी के कार्यचालन के लिए किया गया है । प्रस्तावित सड़क नेटवर्क को, प्रस्तावित भूमि उपयोग योजना एवं सड़क उत्क्रम (हाइरार्की) के बारे में चित्र 7 में, दिखाया गया है । सड़क सेवशनों को चित्र 8 में दिखाया गया है । हाइरार्की के क्रम में चार तरह की सड़कों के पहुंच मार्ग निम्नलिखित हैं :



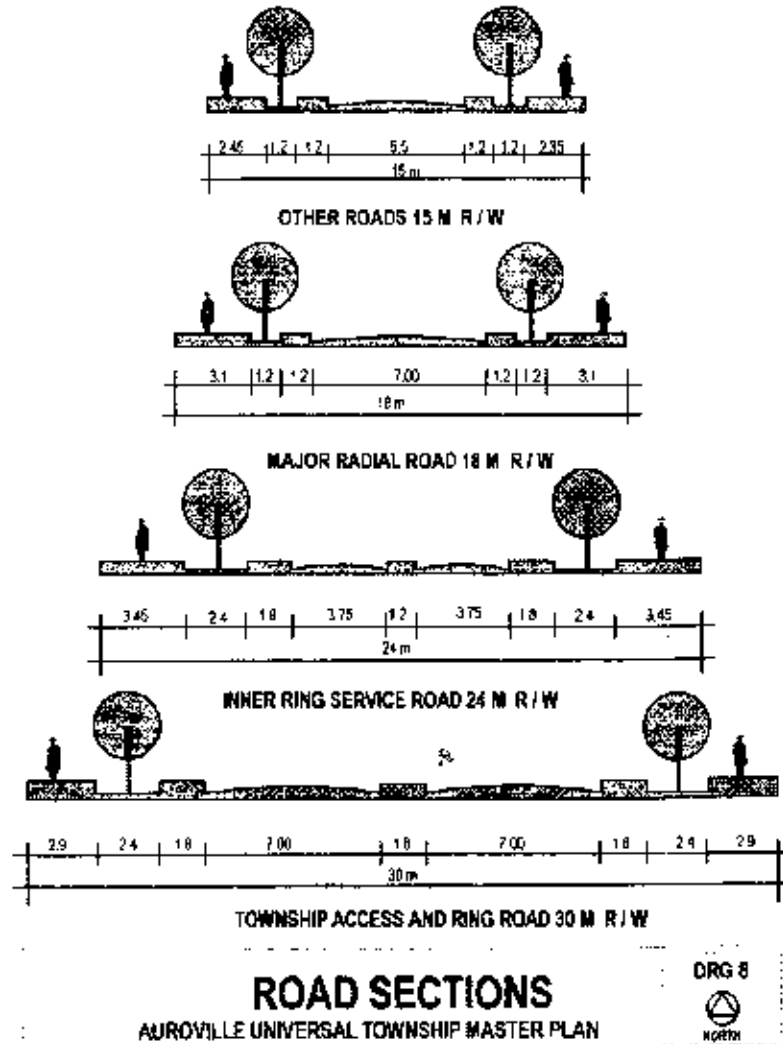
ऑरोविल : सड़कों का उत्क्रम

ऑरोविल सार्वजनिक नगरी योजना

प्रस्तावित पहुंच मार्ग

ग्रीन कॉरीडोर

ऑरोविल के पहुँच मार्ग : प्रमुख चार पहुँच मार्गों का प्रस्ताव है। दो पहुँच मार्ग टिंडीवनम—पांडिचेरी रोड से हैं, जो औद्योगिक जोन और अंतर्राष्ट्रीय जोन को जोड़ेंगे। अन्य दो पहुँच मार्ग ईस्ट—कोस्ट रोड (ईसीआर) से हैं जो आवासीय जोन और सांस्कृतिक जोन से मिलाएँगे। अतः प्रत्येक जोन का राज्य/राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए स्वतंत्र पहुँच मार्ग होगा। ये सड़कें सिटी के बाहरी रिंग रोड का लिंक होंगी।



1. अन्य सड़कें 15 मी.आर./डब्ल्यू.
2. मेजर रेडियल रोड 18 मी. आर./डब्ल्यू.
3. आंतरिक रिंग सर्विस रोड 24 मी. आर./डब्ल्यू.
4. नगरी के लिए पहुँच मार्ग और रिंग रोड 30 मी. आर./डब्ल्यू.

जहाँ वर्तमान लंग सड़कें ग्रामीण बस्तियों से गुजरती हों, वहाँ बाईपास होंगे। इन सड़कों का मार्गाधिकार 30 मी. सुझाया गया है।

शहर गोलाई सड़क : शहरी क्षेत्र के भीतर दो रिंग रोड प्रस्तावित हैं, एक प्रमुख चार उपयोगी जोनों को घेरे में रखता हुआ और दूसरा उपयोगिता जोन के साथ लगा हुआ, जिसे क्राउन रोड के नाम से नामित किया गया है । इन सड़कों का मार्गाधिकार भी 30 मी. सुझाया गया है । इन दो रिंग रोडों से यातायात को विभिन्न जोनों में वितरित करने में सहायता मिलेगी ।

संपूर्ण शहरी क्षेत्र को "गैर-प्रदूषण वाहन जोन" के रूप में कल्पित किया गया है । तदनुसार, शहरी क्षेत्र को घेरे में रखने वाले गोलाई सड़क का गैर-प्रदूषण वाहनों द्वारा उत्तरोत्तर प्रयोग किया जाएगा ।

आंतरिक वितरण सड़कें : आंतरिक वितरण सड़कों में वाहनों के लिए सड़कें व पैदल चलने वालों के लिए एवं साइकिल चलाने के रास्ते शामिल हैं । वाहनों के लिए सड़कें 18-24 मीटर के बीच, उनके कार्यों के आधार पर होंगी ।

पैदल चलने वालों और साइकिल चलाने के रास्ते को खुली जगहों और ग्रीन कॉरीडोर से मिलाया जाएगा । पैदल वालों और साइकिल चलाने के लिए तीन मीटर चौड़े रास्ते सुरक्षित किए जाएंगे ।

अन्य उपयोगी रास्ता : दो तरह के सर्विस नोड्स का प्रस्ताव है । इन सर्विस नोड्स की व्यवस्था ग्रीन बेल्ट में, चार प्रमुख पहुंच मार्गों के चौराहों पर प्रस्तावित है जो नगरी और शहरी क्षेत्र को मिलाते हैं। पहले को प्राइमरी नोड कहा जाएगा और दूसरे को सैकेंडरी सर्विस नोड कहा जाएगा जैसाकि सर्विस नोडों की योजना में संकेत दिया गया है । इन सर्विस नोड्स से सिटी में दाखिल होने से पहले वाहन स्थल करने के लिए ताकि "गैर-प्रदूषण" वाहन बदल सकें, पर्याप्त पार्किंग और ट्रांसशिपमेंट के लिए खुली जगह की व्यवस्था होगी । पड़ोसी ग्रामीण बस्तियों को सुविधाजनक इंटरफेस प्रदान करने के लिए अन्य सुविधाएं भी इन सर्विस नोड्स से मिलेंगी ।

2.6.1 ऊपर चर्चित सड़कों की प्रमुख कोटियों के अलावा, दो बाईपास सड़कों का सुझाव भी दिया गया है, उनमें से एक नगरी के उत्तर में और दूसरी दक्षिण में, ताकि ऑरोविल को न जाने वाले यातायात को बदलना सरल हो सके । इन सड़कों एवं सर्विस नोड्स तक प्रमुख पहुंच मार्गों की योजना और निर्माण का कार्य राज्य सरकार के संबंधित विभागों द्वारा हाथ में लेने की जरूरत है ताकि नगरी के लिए कुशल संयोजन की व्यवस्था हो सके ।

2.6.3 जल आपूर्ति : निम्नलिखित वितरण सारणी सं. 16 में दिए अनुसार अष्पेविल क्षेत्र में प्रतिवर्ष औसत वर्षा लगभग 120 सै.मी. होती है (जैसाकि 1972-83 वर्षों के दौरान देखा गया है) :

सारणी 16 : औसत वर्षा (1972-83)

अवधि	सै.मी. में वृष्टिपात
दक्षिण-पश्चिमी मौसम (जून-सितम्बर)	41.5
उत्तर-पश्चिमी मौसम (अक्टूबर-दिसम्बर)	75.9
सर्द ऋतु में (जनवरी-फरवरी)	1.0
ग्रीष्म ऋतु में (मार्च-मई)	4.5
कुल	122.9

2.6.3 इतनी अच्छी मात्रा में वर्षा होने के बावजूद, क्षेत्र में पानी की स्थिति संतोशजनक नहीं है क्योंकि यहां बहाव अत्यधिक है, भंडार की सृतह सीमित है और एकुइफर स्टोरेज क्षेत्रों की बहुत कम जानकारी है । क्षेत्र में उच्च औसत तापमान, जो जून में 38.8° सै० तक पहुंच जाता है, के कारण वाष्पण हानि भी अत्यधिक होती है । अब किए गए जल-भूवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है कि जब तक अधिकतम मात्रा में पानी निकालने के कारण खारा पदार्थ शामिल नहीं होता, भूमि के भीतर अच्छी किस्म के पेय जल की पर्याप्त क्षमता है । इन अध्ययनों से यह भी पता चला है कि जल को खुले कुओं से जमीन की सतह से (3 से 12 मी. नीचे) और ट्यूबवैल दोनों से निकाला जा सकता है । वर्षा के पानी की कुल अनुमानित उपलब्धता 25.48 मिलियन क्यू.मी. है । यदि बहाव को हार्वेस्ट कर लिया जाए तो अनुमानित उपलब्धि 7.70 मिलियन क्यू.मी. और 2.84 मिलियन क्यू.मी. के बीच होगी, जिसकी औसत 5.28 मिलियन क्यू.मी. बैठती है ।

2.6.4 ऑरोविल के लिए पेयजल की मांग जनसंख्या और आपूर्ति स्तर पर निर्भर होगी । ऑरोविल के लिए पहले चरण में 15,000 की जनसंख्या के लिए और अंतिम चरण में 50,000 की जनसंख्या के लिए प्रति व्यक्ति पानी की जरूरतों के मानक अनुमान सारणी 17 में दिए गए हैं :-

सारणी 17 : घरेलू जल आपूर्ति के लिए मानक
लीटर में

जनसंख्या	प्रति व्यक्ति 70*	प्रति दिन 100@	200#
15,000 प्रथम चरण	1.05 मिड	1.05 मिड	3.0 मिड
वार्षिक जरूरत	0.383 मी.क्यू.मी.	0.547 मी.क्यू.मी.	1.094 मी.क्यू.मी.
50,000 (अंतिम)	3.5 मिड	5.0 मिड	10 मिड
वार्षिक जरूरत	1.278 मी.क्यू.मी.	1.825 मी.क्यू.मी.	3.650 मी.क्यू.मी.

नोट * भूमिगत कोई सीवरेज नहीं

@ भूमिगत आंशिक सीवरेज

बागवानी और उद्योगों के लिए आपूर्ति शामिल है

2.6.5 वार्षिक जरूरत 0.383 मिलियन क्यू.मी. से 3.650 मिलियन क्यू.मी. तक होगी । अतः यह स्पष्ट है कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए सभी वर्षों में वर्षा एक समान नहीं होगी और जरूरत से ज्यादा पानी निकालने और सिंचाई के प्रयोजनों के लिए पानी लेने की संभावना हो सकती है, प्रति व्यक्ति जरूरत को इस ढंग से तय किया जाए कि पानी निकालने की मात्रा उपलब्धता की सीमा के भीतर रहे । इस तथ्य को नोट करते हुए कि ऑरोविल ने ऐसे उद्योगों के विकास की अवधारण को चुना है जिन में पानी की खपत कम हो व उच्च स्तर की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पैविलियनों व सांस्कृतिक सुविधाओं में लगभग 25% विकसित क्षेत्र ही चाहिए होगा अतः यह प्रस्ताव है कि नगरी की समग्र जरूरतों को पूरा करने के लिए 200 एलपीसीडी के मानक को अपनाया जाए । आवासीय आपूर्ति का भाग केवल 135 एलपीसीडी ही होगा । अतः 15,000 की जनसंख्या के लिए पानी की वार्षिक जरूरतें लगभग 3 मिलियन लीटर प्रतिदिन होगी या 1.1 मिलियन क्यू.मी. प्रतिवर्ष होगी । जल प्रबंधन में ऑरोविल का कार्य अब तक जीरो रन आफ संरक्षण और गंदे पानी

की पुर्न उपयोग व पुनः प्रयोग के सिद्धांतों द्वारा जाना जाता है । इस कार्य को तीव्रता से करना होगा ताकि अतिरिक्त आवश्यकताओं को बड़े पैमाने पर गंदे पानी की रि-साइकलिंग के माध्यम से पूरा किया जाए । अतः ऑरोविल पहले चरण और अंतिम चरण दोनों की अपनी सभी जरूरतों को आराम से पूरा कर सकेगा ।

2.6.6 जल आपूर्ति वितरण : ऑरोविल के लिए प्रस्तावित भूमि उपयोग योजना में मुख्यतया पानी खींचने और वितरित करने की विकेंद्रित पद्धति ही भली-भांति फिट हो सकेगी । प्रमुख जोनों में से प्रत्येक को स्थानीय ट्यूबवेलों से जो उसी विशिष्ट जोन में होंगे या जोन से जुड़े ग्रीन बैल्ट में स्थित होंगे, आपूर्ति की जाएगी । वितरण पद्धति भी प्रत्येक जोन के लिए स्थानीय तौर पर बनाई जाएगी । इससे न केवल उच्च मोटाई की लम्बी पाइपों की लागत कम होगी बल्कि इसरो जोन के पास गंदे पानी को, बागवानी और गैर-पेय अन्य प्रयोगों के लिए पुर्न उपयोग करने में सहायता मिलेगी ।

2.6.7 परनाला और सफाई : ऑरोविल सघन समुदायों के लिए सेप्टिक टैंकों, इन्फॉफ टैंकों (व्यक्तिगत और समुदायिक दोनों स्तर पर), लीच पिटों और सीवेज के रूट जोन ट्रीटमेंट की अजमाइश कर रहा है । हरियाली क्षेत्र विकासों में सांस्कृतिक और अंतर्राष्ट्रीय जोनों में भी ऐसी सुविधाओं का प्रयोग जारी रहेगा । भूमिगत जल के संदूषण से बचने के लिए केवल औद्योगिक और आवासीय जोनों के लिए ही संग्रहण और उपचार की अलग, आंशिक तौर पर केन्द्रीकृत पद्धतियों पर विचार किया जाएगा ।

~

2.6.8 सफाई का दृष्टिकोण विभिन्न रात्रि मृदा निपटान तरीकों के जरिए अपनाया जाएगा, जिसमें टॉयलेट/शौचालयों के विभिन्न डिजाइन और निपटान के तरीके शामिल हैं । इनमें व्यक्तिगत अथवा सामुदायिक सुविधाओं से सम्बद्ध फॉल्स शामिल हैं । यह देखने के लिए अत्यंत सावधानी बरती जाएगी कि इन पद्धतियों से भूमिगत जल संसाधन प्रदूषित न हो जिन पर कि ऑरोविल और उनके पास पड़ोस के लोग निर्भर हैं ।

2.6.9 निकास नाली : "जीरो रन आफ" अवधारणा को पूरी तरह से समर्थित करने के लिए स्टार्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम की व्यवस्था की जाएगी । पहले ही खड़्डो के आरपार चैक डैमों और सड़कों के साथ और आर-पार मिट्टी के बहुत सारे बांधों से बहाव को निचली भूमि की ओर बदल दिया गया है । इसके अतिरिक्त ऑरोविल, छत के पानी की हार्वेस्टिंग एवं एक बड़ी जल प्रबंधन

परियोजना की खोज कर रहा है, जिसमें ग्रीन बैल्ट के भीतर फालतू बहाव को एकत्रित करके उसे एक केन्द्रीय झील जो कि सृजित की जाएगी, में पम्प करके डाला जाएगा । झील से होने वाला रिसाव एकुइफर को नियमित रिचार्ज करेगा और ऑरोविल के बाहर होने वाली अतिरिक्त जल-निकासियों के कारण एकुइफर से खारेपन को आने से रोकेगा । हरियाली क्षेत्र का पश्चिमी भाग जो अलंकुपम गांव से इरुमबाई गाँव तक फैला है, एक अच्छा एकुइफर रिचार्ज और स्टोरेज क्षेत्र है, जिसे जब जरूरत पड़े, पानी की रिकवरी के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है । ये प्रस्ताव अंतिम चरण के लिए अधिक संगत होंगे लेकिन इनका पता लगाने के लिए अध्ययन पहले ही आरंभ किए जा चुके हैं ।

2.6.10 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन : ऑरोविल में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में विद्यमान में स्रोत पर आर्गेनिक और गैर-आर्गेनिक दोनों अपशिष्टों को छांटना, कुशलता से संग्रहण करना और उन्हें रिसाइकिल करना शामिल है । भस्म योग्य अपशिष्टों को ऑरोविल हेल्थ सेंटर में दो चैम्बरों वाली एलपीजी भट्ठी में 800° सें0 तापमान पर जलाया जाता है । बैटरियों, खड़ों की मर्दों, थर्मोकोल, फिल्म, ग्लास और पीईटी जैसे कुछ गैर पुर्न उपयोग योग्य अपशिष्टों को विशेष भंडारण सुविधा में तब तक स्टोर किया जाता है जब तक निपटान के लिए मार्केट या स्वीकार्य पर्यावरण अनुकूल हल नहीं मिल जाता ।

2.6.11 पहले चरण के विकास में प्रति व्यक्ति 0.5 से 0.75 कि.ग्रा. के उत्पादन के आधार पर 7 से 12 टन के लगभग अपशिष्ट होने की आशा होती है । इसमें शहरी क्षेत्र के भीतर बागान अपशिष्ट शामिल हैं लेकिन हरियाली क्षेत्र के अपशिष्ट शामिल नहीं हैं । हरियाली क्षेत्र में निकले अपशिष्टों को विद्युत उत्पादन के लिए बायोमास ईंधन के रूप में प्रयुक्त किया जाएगा या मिट्टी को उपजाऊ और पुष्टिकर बनाने के लिए परिवर्तित किया जाएगा । ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की युक्ति और दृष्टिकोण में निम्नलिखित शामिल होंगे :

- नॉन-डिग्रेडेबल अपशिष्टों को कम करने के लिए व्यावहारिक और पारिस्थितिकी पैकिंग विकल्पों की खोज करना ।
- स्रोत पर अपशिष्टों को 5 या 6 श्रेणियों में छांटना — कागज, प्लास्टिक, धातु, ग्लास, आर्गेनिक, बैटरियां इत्यादि ।

- पुनः साइकिल करने योग्य अपशिष्टों को लाभदायक उत्पादों में परिवर्तित करना । इसमें खाद बनाने योग्य सामग्री को, मिट्टी को उपजाऊ बनाने में परिवर्तित करना, शामिल होगा ।
- भवनों के मलबे का प्रयोग सड़क/भवन सामग्री के रूप में करना ।
- भस्मयोग्य अपशिष्टों का प्रयोग विद्युत उत्पादन में करना ।
- बायो-मैडिकल और खतरनाक अपशिष्टों का वैज्ञानिक और सुरक्षित निपटान करना ।

2.6.12 ऑरोविल अपने विगत अनुभव के साथ "शून्य कचरा" अवधारणा आरंभ करेगा और उसे अधिकतम प्रोत्साहित करेगा ताकि निचली भूमि की भराई के लिए मलबा या कूड़ा-करकट डालने की जरूरत न पड़े ।

2.6.13 विद्युत-ऊर्जा-दूरसंचार : ऊर्जा खपत की पारिस्थितिकी विवक्षाओं की धिताओं के साथ फॉसिल फ्यूल (कोयला, तेल इत्यादि) के विपरीत ऑरोविल शुरू से नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सूर्य और हवा जो लगातार उपलब्ध हैं, की आजमाइश कर रहा है । ऑरोविल का स्वप्न ऊर्जा की दृष्टि से स्वतंत्र और आत्म-निर्भर होने का है जिसमें उसकी ऊर्जा संबंधी सभी जरूरतें नवीकरणीय स्रोतों से पूरी हो जाएं ।

2.6.14 अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए 150 घर पहले ही फोटोवोल्टैक इलैक्ट्रिसिटी और सौरव जल हीटर्स का प्रयोग करते हैं । बागवानी और सिंचाई के प्रयोजनों के लिए ऑरोविल में लगभग 140 सौर जल पंपिंग प्रणालियां और 30 विंड पम्प प्रचालन में हैं । विशेष तौर से डिजाइन की गई फैंसो-सीमेंट बायो गैस प्रणाली से पशु और वनस्पति अपशिष्टों को संसाधित किया जाता है और उनसे खाना पकाने और आर्गेनिक उर्वरक के लिए मीथेन गैस उत्पादित की जाती है ।

2.6.15 भारत सरकार के विभागों के सहयोग से ऑरोविल ने मातृ मंदिर के नजदीक 36.3 कि.वाट सौरव फोटोवोल्टैक विद्युत संयंत्र की स्थापना की है, जो देश में एक मात्र सबसे बड़ा सौर विद्युत संयंत्र है । सौरव किचन की छत पर एक अनूठा सौरव वॉल भी प्रतिष्ठापित किया है, जो ऑरोविल समुदाय के लिए एक दिन में लगभग 1,000 लोगों के लिए खाना बनाने हेतु पर्याप्त ऊर्जा उत्पादित करता है ।

2.6.19 ऑरोविल में सामाजिक आधारिक संरचना के दो अलग भागों से युक्त है अर्थात् आवासीय जनसंख्या द्वारा जरूरी सुविधाएं (जो मुख्यतया आवासीय जोन में स्थित हैं) और दूसरी सुविधाएं जो ऑरोविल सार्वजनिक नगरी के मुख्य कार्य का भाग होंगी । बाद वाली मुख्यतया अंतर्राष्ट्रीय और सांस्कृतिक जोनों में स्थित होगी । आवासीय जनसंख्या को सेवित करने के लिए अपेक्षित सामाजिक आधारिक संरचना चार स्तरों में प्रस्तावित है, अर्थात्

- क्लस्टर या सामुदायिक स्तर 250 व्यक्तियों की जनसंख्या के लिए
- विभाग स्तर, 1000 व्यक्तियों की जनसंख्या के लिए
- पड़ोसी स्तर, 5000 व्यक्तियों की जनसंख्या के लिए
- शहरी/जिला स्तर, प्रारंभ में 15,000 व्यक्तियों की जनसंख्या के लिए जिसका अंततः लक्ष्य 50,000 व्यक्ति होगा ।

2.6.20 सामाजिक आधारिक संरचना 15,000 ऑरोविल की जनसंख्या के लिए तैयार की गई है, जिसे पहले चरण में प्राप्त किया जाना है । शहर/जिला स्तर के अधीन उल्लिखित सुविधाएं 15,000 की जनसंख्या के लिए तैयार की गई हैं, लेकिन जैसे-जैसे शहर बढ़ेगा तो बड़ी हुई जनसंख्या की जरूरतों को भी पूरा करेगी । आवधिक पुनरीक्षा के दौरान बढ़ती जनसंख्या के लिए आधारिक संरचना के लिए जरूरतों का मूल्यांकन, हर पांच वर्षों के पञ्चात् विकास योजना में किया जाएगा और जरूरत के अनुसार प्रदान किया जाएगा ।

2.6.21. उपर्युक्त चार स्तरों पर उल्लिखित ऐसी प्रस्तावित सुविधाओं का व्यौरा एवं आवासीय जोन में 15,000 की जनसंख्या के लिए सामाजिक सुविधाओं हेतु भूमि की जरूरतों के सारांश का उल्लेख सारणी संख्या 18 और 19 में दिया गया है । सुविधाओं के विभिन्न वर्गों के लिए भूमि का आबंटन यूडीपीएफआई दिशा-निर्देशों के आधार पर तैयार किया जाएगा ।

सारणी 18: 15,000 की जनसंख्या के लिए सामाजिक आधारिक संरचना की जरूरत
(विभिन्न स्तरों पर सुविधाओं की संख्या)

आधीरिक संरचना	कुल क्षेत्र		विभाग स्तर	पड़ोसी स्तर	जिला/मिटी स्तर
	¼ हैक्ट	समुदाय स्तर ½			
सेवित जनसंख्या		250	1,000	5,000	15000

स्वास्थ्य	8				
आपात काली		1			
क्लीनिक			1		
पॉलिक्लीनिक				1	
अस्पताल					1
दैनिक स्वास्थ्य सुविधाएं			1	1	1
शिक्षा	80				
क्रेच और किण्डरगार्टन		1			
पाठशाला (6-10 आयु)			1		
पाठशाला (11-19 आयु)				1	
विश्वविद्यालय					1
मनोरंजन					
सामुदायिक पार्क और खेल के मैदान		1			
सेक्टर पार्क और खेल के मैदान			1		
पड़ोस के पार्क और खेल के मैदान				1	
सिटी स्तर के खेल के मैदान					1
वाणिज्यिक	30				
दुकानें		5 दुकानें	10 दुकानें	25 दुकानें	सुपरस्टोर
अतिथि गृह				2	8
पर्यटक केन्द्र					3
सांस्कृतिक	10				
प्रदर्शनी स्थान			1		
सिनेमा				1/4 मिनी सिनेमा 1/2	1
रंगमंच					1
उपयोगिता और सेवाएं	25				
अनुरक्षण केन्द्र			1	1	
जोनल कार्यालय					1
शहर स्तर के कार्यालय और शहर प्रशासन					1
कब्रिस्तान और शमशान भूमि					1
जल वितरण				1	
गन्दे पानी का उपचार				1	

सोलिड वेस्ट पुनः उपयोग	1	1
सर्विस नोड्स	32	
यातायात और गांव		8
इण्टरफेस सुविधाएं		

सारणी 19: आवासीय क्षेत्र में सामाजिक आधारिक संरचना

संरचना	हैक्टेयर
स्वास्थ्य	3
शिक्षा	7
सार्वजनिक और अर्द्धसार्वजनिक	8
दुकानें और वाणिज्यिक	5
छुली जगहों और पार्कों तथा खेल के मैदानों सहित सहित मनोरंजन	17
साइकिल पथों और पैदल मार्गों सहित सड़कें	30
कुल	70

2.6.22 पर्यटक सुविधाएं: ऑरोविल अपनी संकल्पना मात्र द्वारा और सार्वजनिक क्रियाकलापों जिन में संलग्न हैं, से विदेशों एवं देश के भीतर से बड़ी संख्या में यात्रियों को यहां पर दोनों अध्यात्मिक और भौतिक तथा उन्नति के अनुभव को प्राप्त करने के लिए पधारेंगे। यह खासतौर पर मातृ-मंदिर का दौरा करने आएंगे और विशेष रूप से हाथ से बनी वस्तुओं की खरीद के लिए जिसके लिए कि ऑरोविल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों के लिए महत्वपूर्ण केन्द्र बनता जा रहा है, कई सामान्य यात्रियों को भी आकर्षित करेगा। इस क्रियाकलाप की सुविधाएं एक सिटी क्षेत्र के भीतर ही खास जगहों पर एवं सिटी की चार अग्रोचों के सर्विस नोडों पर प्रदान की जाएंगी। ऐसी सुविधाओं में अतिथि गृह, भोजनालय, सूचना केन्द्र और यात्रियों द्वारा जरूरत की अन्य सहूलियतें शामिल हैं।

2.7 निर्दिष्ट जनसंख्या का वितरण

2.7.1 सारणी 20 में दिए गए ब्यौरे के अनुसार विभिन्न प्रयोक्ता जोनों में अन्ततः 50,000 की जनसंख्या एवं चरण-1 की 15000 की जनसंख्या को संवितरित करने का प्रस्ताव है:

सारणी 20: जनसंख्या का संवितरण — अन्ततः और चरण । में

विभाग	अन्ततः	चरण— ।
आवासीय	40,000	11,000
अन्तर्राष्ट्रीय	600	300
औद्योगिक	1,800	600
सांस्कृतिक	600	300
सभी जोनों में क्राउन क्षेत्र	5,000	1,800
हरियाली क्षेत्र	2,000*	1,000*
सभी जोन	50,000	15,000

* हरियाली क्षेत्र में ग्रामीण बस्तियों की जनसंख्या शामिल नहीं है । हरियाली क्षेत्र में गांव की जनसंख्या चरण— । 8600 व्यक्ति होने का अनुमान है ।

2.7.2. ऑरोविल जनसंख्या की प्रमुख सघनता आवासीय जोन में होगी । आवासीय जोन में समग्र घनत्व 240 व्यक्ति/हैक्टेयर होगी । जैसा कि सारणी 21 में संकेत किया गया है , निम्न घनत्व की वैयक्तिक आवास इकाइयों से लेकर सामुदायिक इकाइयों तक घरों को विकसित किया जाएगा ।

सारणी 21 : रिहायशी आवास की किसमें	
आवास की किसम	फ्लोर की सं०
एक परिवार के मकान	1-2
कम ऊँचाई के अपार्टमेंट	2-4
ऊँचे-ऊँचे अपार्टमेंट	5-8

2.7.3. प्रति व्यक्ति फ्लोर की जगह 30 वर्ग मीटर होगी और 55 प्रतिशत क्षेत्र बिना खड़जे वाला रहेगा । प्रस्तावित विकास का लक्ष्य अनूठे तरीके से प्राप्त किया जाएगा । कम घनत्व क्राउन क्षेत्र के नजदीक रहेगा और उच्चतर घनत्व हरियाली क्षेत्र के पास होगा जैसाकि मूल संकल्पना थी । डिजाइन का उद्देश्य दो तरह का है

यह स्थापित करना कि शहरी सुविधाओं से कोई समझौता किए बगैर और खाली जगहों की मात्रा का बलिदान या उसे कम किए बगैर जो कि पर्यावरणीय गुणवत्ता और जीवन शैली को निर्धारित करते हैं, शहरी क्षेत्र उच्च घनत्व को प्राप्त कर सकते हैं और उन्हें करना चाहिए । यह स्थापित करना कि शहरी प्रयोग के लिए कृषि भूमि को परिवर्तित करने से, जहां तक हो सके, बचना चाहिए ।

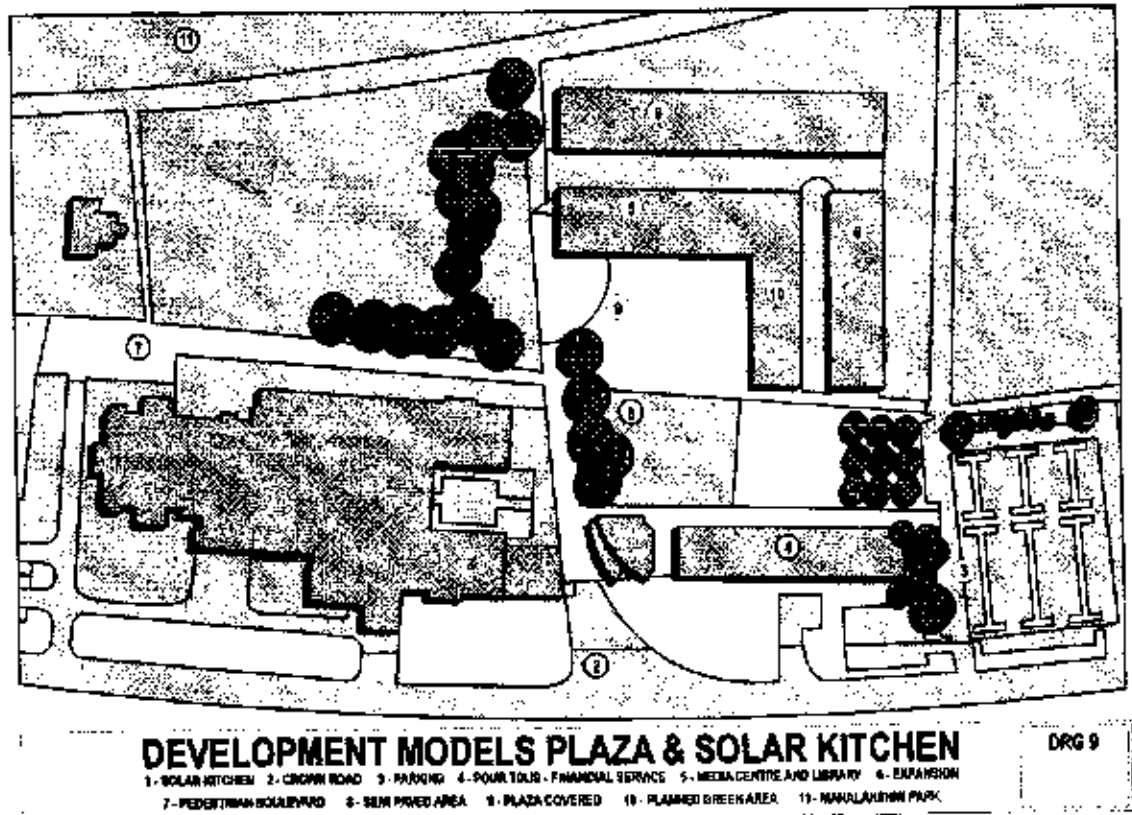
2.7.4. जनसंख्या का घनत्व और वितरण: यह प्रस्तावित है कि आवासीय जोन लगभग 10-10 हेक्टेयर के दस सैक्टरों में विभाजित करने चाहिए । इनमें से प्रत्येक सैक्टर को 100 व्यक्तियों/हेक्टेयर से 640 व्यक्तियों/हेक्टेयर के घनत्व में खासतौर पर ऊंची-ऊंची बिल्डिंगों के ब्लॉकों में, व्यापक शहरी रूपों की श्रेणी में विकसित करना चाहिए । आवासीय क्षेत्रों का निवल आकार लगभग 100 हेक्टेयर का होगा जिसमें आवासीय फ्लोर की जगह 1,500,000 वर्ग मीटर (एफएआर 150) होगी जो 30 वर्ग मीटर/व्यक्ति के औसत फ्लोर स्पेस पर सभी 40,000 लोगों को खपा सकेगी ।

2.8. निर्मित जगह के लिए विकास मॉडल

2.8.1. ऑरोविल प्लानिंग, बिल्डिंग डिजाइन और निर्मित जगहों के नए और नवीन मॉडलों का विकास कर रहा है । यह ना केवल सामग्री और निर्माण प्रौद्योगिकियों के प्रयोग से स्पष्ट है बल्कि अपशिष्ट उपचार के नए सिद्धान्तों, वाटर हार्वैस्टिंग, ऊर्जा विकास और अन्य क्षेत्रों के शुरू करने से भी है । विकास योजना (परिप्रेक्ष्य 2025) की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में इसे अधिक ताकत से जारी रखा जाएगा । चल रहे या कार्यान्वयन के लिए तैयार परियोजनाओं/प्रयोगों के कुछ उदाहरण विकास की किसम और ऐसे मॉडलों के मूल सिद्धांतों को दर्शाते हैं :

सौरव रसोईघर व भवन : प्लाजा संकुल के मकानों में यहां रहने वालों के लिए, खासतौर पर जो आवासीय जोन में रहते हैं, अपेक्षित सामुदायिक रसोई घर और अन्य सुविधाएं हैं, और विभागीय स्टोर, लाइब्रेरी, रेस्तरां, संचार केन्द्र और बहुउद्देशीय सार्वजनिक जगह शामिल है । यह संकुल आवासीय क्राउन में स्थित है । यहां यह चारों जोनों के बीच प्रमुख लिंक है जो प्रत्येक जोन में सार्वजनिक सेवाओं को जोड़ता है । क्राउन रोड के बीच की तरफ ऐसे भवनों का एक संकुल होगा

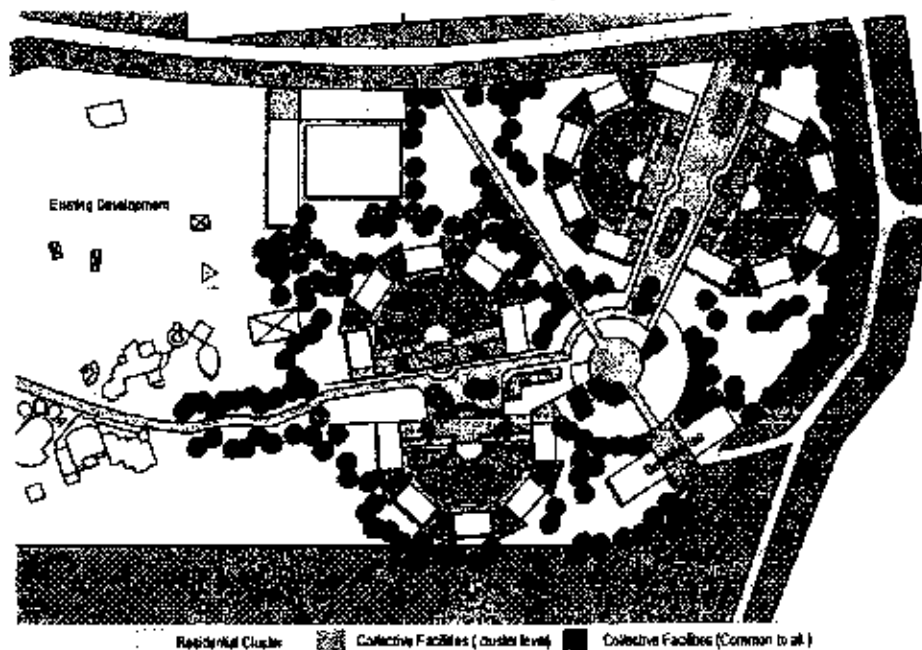
जो भवन 10 मीटर से ऊंचे न हों और 20 मीटर से चौड़े न हों। परिधि में लगातार चलने वाला एक मुख्य पथ होगा। संकुल में कई पारिस्थितिकी अनुकूल प्रथाओं—वाटर हार्वेस्टिंग, अपशिष्ट सामग्री का उपचार और ऊर्जा के वैकल्पिक प्रयोग को संघटित किया जाएगा। सौर रसोई घर के शीर्ष पर सौर बाउल जो कि पहले ही प्रतिष्ठापित किया हुआ है और कार्य कर रहा है, विश्व में सबसे बड़ा है और सामुदायिक खाने के समय यह 1000 व्यक्तियों के लिए खाना पकाने के लिए ऊर्जा प्रदान करता है। (चित्र 9)



‘सृजनता’ – अर्बन ईको-कम्युनिटी: सृजनता, एक आवासीय समुदाय की कल्पना ऐसे की गई है कि यहां 6 क्लस्टर होंगे जिनमें प्रत्येक में 50-60 सदस्य होंगे (चित्र 10)। अर्द्धचन्द्र की आकृति वाले स्थल के बीचों बीच पैदल चलने के लिए एक केन्द्रीय स्पायन अथवा गली है जो सभी 6 क्लस्टरों के काम आती है और इसमें कई सामुदायिक सुविधाएं फैली हैं। चलने का एक अन्य रास्ता इसके अभिलम्ब (परपैण्डिकुलर) में गुजरता है जो मनोरंजन और ग्रीन कॉरीडोर को जोड़ता है, जो चलने के लिए शांत और सुखद परिवेश प्रदान करता है। विभिन्न क्लस्टरों में एक प्रांगण होता है जो कि सेमी-पब्लिक है फिर भी इसे बड़े समुदाय से सुरक्षित रखा जाता है। सांझी

सुविधाओं के लिए बिल्डिंग के बफर के जरिए व्यक्तिगत इकाइयों को इंटरैक्शन जोन से अलग किया जाता है । जलवायु संबंधी सुखों पर, इंसुलेटिंग रूफिंग सामग्री के प्रयोग, कास वेंटीलेशन और समुचित लैंडस्केप डिजाइन द्वारा जोर दिया जा रहा है । विभिन्न आकारों की सिंगल और फेमिली यूनिटों के अलावा सिंगल व्यक्तियों के 4-5 ग्रुपों के लिए साझा रसोई घर, लिविंग रूम और स्नान घर की सुविधाओं का प्रावधान किया गया है ताकि सामाजिक मेल-मिलाप और सामुदायिक निर्माण को प्रोत्साहित किया जाए ।

संपूर्ण क्लस्टर के लिए सुविधाएं जैसे साझा रसोई घर, लांडरी, इंटरनेट, कार्यालय, जिम, टी.वी. और वीडियो रूम तथा अध्ययन के लिए साझे क्षेत्रों से अन्योन्यक्रिया को और आगे प्रोत्साहन मिलेगा तथा आवृत्ति से बचा जा सकेगा ।



DEVELOPMENT MODELS - CREATIVITY HOUSING PROJECT

DRG 10



लाइन-आफ-फोर्स- "प्रगति" : "प्रगति" मध्यम सघनता की सामूहिक बिल्डिंग के रूप में प्रस्तावित है जिसे आवासीय जोन के सैक्टर 11 में निर्मित किया जाना है । यह 7 आपसी सम्बद्ध, गैलेक्सी की फोर्स की लाइनों में से एक की शक्ति के माड्यूलों से युक्त है । इन माड्यूलों की ऊंचाई और घेरा ग्राउण्ड +1 फ्लोर से ग्राउण्ड +6 फ्लोर तक है ताकि यह भवन अनुप्रस्थ (हारिजन्टली) रूप में बड़े और धीरे-धीरे आखिर में पहुंचने तक ऊंचाई में बड़े । सम्पूर्ण परियोजना मध्यम घनत्व के हाउसिंग में रिसर्च है, जिसमें आर्किटेक्चर और आर्ट ईको-फ्रेण्डली निर्माण सामग्री और तकनीक है,

पानी के लिए पारिस्थितिकी पद्धति, ऊर्जा और लैण्ड स्केपिंग का मिश्रण है । इससे 350 लोगों को आवास मिलेगा। हवा की आवाजाही के लिए कुछ मॉड्यूल पिल्लरों की सहायता से भूमि के स्तर पर होंगे । " प्रगति" में ऐसी सुविधाएं होंगी जिन से अधिक सामुदायिक जीवनशैली का संवर्द्धन हो सके । कई सांझे कार्यक्रम और सामूहिक सेवाओं पर विचार किया गया है । जैसे कि रसोई घर और खाने का स्थान घर, वीडियो रूम, लाण्डरी, स्विमिंग पूल, पुस्तकालय, संचार केन्द्र और शारीरिक व्यायाम और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बहु-उद्देश्य स्थल और विकास के अनुसार अन्य सुविधाओं पर विचार किया जा सकता है । सामूहिक जीवन में व्यक्तिगत गतिविधियों और समय का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा । युवाओं के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी । मॉड्यूलों को चरणों में और विभिन्न तरीकों से निर्मित किया जा सकता है, लोगों को विलेंडिंग का वह भाग चुनने की अनुमति होगी जो उनकी जीवनशैली पर या वर्तमान जरूरतों में अत्याधिक फिट होता हो। यहां विभिन्न तरह के अपार्टमेण्ट होंगे, साइज सुविधाओं और परिष्करण में अलग-अलग। सुन्दर जगहों का सृजन करने के लिए परिष्करण का डिजाइन कलाकारों के परामर्श से तैयार किया जाएगा।

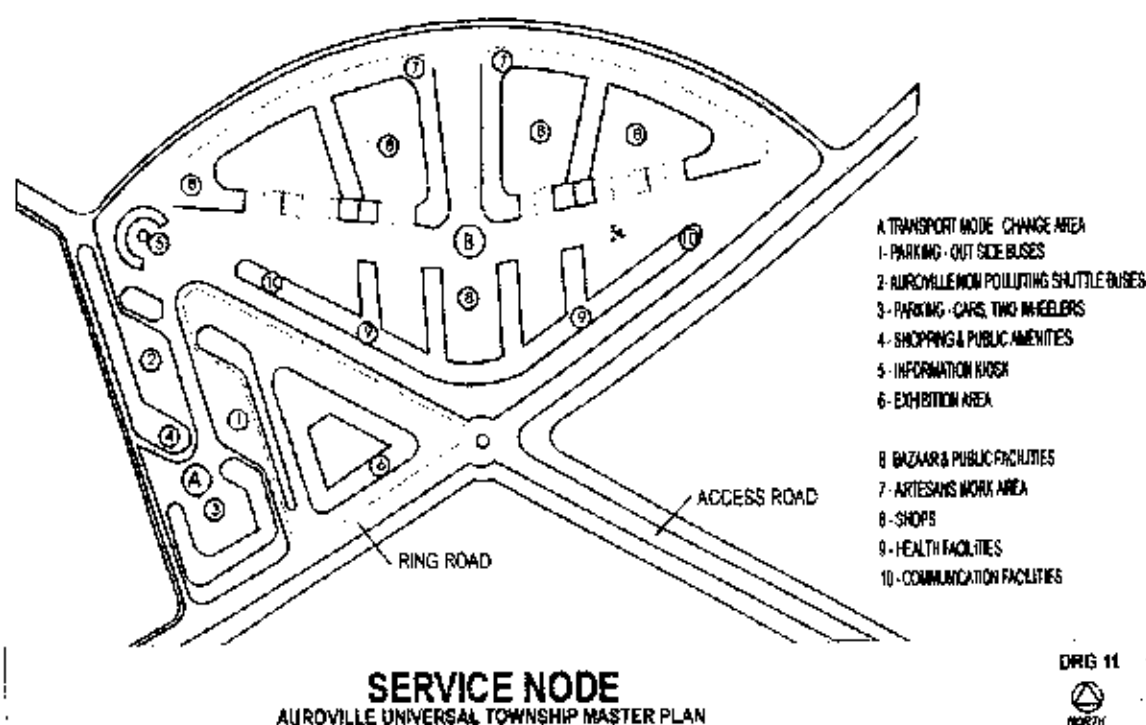
सावित्री भवन: प्रस्तावित सावित्री भवन अन्तर्राष्ट्रीय जोन के क्राउन क्षेत्र में स्थित है । इसमें श्री अरविन्दों के प्रकाशन महाकाव्य "सावित्री " से संबंधित अध्ययनों पर जोर रहेगा । यहां पर इस विषय को अच्छी तरह समझने और इसका मजा लेने के लिए यहां पर आर्ट गैलरी, हाल, ऐम्पेथियेटर, पुस्तकालय, दृश्यश्रव्य और कार्यालय एवं अध्ययन क्षेत्रों की सहायता, सुविधाएं और क्रियाकलाप होंगे ।

एकता पैविलियन: यह प्रस्तावित परियोजना अन्तर्राष्ट्रीय जोन के क्राउन क्षेत्र में स्थित है। एकता पैविलियन अन्तर्राष्ट्रीय जोन के विकास के लिए बीज और उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगी। इसे बलों से जुड़ने के आन्दोलन के रूप में देखा जाएगा । यह वैयक्तिक पैविलियनों के उद्भव के लिए संक्रांति काल और प्रायोगिक आधार होगा । एकता पैविलियन संकुल में कार्यालयों, अनुसंधान, व्याख्यानो, संगोष्ठियों, प्रदर्शनियों और दृश्यश्रव्य उपस्कर एवं निष्पादन क्षेत्रों और अतिथि आवास के लिए स्थल शामिल होंगे। एकता पैविलियन में कार्य का जोर महाद्वीपीय क्षेत्रों के सहयोग और विकास तथा राष्ट्रीय सीमाओं से आगे संस्कृतियों की पारस्परिक क्रिया पर होगा ।

भारत निवास: भारत निवास अन्तर्राष्ट्रीय जोन में भारतीय पैविलियन है । इसमें एक 840 सीट का रंग मंच है, भारतीय संस्कृति में अनुसंधान के लिए एक केन्द्र तथा उसकी अतिथिगृह की सुविधा है

। वर्तमान में यह कैम्पस, टाउन-संबंधी विभिन्न सेवाओं जैसे टाउन प्लानिंग, संग्रहालय, डाकघर, पब्लिक लाइब्रेरी, और बहुत से अन्यो के लिए केन्द्र के रूप में कार्य करता है।

सर्विस नोड्स: प्रस्तावित लैण्ड यूज प्लान में दो किसमों के सर्विस नोड्स का सुझाव दिया गया है। प्राइमरी नोड्स जो नगर निगम की सीमा पर स्थित हैं, ज्यादातर यात्री यातायात को विनियमित करेंगे। टाउनशिप में विभिन्न स्थानों का दौरा करने के लिए यात्रा गैर-प्रदूषण परिवहन मोड बदलेंगे। यह ऑरोविल और इर्द-गिर्द के गांवों के बीच पारस्परिक क्रिया के लिए (सामाजिक एवं आर्थिक प्रयोजनों के लिए) स्पेस भी प्रदान करेगा। इसमें पर्यटक संबंधी सुविधाएं शामिल होंगी। सैकेंडरी सर्विस नोड्स, अतिरिक्त रेगुलेटरी/चैनेलाइजिंग नोड्स के रूप में कार्य करने के लिए प्रस्तावित हैं जहां तक निवासी अपने वाहनों को पार्किंग और गराज सुविधाओं के लिए ले जा सकते हैं। चूंकि ऑरोविल को अभी खासतौर पर ग्रीन हरियाली क्षेत्र में बड़ी मात्रा में भूमि का अर्जन करना है, माध्यमिक नोड्स जो सिटी एरिया के नजदीक हैं, पहले विकसित किए जाएंगे (चित्र 11)



क	परिवहन मोड परिवर्तन क्षेत्र
1	आउट साइड बसों की पार्किंग

2	ऑरोविल गैर-प्रदूषण शटल बसें
3	कार, दो पहियों की पार्किंग
4	शॉपिंग और सार्वजनिक सुविधाएं
5	सूचना क्योस्क
6	प्रदर्शनी क्षेत्र
ख	बाजार और पब्लिक कैकल्टी
7	आर्टिजन बर्क एरिया
8	दुकानें
9	स्वास्थ्य सुविधाएं
10	संचार सुविधाएं

सर्विस नोड

ऑरोविल यूनीवर्सल टाउनशिप मास्टर प्लान

2.8.2. ये सभी नमूना विकास योजना के विभिन्न निर्मित संघटकों के क्रियान्वयन में प्रवर्तित ढंग से सहायक होंगे । सार्वजनिक भवनों का आर्किटेक्चरल डिजाइन अपंगता (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और सम्पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 के अनुसार लोगों की जरूरतों के मुताबिक अवरोध से मुक्त होगा और इसकी लैण्डस्कैप डिजाइन अवधारणा के जरिए, अलग अलग किस्म के, कई अनुभव प्राप्त होंगे ।

2.9 क्रियान्वयन और देखीकरण तंत्र

2.9.1. ऑरोविल के लिए मास्टर प्लान (परिप्रेक्ष्य: 2025) क्रियान्वयन में अब तक उपलब्ध संगठनात्मक ढांचे की अपेक्षा अधिक संरचनात्मक ढांचे की आवश्यकता है । जब यूरोपियन यूनियन निधियन परियोजना के बारे में सेक्टर फार इन्नोवेटिव अर्बन मैनेजमेण्ट वर्ष 2001 के आरम्भ में शुरू हो जाएगा, तो ऐसा संगठन स्थापित करने द्वारा इसकी शुरुआत हो जाएगी ।

2.9.2. योजना कक्ष विकास योजना के ढांचे के भीतर पंचवर्षीय विस्तृत विकास योजना और तत्पश्चात् वार्षिक योजना व ले आउट प्लान/ विस्तृत स्कीमें (परिप्रेक्ष्य:2025) तैयार करने के लिए जिम्मेदार होगा ।

परियोजनाओं का क्रियान्वयन और मानीटरिंग, उनके परियोजना लीडरों के जरिए संबंधित ए बी ग्रुप की जिम्मेदारी बनी रहेगी । तथापि समग्र समन्वय और कार्य का देखीकरण योजना कक्ष की जिम्मेदारी होगी ।

2.9.3. योजना के तीन महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिनके क्रियान्वयन के लिए तमिलनाडु सरकार और संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का पूर्ण समर्थन और उसमें शामिल रहने की जरूरत है । पहला टाउनशिप तक मुख्य पहुंच मार्गों के कर की व्यवस्था करने से संबंधित है । चार प्रमुख विभाग को जोड़ने वाले ऐसे चार मुख्य पहुंच मार्ग हैं । इन जगहों के लिए मौजूदा पहुंच मार्ग तंग हैं और ग्रामीण बस्तियों से गुजरते हैं । कुछ टुकड़ों पर सड़कों को चौड़ा करने की जरूरत है तथा ग्रामीण बस्तियों को अस्त-व्यस्त करने से बचने के लिए सर्रेखणें को करने की जरूरत है । दीर्घावधि में ईस्ट-कोस्ट सड़क और टिडीवनम्-पांडिचेरी सड़कों को जोड़ने वाले उत्तरी और दक्षिणी बाईपासों को बनाने की भी जरूरत है ताकि इन राजमार्गों के बीच पहुंच सरल और सीधी हो जाए ।

2.9.4. दूसरा महत्वपूर्ण पहलू विकास योजना में प्रस्तावित विकास के लिए उस भूमि को प्राप्त करना है जो ऑरोविल के स्वामित्व में नहीं है । भूमि को प्राप्त करने के लिए विभिन्न विकल्प, जैसे भूमि विनिमय, जमीन को पट्टे पर लेना भूमि पूलिंग तकनीक इत्यादि सुझाए गए हैं जैसा कि परिशिष्ट IV में संकेत दिया गया है । इससे उस भूमि के प्रयोग के लिए विनिमय की आवश्यकता है जो ऑरोविल के स्वामित्व में नहीं है ताकि असादृश्य प्रयोगों से बचा जा सके और ऐसी भूमि का अर्जन किया जा सके जो ऑरोविल द्वारा विकास के लिए चाहिए है । ऑरोविल प्रतिष्ठान केन्द्रीय सरकार द्वारा शासित होता है और इन प्रस्तावों के क्रियान्वयन में तमिलनाडु सरकार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का पूर्ण सहयोग अपेक्षित है ।

2.9.5. एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू ऑरोविल के नामित क्षेत्र के भीतर के गांवों एवं उसके "बायोरिजन" के गांवों का विकास है । ग्रुप पहले ही गांवों की सामाजिक-आर्थिक दशाओं में सुधार करने के लिए उनकी सहायता कर रहे हैं । पंच वर्षीय संकेतिक योजना में इस प्रयोजन के लिए लगभग तीन करोड़ रूपए का प्रावधान करने की बात चाही गई है । विकासशील परियोजनाओं की पहचान के लिए ऑरोविल ग्राम पंचायतों एवं सरकार के साथ सहयोग करेगा और परियोजनाओं के लिए धनराशि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार से मांगी जाएगी ताकि इन गांवों और बायोरिजन में विकास के विभिन्न पहलुओं को समर्थन मिले ।

2.9.6. योजना कक्ष के प्रस्तावित ढांचे में एक स्वतंत्र प्रभाग का प्रावधान है जिसे क्रियान्वयन के कार्य में शामिल किया जाएगा। विकास योजना (परिप्रेक्ष्य:2025) के लिए प्रस्तावित ढांचे का व्यौश परिशिष्ट-V में दिया गया है।

2.9.7. विकास और पर्यावरणीय क्रियाकलापों की वर्तमान गति को भागीदारी पर्यावरणीय प्रबन्धन प्रक्रिया के जरिए शक्तिशाली बनाया जाएगा जिसे विकास, प्लानिंग और अर्बन डिजाइन सभी तत्वों के भीतर एकीकृत किया जाएगा।

2.10. चरणों में बांटना और संसाधन जुटाना

2.10.1. विकास योजना (परिप्रेक्ष्य:2025) को कुल 50000 की जनसंख्या के लिए सोचा गया है, और इसमें वर्ष 2015 तक 15,000 की जनसंख्या को ध्यान में रखा गया है। समग्र सिटी विकास और विशेष परियोजनाओं के लिए पंच वर्षीय कार्यक्रम के साथ पंचवर्षीय विकास योजना (2007-2012) के प्रस्ताव सारणी 22 में दिए गए हैं।

सारणी-22

ऑरोविल प्रतिष्ठान-ऑरोविल 11वीं पंचवर्षीय योजना 2007-2008 से 2011-2012

क्र० सं०	स्कीम का नाम	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
1	एसएआईआईआईआर	103.00	114.00	130.00	142.00	151.00
	अनुसंधान	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	विकास (प्रशा०)	30.00	35.00	40.00	45.00	50.00
	उपस्कर	212.00	175.00	190.00	220.00	255.00
	निर्माण कार्यक्रम	345.00	324.00	360.00	407.00	456.00
214i	मौजूदा विकास स्कीम					

1/2						
	भारतीय अध्ययनों का केन्द्र/भारतीय संस्कृति में अनुसंधान का केन्द्र	9.55	10.74	10.45	11.69	11.45
	कला केन्द्र	5.95	7.10	7.60	7.91	8.42
	श्री अरविन्दो आडिटोरीयम	13.12	10.10	10.61	11.14	1.17
	तमिल हैरिटेज सेंटर	4.28	3.13	4.68	3.45	4.92
	मानवीय एकता के लिए श्री अरविन्दों विश्व केन्द्र	5.10	5.35	5.63	5.90	6.19
	भारत निवास अनुसंधान	20.18	23.51	22.02	25.07	23.16
	भारत निवास छात्रवृत्ति	3.00	3.00	3.00	3.00	3.00
	प्रचार/लोकसम्पर्क/प्रशिक्षण	5.00	5.00	5.00	5.00	5.00
2 1/4 1 1/2	मौजूदा निर्माण	183.82	182.07	181.01	176.84	176.16
	कुल	250.00	250.00	250.00	250.00	250.00
3	ऑरोविल प्रतिष्ठान कार्यालय का निर्माण	81.00	0	0	0	0
4	ऑरोविल भाषा प्रयोगशाला	60.00	40	0	0	0
5	अभिलेखागार	50.00	50	0	0	0
6	ट्रांजिट होटल/आवास	125.00	125	125	125	125
7	ऑरोविल लाइब्रेरी		50	50	0	0
8	पुरातत्व		50	50	0	0
9	आधुनिक संचरना					
	रिंग रोड		300	300	0	0
	अप्रोच रोड				300	300
	स्ट्रीट लाइटिंग	0	0	30	30	40
10	अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन केन्द्र फेलिसिटी 1/4 70-80 होस्टल 1/2		200	200	200	0

11	प्रशासनिक ऊपरि खर्च 7%	63.77	97.23	95.55	91.84	81.97
		974.77	1486.23	1460.55	1403.84	1252.97
		975.00			कुल	6578.59

2.10.2. वर्ष 2007-2012 के लिए योजना विकास प्रस्तावों में ऑरोविल का आधारिक संरचना विकास पर 658 करोड़ रु० का निवेश करने का प्रस्ताव है ।

2.10.3. ऑरोविल के क्रियाकलापों का वित्तपोषण, अंशदान और निवासियों से वित्तीय निर्विष्टियों द्वारा ऑरोविल से चलाए जाने वाली कारोबारी यूनिटों से सृजित आय के द्वारा और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों से मिलने वाले अनुदानों और अंशदानों से किया जाता है । ऑरोविल, जोकि ऐसा संस्थान है जिसकी स्थापना संसद के अधिनियम के जिरिए की गई है, भारत सरकार से भी समर्थन प्राप्त करता है ।

2.10.4. ऑरोविल क्रियाकलापों के निधियन के लिए स्रोत निम्नलिखित है:

ऑरोविल प्रतिष्ठान के अधीन न्यास; वर्तमान में ऑरोविल प्रतिष्ठान के अधीन बड़ी और छोटी वाणिज्यिक यूनिटों को 30 न्यासों के ग्रुप रखा गया है। पिछले 10 वर्षों में वाणिज्यिक यूनिटों ने ऑरोविल के अनुरक्षण और विकास के लिए 10 करोड़ रु० का वित्तीय योगदान दिया है ।

वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र सीएसआर(सीएसआर): सीएसआर एक अनुसंधान संस्थान है जिसकी स्थापना, नवीकरणीय ऊर्जा, गन्दे पानी की रिसाइकलिंग और सफाई, तथा समुचित भवन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास पर जोर देने के लिए सन् 1984 में की गई थी । इसके क्रियाकलापों में आरएंडडी परियोजनाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं की मारफत प्रौद्योगिकी का अन्तरण, नवीकरणीय ऊर्जा पद्धतियों का संवर्द्धन, संगोष्ठियों की मारफत सूचना का फैलाव, कार्यशालाएं और प्रकाशन, फेरोसीमेण्ट भवन अवयवों और बायोगैस संयंत्रों का उत्पादन, आर्किटेक्चरल डिजाइन, परामर्श और निर्माण परियोजनाएं शामिल हैं । यह राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों से निधियां प्राप्त करते हैं जिन्हें भी ऑरोविल के विकास में लगाया जाता है ।

भारत सरकार: गत 10 वर्षों में भारत सरकार की ऑरोविल गतिविधियों के लिए सहायता 50 करोड़ रुपए रही है ।

अनुदान और अंशदान: भारत और विदेश दोनों से अन्तर्राष्ट्रीय अनुदान और अंशदान ऑरोविल निधि के जिरिए आते हैं । इसी प्रकार शैक्षिक अनुसंधान श्री अरविन्दों अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान(एसएआईआईआर) अपने सांस्कृतिक और शैक्षिक क्रियाकलापों के लिए भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय निधियां प्राप्त करता है । ऑरोमित्रा न्यास, मृदा और जल संरक्षण, वृक्षारोपण और फार्मिंग के क्षेत्र में पर्यावरणीय, सामाजिक, प्रौद्योगिकीय और अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए निधियां प्राप्त करता है ।

2.10.5. इन निधियों से उन परिसम्पत्तियों के वित्तपोषण और सृजन में सहायता मिली है जिनमें सड़क निर्माण, जल और सफाई, विद्युत (वैकल्पिक स्रोतों सहित जैसे सौर, वायु और बायोमास सहित), दूरसंचार, और ऑरोविल निवासियों के लिए गृह निर्माण । यह प्रमाणित हो चुका है कि गत 40 वर्षों से ऊपर सृजित परिसम्पत्तियों का मूल्य लगभग 750 करोड़ रुपए है ।

2.10.8. विकास के लिए संसाधन जुटाना: सीमित संसाधनों के साथ भी मानव बस्ती भवन में ऑरोविल ने नवीन परियोजनाएं चलाई हैं जो राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय दृश्य के बारे में शहरी विकास के साथ पर्यावरणीय पुनरुत्पादन का एकीकरण करता है । इसने उन अभिकरणों में रुचि पैदा की है जो ऑरोविल के विकास में और आगे सहायता देने के लिए सतत चलने वाले विकासशील कार्यक्रमों का निधियन करते हैं । हाल ही का उदाहरण नवीन शहरी प्रबन्धन हेतु केन्द्र के निर्माण के लिए उसके एशिया अरब कार्यक्रम के अधीन, यूरोपियन यूनियन से वित्तीय सहायता का है जिसने ऑरोविल के भावी विकास के लिए प्रभावकारी म्युनिसिपल ढांचा तैयार किया है ।

2.10.7. नवीन और समुचित प्रौद्योगिकी के विभिन्न सैक्टरों में ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में किए गए ऑरोविल के कार्य को तमिलनाडु राज्य सरकार और भारत सरकार द्वारा मान्यता प्रदान की गई है जिन्होंने कि विभिन्न मंत्रालयों की मार्फत अनुदान प्रदान किए हैं। भारत के भीतर से गैर-सरकारी और सरकारी दोनों अभिकरणों से गत 40 वर्षों से अधिक समय से संचित विशेषज्ञता परामर्शी कार्यों को आकर्षित कर रही है ।

2.10.8. संगठनात्मक ढांचा जिसके शीघ्र सृजित होने की आशा है, निधियन अभिकरणों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक विस्तार से परियोजनाओं पर कार्य करेगा और निधियन के लिए अन्य संसाधनों/संभावनाओं की खोज करेगा। तथापि, चूंकि ऑरोविल का प्रयोग एक अनूठा प्रयोग है जो अन्य कस्बों से बिल्कुल अलग है, यह अपने विकास के लिए पारम्परिक स्रोतों जैसे ऋणों, बन्ध पत्रों से संसाधन नहीं जुटा सकते। ऑरोविल की वाणिज्यिक यूनिटें इस के विकास के लिए लगातार योगदान कर रही हैं लेकिन वे प्रत्याशित सारे विकास के लिए धन नहीं जुटा सकतीं। प्रथम चरण में ऑरोविल अपने वर्तमान और भविष्य में आने वाले निवासियों से परियोजना निधियों और योगदानों पर लगातार निर्भर रहता रहेगा।

2.11. विकास योजना (परिप्रेक्ष्य: 2025) की पुनरीक्षा

2.11.1. यद्यपि विकास योजना (परिप्रेक्ष्य: 2025) में 25 वर्षों के समय का संकेत दिया गया है, यह न तो पारम्परिक होगा और न ही स्थैतिक और कठोर होगा। परिप्रेक्ष्य 2025 के ढांचे में, प्लानिंग ग्रुप विस्तृत पंचवर्षीय विकास योजना तैयार करेगा जिसमें सारणी 22 में दिए अनुसार विकास के लिए हाथ में ली जाने वाली अग्रता वाली मदें होंगी। प्रथम पंचवर्षीय विकास योजना की समाप्ति पर प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा। दूसरे चरण की विस्तृत विकास योजना को तब, फील्ड/परिवीक्षण से प्राप्त फीड बैक के आधार पर तैयार किया जाएगा जिसका अनुसरण आगे विस्तृत विकास योजनाओं द्वारा बाद की पांच वर्षों की अवधि के लिए किया जाएगा।

2.11.2. पुनरीक्षण के लिए इन्पुट पंचवर्षीय विकास योजनाओं के क्रियान्वयन से और भूमि प्रयोग विनियमों के देखीकरण से प्राप्त होगा। दो ग्रुप अर्थात् योजना कक्ष और क्रियान्वयन और देखीकरण ग्रुप (सीएफ संगठनात्मक ढांचे के बारे में परिशिष्ट (आवश्यक डाटा जो उक्त पुनरीक्षा के लिए अपेक्षित हो, एकत्र करेंगे। पुनरीक्षा की प्रक्रिया वही होगी जो प्रक्रिया भावी योजना तैयार करने के लिए अपनाई जाती है और परिणामों का अनुमोदन पर्यवेक्षी मंत्रालय अर्थात् मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के परामर्श से शासी बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

3. भाग तीन विकास संवर्द्धन विनियम

3.1. जोनिंग और विकास संवर्द्धन विनियम

3.1.1. व्यवस्थित और संतुलित विकास प्राप्त करने के लिए, व्यक्तियों, व्यक्तियों के गुप्तों या संस्थानों को, ईद-गिर्द के पर्यावरण पर विचार किए बगैर, पूर्ण स्वतन्त्रता नहीं हो सकती । विकास संबंधी दिशा-निर्देश स्थापित करने की जरूरत है जिससे आम कल्याण के लिए आयोजन के सिद्धान्तों का उल्लंघन किए बगैर विकास प्रोत्साहित होगा । अतः कई जोनिंग और विकास संवर्द्धन विनियमों को तैयार किया गया है । विनियमों में मोटे तौर पर चार क्षेत्रों को शामिल किया गया है अर्थात् भूमि प्रयोग (क्या अनुमत्य है और किस का निषेध है), दिए गए संदर्भ में सभी फलों पर अधिकतम निर्माण करने योग्य क्षेत्र, स्थल पर कुल कितना क्षेत्र कवर किया जा सकता है और जहां लागू हो, स्थल के कितने न्यूनतम आकार का विकास करना जरूरी है ।

3.1.2. सभी परियोजना धारक नवीन विकासों की कोशिश करने के लिए तब तक स्वतंत्र हैं जब तक कि विकास योजना (परिप्रेक्ष्य: 2025) के बुनियादी पैरामीटर पूरे होते हों । विकास योजना (परिप्रेक्ष्य:2025) के अधीन रखे गए प्लानिंग ग्रुप यह सुनिश्चित करने के प्रभारी होंगे कि भविष्य की सभी परियोजनाएं इन विनियमों के अनुरूप हों । ये विनियम भूमि प्रयोग के लिए दिशा-निर्देशों का काम भी करेंगे, खासतौर पर हरियाली क्षेत्र में । संबंधित स्थानीय निकायों अर्थात् पंचायतों से समर्थन, विकास योजना (परिप्रेक्ष्य: 2025) के समुचित क्रियान्वयन करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है । दोनों राज्य और केन्द्रीय सरकारों ने ऑरोविल के लाभदायक और सकारात्मक क्रियाकलापों को मान्यता दी है और विभिन्न विभाग और मंत्रालय जैसे पर्यावरण और वन तथा ग्रामीण विकास ऑरोविल की विभिन्न तरीकों से सहायता कर रहे हैं जिसमें परियोजनाओं के लिए धन देना भी शामिल है । इसी प्रकार सतत विकास के संवर्द्धन के लिए जो कि देश के व्यापक लाभ में होगा, बड़ी संख्या में अन्तर्राष्ट्रीय विकास संगठन ऑरोविल के साथ कार्य कर रहे हैं । कई अवसरों पर यूनेस्को ने ऑरोविल के लिए अपने सदस्य देशों से सिफरिश की है और उनसे उसका पूर्ण समर्थन करने का अनुरोध किया है ।

3.1.3. जो नींव पहले ही रखी जा चुकी है उस पर आगे निर्माण करने के लिए राज्य एवं केन्द्रीय सरकारों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि विकास संवर्द्धन विनियमों के साथ विकास

योजना (परिप्रेक्ष्य: 2025) के प्रस्तावों का ऑरोविल और उसके इर्द-गिर्द के इलाकों का व्यवस्थित विकास करने के लिए क्रियान्वयन प्रभावकारी ढंग से किया जाए।

3.2. विकास संवर्द्धन विनियम

1. शीर्षक

ये विनियम "ऑरोविल विश्व नगर निगम विकास योजना विकास विनियम" (इसके पश्चात् "विकास योजना" विकास विनियम) कहलाएंगे।

2. परिभाषा

(क) ऑरोविल प्रतिष्ठान का अर्थ है ऑरोविल प्रतिष्ठान अधिनियम 1988 की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन स्थापित प्रतिष्ठान।

(ख) विकास को, भवन निर्माण, इंजीनियरिंग, खनन अथवा अन्य क्रियाकलापों, जो भूमि पर या भूमि के अन्दर किए जा रहे हैं, अथवा किसी भवन या भूमि के प्रयोग में कोई बड़ी तबदीली की जा रही हो, को करने के रूप में परिभाषित किया गया है या समझा गया है।

(ग) निवासियों की सभा का वही अर्थ होगा जो इसे ऑरोविल प्रतिष्ठान अधिनियम, 1988 में दिया है।

(घ) मास्टर प्लान का अर्थ है, ऑरोविल का यथानियोजित विकास सुनिश्चित करने के लिए जो ऑरोविल मास्टर प्लान ऑरोविल प्रतिष्ठान अधिनियम के खण्ड 19 (2) के अनुसार निवासियों तैयार किया गया हो और शासी समिति द्वारा अनुमोदित किया गया हो।

(ङ) निर्धारित प्राधिकरण का अर्थ है कार्यचालन और क्रियान्वयन के लिए ऑरोविल प्रतिष्ठान द्वारा निर्णीत प्राधिकरण जिसमें विकास संवर्द्धन विनियम शामिल हैं।

(च) एफ ए आर (फ्लोर एरिया रेशो) का अर्थ है सभी फ्लोरों पर कुल फ्लोर एरिया जिसे स्थल के कुल एरिया से विभाजित किया जाएगा और 100 से गुणा किया जाएगा अर्थात्

$$\text{एफएआर} = \frac{\text{सभी फ्लोरों पर कुल फ्लोर एरिया}}{\text{स्थल का कुल एरिया}} \times 100$$

स्थल का कुल एरिया

3. अनुमत्य भूमि प्रयोग

(क) विकास योजना के क्षेत्र में सभी विकास कार्य इन विनियमों के अनुसार होंगे।

(ख) कोई भूमि, परिसर या भवन ऐसे नहीं बदला जाएगा या किसी ऐसे प्रयोग में नहीं लाया जाएगा जो जोन के विनियमों के अनुसार न हो जिसके कि इन विनियमों के रूप में देखा जाता है ।

4. विकास की पद्धति इरादा

(क) कोई व्यक्ति जिसका इरादा किसी भूमि पर विकास करने का हो, वह निर्धारित प्राधिकरण को अपेक्षित प्लान और विवरणों के साथ लिखित में प्रस्ताव भेजेगा ।

(ख) कोई व्यक्ति तब तक किसी विकास संबंधी कार्य को प्रारम्भ नहीं करेगा जब तक कि उसे निर्धारित प्राधिकरण का लिखित अनुमोदन प्राप्त नहीं हो जाता ।

(ग) विकास संबंधी प्रस्तावों पर विचार तभी किया जाएगा यदि विकास निम्नलिखित के अनुसार हो:

i. विनियमों की जरूरतों के अनुसार हो;

ii. लागू भवन नियमों/विनियमों या राष्ट्रीय बिल्डिंग कोड के अन्य उपबन्धों, जो विनिर्दिष्ट हों, के अनुसार हो ।

iii. आर्थिक तौर पर अनुकूल, पर्यावरणीय तौर पर समुचित जैसा कि प्रत्येक मामले में निर्णय लिया जाएगा ।

(घ) निर्धारित प्राधिकरण, उसे प्राप्त फीड बैक पर विचार करने के पश्चात्, निम्नलिखित कार्यवाई कर सकता है:

i. प्रस्ताव को ऐसे संशोधनों के साथ अनुमोदित कर सकेगा जिन्हें वे आवश्यक समझें, या

ii. प्रस्ताव को अतिरिक्त विवरण के साथ पुनः प्रस्तुत करने के लिए वापस भेजेगा, या

iii. अनुमोदन देने से इन्कार कर देगा और इस प्रकार इन्कार करने के कारण भी देगा ।

जोनिंग विभाग विनियम

विभाग/ उप विभाग	अनुमत्य प्रयोग	निर्धारित प्राधिकारी को आवेदन करने पर अनुमत्य प्रयोग	प्रयोग अनुमत्य नहीं	एफएआर — अधिकतम भूमि कवरेज	न्यूनतम प्लॉट साइज
क. भूखण्ड क्षेत्र	मातृमंदिर, झील, पार्क और बाग व अन्य लैंड स्केप तत्त्व जिन से क्षेत्र की प्रतिष्ठा, शांति और सामन्जस्य में वृद्धि हो	केवल मातृमंदिर के अनुबंधी प्रयोग, अर्थात् आवश्यक उपयोगिता और परिवहन से संबंधित संरचना, अस्थायी गैर-प्रदूषणकारी आप्रेशनल प्रयोग जो मातृमंदिर के चल रहे विकास से संबंधित हो। घात्री सुविधाएं या कोई अनुमत्य ढांचा जो 4.5 मीटर की ऊंचाई से अधिक न हो	ऐसे सभी प्रयोग जिनका खासतौर पर कालम 2 और 3 में उल्लेख न किया गया हो	10 4%	---
ख आवासीय जोन					

ख. प्राथमरी आवासीय	घर और घरेलू इमारत, सामुदायिक, सार्वजनिक क्षेत्र उग्र 8-12 बच्चों का किडरगार्डन प्रथम चिकित्सा व्यासिक सामुदायिक स्तर, खेल, मैदान, उद्यान, वाहन स्थल	40 वर्ग मीटर के व्यावसायिक कार्यालय उपयोगिता,	ऐसे सभी प्रयोग जिनका कालम 2 और 3 में खासतौर से उल्लेख न किया गया हो	150 — 40%	ग्रुप विकास 0.1 हेक्टेयर
2. क्राउन	घर और सामुदायिक स्तर के खुदरा स्टोर, डिस्ट्रे एरिया, संचार और मनोरंजन केन्द्र, रेस्तरां और डाइनिंग, लाइब्रेरी और रीडिंग रूम, स्वास्थ्य केन्द्र, आवश्यक उपयोगिता प्रयोग, इनडोर मनोरंजन, सिटी प्रदर्शन के उप कार्यालय जिनमें अग्नि, जल, सफाई उप ढाकघर, पार्क और ग्रीन क्षेत्र तथा वाहन पार्किंग शामिल हैं	अतिथि गृह, विभागीय, स्टोर 40 वर्ग मीटर के व्यावसायिक कार्यालय, उपयोगिता, अनुरक्षण केन्द्र, परिवहन से संबंधित आवश्यक आधारिक संरचना और समन्वय सुविधायें	ऐसे सभी प्रयोग जिनका कालम 2 और 3 में खासतौर से उल्लेख न किया गया हो	200 — 60%	ग्रुप विकास 0.1 हेक्टेयर
जोन/ उपजोन	अनुमत्य प्रयोग	निर्धारित प्राधिकारी को आवेदन करने पर अनुमत्य प्रयोग	प्रयोग अनुमत्य नहीं	एफएआर — अधिकतम भूमि कवरेज	न्यूनतम प्लॉट साइज

ग अन्तर्राष्ट्रीय जोन					
1. पैविलियन	राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पैविलियनों, सम्मेलन और प्रदर्शनी हाल, संचार केन्द्र और यात्री सूचना केन्द्र और अनुषंगी प्रयोग, रिहायशी स्टाफ क्वाटर्स, होस्टल, अतिथि गृह, रेस्तरां, क्यास्क और सुविधा स्टोर, पार्क, प्लेग्राउण्ड और ग्रीन क्षेत्र	चिकित्सा केन्द्र, परिवहन आधारिक संरचना	ऐसे सभी विकास प्रयोग जिनका विशेष रूप से कालम 2 और 3 में उल्लेख नहीं किया गया है ।	100 — 35%	2 हैक्टेयर घुम
2. क्राउन	रिहायशी स्टाफ क्वाटर्स, घर, शॉपिंग आर्केड्स, रेस्तरां, अतिथि गृह, होस्टल, इन्डोर मनोरंजन, यात्री सुविधाएं, बैकिंग, और वित्तीय सेवाएं, पार्क और ग्रीन एरिया	घर और सामुदायिक स्तर के खुदरा स्टोर, डिस्पेंसरी, एरिया, संचार और मनोरंजन केन्द्र, रेस्तरां और आइनिंग, लाइब्रेरी और रीडिंग रूम, स्वास्थ्य केन्द्र, आवश्यक उपयोगिता प्रयोग, इन्डोर मनोरंजन, सिटी प्रबन्धन के लघु कार्यालय जिनमें अग्नि, जल, सफाई उप	सभी ऐसे प्रयोग जिन का विशेष रूप से कालम 2 और 3 में उल्लेख नहीं किया गया है ।	150 — 60%	0.1 हैक्टेयर

		डाकघर, पार्क और ग्रीन क्षेत्र तथा वाहन पार्किंग शामिल है			
जोन/ उपजोन	अनुमत्य प्रयोग	निर्धारित प्राधिकारी को आवेदन करने पर अनुमत्य प्रयोग	प्रयोग अनुमत्य नहीं	एफएआर — अधिकतम भूमि कवरेज	न्यूनतम प्लॉट साइज
घ. औद्योगिक जोन					
1. विनिर्माण और आर्थिक	विनिर्माण सेवाएं और अन्य गैर-प्रदूषण उद्योग, व्यावसायिक परामर्शी कार्यालय, खुदरा और होल्सेल वितरण, औद्योगिक प्रदर्शन क्षेत्र, आर एंड डी स्टाफ क्वार्टर्स, संबंधित कल्याणकारी सुविधाएं, क्रेच, कैंटीन रेस्टरूम क्योस्क और सुविधा स्टोर और वाहन पार्किंग, व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र और संबंधित प्रयोगशालाएं, सिटी स्तर के प्रशासनिक	रिहायशी स्टाफ क्वार्टर्स, निस्सारी और अपशिष्ट उत्पन्न प्लाण्ट्स और परिवहन से संबंधित आधारिक संरचना सामग्री परीक्षण यार्ड और बिल्डिंगें	ऐसे सभी प्रयोग जिन का विशेष रूप से कालम 2 और 3 में उल्लेख नहीं किया गया है।	125 — 50%	0.5 हेक्टेयर

	कार्यालय, पार्क और प्लेग्राउण्ड्स और ग्रीन क्षेत्र				
2. क्रावन	होटल, घर और अतिथि गृह, डाक और संचार केन्द्र, खुदरा स्टोर, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, पार्क और ग्रीन क्षेत्र	घर और सामुदायिक स्तर के खुदरा स्टोर, डिस्ट्रिब्यूटर्स, संचार और मनोरंजन केन्द्र, रेस्तरां और डाइनिंग, लाइब्रेरी और रीडिंग रूम, स्वास्थ्य केन्द्र, आवश्यक उपयोगिता प्रयोग, इनडोर मनोरंजन, सिटी प्रबन्धन के तृप कार्यालय जिनमें अग्नि, जल, सफाई तृप डाकघर, पार्क और ग्रीन क्षेत्र तथा वाहन पार्किंग शामिल है	ऐसे सभी प्रयोग जिन का विशेष रूप से कालम 2 और 3 में उल्लेख नहीं किया गया है।	200 — 60%	ग्रुप विकास 0.1 हेक्टेयर
जोन/ सपजोन	अनुमत्य प्रयोग	निर्धारित प्राधिकारी को आवेदन करने पर अनुमत्य प्रयोग	प्रयोग अनुमत्य नहीं	एफएआर — अधिकतम भूमि कवरेज	न्यूनतम प्लॉट साइज

व सांस्कृतिक जोन					
1. मुख्य सांस्कृतिक	शिक्षा, कला और खेल-कूद से संबंधित शैक्षिक संस्थान और अनुसंधान केन्द्र, आडिटोरियमों, प्रदर्शनी हालों और प्रासंगिक प्रयोगों सहित सिटी स्तर के सांस्कृतिक प्रयोग, क्योस्क और सुविधा स्टोर, पार्क और प्ले-ग्राउण्ड तथा ग्रीन क्षेत्र	रिहायशी स्टाफ क्याटर्स, परिवहन संबंधी प्रमुख आधार संरचना, स्टेडियम और बड़ी जगह घेरने वाली क्रीड़ा सुविधाएं	ऐसे सभी प्रयोग जिन का विशेष रूप से कालम 2 और 3 में उल्लेख नहीं किया गया है।	100 — 40%	1.0 हेक्टेयर
2. कालन	कालम 2 के अधीन रिहायशी जोन में अनुमत्य सभी प्रयोग तथा गैलरियां, अतिथि कक्ष, डोरमैटोरियां, कैंफटीरिया, प्रदर्शनी कक्ष, कार्य शिल्पशालाएं	अतिथि गृह, विभागीय स्टोर और लाईब्रेरी, 40 वर्ग मीटर तक के व्यावसायिक कार्यालय, उपयोगिता अनुरक्षण केन्द्र और परिवहन से संबंधित आवश्यक आधारिक संरचना तथा सम्मेलन सुविधाएं	ऐसे सभी प्रयोग जिन का विशेष रूप से कालम 2 और 3 में उल्लेख नहीं किया गया है।	150 — 60%	1.0 हेक्टेयर
जोन/ उपजोन	अनुमत्य प्रयोग	निर्धारित प्राधिकारी को आवेदन करने पर अनुमत्य प्रयोग	प्रयोग अनुमत्य नहीं	एकएअर — अधिकतम	न्यूनतम प्लॉट साइज

				भूमि कवरेज	
च. ग्रीन बेल्ट जोन					
1. ग्रीन प्रयोग जोन	<p>कृषि खासतौर पर आर्गेनिक कृषि तथा ग्रामीण विकास क्रियाकलाप जो विकासशील देशों के हालात पर लागू हो सकते हों, खासतौर से देश के भीतर और तमिलनाडु में, जो पारम्परिक और जियो-क्लाईमेटि दोनों से टोपोग्राफिक और गृदा विशेषताओं से संबंधित हों । शिक्षा सभी क्षेत्रों में अनुसंधान जिसमें प्रायोगिक अनुसंधान शामिल है, सतत शहरी और एकीकृत ग्रामीण विकास जिसमें ऊर्जा फार्म, जल और अपशिष्ट प्रबन्धन शामिल है, यातायात और परिवहन, वन, डेयरी, फूल और फल, कस्बे के लिए जरूरत के पोल्स और कृषि</p>	<p>सिटी स्तर अपशिष्ट उपचार प्लांट और अन्य प्रयोग घर । जरूरी आप्रेशनल व्यक्तियों तक ही प्रतिबंधित होंगे । फार्म उत्पादों का प्रारम्भिक संसाधन और सज्जीकरण व विपणन से संबंधित प्रयोग । ग्रामीण बस्तियों की सामान्य जरूरतें</p>	<p>ऐसे सभी प्रयोग जिन का विशेष रूप से कालम 2 और 3 में उल्लेख नहीं किया गया है ।</p>	<p>10</p> <p>—</p> <p>5 %</p>	---

	<p>खाद्य उत्पाद, वनस्पति उद्यान, जीन पूल, बायो-रिजर्व, पारिस्थितिकी बहाली, वृक्षारोपण और लष्ण कटिबंधी देशी वनों की बहाली। वाटरशीड प्रबन्धन और भूमिगत जल रिचार्ज। इन क्षेत्रों का ग्रामीण बस्तियों के साथ सह-विकास और भागीदारी</p>				
2. सेवा नोट्स	सार्वजनिक सेवाएं और उपयोगिताएं	आवधिक संरचना से संबंधित प्रयोग	ऐसे सभी प्रयोग जिन का विशेष रूप से कालम 2 और 3 में उल्लेख नहीं किया गया है।	<div>75</div> <div>35%</div>	---

परिशिष्ट

परिशिष्ट— I

ऑरोविल प्रतिष्ठान के शासी समिति और अन्तर्राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के सदस्य

शासी समिति

अध्यक्ष

डॉ० कर्ण सिंह,

संसद सदस्य (राज्यसभा) तथा

प्रधान, इंडियन काउंसिल फार

कलचरल रिलेशन्स

श्री अजय बागची,

सदस्य

कार्यपालक निदेशक,

दि पीपल कमीशन ऑन

एन्यायरमेण्ट एण्ड डेवलपमेंट इंडिया,

नई दिल्ली

सुश्री अमीता मेहरा,

सदस्य

निदेशक, नॉस्टिक सेण्टर, गुडगांव

डा० (सुश्री) आस्टर मीरा पटेल

सदस्य

सदस्य, रेजिडेण्ट असैम्बली

ऑरोविल प्रतिष्ठान,

ऑरोविल

श्री बालकृष्ण वी.दोशी,

सदस्य

संस्थापक निदेशक

वास्तु शिल्प फाउंडेशन, अहमदाबाद

डा (सुश्री) मल्लिका साराभाई

सदस्य

निदेशक, दर्पण अकादमी आफ परफार्मिंग आर्ट,

अहमदाबाद

श्री एसके राय,

पदेन

सदस्य,

अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार,

मानव संसाधन विकास मंत्रालय,

नई दिल्ली

श्री अमित खरे,

पदेन—सदस्य

सदस्य,

संयुक्त सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग,

मानव संसाधन और विकास मंत्रालय,

नई दिल्ली

अन्तर्राष्ट्रीय सलाहकार परिषद

(1) श्री मार्कतुली (यूके). लेखक, जर्नलिस्ट और पारम्परिक कार्यों के बारे में टीकाकार

बीबीसी इंडिया आप्रेन्स के भूतपूर्व अध्यक्ष

(2) डा० डुडु डीने (सेनेगल) रेसिज्म और रेशियल भेदभाव के बारे में क्सेनोफोबिया तथा रिलेटेड इन्टॉलरेंस; निदेशक, इण्टरकल्चरल और इण्टर रिलीजिअस डायलॉग तथा पीस कल्चर, युनेस्को;

(3) डॉ० विशाखा एन० देसाई, (यू.एस.) : प्रेजीडेण्ट एशिया सोसाइटी ऑफ, न्यूयार्क,

(4) डा० मार्क लुयक्स घीशी (बेल्जियम) : थियोलॉजियम एण्ड रिसर्च; यूरोपियन आयोग के प्रेजीडेण्ट के एडवाइजर,

(5) श्री जुलियन लाइन्स (यू.एस.) : अध्यक्ष, ऑरोविल इण्टरनैशनल एसोसिएशन, न्यूयार्क, एनवाई

श्री एम रामस्वामी, आई.एस. सचिव, ऑरोविल प्रतिष्ठान

परिशिष्ट — II

ऑरोविल में विभिन्न कार्यकारी ग्रुपों की भूमिका और जिम्मेदारियाँ

विकास परिषद

विकास परिषद जो कि एक व्यापक आधार वाला समन्वय और प्लानिंग ग्रुप है, की स्थापना यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि ऑरोविल का विकास इस के जनक द्वारा निर्धारित आदर्शों के आधार पर हो।

- इसके लिए ग्रुप ने निम्नलिखित कार्य किए हैं—
- विकास के लिए सामूहिक अग्रताएं परिभाषित करना
- अपेक्षित सर्वेक्षणों को परिभाषित करना और अध्ययन के लिए परियोजनाओं का चयन करना
- आवासीय सभा द्वारा अनुमोदित मास्टर प्लान का क्रियान्वयन
- ऑरोविल की चालू और भावी विकास की स्कीम के अनुदानों का मानीटरिंग और विकास के लिए अनिर्दिष्ट निधियां आवंटित करना
- खरीद, विक्रय और भूमि की लीज के लिए युक्ति विकसित करना और प्राथमिकताएं निर्धारित करना
- ऑरोविल भूमि के बारे में बिल्डिंगों संबंधी सभी आवेदन पत्रों का विशलेषण करना और अनुमोदन प्रदान करना।

•

बजट संबंधी समन्वय समिति

बजट संबंधी समन्वय समिति ऑरोविल की आन्तरिक अर्थव्यवस्था का मानीटरिंग करती है और समुदाय एवं अपनी वाणिज्यिक यूनिटों के बीच सम्पर्क निकाय के रूप में कार्य करती है। खास ध्यान ऑरोविल यूनिटी फण्ड और उसके हर महीने संवितरण पर दिया जाता है। विशिष्ट शब्दों में ग्रुप ऋणों की मंजूरी देता है, ऑरोविल सेवाओं, ऑरोविल वाणिज्य बोर्ड, उत्पादन इकाइयों तथा सामूहिक बजट होल्डरों के साथ निकट संपर्क बनाए रखता

है; समुदाय की अनुरक्षण की समग्र जरूरतों के लिए धनराशि जुटाता है; और एवी अर्थव्यवस्था का, उसे सही अर्थों में सही सामूहिक अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने के उपाय ढूंढने के लिए अध्ययन करता है ।

प्रवेश ग्रुप

ऑरोविल को ज्वाइन करने के सभी आवेदनों पर प्रवेश ग्रुप कार्यवाही करता है, प्रवेश की पद्धति को निरीक्षण करता है, और प्रत्यावर्तन निधि के प्रयोग के बारे में निर्णय लेता है।

कार्यपालक परिषद

कार्यपालक परिषद समुदाय के आंतरिक कार्यचालन को प्रभावित करने वाले मामलों के बारे में कार्य करती है । इसमें अधिकतर निम्नलिखित शामिल हैं —

- नीति समन्वय
- गोष्ठियों बैठकों और जनमत संग्रह के माध्यम से संप्रेषण को सरल बनाना।
- समुदाय के भीतर उठने वाली समस्याओं के लिए क्लीयरेंस हाउस के रूप में कार्य करना ।
-

निधि एवं परिसंपत्तियां प्रबंधन समिति (एफएएमसी)

एफएएमसी ऑरोविल प्रतिष्ठान की आधिकारिक समितियों में से एक है खासतौर पर वह निम्नलिखित के बारे में शासी बोर्ड को सलाह देने के लिए है:

- निधियों का उपयोग और परिसम्पत्तियों का प्रबंधन।
- कर और लेखा परीक्षा
- अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री, अधिग्रहण और उपयोगिता।

एफएएमसी में निम्नलिखित कार्य दलों के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं:

एबीसी कोर ग्रुप, एबी फण्ड, एवी अनुरक्षण फण्ड, सीएसआर, विकास ग्रुप, बजट समन्वय समिति, प्रवेश ग्रुप, कार्यपालक समिति, फार्म और फारेस्ट ग्रुप, वित्तीय सेवा, हाउसिंग सेवा, भूमि और सम्पदा प्रबन्धन, मातृमंदिर, एसएआईआईआईआर प्रशासन तथा कार्य समिति । ऑरोविल में रहने वाले शासी बोर्ड के सदस्य, सचिव और वित्त अधिकारी भी सदस्य हैं ।

भूमि और संसाधन प्रबन्धन (एलआरएम)

ऑरोविल का भूमि और संसाधन प्रबन्धन कार्यालय, भारत निवास में स्थित है । एलआरएम केन्द्रीकृत सुविधा है जहां नक्शों और अभिलेखों को देखा जा सकता है, भूमि खरीदों और आबंटन इत्यादि पर चर्चा की जा सकती है । वस्तुतः एलआरएम के तीन प्रमुख कार्य हैं:

ऑरोविल भूमि और उन फील्डों का प्रबन्धन जिनका ध्यान एवी समुदाय द्वारा नहीं रखा जाता या जो उस का भाग नहीं है ।

भूमि सर्वेक्षण (जहां एबी और प्राइवेट भूमि के बीच सीमा स्पष्ट नहीं है) प्रशासन, अनुरक्षण और रिकार्ड ।

भूमि संबंधी करें का भुगतान, भूमि संबंधी मामलों में स्थानीय प्राधिकारियों के साथ सम्पर्क करना तथा कोर्ट के मामलों को देखना जहां भूमि के स्वामित्व का विवाद हो ।

- नई भूमि खरीदों के बारे में बातचीत और रजिस्ट्रीकरण ।

परियोजना समन्वय ग्रुप

संभावित अनुदान दाताओं के साथ अधिकतम और कारगर पहुंच कायम करने और द्विरावृत्ति न होने देने को सुनिश्चित करने के लिए एवी परियोजनाओं के अनुदान के सभी प्रस्तावों का समन्वय करता है । इसकी सहायता के लिए "अबन्डैंस" नाम की एक परियोजना परामर्श-व-लिखित सेवा प्रदान की गई है ।

यह ग्रुप, ऑरोविल अन्तर्राष्ट्रिय केन्द्रों, दि फाउंडेशन फॉर वर्ल्ड एजुकेशन और स्टिचिंग डी जायर का निधि जुटाने वाले सभी मामलों के लिए ऑरोविल का अधिकारिक मान्यता प्राप्त चैनल है, और केवल एकमात्र निकाय है जिसे ऑरोविल के बाहर निधियां जुटाने हेतु अनुमोदन देने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।

कार्य समिति

ऑरोविल प्रतिष्ठान अधिनियम के अधीन आवासीय सभा (असेम्बली) की सहायता करने और ऑरोविल प्रतिष्ठान के शासी बोर्ड के साथ और बाहर सम्पर्क स्थापित करने के लिए आधिकारिक ऑरोविल कार्य ग्रुप विशेष तौर पर जिम्मेदार है । समिति उठने वाले बड़े-बड़े मामलों पर कार्रवाई करती है जो ऑरोविल की तुलना में बाहरी विश्व को प्रभावित करते हैं, जबकि ऑरोविल के अन्दरूनी मामले ज्यादातर कार्यपालक परिषद द्वारा देखे जाते हैं । सदस्य आमतौर पर 2 वर्षों के लिए पद पर रहते हैं लेकिन बहुत सारे लम्बे अर्से तक सेवा में रहते हैं ।

ऑरोविल ग्रामीण कार्रवाई ग्रुप

ऑरोविल ग्रामीण कार्रवाई ग्रुप 35 स्थानीय ग्लोबों में 2000 लोगों को प्रत्यक्षतया और 30,000 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्षतया, अपनी 20 विकासशील कार्यकर्ताओं की टीम के जरिए लाभ पहुंचा रहा है । ऑरोविल ग्रामीण कार्रवाई ग्रुप का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों को उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय दशाओं के बारे में उन्हें व्यापक लाभ पहुंचा कर, जागरूक करना है । विशिष्ट कार्रवाई, शामिल होने/या उपलब्धि के क्षेत्रों में निम्नलिखित शामिल है:

- इसलाम्बलम अनुसंधान स्कूल, किण्डरगाट्रन और क्रेच; कोटा कराई में एक जीवन शिक्षा केन्द्र जो स्कूल छोड़ चुकी युवा लड़कियों के लिए शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण दे रहा है; तथा नवीन और भागीदारी के शैक्षिक तरीकों से 23 से अधिक गांवों में रात्रि स्कूलों और क्रेचों को सहायता देना ।

- 29 महिला ग्रुपों को सहायता देना जो नियमित आधार पर मिल कर सामुदायिक परियोजनाएं प्रारम्भ और क्रियान्वित करते हैं; बचत क्लब चलाते हैं और अन्य दुःखों की घड़ी में एक-दूसरे की सहायता करते हैं ।
- ऑरोविल केन्द्र तथा अन्य ऑरोविल ग्रुपों के सहयोग से पर्यावरणीय जागरूकता, स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामुदायिक स्वच्छता का संवर्द्धन करना
- ग्रामीण ग्रुपों के साथ लागत-भागीदारी आधार पर सामुदायिक सेवा पहलों के लिए छोटे-छोटे अनुदान देना ।

फार्म ग्रुप

ऑरोविल के फार्मिंग क्रियाकलापों का समन्वय करने के लिए, आरोविल की खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और सूचना साझा करने हेतु फार्म ग्रुप नियमित आधार पर बैठकें करता है । वनों के ग्रुप के साथ (अलग नोट देखें), ग्रुप का ग्रीन ग्रुप में प्रतिनिधित्व है, और ऑरोविल में अन्य नीति निर्माण बैठकों में प्रतिनिधि भी भेजता है ।

वित्तीय सेवा/ऑरोविल अनुरक्षण फण्ड

अनुरक्षण फण्ड जिसमें ऑरोविल यूनिटी फण्ड शामिल है (अलग नोट देखें), आरोविल का प्रमुख फण्ड है जिसका संबंध धन का आंतरिक साधनों से सृजन व परिचालन करना है, जो कि बाहरी अंशदानों जिन्हें कि ऑरोविल फण्ड द्वारा संभाला जाता है, से उल्टा है। प्रशासनिक उद्देश्य यह है कि ऑरोविल के रहने वालों लिए, आरोविल यूनिटों, वैयक्तिक अंशदानों और अतिथि अंशदानों से मासिक अनुरक्षण अंशदान एकत्र किए जाएं और संवितरण मुख्यतया ऑरोविल यूनिट फण्ड के जरिए किया जाए । फण्ड का कम्प्यूटरीकरण कर दिया है और पोर टाडस से संयोजित कर दिया है ताकि गैस बोतलों, खाद्यान्नों, वाणिज्यिक यूनिटों से खरीदों और जल सेवा, विद्युत, टेलीफोन, दूध और बेकरी बिलों के भुगतान का प्रबन्ध हो सके ।

वित्तीय सेवा/ऑरोविल अनुरक्षण फण्ड, विदेशी मुद्रा, ट्रैवलर चेकों और व्यक्तिगत चेकों का दिनिमय भी कर सकता है ।

वन ग्रुप

ऑरोविल के वन क्षेत्रों, खासतौर पर टाउनशिप के गिर्द संरक्षित ग्रीन बैल्ट, में वृक्षारोपण और अनुरक्षण करने के लिए यह ग्रुप सक्रियता से लगा हुआ है ।

ग्रीन ग्रुप

ग्रीन ग्रुप, फार्म ग्रुप और वन ग्रुप के प्रतिनिधियों से युक्त है जो ग्रीन बैल्ट के विकास से संबंधित मामलों की पुनरीक्षा करता है और पर्यावरण संरक्षण सिद्धान्तों के अनुसार, ऑरोविल के समग्र विकास में सहायता देने का प्रयास करते हुए, उनपर सलाह देता है । यद्यपि वर्तमान में इसका प्रमुख संबंध वाटरशैड प्रबन्धन और वृक्षारोपण से है, एकीकृत फार्मिंग प्रथाओं को भी प्राथमिकता दी जाती है । जैसे-जैसे आवश्यकता पड़े, ग्रुप विभागीय परिषद से आपसी बातचीत करता है ।

परिशिष्ट IV**व्यवस्थित और योजनाबद्ध विकास के लिए भूमि प्राप्त करना**

मनोनीत ऑरोबिल टाउनशिप का क्षेत्रफल 19.63 वर्ग कि०मी० अर्थात् 1963 हैक्टेयर है। अगस्त 1, 2000 की स्थिति के अनुसार आरोबिल के स्वामित्व में मनोनीत टाउनशिप क्षेत्र के अधीन 778 हैक्टेयर भूमि है जब कि लगभग 980 हैक्टेयर भूमि, ऑरोबिल के 50000 लोगों के टाउनशिप के लिए अभी भी प्राप्त की जानी है। अब तक सारी भूमियां, भूमि मालिकों से बातचीत करके खरीदी गई हैं।

सम्पूर्ण भारत में भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अधीन विकास के उद्देश्यों के लिए भूमि का अनिवार्य अधिग्रहण करना अधिक से अधिक कठिन हो गया है। बातचीत करके भूमि का अधिग्रहण करना भी खास तौर पर भूमिसम्पदा विकासकों सट्टेबाजी की प्रवृत्तियों के कारण कठिन होता जा रहा है। ऑरोबिल के मामले में, स्थिति और भी शोचनीय है। ऑरोबिल के विकास ने उजाड़, न बसने योग्य जगह को हरे-भरे क्षेत्र में रूपान्तरित कर दिया है। इसके कारण पड़ोस के शहरी क्षेत्रों से सट्टेबाज विकासक आकर्षित हुए हैं।

ऑरोबिल मास्टर प्लान (परिप्रेक्ष्य: 2025) का एक मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजना बद्ध विकासों की जगह व्यक्तिगत फायदे के लिए सट्टेबाजों द्वारा बेतरतीब और क्षतिकर विकास न करने दिया जाए। जोनिंग संबंधी विनियमों से देखा गया है कि कृषि और फार्म सैक्टरों में (खासतौर पर राज्य के दूसरे भागों पर लागू करने के लिए) उत्पादन बढ़ाने के लिए ऑरोबिल टाउनशिप के भीतरी भाग के इर्द-गिर्द की भूमि पर फार्मिंग और अनुसंधान, भूमि प्रयोगों में से एक प्रमुख प्रयोग होगा। उपर्युक्त स्थिति के संदर्भ में, यह प्रस्ताव है कि ऑरोबिल के योजनाबद्ध विकास के लिए भूमि प्राप्त करने हेतु विभिन्न विकल्प प्रयोग में लाए जाएं।

1. भूमि विनियम

वर्तमान में ऑरोविल के स्वामित्व में बाहर 20 वर्ग किलोमीटर तक का क्षेत्र फैला हुआ है। इनमें से कुछ भूमियों को, अप्रयुक्त भूमियों, जिनकी ग्रीन बैल्ट में कृषि और फार्म विकास के लिए अनुसंधान और फील्ड स्टेशनों के लिए जरूरत है, के बदले में दिया जा सकता है।

2. रोजगार के लिए भूमि

ग्रामीणों की जमीन किन्हीं ऐसी जगहों पर स्थित जो आर्थिक उत्पादन में सहायक सिद्ध होने के लिए जीवनक्षम आकार की नहीं है। इसके अलावा इस भूमि पर बहुत से लोगों का अधिकार है जिससे इसे लाभदायक प्रयोगों में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में ऑरोविल लोगों को फार्मिंग, वृक्षारोपण और ऑरोविल के अन्य क्रियाकलापों के व्यावसायिक प्रशिक्षण सहित, बातचीत से निर्धारित मूल्य पर उस भूमि को लेकर उसके बदले में रोजगार दिया जा सकता है।

भूमि पट्टे पर देना

ऊपर $1/42\frac{1}{2}$ के विकल्प के रूप में ऑरोविल भूमि स्वामियों के साथ पट्टा करार (लीज एग्रीमेण्ट) करने का प्रस्ताव करता है। इन करारों में यह अनुबंधित होगा कि भूस्वामियों को वार्षिक धन के भुगतान पर खरीद करने का पहला विकल्प ऑरोविल का होगा। करार में भूमि प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने और उसे तीसरे पक्षों को बिक्री न करने देने का अनुबंध भी रहेगा।

4. संयुक्त विकास के लिए भूमि एकत्र करना और भागीदारी करना

ऑरोविल इस ऐसे तरीके का प्रस्ताव करता है जिससे भूस्वामी और ऑरोविल दोनों को लाभ पहुंचेगा। ऑरोविल अपने संसाधनों और विशेषज्ञता का भूमि पर फसलें और अन्य उत्पादों का सृजन करने के लिए प्रयोग करेगा जिससे ऑरोविल के संसाधनों से हुए खर्च की राशि को निकाल लेने के बाद भी ज्यादा मुनाफा होगा। ग्रामीण भूमि के मालिक बने रहेंगे और इस पर काम करना जारी रखेंगे।

5. भूमि की खरीद

ऑरोविल की नीति हमेशा यह रही है कि भूस्वामियों के साथ उन्हें बिना मजबूर किए या दबाव डाले, बातचीत करके उनकी दीर्घावधि जरूरतों तथा कल्याण को ध्यान में रखते हुए उनसे स्वेच्छा से जमीन को खरीदा जाए। इस तरीके के अनुसरण ऑरोविल का विकास के लिए अर्जित की जाने वाली भूमि हेतु लगातार किया जाएगा।

7. भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अधीन अधिग्रहण

ऑरोविल प्रतिष्ठान एक सांविधिक निकाय है, जिसे दि मदर द्वारा दिए गए मूल चार्टर के अनुसार ऑरोविल के विकास को बढ़ाने के लिए संसद के अधिनियम द्वारा सृजित किया गया था। अतः ऑरोविल के विकास की दिशा में भूमि का कोई अधिग्रहण भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अधीन सार्वजनिक प्रयोजन की परिभाषा में आएगा।

ऐसी महत्वपूर्ण कई बातें हैं, जैसे कि सड़कों को चौड़ा करना और उपयोगिता ढांचों का निर्माण करना जिन्हें ऊपर उल्लिखित विकल्पों से आमतौर पर प्राप्त नहीं किया जा सकता। ऑरोविल का प्रस्ताव है कि ऐसी भूमियों को भूमि अधिग्रहण अधिनियम के ज़रिए प्राप्त करने के लिए तमिलनाडु राज्य सरकार से सम्पर्क किया जाए।

एक दूसरा उदाहरण है जहां भू-सम्पदा विकासक अपने वित्तीय लाभों के लिए भूस्वामी को उसकी अपनी ही भूमि से बेदखल करने की बात सोचते हैं। ऐसे मामलों में भी ऑरोविल ऐसी भूमियों को अधिगृहीत करने का तब तक प्रस्ताव नहीं करेगा जब तक कि उपर्युक्त विकल्पों में से किसी एक प्रयोग किया जा सकता हो।

7. जोनिंग विनियम

उपर्युक्त सूचीबद्ध ज्यादातर विकल्पों में समय लगेगा और प्रयास करने पड़ेंगे। ऐसे अवसर अवश्य आ सकते हैं जहां पर एक ही अनियोजित विकास न केवल भविष्य के विकासों को अहितकर बना देगा बल्कि उनको भी खराब कर देगा जो पहले किए जा चुके हों। अतः यह जरूरी हो जाता है

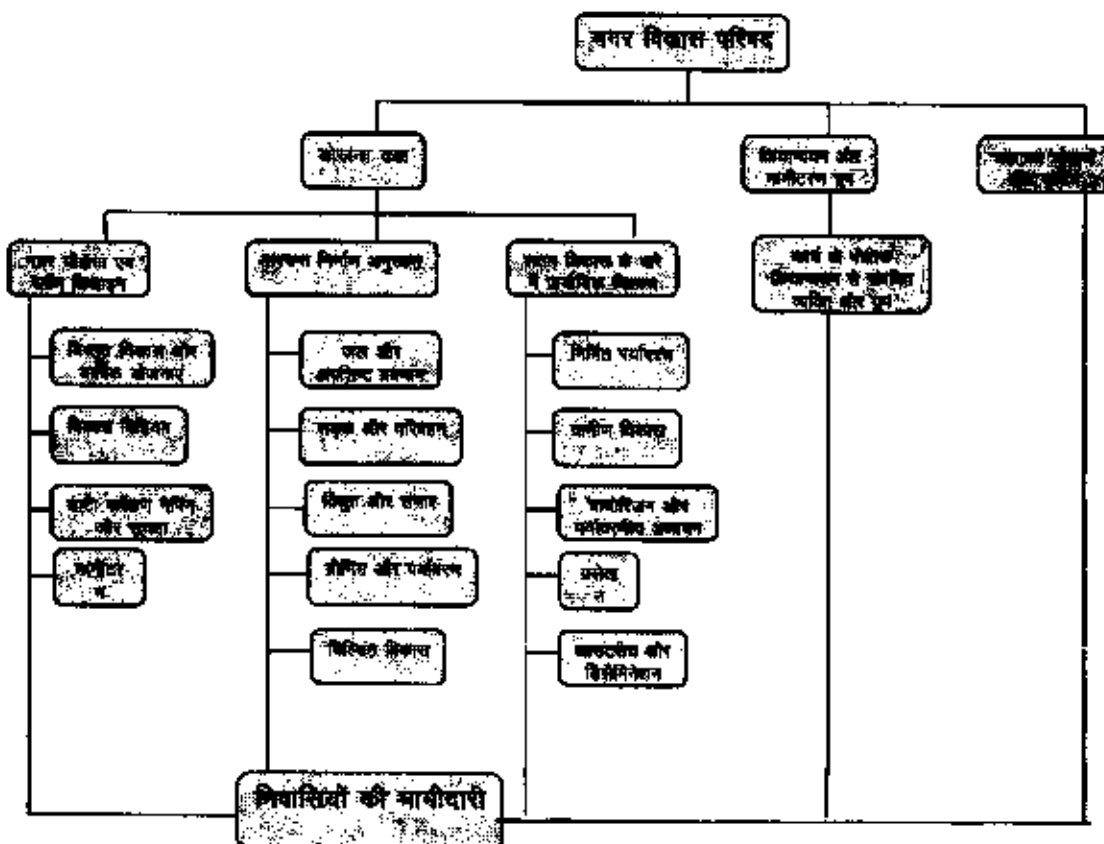
कि वह सारी भूमि जो ऑरोविल के विकास के लिए अपेक्षित है इस ढंग से कवर की जाए कि कोई व्यक्ति मास्टर प्लान में बनाए जोनिंग के विनियमों का उल्लंघन न करे । इस उद्देश्य के लिए आवश्यक तंत्र को राज्य सरकार के साथ भारत सरकार द्वारा अनुमोदित करना होगा । ऐसा तंत्र, ऑरोविल के विकास के लिए आवश्यक भूमियों का, सट्टेबाजी, क्षति पहुंचाने, और पर्यावरणीय तौर पर असुरक्षित विकास से उसे सुरक्षित रखने के लिए, एक अति महत्वपूर्ण और निर्णायक उपकरण के रूप में उपलब्ध हो जाएगा ।

8. निष्कर्ष

यह चाहा गया है कि अगले 10 साल तक प्रतिवर्ष औसत 100 हेक्टेयर भूमि इन विभिन्न तंत्रों का इस्तेमाल करके प्राप्त की जाए ।

परिशिष्ट 5:

विकास योजना के लिए संगठनात्मक ढांचा



परिशिष्ट 6:

परियोजना लागत अनुमान लिए पैरामीटर

1.	प्रथम चरण प्रथम स्टेज (2010-2015)	अतिरिक्त 5000 जनसंख्या
2.	भूमि लागत प्रथम स्टेज	रु0 10 लाख/हेक्ट.
3.	भूमि लागत द्वितीय स्टेज	रु0 15 लाख/ हेक्ट.
4.	निर्माण लागत:	
	आवासीय	रु0 8000/वर्गमीटर
	औद्योगिक	रु0 8000/वर्गमीटर
	क्राउन	रु0 10,000/वर्गमीटर
	अन्तर्राष्ट्रीय/सांस्कृतिक	रु0 15000 वर्ग मी0
5.	आफ-इड संरचना (सड़क, विद्युत, जल, सीवेज, संचार सहित)	रु0 10 लाख/हेक्ट.
6.	जोनों में भूमि विकास	पहली स्टेज के लिए जोन क्षेत्र का लगभग 10%
7.	आवासीय स्पेस	30 वर्गमीटर/प्रति व्यक्ति
8.	रिहायशी जोन में प्रति 1000 वर्ग मी0 के निर्मित क्षेत्र में सामाजिक संरचना	25 वर्ग मी0
9.	1/2 मेगावाट के लिए बायो-मास ऊर्जा सृजन (आप्रेशन 6000 घण्टे मानकर 1/2)	रु0 2 करोड़
10.	25 किलो मी0 की सड़क के लिए प्रति 10 कि0मी0 पर और 30,000/- प्रतियूनिट	-
11.	टाउनशिप पहुंच सड़क	रु0 20 लाख/किमी0

एम. रामास्वामी, आई.ए.एस.
सचिव

**RESERVE BANK OF INDIA
(FOREIGN EXCHANGE DEPARTMENT)**

Mumbai-400001

**Exchange Traded Currency Options (Reserve Bank) Directions, 2010
Notification No. FED.01 / ED (HRK) - 2010 dated July 30, 2010**

The Reserve Bank of India having considered necessary in public interest and having regard to the need for regulating the financial system of the country to its advantage, in exercise of its powers conferred by section 45W of the Reserve Bank of India Act, 1934 and of all the powers enabling it in this behalf, hereby gives the following directions to all the persons dealing in currency options on recognised stock exchanges.

1. Short title and commencement of the directions

These directions may be called the Exchange Traded Currency Options (Reserve Bank) Directions, 2010 and they shall come into force with effect from July 30, 2010.

2. Applicability

These directions shall apply to currency options traded on a stock exchange recognised under Section 4 of the Securities Contract (Regulation) Act, 1956.

3. Permission

(i) Currency option contracts are permitted in US Dollar - Indian Rupee spot rate, or any other currency pairs, as may be approved by the Reserve Bank from time to time.

(ii) Only 'persons resident in India', as defined in section 2(v) of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (Act 42 of 1999) are permitted to buy or sell exchange traded currency options to hedge an exposure to foreign exchange rate risk or otherwise.

4. Features of currency option contracts

Standardized exchange traded currency options shall have the following features:

a) The underlying for the currency option shall be US Dollar – Indian Rupee (USD-INR) spot rate.

- b) The options shall be premium styled European call and put options.
- c) The size of each contract shall be USD 1000.
- d) The premium shall be quoted in Rupee terms. The outstanding position shall be in USD.
- e) The maturity of the contracts shall not exceed twelve months.
- f) The contracts shall be settled in cash in Indian Rupees.
- g) The settlement price shall be the Reserve Bank's Reference Rate on the date of expiry of the contracts.

5. Participants

- i) No person other than 'a person resident in India', as defined in section 2(v) of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (Act 42 of 1999) shall participate in the exchange traded currency options market.
- ii) Notwithstanding sub-paragraph (i), no scheduled bank or such other agency falling under the regulatory purview of the Reserve Bank under the Reserve Bank of India Act, 1934, the Banking Regulation Act, 1949 or any other Act or instrument having the force of law shall participate in the exchange traded currency options market without the permission from the respective regulatory Departments of the Reserve Bank.
- iii) Entities falling under the regulatory purview of any other regulators established by law shall participate in the exchange traded currency options market only with the prior permission of their regulators concerned and participation of such entities as members or clients shall be in accordance with the guidelines issued by the regulator concerned.

6. Membership

- i) Members registered with the SEBI for trading in currency futures market shall be eligible to trade in the exchange traded currency options market of a recognised stock exchange. Membership for both trading and clearing, in the exchange traded currency options market shall be subject to the guidelines issued by the SEBI.

ii) Banks authorized by the Reserve Bank under section 10 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 as 'AD Category - I bank' are permitted to become trading and clearing members of the exchange traded currency options market of the recognized stock exchanges, on their own account and on behalf of their clients, subject to fulfilling the following minimum prudential requirements:

- a) Minimum net worth of Rs. 500 crores.
- b) Minimum CRAR of 10 per cent.
- c) Net NPA should not exceed 3 per cent.
- d) Made net profit for last 3 years.

The AD Category - I banks, which fulfil the prudential requirements, should lay down detailed guidelines with the approval of their Boards for trading and clearing of the exchange traded currency options contracts and management of risks.

iii) AD Category - I banks, which do not meet the above minimum prudential requirements and AD Category - I banks, which are Urban Co-operative banks or State Co-operative banks, can participate in the exchange traded currency options market only as clients, subject to approval therefor from the respective regulatory Departments of the Reserve Bank.

7. Position limits

i) The position limits for various classes of participants for the currency options shall be subject to the guidelines issued by the SEBI.

ii) The AD Category - I banks shall operate within prudential limits, such as Net Open Position (NOP) and Aggregate Gap (AG) limits. The option position of the banks, on their own account, in the exchange traded currency options shall form part of their NOP and AG limits.

8. Risk Management measures

The trading of exchange traded currency options shall be subject to maintaining initial, extreme loss and calendar spread margins and the Clearing Corporations /

Clearing Houses of the exchanges should ensure maintenance of such margins by the participants on the basis of the guidelines issued by the SEBI from time to time.

9. Surveillance and disclosures

The surveillance and disclosures of transactions, in the exchange traded currency options market, shall be carried out in accordance with the guidelines issued by the SEBI.

10. Authorisation to the Exchanges / the Clearing Corporations for dealing in Currency Options

Recognized stock exchanges and their respective Clearing Corporations / Clearing Houses shall not deal in or otherwise undertake the business relating to the exchange traded currency options unless they hold an authorisation issued by the Reserve Bank under section 10 (1) of the Foreign Exchange Management Act, 1999.

11. Powers of Reserve Bank

The Reserve Bank may from time to time modify the eligibility criteria for the participants and participant-wise position limits, prescribe margins and / or impose specific margins for identified participants, fix or modify any other prudential limits, or take such other actions as deemed necessary in public interest, in the interest of financial stability and orderly development and maintenance of the foreign exchange market in India.

H. R. KHAN
Executive Director

STATE BANK OF INDIA

Mumbai, the 27th July 2010

SBD. No. 2/2010-11—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (c) sub-section (1) of Section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India, in consultation with Govt. of India and Reserve Bank of India nominates Shri R. Sridharan, Managing Director & Group Executive (Associates & Subsidiaries), State Bank of India, Corporate Centre, Mumbai, as a Director on the Boards of the following Associate Banks with effect from 27th July 2010 :—

(1) State Bank of Hyderabad

(2) State Bank of Patiala

O. P. BHATT
Chairman

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

Chennai-600034, the 25th May 2010

(Chartered Accountants)

3SCA(5)/1/2008-2009 : With reference to this Institute's Notification No. 3SCA(4)/1/2008-2009 dated 30th November 2009 it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations 1988, that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored retrospectively to the Register of Members with effect from 1st October 2008 the names of the following members

S NO	MRN	MEMBER NAME	S NO	MRN	MEMBER NAME
1	004572	Mr. NAGABHUSHANA RAO V , FCA	31	021018	Mr. SRIHARI V , FCA
2	005240	Mr. LAKSHMANASWAMI U , FCA	32	021170	Mr. YADUNATH V M , FCA
3	006954	Mr. ANNAMALAI M , FCA	33	021203	Mr. SHAMSUDEEN A , FCA
4	008315	Mr. JAGANNATHAN S T , ACA	34	021274	Mr. GOVINDARAJAN S , ACA
5	008383	Mr. RAMADAS S , FCA	35	021294	Mr. ABRAHAM CHERIAN , FCA
6	008785	Mr. IQBAL M O H , ACA	36	021312	Mr. ASHOK KUMAR B , ACA
7	009720	Mr. DHIRUVA RAO M T , FCA	37	021501	Mr. KASINADHUNI VENKATESWARA RAO, FCA
8	010519	Mr. CHANDRAMOULI N , ACA	38	021582	Mr. NAGESWARA RAO K , FCA
9	013554	Mr. VASUDEVAN P K , ACA	39	021662	Mr. SASTRY A B P S , FCA
10	014165	Mr. KUPPA VENKATA SUBRAMANYA SASTRY, FCA	40	021779	Mr. MUKHTAR ALI SAJANLAL , ACA
11	014553	Mr. ANANDAJAH SETTY R V , FCA	41	021859	Mr. RAJASEKARAN M , FCA
12	015079	Mr. MADHVESHA P , FCA	42	021912	Mr. KOTESWARA RAO N , ACA
13	016330	Mr. CHANNABASAPPA R H , FCA	43	022683	Mr. RAMARAJ N , FCA
14	016459	Mr. NAYAK SUKUMAR , FCA	44	022717	Mr. SURESH KUMAR H , FCA
15	019004	Mr. RAMACHANDRAIAH C , FCA	45	022734	Mr. RANGANADHAN P V , FCA
16	019098	Mr. UMESH S S , ACA	46	022747	Mr. NARASIMHAN W K , ACA
17	019155	Mr. MUKUNTHAN D , ACA	47	022833	Mr. MATHEW T SIMON , FCA
18	019443	Mr. VENKATESWARAN M , ACA	48	022905	Mr. BALA SUBRAMANYA SARMA V V , FCA
19	019454	Mr. THOMAS K J , FCA	49	023018	Mr. VETRIVEL N , FCA
20	019581	Mr. CHANDRASEKARAN M S , ACA	50	023345	Mr. SHARMA G K A P , ACA
21	019625	Mr. VARKEY K V , ACA	51	023552	Mr. RAMAKRISHNAN N , FCA
22	019647	Mr. CHANDRAIAH CHETTY P , ACA	52	023700	Mr. GANESAN N , FCA
23	019678	Mr. GUNDU RAO B R , FCA	53	023911	Mr. NAGESWARAN A , FCA
24	019679	Mr. RAMESH TADEPALLI , FCA	54	024069	Mr. NASSER MOHAMMED M H , ACA
25	019689	Mr. SANKARANARAYANAN T S , ACA	55	024137	Mr. SRINIVASAN S , FCA
26	020076	Mr. SANKAR K , FCA	56	024145	Mr. BALASUBRAMANIAN M , ACA
27	020292	Mr. RAMANATHAN H , ACA	57	024160	Mr. RANGAN N KANNAN , FCA
28	020406	Mr. SOMASEKHARAN N , FCA	58	024356	Mr. VAIXUNTAN T S , FCA
29	020764	Mr. SRIVATHSAN C S , FCA	59	024496	Mr. NANDA KUMAR C , FCA
30	020897	Mr. ALAGAPPAN VR , ACA	60	024610	Mr. SEKAR K , ACA

S NO	MRN	MEMBER NAME	S NO	MRN	MEMBER NAME
61	024806	Mr. KURUVILLACHAN P J , ACA	101	028161	Mr. MATHEW VARGHESE , FCA
62	024914	Mr. JAIN SUDHEER CHAND , FCA	102	028202	Mr. SURYANARAYANAN K , FCA
63	025044	Mr. SAMPATH KUMAR K , FCA	103	028207	Mr. GOPAL K , FCA
64	025172	Mrs VASANTHI RAMESH , ACA	104	028268	Mr. NARAYANA RAO G , ACA
65	025216	Mr. RAMESH GUPTA S , FCA	105	028275	Mr. RAMESH K , ACA
66	025282	Mr. SANKAR T S , FCA	106	028449	Mr. SRINIVAS RAO K , FCA
67	025509	Mr. RAMESH KRISHNAMACHARI S , FCA	107	028609	Mr. GANESH SHARMA B , ACA
68	025515	Mr. BHAT BALAJI V , FCA	108	028823	Mrs TAPATI GHOSE , ACA
69	025689	Mr. RAMESH KUMAR V , ACA	109	028845	Mr. RAVI VESWANATH N , FCA
70	025740	Mrs AKKARAJU TANUJA RAO , ACA	110	028897	Mr. RAMASUBRAMANIAN C , ACA
71	025847	Mr. GOPALKRISHNAN P , ACA	111	028901	Mrs MALA SRINIVASAM , ACA
72	025945	Mr. ATHREYA B A , ACA	112	028965	Mr. JITENDRA BABU M , FCA
73	025960	Mr. PRAKASH N , ACA	113	029146	Mr. ANAND B , FCA
74	025970	Mr. SIVASHANKAR B , ACA	114	029270	Mr. BALAJI A G , ACA
75	026153	Mr. MAHENDER KUMAR M , FCA	115	029341	Mr. JAMAL MYOFFEN M A , ACA
76	026227	Mr. SATEEKH RAJ G , FCA	116	029345	Mrs UMA MENON , FCA
77	026305	Mr. GOVARDHANA REDDY A , FCA	117	029402	Mr. THIRUMAVALAVAN S G , ACA
78	026398	Mrs HEENAKUMARI VENKATESWARAN , FCA	118	029487	Mr. SATHYAMOORTHY D , ACA
79	026423	Mr. CHACKO I C , FCA	119	029499	Mr. KANNAN S , ACA
80	026471	Mr. MURALIDHARAN V , FCA	120	029517	Mr. HEJMADI DHEERAJ RAMACHANDRA, ACA
81	026640	Mr. SATEESH BABU D , ACA	121	029531	Mr. SRINIVASARAJAGOPAL , FCA
82	026674	Mr. PALANJVELU K , ACA	122	029551	Mr. GUMMADI VENKATESWARA RAO , FCA
83	026794	Mr. SANKAR S , ACA	123	029583	Mr. CHANDER S , ACA
84	026851	Mr. GOVIND PANI , ACA	124	029653	Mr. ARUNA KUMAR M S N V S , ACA
85	027048	Mr. JOY VARGHESE , ACA	125	029719	Mrs RAADHIKA SUDHIR , ACA
86	027072	Mr. NAGESWARA RAO K , ACA	126	029759	Mr. BALASUBRAMANIAN A K , ACA
87	027131	Mr. RADHA KRISHNAN K , ACA	127	029912	Mr. CHANDRAMOULI L , ACA
88	027165	Mr. VADIRAJ C S , ACA	128	029931	Mr. BASILIN LEO R , ACA
89	027195	Mr. MOHAN KUMAR M , FCA	129	029985	Mr. GIRIDHAR V V , ACA
90	027237	Mr. TIRUPATHIAH CHOWDARY CH , FCA	130	031197	Mr. KANNAN M , ACA
91	027286	Mr. AMBALPADI SHRINIVAS ACHARYA K , FCA	131	031739	Mr. GHURKA BRIJESHOR KALURAM , ACA
92	027333	Mr. KRISHNAMOORTHY R , ACA	132	034346	Mr. PARANJPE GIRISH S , ACA
93	027450	Mr. RADHA SRI KRISHNA RAO A , FCA	133	035956	Mr. SARKER DEV RONJOIT , ACA
94	027506	Mr. NARAYANAN T , ACA	134	036969	Mr. IYER SHANKAR RAMANATHAN , FCA
95	027507	Mr. RAJA NANDAKUMAR , FCA	135	03866B	Mr. RAVIKUMAR RAMANAN , ACA
96	027814	Mr. SANKARA RAO D , FCA	136	042228	Mr. JOSHI PRAYAAG AVINASH , ACA
97	027870	Mr. NAGARAJAN RAMNATH , ACA	137	043567	Mr. THIRUMALAI V , ACA
98	027937	Mr. GANAPATHI KRISHNAN S , ACA	138	047147	Mrs LATHA V , ACA
99	028062	Mr. RAGHAVENDRA RAO N , ACA	139	048901	Mr. DARIYAW SINGH RAJ P , FCA
100	028148	Mr. VENKATASUBRAMANIAN R , ACA	140	051024	Mr. ARINDAM GUHA , ACA

S NO	MRN	MEMBER NAME	S NO	MRN	MEMBER NAME
141	057509	Mr. ANAND MALDO , FCA	181	200897	Mr. RIYAZ AHMED S , ACA
142	057894	Mrs BAID JAYA , ACA	182	201015	Mr. DESHPANDE BALACHANDRA BHIMARAO, ACA
143	059132	Mr. SINHA AVEEK , ACA	183	201037	Mr. SUDHIR K P , ACA
144	059526	Mr. AJAY TIBRWAL , FCA	184	201123	Mr. SUMITRA NANDAN SRIVATSA K , FCA
145	060071	Mr. RAMJEE SHANKAR , ACA	185	201176	Mrs ANITHA GOPINATH , ACA
146	060119	Mr. PAIDISSETTY SURESH , ACA	186	201215	Mrs SUMATHI R D , ACA
147	060619	Mr. ARNAB PAL , ACA	187	201374	Mr. RAMESH BABU K , FCA
148	061251	Mr. SUBRAMANIAM K , ACA	188	201472	Mrs INDIRA VENUGOPAL , ACA
149	061285	Mr. KEIRIWAL DINESH , ACA	189	201738	Mr. JEBACHANDRAN S PARAMOTHI , FCA
150	063272	Mr. BAJLA AMIT KUMAR , ACA	190	201844	Mr. RAGHU RAM PRASAD V , FCA
151	063688	Mr. SIPANI BIKASH KUMAR , ACA	191	201911	Mr. JOLLY GEORGE , FCA
152	064961	Mrs CHANDRA BAID , ACA	192	201949	Mr. HAJA BATHURALI A S , ACA
153	065625	Mr. KRISHNA JALAN , ACA	193	202033	Mr. SRIRAM P V , FCA
154	072451	Mr. THRINADHA MURTHY T , FCA	194	202098	Mr. GOPAL B , FCA
155	076571	Mr. SHIREESH JAIN , ACA	195	202184	Mr. KRISHNA MANI R , FCA
156	078594	Mrs ANITA SHIREESH JAIN , ACA	196	202203	Mr. NAGESHAPPA B , FCA
157	079704	Mr. ARORA ATUL , ACA	197	202260	Mr. RAVULA SRIDHAR RAO , ACA
158	084971	Mr. RAMESH P , FCA	198	202336	Mr. GANESH BABU M , ACA
159	087237	Mr. DINESH KUMAR AGRAWAL , FCA	199	202358	Mr. SRIKUMAR S , FCA
160	087530	Mr. CYRIAC MATHEW , FCA	200	202546	Mr. RAVICHANDRAN T R , ACA
161	088929	Mr. RANGARAJAN S , ACA	201	202606	Mr. THIYAGA THURAIVAN S , ACA
162	091841	Mr. AJER JAGADISON KATSNAMURTY, ACA	202	202719	Mr. ANANDAN K R , ACA
163	093159	Mr. GANAPATHY SUBRAMANIAN R , ACA	203	202786	Mrs CHITRA H , FCA
164	097697	Mr. HARIHARA PRASAD P G , ACA	204	202814	Mr. RAVICHANDRAN V V , ACA
165	098099	Mr. JAIDEV K , ACA	205	202914	Mr. VENKATESAN K S , ACA
166	104424	Mrs CHARULATA SONI , ACA	206	202994	Mr. BALAJI MAHASHABDHE K , FCA
167	113905	Mr. SUNIL BAJAJ , ACA	207	203171	Mr. SUBRAMANIAM M , ACA
168	115144	Mrs REMYA K LAXMAN , ACA	208	203254	Mr. NARAYANAN S , ACA
169	119194	Mrs AKSHATA SUDHAKAR GHARODE , ACA	209	203359	Mr. VARADRAJAN G , ACA
170	200002	Mr. BALAKRISHNAN H , ACA	210	203378	Mr. ANAND RAO T V , FCA
171	200010	Mr. RENGANATHAN A S , ACA	211	203396	Mr. SHAFIULLA SINGANAMALA , ACA
172	200013	Mr. RAMASAMY B , ACA	212	203426	Mrs JAINSAMMA KURIAN , FCA
173	200077	Mr. MURALI N , FCA	213	203453	Mr. VEERARAGHAYA REDDI NALLAMILLI , ACA
174	200225	Mr. SURESH K , ACA	214	203640	Mr. JAYAGANDHAN D , FCA
175	200328	Mr. ANJANEYULU REDDY JONNALA , ACA	215	203673	Mr. DINESH SINGH , ACA
176	200416	Mr. AJIT NARAYAN ERADY , ACA	216	203688	Mrs RAJYA LAKSHMI V , FCA
177	200548	Mr. PAULOSE V A , FCA	217	203725	Mr. SRIKRISHNAN P , ACA
178	200582	Mr. GEORGE CHERIAN , ACA	218	203730	Mr. KRISHNAN T , ACA
179	200737	Mr. DEEPAK NATRAJ RAMAMURTHI , ACA	219	203977	Mr. VENKATESAN S , ACA
180	200771	Mrs ANINDITA MUKHERJEE , ACA	220	204143	Mr. SEBY JOHN C , ACA

S NO	MRN	MEMBER NAME	S NO	MRN	MEMBER NAME
221	204217	Mrs SUGHANYA P , ACA	261	206521	Mrs GEETHA RAMAKRISHNAN , ACA
222	204227	Mr. JOSEPH PHILIP , ACA	262	206539	Mr. BONNY MATHEW , FCA
223	204248	Mr. GOPALAKRISHNAN E , ACA	263	206643	Mrs HARITHA V , FCA
224	204295	Mrs BHARATHI K , FCA	264	206736	Mr. RAMANATHAN J , ACA
225	204316	Mr. SANKARAREDDY P , ACA	265	206750	Mr. GEORGE NINAN , FCA
226	204587	Mr. SRINIVASA RAO M , FCA	266	206767	Mr. SUBASH V , ACA
227	204609	Mr. BALASUBRAMANIAN V B , ACA	267	206801	Mr. PHANINDRA NICHANAMETLA , ACA
228	204668	Mr. PRASANNA PAI S , ACA	268	206895	Mrs REVATHY BALAJI , ACA
229	204686	Mr. ANJAJAH BODAPATI , FCA	269	206901	Mr. PRABU R , ACA
230	204687	Mr. GARAPATI YECRA VENKATA SATYAHARAYANA, FCA	270	206911	Mrs SUKANYA R , ACA
231	204743	Mr. SADAGOPAN R , ACA	271	206920	Mr. SATHYA PRAMOD Koushik , ACA
232	204755	Mr. KRISHNA REDDY A , FCA	272	206927	Mrs VIDHYA P , ACA
233	204799	Mr. KUMAR G , ACA	273	206972	Mr. SURESH R , FCA
234	204926	Mr. GOKULAKRISHNAN B , ACA	274	206992	Mr. DESIKAN M , ACA
235	204968	Mr. JALLURI PRAVEEN , FCA	275	207020	Mr. BALAJI K , ACA
236	205275	Mrs KANTHIMATHI G , ACA	276	207134	Mr. ARAVIND BABU GORRELA , ACA
237	205371	Mrs BERYL NISHA REBELLO , ACA	277	207266	Mr. VENKITACHALAM G , ACA
238	205407	Mr. VENUGOPALA B , FCA	278	207286	Mrs PRATHA RADHA MADHAVI , ACA
239	205502	Mrs LISA JOSHY , ACA	279	207287	Mr. POORNACHANDRA RAO KASUKURTHI, FCA
240	205572	Mr. VAIDYANATHAN S , ACA	280	207365	Mr. KOTHURI SREEDHAR , FCA
241	205580	Mr. UMAKANTH N , ACA	281	207439	Mr. RUPESH R , FCA
242	205649	Mr. NORI SHYAM SUNDER , FCA	282	207482	Mr. RAMESH A R , ACA
243	205677	Mr. THYAHARAJAN J , ACA	283	207518	Mr. GOPI RAJ S , ACA
244	205680	Mr. RADHAKRISHNAN M , ACA	284	207601	Mrs ANEETHA S , FCA
245	205683	Mr. JUZER S , ACA	285	207630	Mr. SREERAM VISHWANATH A , ACA
246	205687	Mr. HENRY I , ACA	286	207729	Mrs JAYA RAMASWAMY , ACA
247	205708	Mr. SRIRAM J , ACA	287	207737	Mr. RAJESH PRABHU C , ACA
248	205766	Mr. VENKATESH V , ACA	288	207791	Mrs RAJSHRI R , ACA
249	205851	Mr. NAGESHWAR RAO R V , ACA	289	207857	Mr. VIKRAM PRABAKAR L , ACA
250	205887	Mr. VENKAT RAAMAN R , FCA	290	207949	Mr. ANNAMBHOTLA ATCHUT KIRAN , ACA
251	205892	Mr. VELAYUDHAM J , FCA	291	208086	Mr. RADESH KRISHNA S , ACA
252	205948	Mr. THANKACHAN K J , ACA	292	208095	Mrs MADHAVI B , FCA
253	205986	Mr. MANOJ S , ACA	293	208213	Mrs SELLVA PARVATHI B , ACA
254	205991	Mr. RAMKUMAR S V , ACA	294	208227	Mrs RITU AGARWAL , ACA
255	206044	Mr. SHRIKANT S , ACA	295	208228	Mr. SUMANTH KUMAR K , FCA
256	206073	Mr. SANKA VISWESWARA RAO , FCA	296	208254	Mr. RAMAKRISHNAN V , ACA
257	206324	Mr. SANDEEV A , FCA	297	208334	Mr. CHANDAPPA S S , ACA
258	206359	Mr. KETAN SHAH , ACA	298	208536	Mr. PRAKASH P , FCA
259	206406	Mrs VASUNDRA JIWAN GUJARATHI , FCA	299	208543	Mr. VAMAN SHENOY V , FCA
260	206504	Mr. SAI GANESH K , ACA	300	208577	Mr. VEERAPANEI MURALI KRISHNA , ACA

S NO	MRN	MEMBER NAME	S NO	MRN	MEMBER NAME
301	208583	Mr. VENU GOPAL B , FCA	341	209898	Mr. MOHAMMED AFZAL KHAN , ACA
302	208623	Mr. MATHEW JOSE , ACA	342	209983	Mr. NARAYANA HEGDE , ACA
303	208636	Mr. MOHAMED ADNAAN OMER SAIT , ACA	343	210063	Mr. RAM KUMAR S , ACA
304	208650	Mr. NASTAN RAO T , ACA	344	210110	Mr. SURESH KUMAR P , ACA
305	208663	Mr. SNEHAN G OLIVARA , FCA	345	210115	Mr. SANTHOSH L , ACA
306	208718	Mr. NADHU KUMAR M S , FCA	346	210192	Mr. RAMPRASAD U , ACA
307	208764	Mr. PRAVEEN KUMAR K , ACA	347	210230	Mr. SATHEESH KUMAR R , ACA
308	208796	Mr. RAHUL K , ACA	348	210318	Mr. BALAJI N , ACA
309	208804	Mr. PARAMESWARAN P N , ACA	349	210327	Mr. PRASAD P A , FCA
310	208806	Mrs SAJNA KURUVILLA , ACA	350	210347	Mr. AMANTHA PRABHU T R , ACA
311	208870	Mr. NAGESH KUMAR MANGOLLU , ACA	351	210361	Mr. ANIL KUMAR , ACA
312	208876	Mr. NARSINGAM B , ACA	352	210418	Mr. CHAITANYA C S , ACA
313	208886	Mrs PRIYA SRINIVASAN , ACA	353	210450	Mr. SAKARAY LAMBODAY ENRESHI RAD, ACA
314	208948	Mrs SRIDEVI K , ACA	354	210464	Mr. SHANKAR A M , ACA
315	209028	Mr. RAJESH K S , ACA	355	210509	Mr. JAGATHA BHASKAR , FCA
316	209058	Mrs RAJALAKSHMI N , ACA	356	210664	Mrs SINDHUJA V V , ACA
317	209088	Mrs PARVATHAVARTHINI S , ACA	357	210674	Mrs RAKHEE N PANCHAGATTI , ACA
318	209118	Mr. SABARINATH G N , ACA	358	210681	Mr. SRINIVASAN B , ACA
319	209121	Mr. PULAVARTHI N V K KISHORE , FCA	359	210712	Mr. VINOD KUMAR V , ACA
320	209135	Mr. SUNDARA RAJESH A , ACA	360	210838	Mr. JAYA SANKAR PERLA , ACA
321	209144	Mr. RAJKUMAR P , ACA	361	210847	Mrs VEENADHARI SONISETTI S , ACA
322	209178	Mr. PANKAJ KUMAR BAFNA , ACA	362	210891	Mr. RANDITH B , ACA
323	209264	Mrs USHMA SHAH , ACA	363	211059	Mrs SUKRUTHI VENKATESH , ACA
324	209277	Mr. VENKATA HANUMA UDAYKANTH DEVARAJ, ACA	364	211071	Mrs KAVETI SRI RAMANI SAILAJA , ACA
325	209285	Mr. SABU C S , ACA	365	211150	Mr. THIRIVIKRAM REDDY CHINTALA , FCA
326	209316	Mr. SUSHIL KUMAR K S , ACA	366	211164	Mr. RAMANADHA BABU PALLAPOTU , FCA
327	209349	Mr. HAREESH B , ACA	367	211168	Mr. BALAGOPAL G , ACA
328	209353	Mr. SANJAY B , FCA	368	211230	Mrs DEENA JACOB , ACA
329	209383	Mr. GANESH KUDVA N , ACA	369	211262	Mr. JAYA KIRAN KARTHIK P , ACA
330	209406	Mr. JAVEED ASHFAQUE AJANI , FCA	370	211342	Mr. BIPIN KOSHY THOMAS , ACA
331	209409	Mr. SATHYA SANGAURU SETTY BANDURU, FCA	371	211416	Mr. SANTOSH KUMAR B , ACA
332	209440	Mrs ANJELAADEVI D , FCA	372	211462	Mr. GOKUL TAPADIA , ACA
333	209524	Mr. JOHNMON XAVIER , FCA	373	211498	Mr. STEPHEN GNANASEKARAN S , ACA
334	209623	Mrs JAYASHREE JAGADISH , ACA	374	211543	Mrs VASUDHA S , ACA
335	209653	Mr. GIRISH PODDAR , ACA	375	211587	Mr. BALAKRISHNAN V , ACA
336	209734	Mr. ARUN KUMAR M K , ACA	376	211651	Mr. RAMA KIRAN A , ACA
337	209736	Mrs DHANALAXMI G , ACA	377	211694	Mr. ROBIN MOSES RAJ G , FCA
338	209788	Mrs KADAMBARI N NANAISH , ACA	378	211776	Mr. KARTIKEYA V KASINADHUNI , ACA
339	209797	Mr. RAVI KUMAR K , ACA	379	211948	Mr. TIRUMALA D RAGHAVA , ACA
340	209893	Mr. GOPI R , ACA	380	211953	Mr. UDAY BHASKAR N , ACA

S NO	MRN	MEMBER NAME	S NO	MRN	MEMBER NAME
381	211990	Mr. VIJESH K R , ACA	421	213432	Mr. VENKATA RAMANA RAO NEERELLA , ACA
382	212035	Mr. SUNIL JAIN , ACA	422	213444	Mr. CHANDRASEKHAR S , ACA
383	212046	Mrs MATHANGI K , ACA	423	213494	Mr. MURALI MOHAN RAJU REDDYCHERLA , ACA
384	212063	Mr. VASUDEVAN K R , ACA	424	213528	Mr. KIRAN KUMAR T , ACA
385	212084	Mr. MURALI MOHAN RAO MOKKAPATI , ACA	425	213547	Mr. SATHISH M G , ACA
386	212234	Mr. PRABHU KARUNAKAR SUNKARA , ACA	426	213615	Mr. KANNAPPAN K N , ACA
387	212237	Mr. SUNILKUMAR JAIN , ACA	427	213643	Mr. PRASAD GOVINDARAY BHAT , ACA
388	212369	Mr. AKELLA SHREE RAM VAMSI , ACA	428	213661	Mrs HEMAMALINI S , ACA
389	212373	Mrs ARATHI S , ACA	429	213709	Mrs JANSY MEJELA MARY S , ACA
390	212375	Mr. VISHNU V , ACA	430	213797	Mrs SARADHA G , ACA
391	212420	Mr. MUNIPALLI GAYATRI DINAKAR , ACA	431	213807	Mr. PRAMOD KUMAR M , ACA
392	212426	Mrs RADHIKA M , ACA	432	213811	Mrs ANUSHA R JAIN , ACA
393	212440	Mrs ARUNA N , ACA	433	213837	Mrs RAMYA V , ACA
394	212464	Mrs SUJATHA P , ACA	434	213852	Mr. SATHISH KUMAR R , ACA
395	212465	Mr. IMANDI LAKSHMIKANTH , ACA	435	213892	Mr. BALAJI P , ACA
396	212488	Mr. VENKATESH V R , ACA	436	213919	Mr. HARISH H , ACA
397	212494	Mr. RAMKUMAR K , ACA	437	213923	Mr. SHIVRAM R , ACA
398	212498	Mrs SHILPA N R , ACA	438	213930	Mrs SREEPRIYA R , ACA
399	212500	Mrs ARTHI NATHAN , ACA	439	213952	Mr. SRINIVAS DUGGAMPUDI , ACA
400	212502	Mr. GURUMURTHY V , ACA	440	213975	Mr. KRANTHI PRASAD AMBATIPUDI , ACA
401	212552	Mr. MUKESH PHALOR , ACA	441	214044	Mr. SUDHEER SATYAPAL S , ACA
402	212581	Mrs SANDHYA G , ACA	442	214050	Mrs SHREEVIDYA K , ACA
403	212595	Mr. TANVEER AHMED S , ACA	443	214081	Mr. NAISON LOUIS , ACA
404	212630	Mr. NATARAJAN H , ACA	444	214083	Mr. RAVI KUMAR CHENNUPATI , ACA
405	212717	Mr. KARTHIK BALASUBRAMANIAN , ACA	445	214141	Mr. KISHORE ALEX , FCA
406	212757	Mr. SATISH KUMAR JAIN KALA , ACA	446	214143	Mr. VINOD R , ACA
407	212761	Mr. SUDHAKAR DRUGANTI , ACA	447	214147	Mr. SURYA CHANDRA SEKHAR MALLA , ACA
408	212762	Mr. NOORULLAH BASHA S M , ACA	448	214149	Mr. BALA VENKATA SUBRAHMANYAM CHINNI , ACA
409	212789	Mr. HARISH K S , ACA	449	214297	Mr. ARAZ ANWAR ALI S , ACA
410	212814	Mr. RAMAKRISHNAN M B , ACA	450	214456	Mr. SENTHIL KUMAR V M , ACA
411	213020	Mrs ANJU MATHEW , ACA	451	214510	Mr. SRIRAM PHANESWAR K , ACA
412	213030	Mr. VARA PRASAD G N S , ACA	452	214542	Mr. RAKESH B , ACA
413	213071	Mr. VENKATA PHANI RAJ KUMAR A , FCA	453	214593	Mr. VIKRAM KANKARIA A , ACA
414	213086	Mr. VISHAL SISODIA , ACA	454	214619	Mrs VINEETA RAVINDRANATH , ACA
415	213092	Mr. KUMAR REDDY P S , ACA	455	214622	Mr. PRASHANT JAIN , ACA
416	213122	Mr. PATRA RABI KRISHNA , ACA	456	214659	Mrs SHARADA C V , ACA
417	213180	Mr. CHALAPATHI V V S , FCA	457	214665	Mrs KRISHNA PRIYA D , ACA
418	213323	Mr. STEEPHEN JOY , ACA	458	214667	Mr. ESHWAR SUNDERAJ , ACA
419	213336	Mr. DEEPAK M D , ACA	459	214671	Mrs SHOBANA G , ACA
420	213393	Mrs ANJALI PRABHU , ACA	460	214682	Mr. SIVAKUMAR G , ACA

S NO	MRN	MEMBER NAME	S NO	MRN	MEMBER NAME
461	214790	Mr. SRIVATSA , ACA	501	216372	Mr. PRAVEEN JAIN , ACA
462	214796	Mrs DEEPTI Y C , ACA	502	216382	Mr. AMPURAN J K , ACA
463	214797	Mr. PRAVEEN C G , ACA	503	216434	Mrs NEHA MEHTA , ACA
464	214939	Mr. BESTO VARGHESE , ACA	504	216451	Mr. MURALIDHAR NANDURI , ACA
465	214970	Mr. VINOTH KUMAR G , ACA	505	216505	Mrs SANGEETHA R , ACA
466	214974	Mr. ADITYA NARENDRA , ACA	506	216599	Mr. KARTHIK KOLLURI , ACA
467	214975	Mrs KAVITHA V , ACA	507	216671	Mr. RAMESH C S , ACA
468	215041	Mrs KRISHNA KRUPA SONCHHATRA , ACA	508	216677	Mr. AJAYA KUMAR RAUTARAY , ACA
469	215228	Mr. RAJEESH KHANNA C , ACA	509	216709	Mr. KRISHNA MOHAN U , ACA
470	215265	Mrs SUSMITHA RATNAM , ACA	510	216721	Mr. GOPALA KRISHNA SAKAMURI , ACA
471	215320	Mr. RAMABABU ADEPU , ACA	511	216775	Mr. SRINIVASA RAO KOLASANI , ACA
472	215334	Mr. ARALI VISHWANATH CHANDRAKANT , ACA	512	216794	Mr. RAJNISH DAHAL , ACA
473	215340	Mr. VENKATARAGHAVAN S , ACA	513	216814	Mr. SIVAKUMAR G , ACA
474	215379	Mr. JATIN BATRA , ACA	514	216815	Mrs CHAITRA K MISHRA , ACA
475	215381	Mr. DUGAR ASHTI JAGAT SINGH , ACA	515	216843	Mr. NISCHAY SARAF , ACA
476	215474	Mr. GANESH KUMAR J , ACA	516	216852	Mr. SACHIN DATTATRAY SANU , ACA
477	215515	Mr. RAVI KUMAR K , ACA	517	216863	Mrs SARSWATI ADHIKARI , ACA
478	215560	Mr. SYAMPRASAD P G , ACA	518	216880	Mrs SREE VIDYA LAKSHMI K , ACA
479	215576	Mr. SUNIL KUMAR P , ACA	519	216881	Mr. VENKATA NAGA PRASAD MINWALA , ACA
480	215607	Mr. RAGHAVA CHARY T , ACA	520	217007	Mr. RAJASEKHARA REDDY EADA , ACA
481	215611	Mr. SENTHILKUMAR B , ACA	521	217012	Mr. JAGANNATH PRASAD MONAPATRO , ACA
482	215658	Mrs RADHAMANI K , ACA	522	217068	Mr. RAJKUMAR RAO B S , ACA
483	215750	Mr. TOMY JOSEPH , ACA	523	217118	Mr. AJU SCARIA , ACA
484	215759	Mr. SUNIL KUMAR M , ACA	524	217211	Mrs LAKSHMI KRISHNAN , ACA
485	215813	Mr. ANANTA CHARANA SAHOO , ACA	525	217219	Mrs VANAJAKSHI C , ACA
486	215831	Mr. KARTHIK NARAYANAN P R , ACA	526	217268	Mr. KRISHNARAJ S , ACA
487	215845	Mrs HEMA JOSHI , ACA	527	217295	Mr. VANJINATHAN M , ACA
488	215886	Mr. RAMESH BABU MURIKI , ACA	528	217325	Mr. GORAV GUPTA R , ACA
489	216006	Mr. VENKATA CHANDRA SEKHAR ALLURI , ACA	529	217509	Mrs NEERAJA R , ACA
490	216089	Mr. SANTHOSH T V , ACA	530	217645	Mrs VENKATA KIRANMAI N , ACA
491	216130	Mr. DINESH KUMAR AGRAWAL , ACA	531	217652	Mrs SHAMINA NASHRIN , ACA
492	216146	Mrs ANUSHA RAGHUNATHAN , ACA	532	217658	Mrs AMNIK TALWAR , ACA
493	216177	Mr. GOKULDAS PAI H , ACA	533	217661	Mr. JOHN PONVELIL PHILIP , ACA
494	216202	Mr. DEVARASETTY KIRAN KUMAR , ACA	534	217714	Mr. SACHIN S SHAH , ACA
495	216204	Mr. ANAND M , ACA	535	217775	Mr. KHAJA KARIMULLA SHAIK , ACA
496	216215	Mr. SRIHARI G , ACA	536	217776	Mr. VIJAYA BHASKAR DESU , ACA
497	216219	Mr. SIVA SANKAR REDDY SAMAM REDDY , ACA	537	217860	Mrs KRIPA G , ACA
498	216261	Mrs RENY PAUL , ACA	538	217886	Mr. TEJAS J SHAH , ACA
499	216271	Mr. SUBBA RAO UNNAM , ACA	539	217938	Mr. MANOHARAN J , ACA
500	216340	Mr. BIJI JOSEPH , ACA	540	217984	Mr. KYTESWARA RAO PASUMARTI , ACA

S NO	MRN	MEMBER NAME	S NO	MRN	MEMBER NAME
541	218009	Mr. VIVEK N RAGGAV , ACA	581	219953	Mr. ADITHYA U G , ACA
542	218019	Mrs VIDYA Y , ACA	582	220010	Mr. MURALI KRISHNA BONAGIRI , ACA
543	218074	Mr. MEHUL LALITH KUMAR , ACA	583	220035	Mr. MUKESH GUPTA , ACA
544	218145	Mr. ANANTH PRASAD B R , ACA	584	220037	Mr. MOHIT KHADOLIA , ACA
545	218251	Mr. SRIRAJAGANAPATHY S , ACA	585	220147	Mr. PRASHANTH KUMAR S , ACA
546	218258	Mr. SATHYANARAYANA C S , ACA	586	220175	Mr. KIRAN SHANBOUGH , ACA
547	218334	Mrs SUCHARITHA B , ACA	587	220313	Mr. RAJESHKUMAR K , ACA
548	218599	Mrs APARNA AMMANNAYA , ACA	588	220317	Mr. HARANADH BABU KANAMARLAJURI, ACA
549	218635	Mrs HASEENA PARVEEN SHAIK , ACA	589	220352	Mrs SASIKALA P , ACA
550	218685	Mr. AMIT KUMAR BAJAJ , ACA	590	220359	Mr. SUBBA RAO KAPUGANTI , ACA
551	218704	Mr. ADITHYA P , ACA	591	220361	Mrs SREEDevi R , ACA
552	218705	Mr. ASHOK KALYAN TAVVA , ACA	592	220380	Mr. ABHJIT PRAHARAJ , ACA
553	218823	Mr. SHIVADARSHAN S ANKALKOTI , ACA	593	220419	Mrs NIKHIL MITTAL , ACA
554	218824	Mr. DILIP RADHAKRISHNAN , ACA	594	220603	Mr. MADHAN KUMAR J , ACA
555	218834	Mr. BALA KRISHNA GALIPELLI , ACA	595	220666	Mr. MALLESHAM J , ACA
556	218872	Mr. MAHAVEER JAIN M , ACA	596	220798	Mrs MADALI MAYURA RAJENDRA , ACA
557	218982	Mr. SAHU SUDHAKAR , ACA	597	220823	Mr. ASHWIN DINAKARAN , ACA
558	218990	Mr. CINESH JOSEPH , ACA	598	220826	Mrs SHREYA JAIN , ACA
559	219006	Mrs VASAVI L , ACA	599	220830	Mr. SAMEER P B , ACA
560	219013	Mrs SARITHA B , ACA	600	220832	Mr. RAVI BABU CHALLA , ACA
561	219066	Mr. RAGHURAMAN K L , ACA	601	220898	Mr. CHAITANYAKUMAR K , ACA
562	219107	Mrs MAMTA OMPRAKASH BAGADIA , ACA	602	220900	Mr. UDAYA KUMAR S , ACA
563	219127	Mrs DIVYA B , ACA	603	220988	Mrs ANJANA R , ACA
564	219148	Mrs MANISHA V AGARWAL , ACA	604	221020	Mrs WANTISHREE NAIDU C , ACA
565	219222	Mrs TEJAL KAUSHIK GOR , ACA	605	221034	Mr. KANAKARAJ N , ACA
566	219249	Mr. DEEPAK KUMAR , ACA	606	221040	Mr. RAGHAVENDRA B SHETTAI , ACA
567	219270	Mr. SEBI GEORGE , ACA	607	221066	Mr. AMARESHWAR G , ACA
568	219368	Mr. PETER FERNANDES , ACA	608	221147	Mr. LOKESH K V , ACA
569	219373	Mr. RAMA KRISHNAJI GUPTA KUNCHAM, ACA	609	221157	Mrs SHIVAGAMI N , ACA
570	219470	Mr. GANIPINENT SAMBASIVA RAO , ACA	610	221237	Mr. SEBASTIAN PHILIP , ACA
571	219505	Mr. PANKAJ TAYAL , ACA	611	401261	Mr. SANDIV KUMAR , ACA
572	219654	Mrs RANJITHA S N , ACA	612	402737	Mrs CHANDRASEKHARAN RASHMI , ACA
573	219713	Mr. SRINIVAS C G , ACA	613	404042	Mrs JAISINGH DEEPTI , ACA
574	219748	Mr. RAJA SOMASEKHAR GUPTA , ACA	614	404076	Mr. KUKKAR GAURAV , ACA
575	219779	Mrs SUNAYNA TAMRAKAR , ACA	615	404630	Mrs KAJAL DAGA , ACA
576	219808	Mr. SRIPAL D , ACA	616	405209	Mr. AGARWAL RAJ KUMAR , ACA
577	219821	Mr. SUNIL KUMARA M , ACA	617	406078	Mr. RAJAT AGRAWAL , ACA
578	219845	Mr. SURENDRA MOTAMARRI N V , ACA	618	406368	Mr. RAVI KANT , ACA
579	219870	Mr. RAJU R , ACA	619	500963	Mr. BALD SUNIL , ACA
580	219915	Mrs LAVANYA S , ACA	620	501143	Mrs GOWDA DIVYA , ACA

S NO	MRN	MEMBER NAME	S NO	MRN	MEMBER NAME
621	505376	Mrs IVATURI MADHURI , ACA	624	511021	Mr. TRINADH K , ACA
622	506343	Mr. NARENDRA KUMAR , ACA	625	511035	Mr. RAMESH R , ACA
623	510527	Mr. SATISH TIRUMELA , ACA	626	511257	Mr. CALAPPA K M , ACA

T KARTHIKEYAN
SECRETARY

3SCA(5)/2/2008-2009: With reference to this Institute's Notification Nos. A(1)/4/82-83 dated 31/03/1983, 3SCA(4)/18/87-88 dated 31/03/1988, 3SCA(4)/12/89-90 dated 25/10/1989, 3SCA(4)/4/94-95 dated 22/02/1995, 3SCA(4)/5/95-96 dated 12/03/1996, 3SCA(4)/5/96-97 dated 07/04/1997, 3SCA(4)/3/97-98 dated 31/03/1998, 3SCA(4)/4/1998-99 dated 07/05/1999, 3SCA(4)/4/1999-2000 dated 17/04/2000, 3SCA(4)/5/2000-2001 dated 12/12/2001, 3SCA(4)/5/2001-02 dated 21/05/2002, 3SCA(4)/4/2002-2003 dated 30/04/2003, 3SCA(4)/4/2003-2004 dated 23/08/2004, 3SCA(4)/5/2004-2005 dated 07/07/2006, 3SCA(4)/3/2005-2006 dated 29/08/2007, 3SCA(4)/3/2006-2007 dated 30/05/2008, 3SCA(4)/1/2007-2008 dated 25/03/2009. It is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations 1988, that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following members:-

S.No.	MRN	Member Name	Restore Date	S.No.	MRN	Member Name	Restore Date
1	009024	MR. APPARAO KUNDAPANENI ACA	16-10-2008	26	027779	MR. SRINIVAS U ACA	09-05-2008
2	016656	MR. BIPINCHANDRA JAMNADAS AMBANI ACA	21-04-2008	27	028723	MR. RAMAMOORTHY I FCA	05-01-2009
3	018167	MR. GOPALAKRISHNAN S ACA	28-03-2008	28	031515	MR. GOURISH SHANKAR BHAT ACA	29-05-2008
4	018178	MR. GANDI NOOKA RAJU ACA	04-02-2009	29	044377	MR. NAGA RAVI KUMAR AKELLA ACA	09-02-2009
5	018214	MR. SANKARAN R FCA	06-02-2009	30	051935	MR. SWAMINATHAN T ACA	30-04-2008
6	018526	MR. MALIAKAL JOSE PAUL ACA	20-03-2008	31	060398	MR. KHANDELWAL TARUN ACA	14-05-2008
7	019162	MR. VASUDEVAN V FCA	13-01-2009	32	089996	MR. KUCHIDHOTLA RAVI KIRAN ACA	11-12-2008
8	019592	MR. DORAI S FCA	07-05-2008	33	090014	MR. AHUJA RAJ KUMAR FCA	11-09-2008
9	020539	MR. RANGANATHA A V ACA	02-12-2008	34	111417	MS. SREEJA ANNA JOHN ACA	20-03-2008
10	021362	MR. SRINIVASAN R ACA	06-02-2009	35	200860	MR. SHANMUGANATHAN K FCA	11-09-2008
11	022865	MR. HARISH SETHIYA M FCA	24-06-2008	36	200365	MR. KALYANESUNDARAM M ACA	15-04-2008
12	022931	MR. BALASUBRAMANIAN P ACA	29-12-2008	37	200789	MR. SIVANATHAN K ACA	29-01-2009
13	022985	MR. BALACHANDAR J ACA	09-09-2008	38	201086	MR. ARAVINDHAN M R ACA	06-06-2008
14	023370	MR. RAM PRAKASHI ACA	25-04-2008	39	201166	MRS. CHETANA NEERCHAL ACA	28-05-2008
15	023435	MR. JAYANT VIRUPAXRAO NIKAM ACA	02-06-2008	40	201363	MS. SRIPRIYA RAMSUNDER ACA	18-08-2008
16	024074	MR. GOPI KUMAR K M ACA	22-05-2008	41	201834	MR. JAYARAM S FCA	12-05-2008
17	024126	MR. VENKOBAN N ACA	23-06-2008	42	201844	MR. RAGHU RAM PRASAD V FCA	18-12-2007
18	024702	MR. PADMANABHAN K ACA	25-02-2008	43	202469	MS. SARITHA REDDY V ACA	10-06-2008
19	025796	MR. PHRANCIS JOSEPH ACA	14-05-2008	44	202696	MR. ANIL KUMAR M ACA	22-05-2008
20	025832	MR. JAYAKANTHI J FCA	08-08-2008	45	202740	MR. DUSI VENKATA GOPAL KRISHNA ACA	21-04-2008
21	026043	MR. SRIDHAN S ACA	25-07-2008	46	203088	MR. RAMESH J ACA	29-04-2008
22	026053	MR. RAVI CHANDER R FCA	30-10-2008	47	203596	MR. VENKATA RATHNA KUMAR P FCA	29-12-2008
23	026092	MR. RAMA CHANDRA MURTHY R S ACA	26-03-2009	48	203738	MR. ESWARA PRASAD V FCA	21-05-2008
24	026383	MR. VIJAYA RAJENDRA PRASAD G ACA	05-01-2009	49	204153	MS. SPRISHA RANI NAGOTHU ACA	16-05-2008
25	026908	MR. RANGAN V FCA	18-06-2008	50	204870	MS. VIDYA B ACA	22-12-2008

S.No.	MRN	Member Name	Restore Date	S.No.	MRN	Member Name	Restore Date
51	204887	MR. KRISHNAMOORTHY Y. ACA	20-07-2009	82	209619	MR. AKHIL RAMACHANDRAN ACA	17-07-2009
52	204979	MR. MAHAJENGAM M. ACA	30-09-2008	83	209677	MR. HARIHARA SUBRAMANIAN P. K. FCA	22-04-2008
53	205029	MS. Lissy K V. ACA	15-09-2008	84	210139	MS. UMA SANKAR PRAKASH ACA	25-04-2008
54	205238	MR. GUNDA VENKATESWARLU FCA	20-12-2007	85	210335	MS. JENIN MURAKKAN ACA	14-02-2008
55	205320	MR. RAGHU BABU HANDAGIRI ACA	26-03-2008	86	210427	MR. ALOK KUMAR ROUF ACA	28-04-2009
56	205732	MR. VISWANATH S. ACA	04-09-2008	87	210488	MR. SHREENATH CH. ACA	21-04-2008
57	205741	MR. RAJKUMAR M. FCA	09-09-2008	88	210607	MR. JINANESH V. MANJESHWAR ACA	15-04-2008
58	205774	MR. SUNDARARAJAN B. FCA	02-07-2008	89	210957	MR. ANANTH S. ACA	09-04-2008
59	205946	MR. NATARAJ K. ACA	29-04-2008	90	211027	MR. NARAYANAN R. ACA	07-07-2008
60	206155	MR. RAVI SHANKAR KHANDARE ACA	16-10-2008	91	211589	MR. KIRAN KUMAR N. ACA	09-07-2008
61	206205	MR. GNANASEKARAN B. ACA	01-09-2008	92	211633	MR. BHARAJAN PATRI ACA	10-04-2008
62	206323	MR. RAVINDRA V. ACA	28-03-2008	93	211790	MR. KUMAR M. ACA	21-05-2008
63	206396	MR. MAHESH C. B. ACA	06-05-2008	94	212776	MS. MITA SNETTY ACA	29-08-2008
64	206827	MS. SUJATHA S. ACA	14-05-2008	95	213294	MR. DEVAKI LEELA NAGA SRINIVAS ACA	28-04-2008
65	207131	MR. PRASADU NALADALA FCA	01-08-2008	96	213520	MR. SASI KUMAR RAMPALLI ACA	09-07-2008
66	207281	MR. SUSHEEL SARDOO ACA	30-01-2008	97	213566	MR. RAJKUMAR P. S. ACA	10-05-2008
67	207510	MR. SRIDHAR P. ACA	17-12-2007	98	213626	MR. SURYA PRAKASH PRAKKI ACA	02-03-2008
68	207520	MR. GOKUL S. ACA	22-05-2008	99	213695	MS. NEHA SARDOO ACA	06-05-2008
69	207547	MR. SUNIL KHUNTETA ACA	09-05-2008	100	215187	MS. SNEHA CAROLINE A. ACA	30-04-2008
70	207604	MR. VISHNUVARDHAN S. ACA	02-05-2008	101	216366	MR. SHIHABUDEEN THANGAL C. A. ACA	06-05-2008
71	207778	MR. MURALIDHARAN R. ACA	02-01-2009	102	216507	MR. SANTOSH S. DHOTRI ACA	24-03-2008
72	207843	MS. SRIPRIYA A. R. ACA	31-03-2008	103	216513	MR. HALLIKARJUNA MAD GORREPATI ACA	15-04-2008
73	207983	MR. KARTHIKEYAN R. ACA	21-04-2008	104	216538	MR. SUTHANTHIRARAJ D. ACA	05-05-2008
74	208068	MS. MAMATHA BALLA ACA	27-05-2008	105	216688	MR. KARTHIK PATNAM ACA	26-12-2007
75	208260	MR. KRISHNA NAYAK B. ACA	01-09-2008	106	216757	MR. RAVI V. ACA	16-04-2008
76	208274	MR. PYROZE AHMED P. ACA	30-04-2008	107	217154	MR. BISWAJIT RAULA ACA	17-04-2008
77	208810	MR. KUMAR G. FCA	29-04-2008	108	217430	MS. MUTHULAKSHMI N. ACA	16-01-2008
78	209073	MS. MADHUMATHI K. B. ACA	17-03-2008	109	217536	MR. RAHUL AGARWAL ACA	10-04-2008
79	209091	MR. SUDHEENDRA B. R. ACA	30-07-2008	110	218957	MR. VISHAL KUMAR DIDWANEA ACA	10-04-2008
80	209154	MR. SETHURAMAN S. ACA	14-03-2008	111	503634	MR. RAJ ARVIND ACA	10-04-2008
81	209379	MR. RAJESH B. ACA	18-08-2008				

T. KARTHIKEYAN
SECRETARY

3SCA(5)/3/2008-2009: With reference to this Institute's Notification Nos. 4SCA(1)/8/77-78 dated 13/02/1978, 3SCA(4)/10/83-84, dated 31/03/1984, 3SCA(4)/7/85-86 dated 30/09/1985, 3SCA(4)/10/86-87 dated 27/02/1987, 3SCA(4)/12/89-90 dated 25/10/1989, 3SCA(4)/8/90-91 dated 01/12/1990, 3SCA(4)/3/93-94 dated 11/01/1994, 3SCA(4)/4/94-95 dated 22/02/1995, 3SCA(4)/5/95-96 dated 12/03/1996, 3SCA(4)/5/96-97 dated 07/04/1997, 3SCA(4)/3/97-98 dated 31/03/1998, 3SCA(4)/4/1998-99 dated 07/05/1999, 3SCA(4)/4/1999-2000 dated 17/04/2000, 3SCA(4)/5/2000-2001 dated 12/12/2001, 3SCA(4)/5/2001-02 dated 21/05/2002, 3SCA(4)/4/2002-2003 dated 30/04/2003, 3SCA(4)/4/2003-2004 dated 23/08/2004, 3SCA(4)/5/2004-2005 dated 07/07/2006, 3SCA(4)/3/2005-2006 dated 29/08/2007, 3SCA(4)/3/2006-2007 dated 30/05/2008, 3SCA(4)/1/2007-2008 dated 25/03/2009. It is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations 1988, that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following members:-

S.No.	MRN	Member Name	Restore Date	S.No.	MRN	Member Name	Restore Date
1	003132	Mr. SATYANARAYANA MURTY P V , FCA	01-10-2004	26	020091	Mr. GUPTA NANDAVILLI MANELLAYYA , FCA	01-10-2007
2	004172	Mr. RAMANUJAM V , ACA	01-10-2005	27	020166	Mr. NANDA KUMAR N , ACA	01-10-2005
3	007471	Mr. DESIKAN K VEDANTHA , ACA	01-10-2007	28	020657	Mr. JOHN MATHEW , ACA	01-10-2006
4	009234	Mr. CHANDRAKUMAR V K , ACA	01-10-2002	29	020856	Mr. ANANTHAMURTHY N , FCA	01-10-2007
5	011465	Mr. BALARAMAN T A , ACA	01-10-2006	30	020916	Mr. SELVA KUMAR M K , ACA	01-10-2002
6	012462	Mr. RAMANATHAN RAMANATHAN , FCA	01-10-2006	31	020965	Mr. MOHAN RAJ K S , FCA	01-10-2007
7	012746	Mr. BALASUBRAMANIAN S , ACA	01-10-2007	32	021022	Mr. GEORGE VARGHESE , ACA	01-10-1990
8	013596	Mr. MADHUSUDANA RAO DEVINENI , FCA	01-10-1998	33	021053	Mr. SRIDHARAN G , ACA	01-10-2007
9	015379	Mr. SUNDARARAJAN S , FCA	01-10-2005	34	021129	Mr. SHAFEE MOHAMMED M H , ACA	01-10-2007
10	015689	Mr. VITTAL RAJAGOPAL , ACA	01-10-2007	35	021392	Mr. SIVASANKARA RAO S , FCA	01-10-2002
11	016109	Mr. MANOHAR AGARWAL , FCA	01-10-1995	36	021426	Mr. JOHN MATHAI , ACA	01-10-2007
12	016160	Mr. RAMAKRISHNAN V , ACA	01-10-1996	37	021463	Mr. RAMBABU A , FCA	01-10-2005
13	016234	Mr. BALASUBRAMANIAN B , ACA	01-08-1984	38	021502	Mr. PON THIAGARAJ J , ACA	01-08-1983
14	018443	Mr. MAYURANATHAN N , ACA	08-12-2000	39	022191	Mr. KRISHNAMACHARI S , ACA	01-10-2007
15	018455	Mr. NAZIRUDDIN F , ACA	01-10-2006	40	022266	Mr. VENKATESHWARLU K , FCA	01-10-2006
16	018652	Mr. PRABHAT DUNDAPPA AMASHI , ACA	01-10-2007	41	022351	Mr. VIJAYAN V P , ACA	01-10-2006
17	018945	Mr. PADMANABHAN M A , FCA	01-10-2004	42	022542	Mr. SHANKAR C , ACA	01-10-2007
18	019001	Mr. RUCKMANANDAN M R , FCA	01-08-1977	43	022672	Mr. RAMACHANDRAN R , ACA	01-10-2007
19	019399	Mr. RAMALINGESWARA RAO G , FCA	01-10-1996	44	022802	Mr. ANNAMALAI M A A , ACA	01-10-1998
20	019490	Mr. PANNEER SELVAN C , ACA	22-12-2003	45	022810	Mr. RAVINDRA VEMUGANTY , FCA	01-10-2004
21	019496	Mr. VISWANATHA REDDY A , FCA	22-12-2003	46	022837	Mr. SADANANDA R , ACA	01-10-2001
22	019540	Mr. SOMASUNDARAM T , ACA	22-12-2003	47	022929	Mr. RAVI SHANKAR B , ACA	01-10-1993
23	019548	Mr. RANGA KRISHNA RAO K , FCA	01-08-1986	48	022994	Mr. SIVAKUMAR KRISHNAN , ACA	01-10-2006
24	019660	Mr. SANKARAN S , ACA	01-10-2007	49	023144	Mr. SUBBA RAO U V R , FCA	01-10-1998
25	019835	Mr. SATCHIDANANDAN T V , ACA	01-10-1999	50	023174	Mr. SHESHAGIRI K V , FCA	01-10-1998

S.No.	MRN	Member Name	Restore Date	S.No.	MRN	Member Name	Restore Date
51	023256	Mr. BADRINATH S , ACA	01-10-2007	86	026269	Mr. MOHAN K R , ACA	01-10-2006
52	023291	Mr. VENKATAKRISHNAN S , ACA	01-10-2006	87	026279	Mr. SADAGOPAN N , ACA	01-10-2006
53	023310	Mrs. RAMAMIRTHAM KARUPPIAH , ACA	01-10-2007	88	026311	Mr. RAMBABU B , ACA	01-10-1999
54	023324	Mr. JAYARAMAN S , ACA	01-10-2004	89	026354	Mr. PARESH V , FCA	01-10-2005
55	023612	Mr. NANDA KUMAR S , ACA	01-10-2007	90	026472	Mr. KALYANA SUNDARAM V , ACA	01-10-2004
56	023660	Mr. RAJA GOPALAN S , ACA	01-10-1989	91	026565	Mr. MOHAN V , ACA	01-10-1998
57	023716	Mr. RAJAGOPAL K , FCA	01-10-2007	92	026583	Mr. SIVA RAMA KRISHNA V V , FCA	01-10-2002
58	023778	Mr. PALANI PRASAD R , ACA	05-12-1994	93	026731	Mr. SRIKANTH G , ACA	22-12-2003
59	023814	Mr. ALAGUVEL S , FCA	01-10-2001	94	026931	Mr. SRINIVASAN A , FCA	01-10-2006
60	023978	Mr. SHRIVASTAVA AJAY , FCA	01-10-2007	95	026994	Mr. SEBASTIAN K JOCKEY , FCA	01-10-2002
61	024049	Mr. JAYARAM S , FCA	01-10-2006	96	027060	Mr. SHANMUGAM B , ACA	01-10-2004
62	024106	Mr. NARASIMHA MURTY C S V L , ACA	08-12-1997	97	027077	Mrs. VIJAYASHREE D CHARI , ACA	01-10-1995
63	024207	Mr. KANNAN R , ACA	01-10-2002	98	027168	Mr. SATYAM NAIDU G , ACA	01-10-2006
64	024278	Mr. MURALI S , ACA	08-12-2000	99	027342	Mr. NAGARAJAN P S , FCA	01-10-2007
65	024362	Mr. SHYAM SUNDER , FCA	01-10-2007	100	027352	Mr. PADMANABAN P , ACA	01-10-2007
66	024572	Mr. SWAMINATHAN V , ACA	01-10-2007	101	027397	Mr. SRINIVAS R U , ACA	01-10-2006
67	024590	Mr. VIVEKANANDA RAO G , ACA	01-10-2006	102	027398	Mr. MUKALLEJ , ACA	01-10-2004
68	024644	Mr. NAGARAJAN R , ACA	01-10-2005	103	027408	Mrs. BHARATHI ANAND , ACA	01-10-2007
69	024873	Mr. PADMANABHAN S , FCA	01-10-2007	104	027662	Mr. RAMESH D , ACA	01-10-2007
70	024896	Mr. POCHIRAJU SUDHAKAR , FCA	01-10-1999	105	027742	Mr. CHANDRASEKARAN R S , FCA	01-10-2001
71	025042	Mr. ABRAHAM P I , ACA	01-10-1999	106	027752	Mr. CHANDRAMOULI A , FCA	01-10-2006
72	025156	Mr. VIJAYAN P , ACA	01-10-1989	107	027766	Mrs. RAJESWARI MUTHUKRISHNAN , ACA	01-10-2006
73	025163	Mr. NARASIMHACHARI S N , FCA	01-10-2002	108	027824	Mr. SUDARSHAN A , ACA	01-10-2002
74	025382	Mr. RAMA RAO M V , ACA	01-10-2007	109	027829	Mr. KANNAN P V , ACA	08-12-2000
75	025401	Mr. PALANIAPPAN V , FCA	01-10-1993	110	027875	Mr. SRINIVAS M , FCA	01-10-2007
76	025580	Mr. SRINIVASAN S , ACA	22-12-2003	111	027967	Mr. SUBRAMANYA A , ACA	05-12-1994
77	025696	Mr. SUNDARAM R , FCA	01-10-2006	112	028060	Mr. SRIVATSAN R , ACA	01-10-2004
78	025733	Mr. VISHWANATH S , ACA	01-10-2005	113	028114	Mr. SRIKANTH N , ACA	01-10-2006
79	025872	Mr. RAMAN K S , ACA	01-10-2007	114	028235	Mr. SYAM PRASAD G , ACA	01-10-2004
80	025889	Mr. BHASKARENDRA RAO R , FCA	01-10-1999	115	028285	Mr. AKTHER ESMAIL , ACA	01-10-1993
81	025906	Mr. RAMNATH R , FCA	01-10-2007	116	028309	Mr. CHANDRASEKHART , ACA	01-10-1998
82	025982	Mr. SARATHY T H , FCA	22-12-2003	117	028506	Mrs. RADHIKA A , ACA	08-12-2000
83	026102	Mr. ANS KUMAR P C , FCA	01-10-2002	118	028553	Mrs. RADHIKA SUBRAMANYAM G , ACA	01-10-2002
84	026180	Mr. SASI K S , ACA	01-10-2004	119	028579	Mr. RAVI GOPAL A , ACA	01-10-2007
85	026188	Mr. DURGA PRASAD T , FCA	01-10-2006	120	028588	Mr. SREERAM P , ACA	01-10-2005

S.No.	MRN	Member Name	Restore Date	S.No.	MRN	Member Name	Restore Date
121	028706	Mr. MANONARAN R , ACA	08-12-1997	156	053140	Mr. RAJU K SATYANARAYANA , FCA	01-10-2006
122	028835	Mr. AJIT MENON , ACA	22-12-2003	157	054004	Mrs ALAMELU BALASUBRAMANIAN , ACA	01-10-2004
123	028921	Mr. ANAND S , ACA	01-10-2007	158	055518	Mr. KEDAR NATH CHOUDHURY , ACA	01-10-2006
124	028954	Mr. SANKARANARAYANAN K , ACA	01-10-2001	159	057594	Mr. DEY SUMIT KANTI , ACA	01-10-2006
125	028976	Mr. DHAVALA VENKATA SURYA PRAKASH , FCA	01-10-2007	160	058092	Mr. KUMAR SANTOSH , ACA	01-10-2007
126	028985	Mr. VENKATARAMAN N , ACA	01-10-2005	161	058636	Mr. DAS RAJIB , ACA	01-10-2005
127	028996	Mr. VENKATA SIVA RAMAMURTHY P , FCA	01-10-2006	162	059882	Mr. SOUMEN SENGUPTA , FCA	01-10-2006
128	029096	Mr. SATYANARAYANA V , ACA	01-10-2002	163	060165	Mr. GOENKA BHARAT , ACA	01-10-2006
129	029162	Mrs KRISHNA KUMARI C , FCA	01-10-2005	164	060281	Mr. DEY SUJOY , ACA	01-10-2007
130	029230	Mr. RAMASWAMY G , ACA	01-10-2001	165	060438	Mr. SANGHVI PRIYESH LALIT , ACA	01-10-2002
131	029355	Mr. SHIVARAM KANATH V , ACA	01-10-2007	166	060469	Mr. BHAGAT SHYAM SUNDAR , ACA	01-10-2004
132	029414	Mr. RAMKUMAR V V , FCA	01-10-2004	167	060587	Mr. JALLIKA VIKRAM , ACA	01-10-2007
133	029436	Mr. SOUNDARARAJAN V , ACA	01-10-1996	168	060632	Mr. PANDEY YAJNESH , ACA	01-10-2005
134	029479	Mr. LAXMI PRASAD P , ACA	05-12-1994	169	060782	Mr. KHAN MOHAMMED ASIF , ACA	01-10-2007
135	029489	Mr. NAHESH M , ACA	01-10-1998	170	061965	Mrs SURATYA RINKI , ACA	01-10-2007
136	029548	Mr. RAVI CHANDRAN K , ACA	01-10-1993	171	062028	Mrs GARGI RAY , ACA	01-10-2007
137	029826	Mr. THOMAS ALEXANDER , ACA	01-10-2001	172	062792	Mr. ANAND V , ACA	01-10-2007
138	029831	Mrs SITA G , ACA	01-10-2007	173	063952	Mr. DHAR SANIK , ACA	01-10-2007
139	029937	Mr. RANGANAYAKULU B V , ACA	05-12-1994	174	065555	Mr. MANAV MUNDHRA , ACA	01-10-2007
140	029959	Mr. NITHYANANDAN V K , ACA	01-10-2006	175	076125	Mr. SRINIVAS SREEPADA , ACA	01-10-2004
141	031117	Mr. DHANDAPANI S , ACA	01-10-1998	176	077603	Mrs PURNIMA M , ACA	01-10-2007
142	036019	Mr. VARADARAJAN S , ACA	01-10-1989	177	082645	Mr. THIRUMALAI V , FCA	01-10-2006
143	037383	Mrs RADHA SEKAR , FCA	01-10-2005	178	083673	Mr. SUBRAMANIAN SURESH , FCA	01-10-2007
144	038574	Mr. SRIDHAR RAMAMOORTI , ACA	01-10-2007	179	084472	Mr. HARIVISHNU KHANDELA , ACA	01-10-2004
145	041069	Mrs RATNA VISWANATH , ACA	01-10-2007	180	088532	Mr. RAVI RAJ K S , ACA	01-10-2007
146	043607	Mr. REJI P JACOB , ACA	01-10-2002	181	088561	Mr. LAKSHMI NARAYANAN D , ACA	01-10-2006
147	043870	Mr. RAMA SUBRAMANIAN A , ACA	01-10-2007	182	088845	Mr. VENKATARAMAN M S , ACA	01-10-1993
148	044933	Mr. VALLUVAN M , ACA	01-10-1995	183	094016	Mrs SRIKRIPA SRINIVASAN , ACA	01-10-2005
149	045994	Mr. GUPTA SANJAY SURESH PRASAD , FCA	01-10-2006	184	095232	Mr. NATH SUBHASHIS , ACA	01-10-2004
150	046640	Mr. RAM KUMAR K , ACA	08-12-1997	185	097136	Mr. BEDI RAVINDER SINGH , ACA	01-10-2004
151	047213	Mr. VARKEY JOHN , ACA	01-10-2007	186	098402	Mr. JAIN SAURABH , ACA	01-10-2007
152	051122	Mr. VENKATESH T G , ACA	01-10-1999	187	098793	Mr. DROLIA BALAJI , ACA	01-10-2004
153	051823	Mr. NARAYANAN M S , FCA	01-10-2006	188	099137	Mr. VAISH NAVNEET KUMAR , ACA	01-10-2007
154	052060	Mr. RAGHUNATH V , ACA	01-10-2007	189	101964	Mr. KOTGIRE SANTOSH HARIBHAU , ACA	01-10-2007
155	052889	Mr. CHANDRA SEKHAR S , FCA	01-10-2007	190	107425	Mr. SAJLESH MAHADEVAN , ACA	01-10-2007

S.No.	MRN	Member Name	Restore Date	S.No.	MRN	Member Name	Restore Date
191	108195	Mr. PILLAI ASHWIN BALAKRISHNA , ACA	01-10-2006	226	202325	Mr. ANNE SRINIVAS BABU , ACA	01-10-1999
192	111102	Mrs MEERA CHANCHLANI , ACA	01-10-2006	227	202454	Mr. PRASANNA M V , ACA	08-12-2000
193	111986	Mr. SAJJAD MUSSAJN MOHAMMED SARANGPURWALA ,	01-10-2006	228	202477	Mr. RAJENDRAN V , ACA	01-10-2007
194	113508	Mrs RAJALAKSHMI D , ACA	01-10-2007	229	202488	Mr. VENKATESWARLU S , FCA	01-10-2007
195	115664	Mrs TRUPTI OM PRAKASH DHANNAWAT , ACA	01-10-2007	230	202498	Mr. RETHISH P , FCA	01-10-2007
196	119375	Mrs SHREYA KEDAR BHAGATH , ACA	01-10-2007	231	202570	Mr. BASKARAN M , ACA	01-10-2007
197	200087	Mr. SRINIVASAN D , ACA	01-10-2007	232	202611	Mr. ANAND K , ACA	01-10-2002
198	200227	Mr. BALASUBRAMANIAM V , ACA	01-10-1995	233	202623	Mr. DURAJARAJ B , ACA	01-10-2001
199	200341	Mr. GOPALA KRISHNA ADDANKI , ACA	01-10-2007	234	202628	Mr. JANASWAMY SRINIVASA SASTRY , ACA	01-10-2001
200	200356	Mr. SATHIAPATHI K , FCA	01-10-2007	235	202757	Mr. GOPALA KRISHNAN M , ACA	01-10-2007
201	200400	Mrs AUDREY MILLER , FCA	01-10-2007	236	202804	Mr. MOHANDAS M C , ACA	01-10-2006
202	200439	Mr. KRISHNA RAO MURULIOHAR M S , ACA	05-12-1994	237	202855	Mr. DAVID RAJAN A , ACA	01-10-2005
203	200493	Mr. ANANDANARAYANAN S , FCA	01-10-2007	238	202924	Mr. PRASAD V V S S D V , ACA	22-12-2003
204	200577	Mr. ABDUL SATHAR M , ACA	01-10-2007	239	203001	Mr. MALLIKARJUNA REDDY Y , FCA	01-10-2007
205	200603	Mr. VENUGOPAL S , FCA	01-10-1998	240	203092	Mr. BEJU GEORGE , ACA	01-10-2007
206	200703	Mr. VENKATA RAMANACHARYULU ECHAMPATI ETIA	01-10-2002	241	203134	Mrs NANDINI PARASHAR , ACA	01-10-2007
207	200777	Mr. RAMESH S , FCA	01-10-2007	242	203137	Mr. RAGHU RAMAN N , ACA	01-10-2007
208	200791	Mr. SRIKANTH B , ACA	01-10-2007	243	203179	Mr. ANANDAKUMAR V , ACA	01-10-2005
209	200799	Mr. PRABHAKAR K S V , ACA	01-10-2007	244	203180	Mr. MURALIDHAR M , ACA	01-10-2006
210	200844	Mr. SYED JILANI , ACA	22-12-2003	245	203205	Mr. PREMCHAND DEVARAKONDA , FCA	01-10-2007
211	201021	Mr. MANMAHDHAN NAIR M G , FCA	01-10-2007	246	203223	Mr. NAGA VISWESWARA RAO PERATLA , ACA	01-10-2007
212	201130	Mr. SUDHER M V S , FCA	01-10-2007	247	203329	Mr. SUBRAMANIAN K , ACA	01-10-1999
213	201183	Mr. SATISH KUMAR K , ACA	08-12-2000	248	203390	Mr. BALAJI A V , ACA	01-10-2006
214	201187	Mr. CHIDAMBARA RAO KOTTA , FCA	01-10-2007	249	203400	Mr. GOPTICHAND KADIYALA , FCA	01-10-2001
215	201281	Mr. MURALI A R , FCA	01-10-2006	250	203413	Mr. SRINIVASA KUMAR G , ACA	01-10-2007
216	201348	Mr. KRISHNAN G , ACA	01-10-2007	251	203481	Mrs MALINI V , FCA	01-10-2006
217	201466	Mr. KANNAN S , ACA	01-10-2007	252	203483	Mr. JITA MITRA G , ACA	01-10-2004
218	201510	Mr. SATISH R , ACA	22-12-2003	253	203724	Mr. PRAMOD KUMAR K , ACA	01-10-2006
219	201634	Mr. VEGESINA VENKATARAMA RAJU , ACA	01-10-2007	254	203750	Mr. VIVEKANANDA SHENOY V , ACA	01-10-2001
220	201645	Mr. MOHANA KRISHNAN K , ACA	01-10-1998	255	203776	Mr. SUNIL T R , FCA	01-10-2007
221	201686	Mr. RAVINDRA PAI , ACA	01-10-2007	256	203865	Mr. SAJEEV N , ACA	01-10-2005
222	201831	Mr. SRINIVAS C , FCA	01-10-2006	257	203879	Mr. KARTIK N , ACA	01-10-2007
223	201903	Mr. CHANDRASEKHARA BABU V , ACA	01-10-2006	258	203971	Mr. SRINIVASA RAO A , ACA	01-10-2004
224	201998	Mr. MURALI J , ACA	01-10-1996	259	204019	Mr. SUNDEEP KHANNA , ACA	01-10-2002
225	202237	Mr. SHANKAR R , ACA	01-10-2006	260	204028	Mr. SUBRAMANYAN K , ACA	01-10-2007

S.No.	MRN	Member Name	Restore Date	S.No.	MRN	Member Name	Restore Date
261	204119	Mr. SRINIVASA REDDY E , FCA	01-10-2007	296	205917	Mr. KANDAVELU C S , FCA	01-10-2007
262	204158	Mr. ABDUL NAMEED A , ACA	01-10-2004	297	206051	Mr. ROY MATHEW , ACA	01-10-2005
263	204262	Mr. ANIL KUMAR A , ACA	08-12-2009	298	206061	Mr. KRISHNA S , ACA	01-10-2007
264	204270	Mr. VENKATA RAMANA RAO G , ACA	01-10-2002	299	206077	Mr. SURESH K C , ACA	01-10-2007
265	204330	Mr. SUBRAMANIAN K , ACA	01-10-2005	300	206096	Mr. RAMANATHAN D , ACA	01-10-2006
266	204366	Mrs PADMAVATHY S , FCA	01-10-2004	301	206116	Mr. AJAY SALUJA , ACA	01-10-1998
267	204455	Mr. RAJASEKAR BALASUBRAMANIAN , ACA	01-10-2005	302	206117	Mr. SEKAR K , FCA	01-10-2007
268	204477	Mr. CHANDRAMOHAN V , ACA	01-10-2006	303	206192	Mrs KALA SUBRAMANIAN , FCA	22-12-2003
269	204616	Mr. CHANDRASHEKAR A S , ACA	01-10-2006	304	206217	Mr. CHAKRAVARTHY ROHIT , ACA	01-10-2007
270	204666	Mrs GOURI J CHANDER , ACA	22-12-2003	305	206332	Mrs GONGUNTALA GEETHA , ACA	01-10-2004
271	204814	Mr. NAGI REDDY M , ACA	08-12-2000	306	206335	Mr. RAMESH BABU S , ACA	01-10-2004
272	204820	Mr. HARI S , FCA	01-10-2007	307	206355	Mrs MADHURI S , ACA	01-10-2007
273	204854	Mr. SURESHBABU P , ACA	01-10-2007	308	206366	Mr. MAHESHWAR B , ACA	01-10-2005
274	204817	Mr. VENKATRAMAN J , ACA	01-10-1998	309	206410	Mr. VENKATARAMANA S , ACA	01-10-2006
275	205014	Mr. SREENIVAS RAO VEDULA , ACA	01-10-2007	310	206420	Mr. DEEPU MATHEW PANAMPUNNA , ACA	01-10-2006
276	205052	Mrs SHANTHI V , ACA	01-10-2006	311	206444	Mr. SAI KUMAR M V S , ACA	01-10-2007
277	205131	Mr. RAJKUMAR K , ACA	01-10-2006	312	206471	Mrs SHARADA U , ACA	01-10-2001
278	205184	Mr. THENAPPAN M , ACA	01-10-2005	313	206487	Mr. RAATHAKRISHNA T , ACA	01-10-2004
279	205237	Mr. RAVI S , FCA	01-10-2005	314	206517	Mr. MURALIDHARAN S , ACA	01-10-2007
280	205242	Mr. MOHAN R , ACA	01-10-2007	315	206559	Mr. MADAN MOHAN MURIKIPUDI , ACA	01-10-2007
281	205279	Mr. BALASUBRAMANIAN V , ACA	01-10-2004	316	206589	Mr. SIBY SEBASTIAN , ACA	01-10-2002
282	205294	Mr. RAVIKANTH M V , ACA	01-10-2001	317	206662	Mr. VENKATA LAKSHMI NARAYANA KONDA , ACA	01-10-2007
283	205352	Mr. VISWANADHUNI LAKSHMI NARASINHA RAO ,	01-10-2001	318	206732	Mr. DINESH BHANDARY M S , FCA	01-10-2007
284	205408	Mr. KATHIRKAMANATHAN S , ACA	01-10-2007	319	206744	Mr. PRAMOD KUMAR G , ACA	22-12-2003
285	205476	Mr. KARTHIKEYAN T , ACA	01-10-2007	320	206749	Mr. SREENIVASA RAO BOPPUDI , ACA	01-10-2005
286	205504	Mr. KUMARAPANDIAN S , ACA	01-10-2002	321	206825	Mr. MANOJ P R , ACA	01-10-2007
287	205695	Mr. SHANTHA KUMAR H P , ACA	01-10-2007	322	206898	Mr. HARI NARAYANAN M K , ACA	08-12-2000
288	205713	Mr. SREENARI T S , FCA	01-10-2007	323	206981	Mrs SUMATHI S , ACA	01-10-2001
289	205721	Mrs SAMERA ASAD , ACA	01-10-2007	324	207157	Mr. VADLAPATLA B N V VARA PRASAD , ACA	01-10-2004
290	205729	Mr. VENKATA SUBBA RAO DESU , FCA	01-10-2007	325	207158	Mr. JAMPANI APPARAO , FCA	01-10-2005
291	205734	Mr. RAGHAVENDRA K HEBBAR , ACA	01-10-2006	326	207187	Mr. KANNAN R B , ACA	01-10-2007
292	205762	Mr. UMAMAHESWARA NAIDU M , ACA	01-10-2006	327	207225	Mr. KOTESWARA RAO V PADARTI , ACA	01-10-2007
293	205818	Mr. VENKATESAN K , ACA	01-10-2005	328	207250	Mr. RAJESH R , ACA	01-10-2006
294	205823	Mr. AJAY AGARWAL , ACA	01-10-2006	329	207390	Mr. RAMKUMAR R , ACA	01-10-2007
295	205867	Mr. SATYANARAYANA S V V , ACA	01-10-2006	330	207428	Mrs AARTHY R , ACA	01-10-2007

S.No.	MRN	Member Name	Restore Date	S.No.	MRN	Member Name	Restore Date
331	207450	Mr. ANAND C DESHPANDE , ACA	01-10-2007	366	209117	Mr. YUGANDHAR K , FCA	01-10-2004
332	207467	Mrs SEEMA R , ACA	01-10-2006	367	209136	Mr. MOHAN DANIVAS S A , ACA	01-10-2007
333	207611	Mr. KRISHNA E , ACA	01-10-2006	368	209137	Mr. RAMACHANDRA PAIT V , ACA	01-10-2005
334	207642	Mr. SRINIVASA SARAVAN KANUPARTHY , ACA	01-10-2007	369	209167	Mr. SARAVANAN S , ACA	01-10-2004
335	207692	Mr. VENKATESH ATHREYA P , ACA	01-10-2007	370	209266	Mr. LAKSHMANAN V , ACA	01-10-2007
336	207760	Mr. AJAY M R , ACA	01-10-2004	371	209363	Mr. PRAVEEN R , ACA	01-10-2004
337	207761	Mr. ARAVIND K , ACA	01-10-2002	372	209393	Mr. MANOJ K KURIAN , ACA	01-10-2007
338	207956	Mrs ARUNA S , ACA	01-10-2007	373	209424	Mr. HABEEB MOHAMED K A , ACA	01-10-2004
339	207977	Mr. SURESH KUMAR G , FCA	01-10-2007	374	209447	Mr. ANAND THIRTHA N , FCA	01-10-2007
340	208005	Mr. SHIVARAMAN V J , ACA	01-10-2006	375	209485	Mrs NIJARUNA N , ACA	01-10-2006
341	208015	Mrs RACHEL KURIAN , FCA	01-10-2007	376	209542	Mrs PREETHI JOSEPH , ACA	22-12-2003
342	208044	Mr. SUCHARSAK K , ACA	01-10-2004	377	209595	Mr. JINESH N , FCA	01-10-2007
343	208075	Mr. SHRIDHAR RAO , ACA	01-10-2007	378	209611	Mr. GIRIRAM S V , ACA	01-10-2007
344	208126	Mr. JANAKI RAM CHADA , FCA	01-10-2007	379	209629	Mr. ARUN KUMAR S , ACA	01-10-2005
345	208249	Mr. JACOB A , ACA	01-10-2007	380	209666	Mr. BABU SEBASTIAN , ACA	22-12-2003
346	208271	Mr. SRINIVASAN Y , ACA	01-10-1999	381	209771	Mrs ANITHA JOHNSON , ACA	01-10-2007
347	208296	Mr. KARTHIK P , ACA	01-10-2007	382	209824	Mr. RAJESH R , ACA	01-10-2006
348	208312	Mrs ANITHA G , ACA	01-10-2006	383	209834	Mr. VENKATESAN B , ACA	01-10-2006
349	208351	Mr. MOHAN R , ACA	01-10-2001	384	209844	Mr. SIVAKUMAR B , ACA	01-10-2004
350	208379	Mr. RAGHAVAN K , ACA	01-10-2007	385	209863	Mr. DAYANAND A , FCA	01-10-2006
351	208394	Mr. BHARANI KUMAR C M , FCA	01-10-2006	386	209907	Mr. MANOJ R , ACA	01-10-2006
352	208396	Mr. PATNAIK PRASANTA KUMAR , ACA	01-10-2004	387	209920	Mr. SHIBU PHILIP MATHA I , ACA	01-10-2007
353	208433	Mr. RAVI J , FCA	01-10-2007	388	209952	Mr. MADHUSUDHANA RAO PUPPALA , ACA	01-10-2007
354	208463	Mrs VISALAKSHI V , ACA	01-10-2005	389	209979	Mr. JAIBY MANUEL , ACA	01-10-2007
355	208563	Mr. KESAVAN R , FCA	01-10-2006	390	210084	Mr. SRIRAM V S , ACA	01-10-2007
356	208575	Mr. RAJA M V , ACA	01-10-2005	391	210098	Mr. SHANMUGAM SUDARSHAN , ACA	01-10-2007
357	208637	Mr. JOSHI RAGHAVENDRA S , ACA	01-10-2007	392	210120	Mr. VENKATACHALAM M , ACA	01-10-2004
358	208643	Mr. SUDARSHAN BHARADWAJ , ACA	01-10-2005	393	210182	Mr. SHAJI C J , ACA	01-10-2006
359	208696	Mr. VISWANATHAN K P , ACA	01-10-2007	394	210200	Mr. URNAM KRISHNA MOHAN , ACA	01-10-2002
360	208761	Mr. HARISH BABU D , ACA	01-10-2007	395	210296	Mr. VENKATESHWARLU Y , ACA	01-10-2007
361	208927	Mr. KARTHIK SWAMINATH G , ACA	01-10-2007	396	210310	Mr. KARTHIKEYAN R , ACA	01-10-2007
362	208962	Mrs ROHINI RAMYA V , ACA	01-10-2007	397	210359	Mr. VASUDEV S PIROHIT , ACA	01-10-2007
363	208965	Mr. RAVISHANKARA A S , ACA	01-10-2007	398	210387	Mr. RAMESH S , ACA	01-10-2006
364	209010	Mr. ANAND R , ACA	22-12-2003	399	210421	Mr. ARUN P , ACA	01-10-2007
365	209112	Mr. RANJITH A R , ACA	01-10-2004	400	210555	Mr. SAMEER B S , ACA	01-10-2006

S.No.	MRN	Member Name	Restore Date	S.No.	MRN	Member Name	Restore Date
401	210595	Mrs RINKY CHAKRABORTY , ACA	01-10-2006	436	212412	Mr. ALOK RATHI NAND , ACA	01-10-2007
402	210638	Mr. SHAH PRINUT JANAK , ACA	01-10-2007	437	212505	Mr. VAIKUND K , ACA	01-10-2006
403	210657	Mr. BHAVADAS K C , ACA	01-10-2006	438	212550	Mr. KISHORE NAIR , ACA	01-10-2007
404	210696	Mr. KALAKONDA SUDHEER , ACA	01-10-2006	439	212580	Mr. SIVARAMAIAH YELLA , ACA	01-10-2006
405	210809	Mr. SOMA PAVAN KUMAR , FCA	01-10-2004	440	212598	Mr. SUMESH JAIN , ACA	01-10-2006
406	210876	Mrs PADMA C , ACA	01-10-2005	441	212618	Mr. ANTONY JOHN , ACA	01-10-2006
407	210932	Mrs SUSHMA N , ACA	01-10-2006	442	212623	Mr. SRINIVAS YANAMANDRA , ACA	01-10-2007
408	210953	Mrs AYESHA ELIZABETH CHANDY , ACA	01-10-2006	443	212629	Mrs RHEENA TUCKER , ACA	01-10-2004
409	210961	Mr. JAGANNATHA PRASAD H , ACA	01-10-2007	444	212698	Mr. VENKATA NARASIMHA SHARMA MUNUKUTLA ,	01-10-2004
410	211048	Mr. SUHAS PRABHU , ACA	01-10-2006	445	212710	Mr. SRIPADH P , ACA	01-10-2007
411	211090	Mr. MEENAKSHI SUNDARAM S , ACA	01-10-2005	446	212818	Mr. BELLARY VISHNUVARDHAN , ACA	01-10-2007
412	211097	Mr. ANJIREDDY K , ACA	01-10-2004	447	212819	Mr. CHANDRASEKHARAN N , ACA	01-10-2007
413	211135	Mr. SHRINATHA ADIGA , ACA	01-10-2005	448	212842	Mr. SAI GIRIDHAR , ACA	01-10-2006
414	211165	Mr. KARIM KAMALUDDIN RAJANI , ACA	01-10-2006	449	212845	Mr. RAVIPRAKASH K M , ACA	01-10-2007
415	211170	Mr. SIDDHARTH SINGH , ACA	01-10-2006	450	212885	Mr. TONY FRANCIS , ACA	01-10-2007
416	211187	Mr. ANITH KUMAR J , ACA	01-10-2007	451	212908	Mr. SRIKANTH P G , ACA	01-10-2004
417	211353	Mr. VIKAS PATWA , ACA	01-10-2006	452	212990	Mr. MALLIK ARUN BULUSU , ACA	01-10-2004
418	211426	Mr. RAVI KANTH PETLURI , ACA	01-10-2007	453	213019	Mr. RAMESH CHANDRA PARCHA , ACA	01-10-2007
419	211492	Mr. BURHANUDDIN JAFFER , ACA	01-10-2006	454	213027	Mr. RAMESH GUNDA , ACA	01-10-2006
420	211511	Mr. RAJGANESH R , ACA	01-10-2007	455	213237	Mr. SHARAT GAUR , ACA	01-10-2007
421	211618	Mr. SURESH KUMAR KOMILUSHETTY , ACA	01-10-2005	456	213261	Mr. CHANDRA SEKHAR KHATA , ACA	01-10-2004
422	211830	Mr. ANMOL SHARDA , ACA	01-10-2007	457	213312	Mr. JAISHANKAR S , ACA	01-10-2007
423	211840	Mr. VISWANATH N , ACA	01-10-2007	458	213332	Mr. SUDHIR V L , ACA	01-10-2004
424	211847	Mr. PUNEET CHADHA , ACA	01-10-2006	459	213371	Mr. VINNAKOTA RAMAKRISHNA , ACA	01-10-2007
425	211875	Mr. JOE JOHN , ACA	01-10-2007	460	213407	Mrs SUDHA M N , ACA	01-10-2006
426	211897	Mrs PREETI SURI , ACA	01-10-2006	461	213523	Mr. SAMBASIVA REDDY GUJJULA , ACA	01-10-2004
427	212055	Mr. SAMIR KUMAR PATRA C , ACA	01-10-2007	462	213549	Mr. NAVIN G , ACA	01-10-2007
428	212131	Mrs JYOTSNA PRIYA , ACA	01-10-2006	463	213560	Mr. KANNAN M , ACA	01-10-2007
429	212140	Mr. CHANDRA SEKHAR PETLUR , ACA	01-10-2005	464	213616	Mr. MURALI K , ACA	01-10-2004
430	212220	Mr. SABU ABRAHAM , ACA	01-10-2007	465	213637	Mr. SUDARSAN T A , ACA	01-10-2007
431	212230	Mr. VINEET KUMAR , ACA	01-10-2007	466	213693	Mr. RAMANATHAN P , ACA	01-10-2007
432	212289	Mr. DAMODAR NAIDU GALLI , ACA	01-10-2005	467	213766	Mr. VIJAYA PRATAP MANDAYA , ACA	01-10-2007
433	212305	Mr. CHETAN DHANUKA , ACA	01-10-2006	468	213824	Mrs MAJETY HIMABINDU , ACA	01-10-2007
434	212328	Mr. KANNAN R , ACA	01-10-2006	469	213886	Mrs MALA SUBRAMANIAN , ACA	01-10-2005
435	212407	Mr. MUKESH MITTAL , ACA	01-10-2007	470	213897	Mr. VIKAS GOLCHHA , ACA	01-10-2004

S.No.	MRN	Member Name	Restore Date	S.No.	MRN	Member Name	Restore Date
471	213970	Mr. MISHRA DOLA GOVINDA , ACA	01-10-2007	506	215578	Mr. HAKUMANTHA REDDY M , ACA	01-10-2007
472	214079	Mr. PRINCE V P , ACA	01-10-2007	507	215579	Mr. MADHUSUDHANA REDDY Y , ACA	01-10-2007
473	214105	Mr. ROHIT JAIN , ACA	01-10-2007	508	215691	Mr. LALETH KISHOR H , ACA	01-10-2007
474	214135	Mr. ABRAHAM JACOB , ACA	01-10-2007	509	215758	Mr. RAMANJANEYULU CHODE , ACA	01-10-2006
475	214150	Mr. SUDHAKAR K , ACA	01-10-2006	510	215793	Mr. SENTHIL KUMAR J , ACA	01-10-2006
476	214163	Mr. OBULA REDDY B , ACA	01-10-2006	511	215989	Mrs CHAYA GOKHALE , ACA	01-10-2007
477	214196	Mrs UMA DEVI P U , ACA	01-10-2007	512	216057	Mr. RAVI PRAKASH PRATURJ , ACA	01-10-2007
478	214203	Mr. GOKUL NATH B , ACA	01-10-2004	513	216096	Mr. LINQY KURIAN , ACA	01-10-2007
479	214267	Mr. SRINIVASA RAO PUSARLA , ACA	01-10-2006	514	216106	Mrs SURYA KUMARI Y , ACA	01-10-2007
480	214377	Mrs ASHA ZACHARIAH , ACA	01-10-2006	515	216112	Mr. SOMWANSHI SACHIN VASANTRAO , ACA	01-10-2006
481	214446	Mr. RAVINDRA MAHADEV AWATE , ACA	01-10-2007	516	216135	Mr. SANKARA NAYAK , ACA	01-10-2007
482	214449	Mr. RAMA KRISHNA K , ACA	01-10-2007	517	216174	Mr. ANIL KUMAR THUTA , ACA	01-10-2007
483	214485	Mr. UMA MAHESWARA RAO SAMA , ACA	01-10-2005	518	216197	Mr. DODDALINGAPPA H S , ACA	01-10-2007
484	214493	Mrs RAJKUMAR AMBARISH NIGADE , ACA	01-10-2007	519	216238	Mr. SRINIVASA RAO T H , ACA	01-10-2007
485	214537	Mr. RAMANATHAN C , ACA	01-10-2006	520	216281	Mr. ANAND KUMAR DAGA , ACA	01-10-2006
486	214556	Mr. DEEPAK KUMAR AGRAWAL , ACA	01-10-2007	521	216319	Mr. LAXMAIAH THUPAKULA , ACA	01-10-2007
487	214597	Mr. TANGUDU ARUN KUMAR , ACA	01-10-2007	522	216335	Mr. VILAS S , ACA	01-10-2007
488	214647	Mr. VEERAJAH CHOWDARY DANDAMUDI , ACA	01-10-2005	523	216416	Mr. RAVINDRA NAG J , ACA	01-10-2007
489	214849	Mr. SATISH MANDAVALLI , ACA	01-10-2005	524	216440	Mrs SOPHIA J , ACA	01-10-2007
490	214859	Mr. YESU BABU CHENNUPATI , ACA	01-10-2006	525	216462	Mr. PAWAN KUMAR PANDEY , ACA	01-10-2007
491	214906	Mr. SOLAIYAPPAN R M , ACA	01-10-2006	526	216484	Mr. RAMANATHAN C , ACA	01-10-2007
492	214953	Mr. SRIVATHSA N D , ACA	01-10-2007	527	216498	Mr. ANUPA KUMAR PANDA , ACA	01-10-2007
493	214988	Mr. HEMANT T J , ACA	01-10-2007	528	216571	Mr. ANAND KUMAR , ACA	01-10-2007
494	215055	Mrs SANDHIYA V PATHANGE , ACA	01-10-2007	529	216603	Mrs MADHUSHALINI R , ACA	01-10-2007
495	215074	Mrs ANUPAMA SASI , ACA	01-10-2007	530	216694	Mr. RAO CH B K , ACA	01-10-2007
496	215110	Mr. ANIL POUDEL , ACA	01-10-2005	531	216701	Mr. ELDHOSE K A , ACA	01-10-2007
497	215137	Mr. RAHUL GARJENA , ACA	01-10-2006	532	216747	Mr. JAGAN K , ACA	01-10-2007
498	215146	Mr. GIRISH K BHATT , ACA	01-10-2007	533	216750	Mr. PRAMOD KUMAR T , ACA	01-10-2006
499	215253	Mrs PINKY CHAKRABORTY , ACA	01-10-2006	534	216760	Mr. SATISH KUMAR K , ACA	01-10-2007
500	215279	Mr. MOHAMED HUSSAIN M , ACA	01-10-2006	535	216799	Mr. RAJESH TELLAKULA , ACA	01-10-2007
501	215342	Mr. MOHANTY SANTOSH KUMAR , ACA	01-10-2005	536	216835	Mr. NAVEEN M , ACA	01-10-2007
502	215362	Mr. PANKAJ AGRAWAL , ACA	01-10-2007	537	217303	Mrs PRIYANKA MANPURJA , ACA	01-10-2007
503	215461	Mr. VIJENDRA RAO R , ACA	01-10-2005	538	217307	Mr. LALAN THOMAS THARAKAN P , ACA	01-10-2006
504	215476	Mr. SREENIVASULU YENDLURI , ACA	01-10-2005	539	217334	Mr. SUMIT KUMAR JAIN , ACA	01-10-2007
505	215546	Mr. APPANDAIRAJ D , ACA	01-10-2007	540	217347	Mr. VENKATESHWAR RAO B , ACA	01-10-2007

S.No.	MRN	Member Name	Restore Date	S.No.	MRN	Member Name	Restore Date
541	217386	Mr. SHIV NARAYAN V , ACA	01-10-2007	557	218443	Mrs VIDHYA R , ACA	01-10-2007
542	217415	Mrs KIRAN BANSHIBAI PANCHAL , ACA	01-10-2007	558	218523	Mr. KHIRODA CHANDRA PATRA , ACA	01-10-2007
543	217448	Mr. SRINIVAS M , ACA	01-10-2007	559	218552	Mr. VENKATA RAJESH GUPTHA KONAGALLA , ACA	01-10-2007
544	217455	Mr. SRINIVAS V , ACA	01-10-2007	560	218609	Mrs UMA V , ACA	01-10-2007
545	217602	Mrs SHASHIKALA C , ACA	01-10-2007	561	218687	Mr. LAKSHMI NARAYANAN S , ACA	01-10-2007
546	217608	Mr. MOHAN C , ACA	01-10-2007	562	218760	Mrs DEVI SAROJINI K , ACA	01-10-2007
547	217676	Mr. ARUN V , ACA	01-10-2007	563	219225	Mr. NARNE VENKATESWARA RAO , ACA	01-10-2007
548	217816	Mr. SUMAN KUMAR P , ACA	01-10-2007	564	219244	Mr. RAVI KUMAR SINGIRI , ACA	01-10-2007
549	217900	Mr. ARVIND TEKUMAL , ACA	01-10-2007	565	219257	Mrs SUMA D R , ACA	01-10-2007
550	217942	Mr. PRIYABRATA BISWAL , ACA	01-10-2007	566	400101	Mrs KARUNAKARAM EKTA , ACA	01-10-2006
551	217991	Mr. MISHRA BIGYAN KUMAR , ACA	01-10-2007	567	400260	Mr. MALLOO DINESH KUMAR , ACA	01-10-2007
552	218003	Mrs SINDUMOL THOMAS , ACA	01-10-2007	568	400492	Mr. TRIVEDI PAWAN , ACA	01-10-2007
553	218146	Mrs VANJA ANN THOMAS , ACA	01-10-2007	569	404003	Mr. RAJ ABHISHEK , ACA	01-10-2007
554	218201	Mr. SARANATHAN R , ACA	01-10-2007	570	503516	Mr. AGRAWAL VIDAS , ACA	01-10-2007
555	218286	Mr. NAGARAJA E , ACA	01-10-2007	571	504276	Mrs ARORA MEGHA , ACA	01-10-2006
556	218430	Mr. NAVEEN KUMAR R , ACA	01-10-2007	572	505739	Mr. RATHNA PRADEEP M , ACA	01-10-2007

T. KARTHIKEYAN
SECRETARY

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 29th July 2010

No.N-15/13/1/7/2010-P&D : in pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the **1st August, 2010** as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the **Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955** shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely:-

"ALL THE AREAS FALLING IN THE REVENUE VILLAGES OF BHUPALPALLY, JANGEDU, KASIMPALLY, KOMPPELLI, KUNDURUPALLY AND POLLURAMAIHPALLY IN BHUPALPALLY MANDAL AND CHELPUR IN GHANPUR MANDAL IN WARANGAL DISTRICT OF ANDHRA PRADESH."

R. C. SHARMA
Director (P&D)

No. **N-15/13/10/3/2008-P&D** in pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the **1st July, 2010** as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the **Orissa Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1957** shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Orissa namely:-

" THE AREAS COMPRISING OF THE REVENUE VILLAGES OF
 1.RENGALI, 2.LAPONGA, 3.TILEIMAL, 4.DHARROPANI,
 5.BOMALOI, 6.KHADIAPALI, 7.DERBA, 8.PONDLOI,
 9.KATARBAGA, 10.BHOIPALI, 11.LUDHAPALI, 12.JANGLA,
 13.THELKOLDI, 14.DHUBENCHHAPAL, 15.GURUPALI IN THE TEHSIL OF
 RENGALI, DISTRICT - SAMBALPUR; AND THE REVENUE VILLAGES OF
 1. HIRMA, 2. BADMAL, 3. SRIPURA, 4. SIRIAPALI, 5. KUKURJANGHA, IN
 THE TEHSIL OF JHARSUGUDA, DISTRICT - JHARSUGUDA".

R. C. SHARMA
 Director (P&D)

—————
 The 30th July 2010

No. N-15/13/1/14/2009- P&D : In Pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948(34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the **1st August, 2010** as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the **Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955** shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely:-

"ALL THE AREAS FALLING WITHIN THE LIMITS OF REVENUE VILLAGES OF NAWABPET AND GOMARAM OF SHIVAMPET MANDAL IN MEDAK DISTRICT OF ANDHRA PRADESH. "

R. C. SHARMA
 Director (P&D)

No. **N-15/13/9/8/2004-P&D** : in pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the **1st August, 2010** as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the **Maharashtra** Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1953 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of **Maharashtra** namely:-

" THE AREAS COMPRISING OF MAHARASHTRA INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION, INDUSTRIAL AREA, BUTIBORI, GRAM PANCHAYATS AND REVENUE LIMITS OF VILLAGES OF RENGAPAR, BORI IN TALUKA AND DISTRICT NAGPUR AND GRAM PANCHAYAT AND REVENUE LIMITS OF VILLAGES OF TURAKMARI, SUKALI, KINHI, BIDGANESHPUR, UMARI, AMGAON, VATEGHAT, TEMBHARI, POHI, KIRMITI, BHARKAS, SALAIDABHA, GANGAPUR, KHAPA, MANDWA AND TAKALGHAT IN TALUKA HINGNA, DISTRICT NAGPUR, IN ADDITION TO THE AREAS IN WHICH THE SAID PROVISIONS OF THE ACT HAVE ALREADY BEEN BROUGHT INTO FORCE."

R. C. SHARMA
Director (P&D)

No. **N-15/13/1/2/2009-P&D** : in pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the **1st July, 2010** as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the **Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955** shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of **Andhra Pradesh** namely:-

"ALL THE AREAS FALLING WITHIN THE LIMITS OF REVENUE VILLAGE OF INDARAM OF JAIPUR MANDAL IN ADILABAD DISTRICT OF ANDHRA PRADESH."

R. C. SHARMA
Director (P&D)

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION)

AUROVILLE FOUNDATION

Auroville, the 16th August 2010

AUROVILLE UNIVERSAL TOWNSHIP MASTER PLAN
(PERSPECTIVE 2025)

F. No. AF/64-C/2010-S.O —Whereas the Preamble to the Auroville Foundation Act, 1988 (No. 54 of 1988), in paragraph 4 thereof, has describes Auroville as an international township that is being developed with the aid of funds from different organizations in and outside India as well as substantial grants from the Central Government and the State Governments, and that United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (UNESCO), in the resolutions adopted by it from time to time, has supported Auroville as a project contributing to international understanding and promotion of peace in the world;

2. Whereas Section 3, *ibid*, states that all the properties of Sri Aurobindo Society, immovable and movable, relatable to Auroville are transferred and vested in the Central Government and Section 6 (1), *ibid*, read with Govt. of India, Ministry of Human Resource Development (Department of Education) Notification No. F. 27-15/91-UU dated 29.04.1992, vests the said properties in Auroville Foundation with effect from 1st Day of April 1992.

3. Whereas as Section 17 (d), *ibid*, empowers the Governing Board of Auroville Foundation to, *inter alia*, secure proper management of the properties vested in Auroville Foundation and Section 17 (e), *ibid*, empowers the said Governing Board to prepare a Master Plan of Auroville Township in consultation with the Residents' Assembly of Auroville Foundation and ensure development of the said township as so planned;

4. Whereas the Auroville Universal Township Master Plan (Perspective 2025) was prepared, to regulate the future development of the said township, in consultation with the said Residents' Assembly and with the active technical advice of the Town & Country Planning Organization of the Ministry of Urban Development, Government of India, and the Governing Board of Auroville Foundation approved it in its 21st meeting held on 17th and 18th December 1999.

5. Whereas the Central Government has approved the said Master Plan, vide Government of India, Ministry of Human Resource Development (Department of Secondary & Higher Education) Letter No. F. 27-3/2000-UU dated 12th April 2001, to regulate the future development of the said township; and

6. Now, therefore, in exercise of the powers vested in it by Section 17(e), *ibid*, the Governing Board of Auroville Foundation, with the approval of the Central Government, hereby notifies the Auroville Universal Township Master Plan (Perspective 2025), which shall come into force from the date of publication of this notification in the Gazette of India.

M. RAMASWAMY
Secy.

I. PART ONE**EXISTING SCENARIO****1.1 PREAMBLE**

1.1.1 A Master Plan prepared for urban areas serves as an important instrument to guide the process of urban development. Over the years it has emerged as an important approach to urban planning in the country. The concept of the Master Plan has no doubt made a discernible impact in regulating and channelising the development and growth of cities and towns. However, the issue of the Master Plan and its efficacy has been discussed in a National Workshop organised by the Ministry of Urban Development and Poverty Alleviation, which suggested a dynamic, transparent and effective approach to improve the efficacy of the Master Plan. Accordingly, the Ministry of Urban Development and Poverty Alleviation, Govt. of India, entrusted a study to the Institute of Town Planners, India, on Urban Development Plan Formulation and Implementation (UDPFI) Guidelines. These guidelines have recommended a planning system consisting of a set of four interrelated plans with the Perspective Plan at its apex and Plans of Projects at the base, with the Development Plan and the Annual Plan facilitating the implementation of the Urban Perspective Plan. In line with these guidelines, this Master Plan (Perspective: 2025) of Auroville has been conceived.

1.1.2 The Master Plan (Perspective: 2025) provides a policy framework which will serve as a guide in the preparation of five year Development Plans and Annual Plans for implementation of the proposals. It is presented in three parts. Part One describes the existing scenario and lays down the imperatives for development. Part Two lays down principles and directions for long-term growth and gives Development Proposals to make Auroville the most eco-friendly city. It lays down broad policies in terms of land utilisation, residential densities and qualitative and quantitative aspects of infrastructure development. Part

Three gives the development promotion regulations and the procedure to be adopted for development.



1.2 ORIGIN OF THE TOWNSHIP: THE VISION

1.2.1 In 1954 the Mother had envisioned that "There should be somewhere upon earth a place that no nation could claim as its sole property, a place where all human beings of goodwill, sincere in their aspiration, could live freely as citizens of the world, obeying one single authority, that of the supreme Truth; a place of peace, concord, harmony, where all the fighting instincts of man would be used exclusively to conquer the causes of his suffering and misery, to surmount his weakness and ignorance, to triumph over his limitations and incapacities; a place where the needs of the spirit and the care for progress would get precedence over the satisfaction of desires and passions, the seeking for pleasures and material enjoyments.



1.2.2 In this place, children would be able to grow and develop integrally without losing contact with their soul. Education would be given, not with a view to passing examinations and getting certificates

and posts, but for enriching the existing faculties and bringing forth new ones. In this place, titles and positions would be supplanted by opportunities to serve and organize. The needs of the body will be provided for equally in the case of each and everyone. In general, intellectual, moral and spiritual superiority will find expression not in the enhancement of the pleasures and powers of life but in the increase of duties and responsibilities.

1.2.3 Artistic beauty in all forms, painting, sculpture, music, literature, will be available equally to all, the opportunity to share in the joys they bring being limited solely by each one's capacities and not by social or financial position. In this ideal place money would be no more the sovereign lord. Individual merit will have a greater importance than the value of material wealth and social position. Work would not be there as the means of gaining one's livelihood, it would be the means whereby to express oneself, develop one's capacities and possibilities, while doing at the same time service to the whole group, which on its side would provide for each one's subsistence and for the field of his work. In brief, it would be a place where the relations among human beings, usually based almost exclusively upon competition and strife, would be replaced by relations of emulation for doing better, for collaboration, relations of real brotherhood".

1.2.4 It was in the mid 1960s, however, that the City was concretised when the Mother said, "India is the representation of all human difficulties on earth and it is in India that there will be cure, and it is for that I had to create Auroville" because "from the spiritual point of view, India is the foremost country in the world. Her mission is to set the example of spirituality. Sri Aurobindo came on earth to teach this to the world".

1.2.5 Based on the work and inspiration of Sri Aurobindo and the Mother, Auroville is intended as a site for the manifestation of human unity in diversity. As such, it offers itself as a testing ground and laboratory for the next step in human evolution. Auroville took root when the Mother identified the Banyan tree to be the physical centre of the City. The site is bounded by the sea to the east, the Kaluveli tank to the north, the Tindivanam Road to the west and Pondicherry to the south.

1.2.6 The Universal Township of Auroville was inaugurated on 28th February 1968 in the presence of 5000 people. Representatives of 124 countries and all the Indian states placed a handful of earth from their homelands in a marble-clad urn near the site of the Matrimandir at the centre of Auroville. This symbolised the creation of the city dedicated to human unity and international understanding. The Mother announced the Auroville Charter.



1.2.7 Auroville Charter

- *Auroville belongs to nobody in particular. Auroville belongs to humanity as a whole. But to live in Auroville, one must be a willing servitor of the Divine Consciousness.*

- *Auroville will be the place of an unending education, of constant progress, and a youth that never ages.*
- *Auroville wants to be the bridge between the past and the future. Taking advantage of all discoveries from without and from within, Auroville will boldly spring towards future realisations.*
- *Auroville will be a site of material and spiritual researches for a living embodiment of an actual Human Unity.*

1.2.8 The Mother envisaged to develop Auroville as a township for 50,000 inhabitants with a circular form, covering an area of about 20 sq. km. Auroville received the unanimous endorsement of the General Conference of UNESCO in 1966, 1968, 1970 and 1983. It is now administered under the Auroville Foundation Act (Government of India Act no. 54, dated 29 Sept. 1988) which provides for the preparation of a Master Plan.

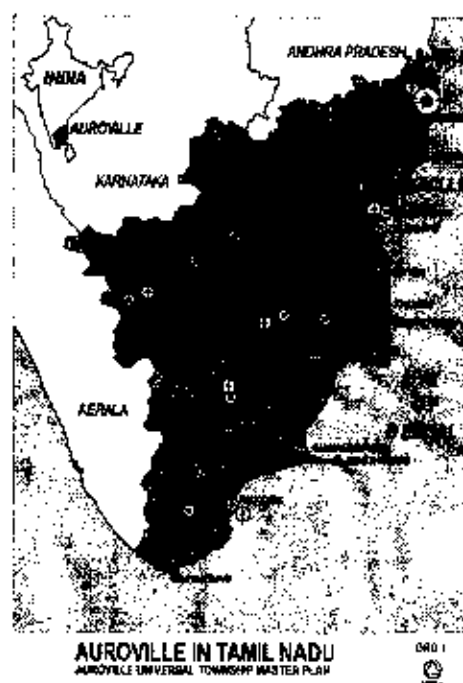
1.2.9 The Act also provides for the acquisition and transfer of the undertakings of Auroville and to vest such undertakings in a foundation established for the purpose with a view to making long-term arrangements for better management and further development of Auroville in accordance with its original Charter and for matters connected therewith or incidental thereto.

1.2.10 The relevance of Auroville to the country as a whole is to use all the researches carried out here diligently and with commitment, individually and collectively, in order to raise the overall quality of life. While conceiving the town, the Mother also evolved a form for the township; subdivided into four principal zones namely the Residential Zone, International Zone, Industrial Zone and Cultural Zone. The original sketch drawn by the Mother in her own hand is the basis for further development of the Auroville township.

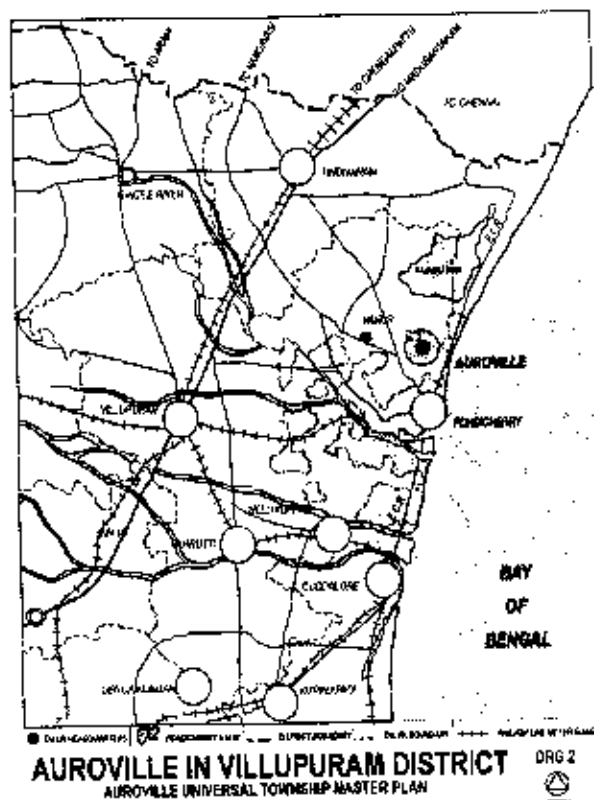
1.3 LOCATION AND REGIONAL SETTING



1.3.1 Auroville is located 160 km south of Chennai on the east coast of India, just 6 km north of Pondicherry. Initially the site was a barren plateau traversed by dry canyons and gullied land with hardly any vegetation as depicted in the photograph. As may be seen in **Drawing 1**, Auroville Township is located along the East Coast highway which provides easy accessibility both from Chennai and Pondicherry. The regional setting of Auroville township indicated in **Drawing 2** reveals that although it is part of Villupuram district of Tamil Nadu, functionally it is closely connected to Pondicherry.



1.3.2 As mentioned earlier, the township boundary is in the form of a circle of 2.5 km radius encompassing 20 sq. km. Most of the area lies in Villupuram district and comprises the panchayats of Irumbai and Bommapalayam. Small areas of this land are in Kottakuppam, Rayapudupakkam, Mathur Panchayats and Alankuppam, within the Union Territory of Pondicherry. The land is generally of poor quality for agriculture and the entire area was identified as a backward area.



1.3.3 The village settlements of Edayanchavadi, Irumbai, Kottakarai, Rayapudupakkam, Pettai and Alankuppam fall in the designated area of the township. The present population of these village settlements is about 8,000 persons. The village settlements of Kulapalayam, Acharampattu and Oddampalayam are just on the periphery of the township and their population is about 3,000 persons.

1.3.4 Pondicherry city, with a population of about 10 lakhs (2001), is the largest urban centre at a distance of 6 km to its south while Tindivanam, the headquarter of Tindivanam taluk with a population of over 60,000, is about 25 km to the north-west. Cuddalore town, further south of

Pondicherry, is another important urban centre with a population of about 1.5 lakh. To the north of Auroville, at a distance of about 10 km, lies the Kaliveli tank, a unique environmental resource in the region. To the south is another major water body, the Ustery tank, an important source for irrigation. There are about 40 villages within the triangular area bounded by Pondicherry city, Tindivanam town and Marakkanam with an entirely rural population of about 3 lakh. Thus, Auroville's development is closely linked with the development of the surrounding region. The development models evolved in Auroville township, be it plantation, regeneration of land, water harvesting, building technology, etc., are benefitting the entire region.

1.4 CLIMATE AND PHYSICAL CHARACTERISTICS

1.4.1. Auroville has a tropical climate. The dry season usually lasts seven months, from January to July. May and June are the hottest months with occasional showers. The main rainy season is from October to January. The average rainfall is 1,230 mm. a year. The prevailing wind blows from the southeast.



1.4.2. The central part of the designated Auroville township area is more than 50 m above mean sea level. The site slopes down from the centre to the periphery. The uncontrolled runoff appears to have been

Auroville with its envisioned ideals. The constraints, in the form of gullied, windswept barren lands generally considered unsuitable for urban development, have been used as opportunities for evolving the form of the township. The slopes radiating from the centre to the periphery provided a suitable location for Matrimandir as the centre of the township and also the soul of Auroville. The geomorphology of the area also helped in conserving and optimally utilising the rainfall run-off to convert this inhospitable site into a hospitable environment for the development of a human settlement in harmony with nature.

1.5 EXISTING LAND USE

1.5.1. Since the inception of the township, the land use cover has changed considerably. From a barren and marginal land in 1968, today it has become a developed and productive land, entirely through the efforts of Aurovillians. Out of 20 sq. km of the designated area of the township, about 12% is presently developed for urban uses and the rest is under agriculture, plantation and other non-urban uses. The land use pattern given in **Table 1** and shown in **Drawing 4**, illustrates that in the developed area about 40% is Residential. The next important land use in the township is public and semi-public and accounts for about 28% of the developed area. Commercial, manufacturing and other economic activities constitute about 12%. About 13% is under roads and streets serving both urban and non-urban uses.

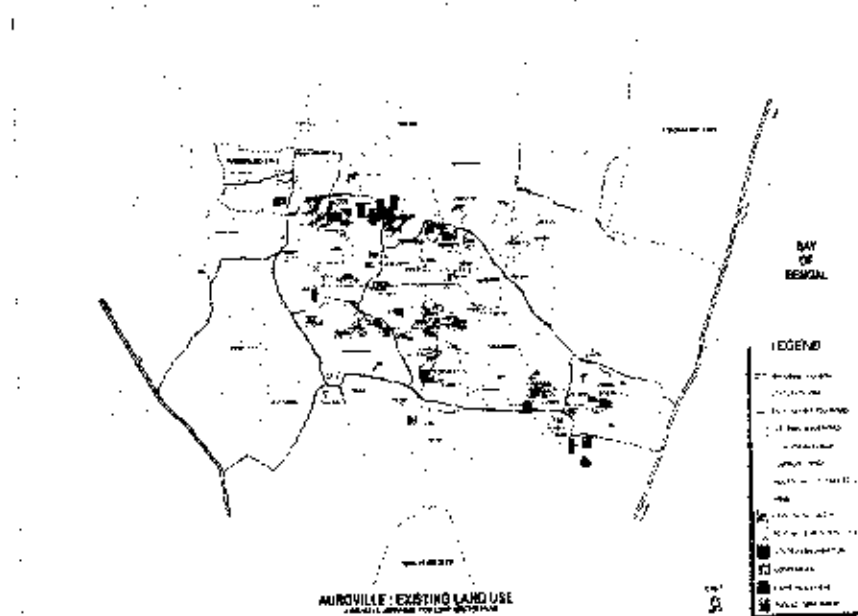


Table 1: Existing Land Use - 2000

Land Use	Extent (ha)	Percentage
A. Developed Area		
1. Residential	95	40.9
a) Village settlements	20	
b) Auroville communities	75	
2. Commercial	19	8.2
3. Manufacturing & Economic activities	10	4.3
4. Public & Semi-Public uses including peace area, gardens and area under administration / institution.	65	28.0
5. Roads / streets	30	13.0
6. Recreational (playgrounds)	13	5.6
Sub-total	232	100.0
B. Unbuilt Area		
1. Regenerated land	598	34.5
2. Agriculture		
a) Agricultural & related research	50	2.9
b) Farming	940	54.3
3. Water bodies	45	2.6
4. Canyon, waste and other lands	98	5.7
Sub-total	1731	100.0
Grand Total	1963	

1.5.2. After Auroville came into being, the early residents with their hard work in collaboration with villagers built check dams across canyons, put up a large number of bunds to check soil erosion, and planted and reared trees in large numbers. Over two million trees were planted during the last 32 years. A good part of this work was carried out with support from Government of India projects such as Waste Land Regeneration, Watershed Management and Reforestation projects. All this contributed in regenerating the barren land into a productive and developable site for urban and green uses.

A. DEVELOPED AREA

1.5.3 The Residential Area comprises both village settlements and Auroville community settlements.

a) **Village settlements:** There are six village settlements within the Auroville township area, with houses mostly made of mud and thatch. Several of these have recently been upgraded or converted by the inhabitants into semi-pucca and pucca structures. As in any traditional small village settlement, other economic uses are mixed with residential usage either in the same structure or in independent small structures.

b) **Auroville Communities:** At present there are 95 Auroville residential communities. These communities range from 3 to 80 residential units. Apart from these, there are a few houses in smaller clusters. The residential units consist of individual dwellings as well as apartments; the latter are becoming more common. There are a few communities just outside the designated area of the township, which came up in the early years of Auroville's development, occupying about 100 ha.

1.5.4 The Commercial area in the Township includes retail services providing for food and other items of daily necessity, community eating places, guest houses, and the Visitors Information Centre with its exhibition space and sales section of products made in Auroville.



1.5.5 The Manufacturing use includes about 100 large and small manufacturing and processing units, the products of which are marketed locally as well as internationally. The extent of land occupied by such units ranges from small plots of 50-75 sq. m. to 5 ha.

1.5.6 Public and Semi-Public uses include amenities such as schools, health facilities, services and utilities. The Peace area, forming part of the public and semi-public uses, is the most special area in Auroville. It is the centre of Auroville, which contains the Matrimandir - the soul of Auroville, the Urn and the Amphitheatre consecrated at the foundation ceremony, the central Banyan tree, the lake and the well laid-out gardens around the Matrimandir.

1.5.7 Administrative and Institutional uses include mainly the administrative centre housed in the Indian National Pavilion (Bharat Nivas) and the Auroville Foundation offices.

1.5.8 Recreational uses at present are mainly in the form of a few playgrounds located close to residential communities, such as the Centre Field and Certitude play area.

1.5.9. Roads provide access to Auroville from the East Coast Road and the Pondicherry-Tindivanam road. However, within the township there are temporary gravel and mud roads providing access to various facilities/settlements in Auroville, some of which will be replaced once the planned roads are built.

B. UNBUILT AREA :

1.5.10 Regenerated areas: From the beginning, Aurovilians have been engaged in land regeneration activities and the creation of a hospitable and sustainable habitat. The trees planted have modified the stark landscape and have begun to fulfil the prophecy of Kaluveli Siddhar mentioned earlier. The plantations not only have improved the environment but have also restored the land for productive agriculture by preventing soil erosion. Plantations include both indigenous as well as exotic species. In some of these areas, nearly extinct indigenous tree species such as those found in and around temples have been re-established.

1.5.11 Agriculture and Related uses include lands used by Aurovilians either for food production (including vegetables and fruits) needed by residents, or for research in improving farm practices and diversifying cropping patterns. The Auro-Orchard and Pitchandikulam medicinal herbal stations are some typical examples. In most of the cases both production and research are carried out together. Most of these are based on organic farming practices.

1.5.12 Farming includes lands generally used by the villagers for growing paddy, casuarina or other crops including cashew.

1.5.13 Water bodies : There are five 'eris' in the area of which two are large in size, namely the Irumbai eri and the Alankuppam eri. These

are seasonal water bodies which help irrigate small extents of land particularly after the rainy season.



1.5.14 Canyons and other Waste Lands: The canyons are a unique feature in the landscape of Auroville and its surroundings. These deep gullies have been formed due to erosion. Some of them are 2.5 km long, 20-30 m. wide and 2-5 m. deep. The large ones are outside the designated township area in the east and south. These problem areas could be converted into opportunities for water management, land regeneration, farming and supplying drinking water needs. Besides, there are some patches of poramboke and other lands classified as waste.

1.5.15 Considering the emerging land use structure, the entire Auroville township is sensitive from environmental and ecological points of view. The areas under check dams, regenerated lands, and plantation are some of the important environmental resources for developing the township in a sustainable manner. It points to the necessity of orderly and planned development of human habitation embedded in a regenerated natural environment.

1.6 DEMOGRAPHIC CHARACTERISTICS

1.6.1 By the very concept of the town as a Universal Township focused on spiritual and material researches and development, only those who aspire to be 'willing servitors of the Divine Consciousness', are attracted to become its citizens. Therefore, the normal demographic process of growth does not apply to Auroville. It is in this background that the demographic characteristics of the township need to be seen.

1.6.2 The present population of Auroville consists of:

- Resident Aurovilians
- Researchers and students, who come for short duration to learn and contribute to the efforts of development.
- Day-workers from neighbouring villages working in Auroville's economic and service activities.
- Short-term, including casual visitors coming to see the experience of Auroville's work in diverse fields.

Note: The population listed under the last two categories falls under the category of "floating population" in the township.

1.6.3 The population of Auroville consisting of resident Aurovilians has increased from 320 in 1972 to 676 in 1980; presently it is 2095, showing a five-fold increase during the last forty years.

1.6.4 Resident Aurovilians: There are at present 2095 Aurovilians from various nationalities, including a substantial number of Indians. **Table 2** indicates the nationalities constituting the Auroville population. The population growth till now has been rather slow. However, it may be observed that since a critical mass has already been formed and the development activities are picking up, Auroville will attract a large number of people from various countries in the years to come. In this context, it may also be mentioned that a number of international centres

have been set up in different countries, and it is proposed to set up similar centres in the different states of India. These centres will disseminate information about Auroville, thereby raising awareness and attracting resource persons in larger numbers for the expansion of the present activities of Auroville.

Table 2

Sl.No.	Country	Nationality	Numbers
1	ALGERIA	ALGERIAN	1
2	USA	AMERICAN	73
3	ARGENTANIA	ARGENTINIAN	7
4	AUSTRALIA	AUSTRALIAN	12
5	AUSTRIA	AUSTRIAN	7
6	BELGIAM	BELGIAN	19
7	BELORUSSIA	BELORUSSIAN	3
8	BRAZIL	BRAZILIAN	3
9	ENGLAND	BRITISH	47
10	BULGARIA	BULGARIAN	2
11	CANADA	CANADIAN	24
12	CHINA	CHINESE	1
13	COMLOMBO	COLOMBIAN	1
14	DENMARK	DANISH	3
15	HOLAND	DUTCH	78
16	ETHIOPIA	ETHIOPIAN	2
17	FRANCE	FRENCH	309
18	GERMAN	GERMAN	231
19	HUNGARY	HUNGARIAN	6
20	ICELAND	ICELANDISH	2
21	INDIA	INDIAN	897
22	IRELAND	IRISH	2

Sl.No.	Country	Nationality	Numbers
23	ISRAEL	ISRAELI	24
24	ITALY	ITALIAN	103
25	JAPAN	JAPANESE	4
26	KAZAKHAISTAN	KAZAKH	1
27	KOREA	KOREAN	27
28	LATVIA	LATVIAN	2
29	LUTHUNIA	LITHUNIAN	1
30	MOLDOVA	MOLDOVIAN	1
31	NEPAL	NEPALI	4
32	NEW ZEALAND	NEW ZEALANDER	1
33	NORWAY	NORWEGIAN	1
34	RUSSIA	RUSSIAN	51
35	SLOVEN	SLOVENE	5
36	SOUTH AFRICA	SOUTH AFRICAN	6
37	SPAIN	SPANISH	34
38	SRI LANKA	SRI LANKAN	4
39	SWEDEN	SWEDISH	18
40	SWITZERLAND	SWISS	54
41	THAILAND	THAI	1
42	TIBETAN	TIBETAN	6
43	UKRAIN	UKRAINIAN	15
		TOTAL	2095

1.6.5 Students and Researchers: Nearly 100 students and researchers are in Auroville at any given point of time. As Auroville grows, the number of students and researchers will also grow. These students come from all over the world and are committed youth, who want to learn and use their knowledge in various fields in which they are interested. Their interest ranges from art and architecture to various other disciplines and their application to sustainable development. The estimated number of researchers is 1,200 annually.

1.6.6 Day-workers: Auroville provides work opportunities to about 5,000 persons residing in its neighbourhood in both manufacturing units and services. These workers have their own houses in the surrounding villages and as such return in the evening to their homes. The break up of day-workers engaged in manufacturing and services is given in **Table 3**. Nearly 48% of the day-workers in manufacturing and services are female workers, indicating a higher participation ratio of women in the workforce.

Table 3: Day-workers

Category	Male	%	Female	%	Total	%
Manufacturing	1550	59.6	1375	57.3	2925	58.5
Services	1050	40.4	1025	42.7	2075	41.5
Total	2600	100	2400	100	5000	100

1.6.7 Casual Visitors: Matrimandir is the main attraction to visitors from outside and, on an average, 1,000 persons visit it every day. Sundays and holidays are special days when the number of visitors go up to 2,000 persons. Basic facilities such as parking of vehicles and information centres are available for their use. Apart from such visitors, students and professionals come to Auroville to learn about its activities, and attend workshops and seminars. The number of visitors for such purposes on an average varies from 50 to 75 persons at any given point of time and this is bound to increase in the future. Guesthouse facilities

are available for the visitors. The number of casual visitors is estimated at 2.5 lakhs/year.

1.6.8 The age and sex composition of the Resident Aurovilian population indicates that about 70% of the resident population is in the active age group. About 20% of population is comprised of school going children. Although 6% of the resident population is above 60 years of age, they are also considered to be active workers in their respective fields. The ratio of women to men is 881 to 1,000, but varies from time to time. **Table 4** indicates the age composition of Aurovilians.

Table 4: Age composition of Aurovilians - 2009

Age group	No. of persons	%
0-14	298	19.62
15-19	99	6.52
20-24	91	5.99
25-29	131	8.62
30-39	278	18.30
40-49	308	20.28
50-59	228	15.01
60 +	86	5.66

1.6.9 In the absence of specific data on occupational structure it may not be possible to indicate the detailed employment pattern in the township. However, the majority of the resident population is engaged in farming, services, professional skills and entrepreneurial activities as given in **Table 5**.

Table 5: Auroville - Sectoral Employment

Main Sector	No of Units	Aurovilians	Day-workers
Manufacturing	35	200	2925
Services	120	520	1775
Rural & agricultural related	10	130	300

1.7 ECONOMY OF THE TOWNSHIP

1.7.1 The current economy of the Auroville township is mainly based on manufacturing units and services. Although employment in commercial and transport sectors is marginal, it is steadily growing. However, agriculture which includes allied land regeneration efforts, is an important sector of the Auroville economy.

1.7.2 Currently there are more than 228 small and medium manufacturing units operating in Auroville. The products manufactured include such modern equipment as computer software, electronic and engineering products, equipment used in alternate and appropriate technologies such as windmills, solar lanterns and heaters, and biogas systems. Cottage type industries producing a wide range of products such as garments, candle and incense products, printing, food processing, etc. also exist in Auroville.

1.7.3 The service sector includes construction and architectural services, research and training in various sectors related to efficient resource management and sustainable development, such as renewable energy and appropriate building materials.

1.7.4 People in the agriculture sector are engaged in food production, mainly fruits and vegetables, dairy products, and related research and training and activities like organic farming, soil conservation and water management.

1.7.5 Economic activities in Auroville are a mix of production, research and training encompassing both traditional and higher levels of learning in technological, social and ecological fields. The important research and training activities undertaken in Auroville are depicted in **Table 6**.

Table 6: Research and Training Institutions and their Activities

<u>Project / Institutions</u>	<u>Sector / Activities</u>
1. Annadana	South Asian network, protection of genetic resources in India and South Asia
2. Aureka	Research and manufacturing of windmills and metal products.
3. Auroville Archives	Collection and storage of archival material related to Auroville
4. Auroville's Future	Integrated urban planning and city networking
5. Centre for Development for Physical Education	Physical education for youth of Auroville and surrounding villagers and village oriented programmes.
6. Centre for Scientific Research	
CSR-Main	Training centre for environmental protection through refrigerant management and renewable energy solutions.
CSR-Biogas	Research, development and manufacturing of biogas technology.
CSR-Water and Sanitation	Low maintenance waste water treatment systems. Root zone treatment plants.
AVBC-Ferrocement	Research and training in ferrocement technology
AVBC-Earth Construction	Research and training in earth construction and manufacturing of AURAM equipment
AVBC-Architecture	Innovative design and construction of buildings.
Cynergy	Team building, project formulation and training in bio-regional activities. Developing multimedia software packages.
7. Centre of Indian Studies and Research in Indian Culture	Library and resource centre on Indian culture
8. Hall of Culture	Indian arts and cultural activities
9. Harvest	Promotion of water harvesting, aquaculture, organic agriculture and environmental education, ground water studies and environmental monitoring.
10. Kalamitra	Cultural programmes for artists, promotion of dance, exhibitions, concerts and theatre, both Indian and Western.
11. Palmyra	Reclamation of waste and degraded lands, tank rehabilitation and soil conservation, afforestation, documentation and training.
12. Pitchandikulam Bio-Resource	

Centre

Medicinal herbs and plants, tree nurseries.

13. Sri Aurobindo International

Institute of Educational

Research (SAIER)

Research in integral education, covering philosophical, educational and psychological dimensions.

As part of the research it encourages creation and publication of new learning and teaching materials.

1.8 HOUSING

1.8.1 The present housing in Auroville consists of individual dwellings, community housing, apartments and youth hostels. Community housing provides for individual and family living spaces with common kitchen and other collective facilities. The average household size is around 2 persons but in reality there are many single person households. At present there are 800 dwelling units of various sizes. Types of houses based on construction materials indicate that the majority of the houses have used local materials as well as innovative building materials such as ferrocement roofs and panels made locally. The housing characteristics are shown in **Table 7**.

Table 7: Housing Characteristics

Housing Construction <i>Material</i>	Area of Unit (sqm)			
	30-70	80-150	160 and above	
Local material	111	59	31	201
Ferro-cement	122	165	69	356
Tiles	56	70	20	146
Concrete	11	27	26	64
All types	300	321	146	767

1.8.2 Since Auroville is experimenting with appropriate construction elements, wall materials vary widely from adobe, stabilised earth blocks and rammed earth to fired bricks. Auroville has even experimented with

the 'fire bricks house' technique, where the entire structure is built in earth and fired like a kiln, producing a innovatively constructed house. The architecture here reflects the practice of innovative design and alternative building materials. The experiments made in building technology in Auroville will have far-reaching implications in terms of design and materials, of reduction in energy consumption, and adoption of eco-friendly practices.

1.9 PHYSICAL AND SOCIAL INFRASTRUCTURE

1.9.1 Road Network: Auroville's road network consists of access roads, which are tarred but narrow and not well maintained and connect the East Coast Road and Tindivanam-Pondicherry road with village settlements, internal gravel roads, footpaths and cycle tracks. Most of the internal roads are of a temporary nature giving access to residential communities and public facilities. The gravel roads are about 10 m. wide. The total length of roads within the designated township area is 23.7 km. The principal access roads and internal linkages indicated in the Existing Land Use Map (**Drawing 4**) show that the area is well served with a road network. The existing road pattern is comprised of one circular road around the centre of the township and another semi-circular road passing along the periphery (outer circle) of the designated area of the township. Both the inner and the outer circular roads are connected by radial roads. The surface of the internal access as well as circular road has intentionally been kept as gravel to allow percolation of rainwater for re-charging the aquifers. Conceptually these are maintained as pedestrian roads, but slow moving traffic consisting of cycles and scooters is slowly and steadily increasing. With the increase of tourists and visitors to the Matrimandir area, the motorised traffic consisting of cars and buses also increased, particularly on holidays and weekends. Apart from missing links in the outer circular road in the eastern part of the township, the road network

In the township is devoid of street furniture, signage and indicators. Geometrics of the major linkages to the township both from the East Coast road and the Tindivanam-Pondicherry road, as well as of the internal roads, access and approaches need to be improved.

1.9.2 Water Supply: The entire water supply both for drinking and irrigation is dependent on underground sources. A number of deep wells have been commissioned over the last 40 years and today there are over 130 wells, of which 60 wells give a significant output. They can together provide an average water supply of 3800 cu.m. per day, amounting to 1.4 million cu.m. annually. Auroville is however located in a district where the ground water situation can be described as 'critical' since nearly 90% of the recharge potential is utilised. It therefore becomes important not only to increase the recharge rate but also conserve and recycle water. Taking note of this situation, Auroville is engaged in extensive water management research and application.

1.9.3 The drinking water usage of about 4.5 million litres/day for domestic, industrial and gardening purposes is considered excessive and measures are being taken to bring it down to reasonable urban standards. The distribution system consists of decentralised pumping units and storage reservoirs, numbering about 60. Of the latter, one large overhead reservoir has a capacity of 1.5 lakh litres and 8 medium-size low-level tanks range in capacity from 10,000 litres to 40,000 litres. The present pumping capacity is adequate to meet the requirements of the future population. However, proper water conservation is essential to economise on energy and water consumption. At present the rainwater runoff from roads and paved areas is diverted to the canyons, where a system of check dams helps in storage and recharge of ground water.

1.9.4 Sewerage and Sanitation: All residential units have their own system for sewage disposal. There are about 20 community-level treatment facilities (for residential as well as industrial and commercial units) consisting of septic tanks, Imhoff tanks, baffle reactors, and root zone and lagooning systems. The latter, numbering 22, are of experimental nature, and a study has been taken up to test their efficacy in delivering waste water that will not pollute the ground water.

1.9.5 Solid waste disposal is managed by the Eco Service, which was started in 1995. It is estimated that about 3500 kg of wastes are generated per week. About 2000 kg. of this quantity is organic and generally composted at the site itself. About 1000 kg. is recycled and the balance of 500 kg is incinerated in the Health Centre at 800 °C. The non-recyclable wastes of 400 to 500 kg, like rubber items, thermocole, fibreglass and PET, and storage batteries are stored in a temporary storage facility until an acceptable disposal solution is found. This waste disposal management has been made possible by the introduction of segregation of wastes at the source.

1.9.6 Power: Auroville consumes about 1.75 million kilowatts of power/year from TNEB feeder station at Thiruchitrambalam. The total connected load is 3.17 megawatts, of which 1.5 megawatts are domestic and the rest is for industrial and commercial purposes.

1.9.7 About 150 houses use solar PV electricity and heaters for their energy requirements. In addition, there are about 140 solar water-pumping systems and 30 wind-driven pumps. The power distribution of around 800 consumer connections is carried through a system of 41 distribution transformers and 30 km of underground cables.



1.9.8 Telephones and Communication: The Township is served by a telephone exchange with a capacity of 1000 lines, which is fully utilised. There is also a small post office located in Bharat Nivas which exclusively serves Auroville. Auronet, Auroville's email and electronic bulletin board network, both within Auroville and with the outside world, has currently about 1050 subscribers. The township has its own internal messenger service and the weekly Auroville News provides information about the happenings in Auroville to all the residents.

1.9.9 Auroville publishes for internal as well as external circulation two regular newsletters in English, and one in Tamil. English-language newsletters are the monthly 'Auroville Today' and the quarterly 'Auroville Outreach', and 'Kaliveli Nilam' is in Tamil. Auroville is equipped to handle its information and outreach through well-established printing and multimedia resource units.

1.9.10 Cremation and Burial Ground: At present, there is one burial ground within Auroville, which is used by villagers. There is no regular burial or cremation facility for the Aurovilians as such, but a site for this purpose has been chosen near Adventure community in the southern part of the Green Belt.

1.9.11 Education: Auroville educational research endeavours to nurture the child's potential to its highest possible level, and is based on a child-centred approach. At present, there are two crèches, one kindergarten, two primary schools (Transition and Deepanam), and three high schools (Last School, Centre for Further Learning and After School) for children residing in Auroville. All these educational facilities are located within walking distances and are well-dispersed in the township. New high school facilities are presently under construction. There are also four schools (New Creation, Isaiambalam, Arul Vazhi and Ilaignarkal) specifically serving the surrounding villages.



1.9.12 About 700 children from 13 surrounding villages and from Auroville are studying in these institutions. The schools use innovative learning and teaching methods and also provide playground and sports facilities appropriate to the age level. The Sri Aurobindo International Institute for Educational Research (SAIIER), an organisation established in 1984, co-ordinates the multi-faceted educational and cultural activities in Auroville.

1.9.13 Health: The Auroville Health Centre, recognised as a mini health centre by the Tamil Nadu State Government, is equipped with basic medical facilities. It serves the Auroville community as well as about 200 patients daily from the villages, and has six sub-centres, located in Edayanchavadi, Putthurai, Kottakarai, Matthur, Rayapudupakkam and Morattandi.

1.9.14 For emergencies and complicated cases, patients are referred to the health facilities in Pondicherry, which is just 6 km away. Auroville also experiments with and promotes various alternative healing methods and natural therapies.

1.9.15 Tourist Infrastructure: The infrastructure within Auroville for visitors and tourists consists of information centres, guest houses, and the Visitors Centre which has an information service, a boutique and a restaurant. The guest houses can accommodate altogether about 400 persons in a simple, clean and green environment at a moderate price. Dormitory accommodation for youth and young researchers is also provided. Parking facilities can provide space for 20 buses at any time.

1.9.16 Recreation: Auroville provides for children and youth of Auroville and the residents of the surrounding villages a broad array of sports and physical education activities, and aims to maximize these opportunities in the region. The township has presently four play fields for various outdoor sports, such as tennis, football, volleyball and badminton, and a gymnasium and indoor sports facilities. It organises on a regular basis team games and athletic meets, and competitions in basketball, volleyball, football, table tennis and cricket. Many of the participants for these competitions come from the surrounding villages. Although the Auroville township area is away from the coast line, it has developed beach facilities at 'Repos', near Chinnamudaliarchavadi village.

1.9.17 Socio-Cultural Facilities:

Auroville has become a hive for socio-cultural activities serving both Auroville residents and their neighbours. The most important facilities include the Sri Aurobindo Auditorium at Bharat Nivas with a sitting capacity of 840 persons. Workshops and recitals of both traditional and modern dance, drama and music are regularly held. Several groups are active in providing cultural events based on community and environmental awareness programmes.

1.9.18 Spiritual Centre: The Matrimandir, the spiritual as well as the physical centre of Auroville, is in the Mother's words, "the symbol of the Divine's answer to man's aspiration for perfection, union with the Divine manifesting in a progressive human unity". The Matrimandir is a place of silence and concentration.



1.9.19 The major areas of work on the structure are under completion and attention is being given to the development of the surrounding gardens. The Matrimandir together with its gardens extends over an area of 28 ha. The growth of the Matrimandir and its movement towards a perfect completeness reflects and signals the growth and increasing perfection of Auroville as a whole.

1.9.20 Village Outreach: Auroville's development is inextricably intertwined with the surrounding villages, which were classified in 1984 as part of a "most backward area in need of development" by the Tamil

Nadu Government. There are 13 villages in the immediate area of Auroville, comprising about 40,000 people, and there are altogether 40 villages in the bioregional area. About 350 people from the surrounding villages have joined Auroville. Almost 5,000 local people are employed by Auroville, from sweepers to engineers; most of them have been trained in Auroville to improve their qualifications and skills. Auroville provides for the young of the rural area a real and viable alternative to the migration to the cities and urban centres, which is so often the only option for those seeking self-improvement and employment.

- More than 500 children from neighbouring villages attend Auroville schools; another 900 attend Auroville classes in their village schools.
- More than 20,000 people from the neighbouring villages receive health care from Auroville every year.

1.9.21 Village development has been a major activity of Auroville since its inception. Over the past 25 years, the Auroville village development groups (AVAG, Health Centre, Pitchandikulam, Harvest, Palmyra) have been engaged in a development programme for the neighboring villagers. With funding from a number of national and international organizations, this program aims at:

- Improving the health situation through education, preventive care and treatment;
- Empowering women;
- Encouraging in each village the growth of community spirit by ensuring people's participation in developmental programs;
- Raising the standard of living of the local population through vocational training and self-employment;
- Involving the villagers in a co-operative effort of wasteland reclamation, watershed management and environmental regeneration;
- Providing education for the village children.

1.9.22 At present, there are five major educational programs for village children such as New Creation (with boarding facilities),

Ilaignarkal, Isai Ambalam, Life Education Center and Arul Vazhi, a program that sends animators to the village schools for regular classes and special activities.

1.10 ADMINISTRATIVE SET-UP

1.10.1 The Auroville Foundation Act, 1988, enacted by the Government of India, provides for the establishment of the Auroville Foundation with a view to making long-term arrangements for the better management and further development of Auroville in accordance with its original Charter and for matters connected therewith or incidental thereto. The Auroville Foundation comprises the following three authorities:

- The Governing Board
- The Residents Assembly
- The International Advisory Council

1.10.2 The Foundation's functions also include monitoring and review of Auroville activities, preparation of a Master Plan for Auroville in consultation with the Residents Assembly, ensuring the development of Auroville as so planned and co-ordinating the raising of funds for Auroville as well as the disbursement thereof for achieving the ideals of Auroville.

1.10.3 The Governing Board, consisting of eminent and senior persons, including nominees of the Central Government, have the overall responsibility for the proper management and development of Auroville. The Chairman and Secretary of the Governing Board are appointed by the Government of India. The Governing Board is responsible for promoting the ideals of Auroville and for co-ordinating the activities and services of Auroville in consultation with the Residents Assembly for the purpose of cohesion and integration of Auroville. It also reviews the basic policies and programmes of Auroville and gives necessary directions for the future

development of Auroville. It also gives its consent to the programme of Auroville drawn up by the Residents Assembly.

1.10.4 The Residents Assembly, comprising all the residents of Auroville over the age of 18, organizes the various activities of Auroville and decides upon the terms of their membership. The Residents Assembly selects a Working Committee from its own members to represent itself with the Governing Board and the Secretary to the Foundation. The Residents Assembly is also required to formulate the Master Plan of Auroville for the approval of the Governing Board.

1.10.5 The International Advisory Council is a body with eminent persons both from India and abroad who act as advisors to the Governing Board and the Residents' Assembly. The present membership of the Governing Board and the International Advisory Council may be seen in **Appendix I**.

1.10.6 The Role of the Community: As far as the preparation of the Master Plan is concerned, the Residents' Assembly has a very important role to play. According to section 17 (e) of the Auroville Foundation Act, the Governing Board is, in consultation with the Residents Assembly, responsible for the formulation and implementation of the Master Plan.

1.10.7 There are two important councils, namely the Executive Council and the Development Council. A number of groups have been constituted to manage specific aspects of Auroville's complex organisation, such as Entry Group, Budget Co-ordination Committee, Funds and Assets Management Committee, Land and Estate Management, Project Co-ordination Group, etc. **Appendix II** indicates the responsibilities of the different working groups in Auroville. The

Development Council oversees the planning and monitoring aspects of Auroville's physical development, while the Project Co-ordination Group assists working groups and project agencies in the formulation and funding of projects.

1.10.8 There is thus a considerable amount of autonomy in the preparation and implementation of projects which has been very helpful in motivating Aurovilians to participate in all developmental activities of the township. It has yet to achieve full co-ordination in order to meet the central objective of Auroville's development as envisioned by the Mother. However, in order to plan and implement the Master Plan (Perspective: 2025) effectively, a separate outfit as part of the Foundation set-up would be necessary.

1.10.9 Service Agencies: Auroville has at present a number of service units which look after water supply, power and communication, roads and waste management. They are Auroville Water Service, Auroville Electrical Service, Auroville Telephone Service, Auroville Road Service and Auroville Eco-Service. These services are maintained through service charges from users and contributions from Auroville's Central Maintenance Fund.

1.10.10 There is one Auroville centralised purchasing and distribution service known as "Pour Tous" (For All). It operates like a departmental store for daily necessities. There is no cash transactions, the entire system works on credit through maintenance of individual accounts. Pour Tous building/facilities presently located just on the periphery of the township is proposed to be relocated in the Crown area and it will have a number of outlets in the township.

1.10.11 With regard to the law and order situation, although there is no specific police station in the township, police liaison services are available to meet any emergency situation. In this context, it would be pertinent to mention that the Mother had a vision for Auroville: "No army, no police, they are replaced by a battalion of guards consisting of athletes and gymnasts". Accordingly, an Auroville Guard consisting of young volunteers are available to provide this service.

1.11 FUNDING OF TOWNSHIP ACTIVITIES

1.11.1 The activities of Auroville are financed through contributions from residents, grants and donations from India and abroad, income generated by Auroville units and Government of India grants. These activities are co-ordinated through various working groups.

1.11.2 Auroville Fund is the official receiving, disbursing and accounting channel through which Indian and foreign donations for various projects reach units and projects in Auroville. The expenditure on account of the Auroville Foundation Secretariat is met by the Department of Education, Ministry of Human Resources Development, Government of India, by way of annual grants. Income and expenditure statement for the year **2008-2009** given in **Appendix III** gives an idea of general sources of revenue and major items of expenditure.

1.11.3 In the past ten years, Auroville generated Rs. 150 crores for its activities of which Rs. 100 crores were generated internally. The balance of Rs. 50 crores, was raised through donations from abroad (46%), donations from agencies and individuals within India (38%) and grants from the Government of India (16%).

1.11.4 The Financial Service was started in the seventies as an attempt to do away with cash transactions in Auroville by keeping accounts of the cash holdings of Aurovilians. Since then, nearly all

transactions between units and Aurovilians have been done through transfers using these accounts.

1.11.5 The Auroville Unity Fund as a system to provide collective support to Auroville's services and other responsibilities and to provide maintenance allowances to the Aurovilians who do not have private resources. The Auroville Unity Fund is financed through the income generated from commercial units, which contribute varying percentages of their profits; contributions from guests; projects; interest on deposits with the Auroville Fund by individuals; and donations by individual Aurovilians. Apart from this, each unit pays Rs 1,000 a month for each Aurovillian working for that unit. Since July 1995, the Auroville Unity Fund has successfully increased its income on deposits, by asking Aurovilians to transfer the amounts they had in low interest-generating bank accounts to their Financial Service accounts, and to forgo interest on these accounts. This has resulted at present in a total capital of over 4 crores. The interest of this capital is now mainly used to finance the monthly budgets of the Auroville Unity Fund.

1.11.6 The Auroville Unity Fund distributes its income of approx. Rs. 35 lakhs per month to more than 40 activities and services. The Auroville Unity Fund accounts are published each month in the Auroville News. The Budget Co-ordination Committee is responsible for administering this Fund. Over the past two years there has been a marked shift in emphasis from the services to the individual. The Auroville Unity Fund budget specifically for the maintenance of Aurovilians receives a great deal of attention. As of today, the allocations for the basic subsistence of about 370 Aurovilians and their families is under intense observation to secure a strong base for the well being of each one. In August 1999, the Auroville Maintenance Fund / Financial Service introduced a new software which provides for the possibility for each Aurovillian to have both a cash and a kind account. This is meant to be a tool to help Auroville to move into an

internal economy where there is no exchange of money. It is hoped that the needs of Aurovillians who are now covered either by themselves, by projects or by the commercial units for whom they work, will progressively be covered in a different way through the combined resources of the community.

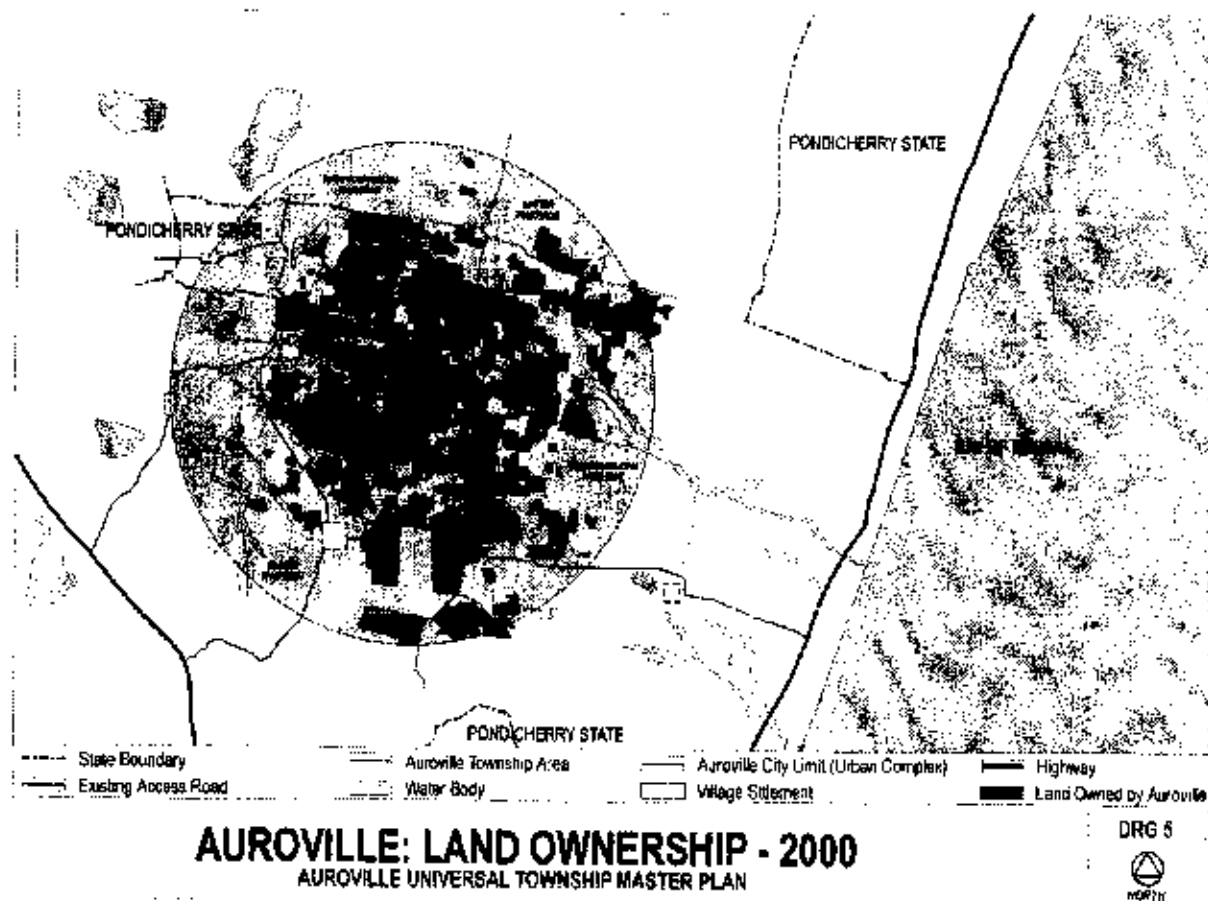
1.12 LAND OWNERSHIP

1.12.1 The designated area of Auroville covers 19.63 sq. km i.e. 1963 ha. For proper and orderly development of Auroville as per the Master Plan, it would be necessary to have full control by the Auroville Foundation over the activities within the above mentioned area. For this purpose, Auroville has been in process of securing the lands required for development from the beginning. All the lands so far secured have been acquired by negotiated purchase from the owners. As on 1st August 2000, Auroville owns 778 ha. of land in the designated township area, as indicated in **Table 8:**

Table 8 : AUROVILLE: LAND OWNERSHIP (in hectares)

	GREEN BELT	CITY AREA	TOTAL
1. FOUNDATION OWNED	393.52	421.06	0814.59
2. GOVERNMENT OWNED	046.96	031.91	0078.87
3. PRIVATELY OWNED	984.61	085.28	1069.89

1.12.2 Distribution of land ownership indicated in **Drawing 5** clearly shows that about 83% of the land within the City Area is under the control of the Auroville Foundation while the remaining 17% needs to be acquired. In respect of the Green Belt, however, 70% of the land is under private ownership and needs to be secured for planned and orderly development.



1.12.3 The present policy for the development of the land has been clearly laid down in terms of open spaces to be provided and environmental parameters to be adhered to. The Development Council, taking note of the above parameters and the essentiality of the project for the development of Auroville, scrutinises all such projects.

1.13 IMPERATIVES FOR THE DEVELOPMENT OF AUROVILLE

1.13.1 One of the principal requirements for the growth of Auroville is the provision of housing. Because of lack of adequate housing it has not been possible to encourage new residents to settle. The provision of adequate housing is tied up with funds for development. Another important factor is that there are still significant patches of land within the city area, which are not secured by Auroville and are essentially needed to plan and implement cost-effective infrastructure facilities, such as roads, sewerage, water supply, power and communication.

1.13.2 The Green Belt surrounding the City Area, covering about 1,440 ha., is an integral part of Auroville's development and its proper use is crucial to fully achieve the objectives of Auroville. Many of the material researches that are necessary to promote sustainable development both within the designated area and outside necessarily have to be carried out in the Green Belt, which should be secured against speculative urban development. The Green Belt has to be maintained predominantly as an area of agricultural and forest type of uses, so that it is not only integrated with the existing village settlements, but also with environmental activities that promote water harvesting, aquifer recharge, bio-diversity conservation and recreation.

1.13.3 It is therefore imperative that the Green Belt should be secured against all types of development not in line with the goals of Auroville's development. Auroville can therefore only be realised to its full potential through intense resource mobilisation and the proper implementation of the Master Plan (Perspective: 2025).

2. PART TWO

DEVELOPMENT PROPOSALS

2.1 AUROVILLE ASSIGNED POPULATION

2.1.1 The Auroville township has been conceived for an ultimate population of 50,000 people, who will come and stay here to accomplish the special task of carrying out spiritual as well as material researches, which will have wider applications not only in India but the world over. Today Auroville has such a work force of over 1,000 persons, who have assiduously built up its base and infrastructure, which may now attract more such dedicated people. A systematic further development of infrastructure will attract a working population to Auroville from all over the world, and the number of people living in Auroville is projected to be in the range of 15,000 by the year 2015. It is estimated that the target of 50,000 Aurovillians will be reached around 2025.

2.1.2 The estimated numbers of persons in different age groups and the size of households is given in **table 9**:

Table 9: Estimated Age Groups of Aurovillians

Age group	Year 2015		Year 2025	
	Total	Men	Women	Total
0-19	4000	2000	2000	17000
20-59	10000	6000	4000	28000
60+	1000	4000	600	5000
All age groups	15000	8400	6600	50000

2.1.3 Working Population: The working population will be in the age group from 20 to 59, i.e. 10,000 persons in 2015. These persons will be directly engaged in the production of goods and services for Auroville or

in applied research activities that will have wide-spread benefit. Estimated break up of workers in various sectors is given in **table 10**:

Table 10: Estimated Break-up of Sectoral Employment 2015

Sector	Estimated no.	%
Primary Farming, forest development, animal husbandry, wildlife, fisheries and such activities.	1000	10
Secondary Manufacturing including medium- sized clean industries, cottage & household industries & artisans both for local consumption and export.	6000	60
Tertiary Trade, transport, construction and services	3000	30
Total	10000	100

2.2 THE NEED FOR A MASTER PLAN

2.2.1 The activities in Auroville have so far been carried out on the basis of a broad planning framework and the concept plan prepared by Mr. Roger Anger, Chief Architect and Planner of the city, which received the blessings of the Mother. However, the need for a Master Plan arose due to the following factors:

The requirement of the Auroville Foundation Act

The Auroville Foundation Act, which was enacted by the Parliament in 1988, has a provision to prepare a Master Plan for Auroville to guide its future growth. The relevant sections of the Auroville Foundation Act are reproduced below:

17. The powers and functions of the Governing Board shall be:

(e) to prepare a master plan of Auroville in consultation with the Residents' Assembly and to ensure development of Auroville as so planned;

19. (1) The Residents' Assembly shall perform such functions as are required by this Act and shall advise the Governing Board in respect of all activities relating to the residents of Auroville.

(2) In particular, and without prejudice to the foregoing powers, the Residents' Assembly may-

(c) formulate the master plan of Auroville and make necessary recommendations for the recognition of organisations engaged in activities relatable to Auroville for the approval of the Governing Board;

2.2.2 Time is now ripe to systematically develop the township, since Auroville has secured about 850 ha. of land out of about 2000 ha. of designated area. Auroville has been progressively securing the lands required for its development. More than 70 % of the land required for building development as well as for infrastructure in the City Area has already been secured. Systematic development and expansion of activities and population are therefore now possible. The Master Plan (Perspective: 2025) will facilitate such development.

2.2.3 To protect all the lands secured for the township and to prevent non-conforming developments, it would be necessary to have a blueprint for its future development. Auroville has yet to secure over 70 % of the land coming under the green belt area. Auroville's greening activities attract speculative elements which threaten the harmonious use of land. As such it is necessary to acquire all the remaining lands. In order to properly plan the land uses of both Auroville-owned as well as privately owned lands, drawing up a Master Plan has become essential and urgent.

2.3 GOALS AND OBJECTIVES OF THE MASTER PLAN (PERSPECTIVE: 2025)

2.3.1 The broad objective of the Master Plan (Perspective: 2025), as indicated in the Auroville Foundation Act, is to ensure development of

Auroville in a planned manner. In order to meet the requirements of the Act and to realise the vision of the township, the specific objectives of the Master Plan (Perspective: 2025) are:

- Laying down broad policies and directions for growth in the principal zones.
- Determining the hierarchy of roads and access ways.
- Establishing the zoning of land use on all lands falling within a 20 sq. km. area of the Township.
- Determining the standards for common facilities for education, health & social needs of the resident population.
- Identifying the social and physical infrastructure requirements of the township.
- Identifying the need for conservation of historic, ecologically sensitive and aesthetically important areas.
- Developing a mechanism for sustainable developments that harmonise both the needs of the environment and of development, as well as guidelines for such developments.
- Identifying the requirement of investments.
- Suggesting policies for integrating the neighbouring villages in the Master Plan so they may take advantage of and benefit from their proximity to Auroville for their economic betterment.

2.4 CONCEPT AND APPROACH

2.4.1 The Mother in her 1965 sketch of Auroville laid down the basic concept for the town. This sketch delineated all the important areas of activity that will fulfil the vision of making it a Universal Township. This concept is as practical as it is visionary. The way in which this concept lends itself to international, national and local thinking is extraordinary. It is as modern today as it was innovative when it was expounded some forty years ago. (Refer sketches) The concept envisions close interaction between Auroville and its surroundings to create a holistic model of development in which urban and rural settlements will complement each other and are not seen as separate. This concept is now being widely recommended to move towards balanced sustainable development.

2.4.2 The activities of the Cultural Zone represent unending education; the International Zone shows acceptance of Auroville's universality; the Industrial Zone emphasises the importance of a strong economic base; the Residential Zone gives the realisation of human oneness; and the Green Belt manifests environmental, economic, spiritual as well as material sustainability. The Green Belt activities help to meet the internal requirements of the town as well as the external requirements of the region. All these activities emanate from the central theme of Auroville: to live and work for an actual human unity—the underlying message of all religions and philosophies. The Divine Presence is signified in the Peace Area by the Matrimandir, the timeless Banyan Tree and the Amphitheatre containing the soils from all parts of India as well as from all over the world.

2.4.3 Auroville, from its very inception, has embarked upon several innovations assisting human development. The Master Plan of Auroville would break new grounds in settlement planning which can help other cities in India and other countries experiencing high urbanisation trends. It would demonstrate how 'urban' and 'rural' areas can complementarily develop in an integral and holistic way for their mutual benefit and well-being. Till recently, urban growth was considered undesirable and all policies emphasized preventing migration from rural areas. However, these policies have not succeeded and urban areas are growing rapidly and becoming more and more degraded. Presently, both national and international opinions are in favour of urbanisation, as they have become engines of development, and emphasise policies that promote urbanisation. Taken too far, these policies may also become untenable, because of the heavy toll urban areas impose on limited natural resources and their unbridled growth is liable to disrupt the food security of the entire nation. This is why planners today are talking of establishing strong rural-urban linkages.

2.4.4. Talking about planning for agriculture and rural development, the Deputy Chairman of the Union Planning Commission said: "Our population has just crossed the one billion mark, and experts have projected that we would be overtaking China by 2035 as the world's most populous country. To feed this growing population, an additional 5-6 million tonnes of foodgrains will need to be produced annually. In addition, we have to recognise that balanced nutrition, which is essential for the health of our people, demands the consumption of a wide array of food stuffs. These too must be provided without compromising on the provision of the basic calorie requirements. All this will have to be done in a context which is less favourable than it used to be. To begin with, we need to recognise that the scope for expansion of the area available for cultivation is limited. In fact there is a possibility that cultivable area may shrink somewhat. Environmental considerations, which are just as important for the well-being of our people, demand that the area under forest cover be increased from the dangerously low levels that it has reached. Demands of urbanisation and industry too will eat into our cultivable land, though we should keep this to the minimum. These are imperatives that we cannot ignore."*

2.4.5 Auroville's development approach, while taking cognisance of the above philosophy, goes much further. The approach of the Master Plan is to establish that economic and human intellectual resources, which normally gravitate to urban areas, can be effectively used to plan development more evenly and to create an equitable and economically sound society. However, it is common knowledge that expanding urban areas encroach not only on valuable agricultural land but surround village settlements in such a way that they become islands of poverty and scarce infrastructure in a neighbourhood which is well served with better quality of infrastructure.

2.4.6 It is Auroville's concept, therefore, to build a City that will economise on land needs by introducing development approaches with an optimum mix of densities but not sacrificing the appealing urban forms or required amenities. The surrounding Green Belt will be a fertile zone for applied research in the sectors of food production, forestry, soil conservation, water management, waste management, village development and other areas essential for sustainable development. The resulting innovative methods can be applied/extended in both rural and urban areas everywhere, particularly in India where the urban-rural divide is continually increasing.

* "Planning for Agriculture: Challenges and Opportunities",
K.C. Pant, Yojana, Vol 44, no 9, Sept. 2000

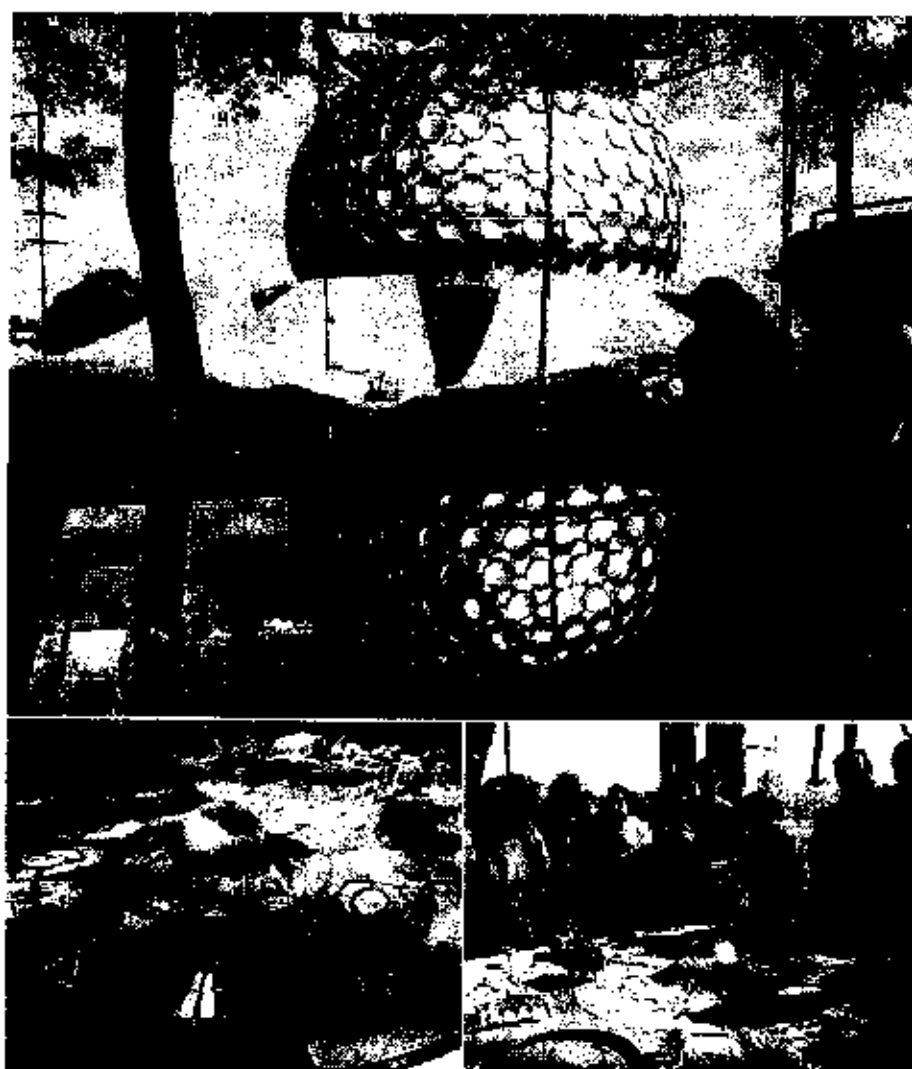
2.5 PROPOSED LAND USE PLAN

2.5.1 Keeping in view the basic ideals of the township and the innovative approaches being developed in Auroville, the land-use structure is based on the following premise:

- The built-up area, consisting of buildings and developments for residential, cultural, manufacturing, commercial and utility uses, international pavilions and open spaces, would evolve around the Matrimandir with its gardens in the centre of the township.
- The largely unbuilt part consisting of agricultural uses, regenerated forests, tanks, water bodies, channels and a number of green activities linked to the promotion of sustainable development, would encircle the built-up area and also act as interface between the City and its bio-region.

2.5.2 The vision behind Auroville's planning and development right from its conception to the present day is that there will be an intense and close

interrelationship between the City Area and the outside rural area, including the Green Belt, which will be of a synergical nature. Each would complement the other, and support the activities in the 'urban' and 'rural' sectors, thus reducing the urban and rural divide that has crept into urban planning so far, and encouraging a rural - urban continuum.



2.5.3 Land Use in the City Area: In view of the concept discussed earlier, the City Area is proposed to have the Peace Area with the Matrimandir, the Banyan Tree, the Lake, the Amphitheatre and the Gardens in the centre and the following use zones around it:

- Residential Zone

- International Zone
- Industrial Zone
- Cultural Zone

2.5.4 There is another special use zone, which traverses all the four zones in a concentric fashion with a width of about 75 meters, consisting of a circular road with buildings facing it. This is termed as the 'Crown Area'. This Crown area will provide most of the service facilities required to support the activities in the four zones mentioned above. The developments in the Crown area will naturally be somewhat different, depending upon its proximity or interface with each zone. For the purposes of zoning regulations, the crown area is considered as a separate zone under each of the four zones.

2.5.5 The basic principles/parameters adopted in land use planning are given in **Table 11**.

Table 11: Principal Planning Policies

Sector of Development	Planning Policies/Parameters
1. Residential	Maximum living space per person: 30 sqm Range of densities and interesting architectural forms 50% unpaved area as permeable space Collective and community use Eco friendly practices in water and energy management Pedestrian and cycle ways Harmonious landscaping and tree planting
2. Industrial	Clean, non-polluting industries Small and medium scale Expand local employment Vocational training for youth Encourage local entrepreneurship Good working environment for workers Efficient management practices
3. Education and Culture	International studies on Humanity Indian / East-West Culture Synthesis of knowledge Arts, craft and technology

4. International	International pavilions for cross country exchange Science and technology Culture, philosophy and humanities
5. Building Development	Innovative, low energy consumption, cost-effective technology, eco-friendly, barrier-free architecture, indigenous materials
6. Water	Water harvesting Watershed management Waste water recycling Aquifer storage and recovery Preventing saline intrusion Water conservation
7. Energy	Use of solar, wind and biomass energy Better demand and supply side management
8. Solid waste	Segregation at source Composting and recycling Special disposal of hazardous and biomedical waste Attaining zero garbage situation
9. Traffic and Transport	Exclusive pedestrian and cycle paths Encouraging non-polluting traffic Service nodes for interface with villages Designing non-polluting vehicles
10. Health	Synthesis of a wide range of medical knowledge Emphasis on indigenous systems Good healing practices
11. Green Belt	Healthy productive employment Field laboratory for best practices in eco-friendly techniques Environmental sustainability Food security Developing urban-rural linkages
12. Bio region	People's participation in sustainable development Improving sanitation and water supply Improving housing through cost-effective techniques Innovative research programmes Better agriculture practices

2.5.6 The proposed land uses zone wise are detailed out in **Table 12** and depicted in the **Drawing 6** of the Proposed Land Use. The proposed land use in the green belt is indicated in **Table 13** and the re-grouping of the land uses as per the general land use classification is given in **Table 14**.

			including housing and staff quarters.
3. Industrial Zone	126.00	25.70	
Economic	94.50	19.30	Non-polluting manufacturing units, including cottage industries.
Crown	8.50	1.70	Hostels, dormitories, guesthouses and supporting facilities for the main activity in the zone.
Administration	7.00	1.40	Town Hall, City Administration offices and housing.
Vocational Training	16.00	3.30	Vocational training centres, research institutions including laboratories.
4. Cultural Zone	96.00	19.50	
Major cultural	91.00	18.50	Educational Institutions, University, sports centres and staff quarters.
Crown	5.00	1.00	Shopping, utility, communication and recreation centres and related facilities supporting cultural activities in the zone, including housing.
Total	491.00	100.00	

Table 13 : Proposed Land Use in the Green Belt - 2025

	Area in Ha	%	Principal uses
Built (*) (Existing settlements to be retained)	156	10.5	Auroville Communities and Village Residential Areas, Service Nodes and utilities and main access roads.
Unbuilt	1316	89.5	Farming and Forest type uses and recreation, bird & wild life.
Total	1472	100.0	

Note(*): The existing settlements in the proposed Green Belt are subsidiary to agriculture, forestry, plantation, land development and as such they are proposed to be retained in the future development of Auroville township. However, there would not be any substantive extensions in these settlements not related to principal use. Similarly, the existing village settlements are also part of the built up area and would require to be retained.

Table 14: Detailed Land Use in City Area - 2025

Use	Extent in Ha	%	Remarks
1. Residential	121	24.64	Residential Zone 80% Other zones 20%
2. Commercial	20	4.10	Mostly in Crown Area connecting the zones
3. Industrial	56	11.40	Industrial Zone/Manufacturing units
4. Public & Semi-public		32.38	
a. Matrimandir	159	5.70	Peace Area
b. Pavilions	28	7.73	International Zone
c. Educational & Cultural	38	14.86	Cultural and Residential
d. Administration, utilities & other uses	73	4.07	Industrial and other zones
5. Open space & recreation	20	9.36	To be provided in all zones
	46		
6. Transport & communication	89	18.12	To serve all zones
Total	491	100.00	

2.5.7 It would be seen from the proposed land-use structure that public and semi-public uses constitute a large percentage of the total area, because Auroville, having been conceived and designed as a Universal Township, will provide a number of international pavilions, cultural and educational centres of a high order. Under Transport & communication, roads, cycle tracks and footpaths are included. The above table excludes the urban uses in the Green Belt which extend to 156 ha. including roads.

2.5.8 Land Use in the Green Belt Zone: The unbuilt area in the Green Belt Zone will have three broad categories of land use, viz. Agriculture and Farming, Forest and Land Regeneration and Recreational areas. Their development is designed to promote bio-diversity, environmental restoration, land regeneration, water management, and technology transfer of the above activities for wider application. This will make the Green Belt not only an asset to Auroville and the surrounding villages, but also a National Resource Centre (NRC) for sustainable development.

(a) Agriculture and Farming

The western part of the Green Belt, consisting of eris, natural drainage channels and village settlements, is reserved for intensive agricultural development. They cover approximately 500 ha. At present these lands are vacant or marginally used. They will be utilised to set up prototype farms for raising appropriate crop varieties that can be efficiently produced in differing geographic conditions in Tamil Nadu, in order to replicate them for the benefit of farmers in these areas. The geographic regions will correspond to the five-fold traditional regional classification in Tamil Nadu of Kurinji, Mullai, Marudam, Neithal and Palai.

Auroville's ongoing work in water management, soil conservation, organic farming and seed collection, which is being carried out in collaboration with state, national and international research institutions and agencies, will promote food security and optimise the agro-economic potential both locally and nationally.



(b) Regenerated land and plantations

The eastern part of the Green Belt, which has already been developed with dense plantations of trees, acts as a barrier against cyclone-strong winds coming from the coast, which were until recently the main cause for soil erosion, gully formation and degradation of land.

These lands occupy about 560 ha. They will be utilised to strengthen the ongoing work of land regeneration, to re-establish indigenous forest vegetation, to propagate biodiversity through gene pools and seed banks, and to institute zero-runoff parameters and practices. This part of the Green Belt will also serve the Auroville township by carrying out waste water treatment and recycling, solid waste management and experiments for producing alternate energy through the use of biomass and wastes. In this regard Auroville is already collaborating with state and central government agencies.



(c) Recreation

Another purpose of the Green Belt is to provide open-air recreational facilities for the inhabitants. An extent of 256 ha. has been designated for this purpose, which will also include a botanical garden and agro and social forestry for the benefit of neighbouring villages. Within this zone, a modern burial and cremation site is also proposed.

2.5.9 The summary of uses in the green belt along with implementing partners is given in **table 15**.

Table 15: Summary of Uses in the Green Belt

Main Uses	Implementing partners *
1. Agriculture and Farming	Auroville groups:
Water management	Auroville Farm Group
Aquifer storage and recovery	Auroville Green Work Resource Centre (AGRC)
Soil conservation	Water Harvest
Farming including organic farming	Palmyra
Climatic promotion	Auroville Village Action Group (AVAG)

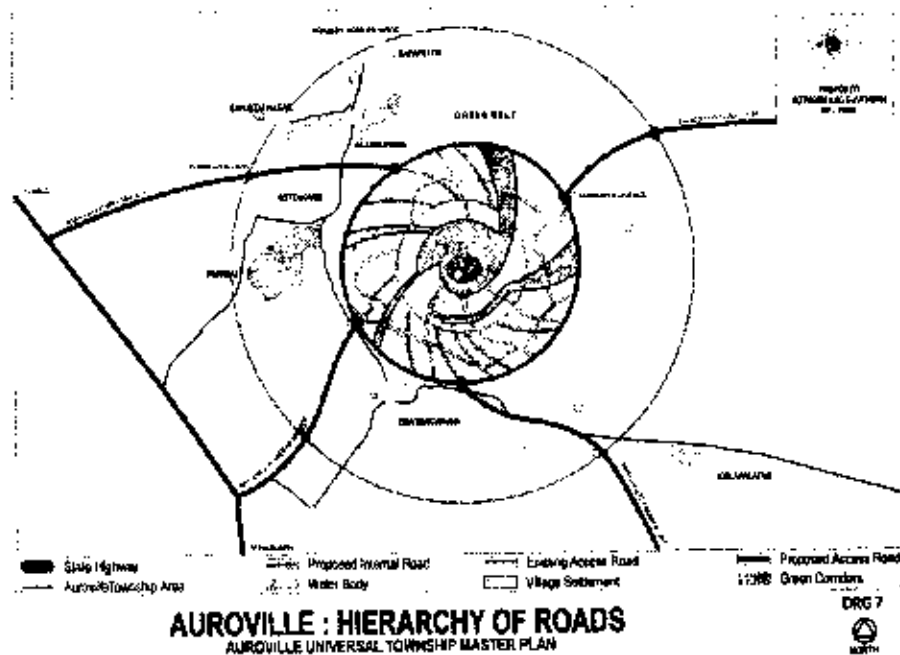
Fisheries Village development & service nodes Agro- & social forestry	Land Use Coordination Collaborating Partners: Tamil Nadu State Council for Science and Technology Govt. of India Development Research Corporation National Wasteland Development Board AME (The Netherlands), DANIDA (Denmark) GIFRID (German-Israeli Govt. Collaboration) Stichting De Zaaier (The Netherlands) DFID (UK), South East Asia Seed Bank
2. Forest and Land Regeneration Indigenous forests Sacred groves Biodiversity park Medicinal plants Dairy, orchards Zero runoff practices Waste water recycling Solid waste recycling Alternative energy Energy plantation Vegetables, flowers Building & road material & transport technology Village service node Technology transfer and dissemination	Auroville groups: Auroville Green Work Resource Centre Palmyra Pitchandikulam Bioresource Centre Shakti, Water Harvest Auroville Centre for Scientific Research (CSR) Auroville Building Centre Land Use Coordination Collaborating partners: State Council of Science and Technology State Dept. of Environment, Forest & Rural Development Ministry of Environment & Forest National Wasteland Development Board Rajiv Gandhi Drinking Water Mission HUDCO, NBO, BMTPC, MNES, Andaman Ecological Team, UNCHS, European Commission, SWISSAID, GTZ, GATE, KFW, BORDA (Germany), German Agro-Action, Commonwealth Human Ecology Council (CHEC), INERP Association Scientifique (France) Threshold Foundation (US), Stichting de Zaaier (The Netherlands), Canada Fund, ICEF (Indian-Canadian Environment Facility)
3 Recreation Botanical gardens Poultry farm Burial and cremation site Village service node	Auroville groups: AGRC, AVAG, Land Use Coordination Collaborating partners: State and Govt Departments of Environment, Rural Development.

* Indicates principal partners who are at present involved in such activities. It is anticipated that there will be additional collaborating partners as Auroville's activities increase.

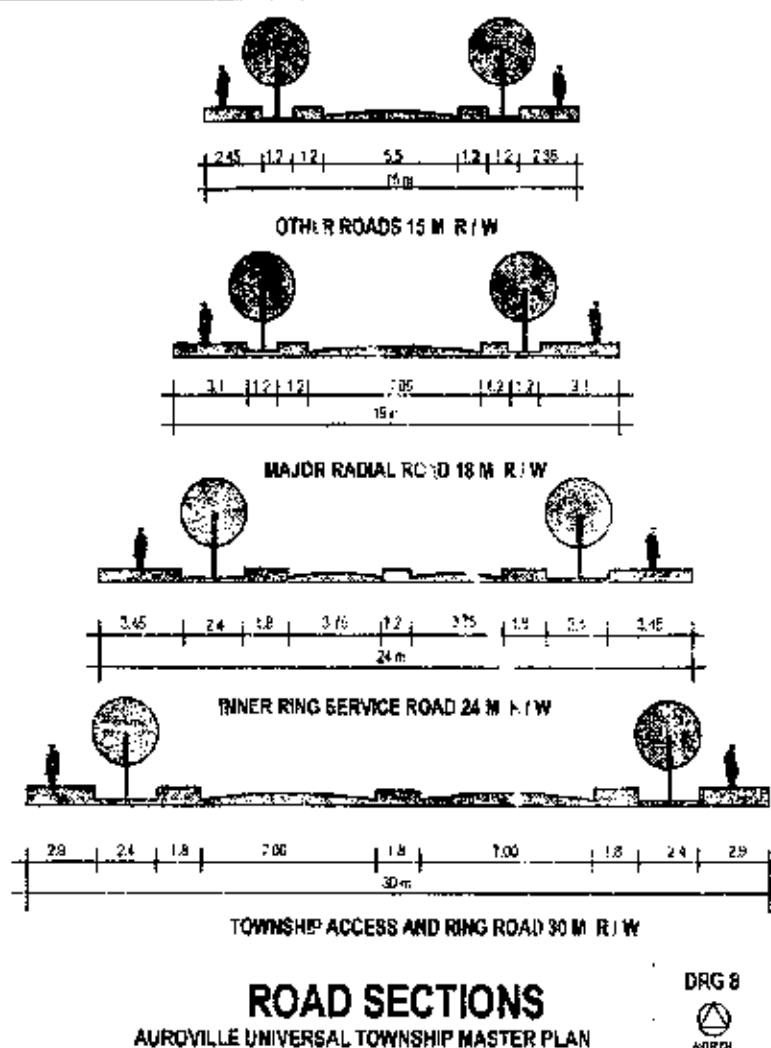
2.6 PHYSICAL AND SOCIAL INFRASTRUCTURE

A. Physical Infrastructure :

Road network: The road network, consisting of four types of roads, is planned to meet the future requirements of traffic and functioning of the Township. The proposed road network is shown in the proposed land use plan as well as in **Drawing 7** on the hierarchy of roads. Road sections are shown in **Drawing 8**. The four types of roads and access ways in order of hierarchy are as follows:



Access Roads to Auroville: Four principal accesses are proposed. Two accesses are from the Tindivanam-Pondicherry Road, connecting the Industrial Zone and the International Zone. The other two accesses are from the East Coast Road (ECR), which would link the Residential Zone and the Cultural Zone. Thus each zone will have an Independent access from state/national highways. These roads will provide links to the outer ring road of the City.



There would be bypass links where the existing narrow roads pass through village settlements. The right of way of these roads is suggested to be 30 m.

City Ring Roads: Two ring roads are proposed within the City area, one circumscribing the four main use zones and the other adjoining the utility zone which is designated as the Crown road. The right of way of these roads is also suggested to be 30 m. These two ring roads will help in distributing the traffic to the different zones.

The entire City area has been envisaged as a "non-polluting vehicular zone". Accordingly, the ring road circumscribing the City Area will be used by progressively non-polluting vehicles.

Internal Distribution Roads: The internal distribution roads consist of vehicular roads as well as pedestrian and cycle paths. The rights of way of vehicular roads would vary between 18-24 mt. depending upon their functions.

Pedestrian and cycle paths will be integrated with open spaces and green corridors. A minimum of 3 m width would be reserved for pedestrian and cycle movement.

Service Nodes: Two kinds of service nodes are proposed. These service nodes are provided in the Green Belt were proposed at the intersection of the four main access roads linking the township and the City area. The first one would be called Primary Node and the latter one, the Secondary Service Node, as indicated in the schematic layout of Service Nodes. These service nodes will provide adequate parking and transshipment space for changing over to 'non-polluting' mode before entering the City. These service nodes will also offer other facilities for providing a convenient interface with neighbouring village settlements.

2.6.1 In addition to the main categories of roads discussed above, two bypass roads are also suggested, one in the north and another in the south of the township to facilitate diversion of traffic not bound for Auroville. The planning and construction of these roads as well as the main access roads up to the service nodes need to be taken up by the concerned departments of the State Government for providing efficient linkages to the township.

2.6.2 Water Supply: The Auroville region gets an average rainfall of around 120 cm/annum (as observed during the years 1972-83), as per the following distribution given in **Table 16:**

Table 16: Average Rainfall (1972 - 83)

Period	Precipitation in cm
S.W. monsoon (June-Sept)	41.5
N.W. monsoon (Oct-Dec)	75.9
Winter (Jan-Feb)	1.0
Hot weather (March-May)	4.5
Total	122.9

2.6.3 In spite of such a good amount of rainfall, the water situation in the region is not satisfactory because of excessive runoff, limited surface storage and inadequate knowledge of aquifer storage areas. Evaporation losses are also considerable due to high average temperatures in the area which go up to 38.8°C in June. Hydro-geological studies made so far revealed that there is adequate potential for groundwater supply of good-quality potable water as long as there is no saline intrusion due to over-extraction. These studies also revealed that water could be tapped both from open wells (3 to 12 m. below ground level) and tube wells. The estimated total yield from rainwater is 25.48 million cu.m. The runoff itself when harvested is estimated between 7.70 million cu.m and 2.84 million cu.m giving an average of 5.28 million cu.m.

2.6.4 The demand for drinking water for Auroville will depend on population and level of supply. Estimates of the water supply needs for Auroville under varying per capita standards for a population of 15,000 in the first phase and 50,000 in the ultimate phase is given in **Table 17**:

Table 17: Standards for Domestic Water Supply

Population	At litres per capita per day		
	70*	100@	200#
15,000 1st Phase	1.05 mld	1.5 mld	3.0 mld
Annual need	0.383 mcum	0.547 mcum	1.094 mcum
50,000 (ultimate)	3.5 mld	5.0 mld	10 mld
Annual Need	1.278 mcum	1.825 mcum	3.650 mcum

Notes: * No underground sewerage
 @ Partial underground sewerage
 # Includes supply for gardens and industries

2.6.5 The annual requirement will range from 0.383 million cu.m to 3.650 million cu.m.. It is therefore clear that the per capita requirement should be established in such a way that the extraction is within safe limits of availability, taking into consideration that the rainfall will not be uniform in all years, and the possibilities of over-extraction and some extraction for irrigation purposes. Taking note of the fact that Auroville envisages development of less water consuming industries, national and international pavilions and cultural facilities of high order which occupy nearly 25% the developed area, it is therefore proposed to adopt the standard of 200 lpcd to meet the total requirements of the township. The component for residential supply will be only 135 lpcd. The annual water requirements for a population of 15,000 would therefore be about 3 million litre per day or 1.1 million cu.m. per year. Auroville's work in water management so far has been characterised by principles of zero runoff, conservation, and recycling and re-use of waste water. This work will be intensified so that additional requirements would be largely met through the recycling of waste water. Auroville will thus be able to meet all its water requirements comfortably, both in the first phase and the ultimate phase.

2.6.6 Water Supply Distribution: A predominantly decentralised system of extraction and distribution eminently fits the land use plan proposed for Auroville. Each of the principal zones will be supplied from local tube wells located in the particular zone itself or in the Green Belt adjoining the zone. The distribution system will also be localised for each zone. This will not only reduce the costs of laying long lengths of high diameter pipes, but also assist in recycling waste water for garden and other non-drinking uses close to the zone itself.

2.6.7 Sewerage and sanitation: Auroville has been experimenting with septic tanks, Imhoff tanks (both individual and at community level), leach pits and root-zone treatment of sewage for compact communities. The use of such facilities will continue in the Cultural and International Zones as well as in the Green Belt developments. Separate, partially centralised systems of collection and treatment will be considered only for the Industrial and Residential Zones to avoid contamination of groundwater.

2.6.8 The approach to sanitation will be through the use of a variety of night soil disposal methods, which include toilets/latrines of various designs and disposal methods. These will include FOLs connected to individual or community treatment facilities. Extreme care will be taken to see that these systems do not pollute the underground water resources on which Auroville and its neighbourhood depend.

2.6.9 Drainage: A storm water drainage system will be provided to fully support the "zero runoff" concept. Already many check dams across the canyons and earthen dams along and across roads divert the runoff into the ground below. In addition, Auroville is exploring rooftop water harvesting, as well as a proposal for a major water management project which involves collecting the excess runoff within the Green Belt and pumping it out to a central lake that is to be created. The infiltration from

the lake would regularly recharge the aquifers and prevent saline intrusion into the aquifers due to over-extraction that may occur outside Auroville. The western part of the Green Belt, extending from Alankuppam village to Irumbai village, is a good aquifer recharge and storage area, which can be used for water recovery when needed. These proposals will have greater relevance for the ultimate phase, but studies have already been commenced to explore them.

2.6.10 Solid Waste Management: Solid waste management in Auroville presently consists of sorting at source, efficient collection and recycling of both organic and non-organic wastes. Incinerable wastes are burnt at 800°C in a two-chambered LPG-fuelled incinerator at the Auroville Health Centre. Some of the non-recyclable wastes like batteries, rubber items, thermocole, film, glass and PET are stored in a special storage facility until a market or acceptable environment-friendly disposal solution is found.

2.6.11 The first-phase developments are anticipated to generate about 7 to 12 tons of waste based on a per capita generation of 0.5 to 0.75 kg. This would include garden wastes within the City Area, but excludes wastes from the Green Belt. The waste generated in the Green Belt would be utilised either as biomass fuel for producing electricity, or for conversion into soil nutrients and enrichers. The strategy and approach to solid waste management will include:

- Finding practical and ecological packing alternatives to reduce non-degradable wastes.
- Sorting wastes at source into 5 or 6 streams - paper, plastic, metal, glass, organic, batteries, etc.
- Converting recyclable wastes into useful products. This would include conversion of compostable material to soil enrichers.
- Using building debris as road / building material.
- Using incinerable wastes to generate electricity.

Scientific and safe disposal of bio-medical and hazardous wastes.

2.6.12 Auroville with its past experience will initiate and promote the "zero-garbage" concept to the maximum, so that no dumping or sanitary landfill is needed. Transportation of solid waste for disposal will also be minimal.

2.6.13 Power-Energy-Telecommunication: Concerned with the ecological implications of energy consumption, Auroville has been experimenting from the beginning with the use of renewable energy sources such as sun and wind that are continuously available, as opposed to fossil fuels (coal, oil, etc.). Auroville's vision is to become energy independent and self-sufficient, with all its energy requirements met from renewable sources.

2.6.14 Already 150 houses use solar photovoltaic electricity and solar water heaters for their energy requirements. There are about 140 solar water pumping systems and 30 wind pumps operational in Auroville for gardening and irrigation purposes. Specially designed ferro-cement biogas systems process animal and vegetable wastes to produce methane gas for cooking and organic fertilizer.

2.6.15 Auroville in co-operation with Government of India Departments has installed a 36.3 KW solar photovoltaic power plant close to the Matrimandir, which is the largest stand-alone solar power plant in the country. A unique solar bowl has also been installed on the roof of the Solar Kitchen, which generates enough energy to cook meals for about 1,000 persons a day for the Auroville community.

2.6.16 Expanding the use of renewable resources is possible because of five workshops in Auroville which produce and market different types of renewable energy systems. However, due to limitations of technology and

high cost, Auroville will have to draw its major power requirements for the first phase from the Tamil Nadu Electricity Board grid. Auroville is now drawing 2.1 million KW of power per year from TNEB and its demand in the first phase would be in the order of 20 million KW per year based on the present per capita energy consumption. Conservation measures are expected to bring this down to about 14 million KW. In order to fulfil its energy objectives Auroville is considering two important avenues:

- To build a wind farm in southern Tamil Nadu that would supply energy to the TNEB grid, which could be drawn at Auroville.
- To build gasifier plants in Auroville to draw energy from biomass resources in the region. Proposals for pilot plants of 3 MW total capacity are under consideration.

2.6.17 Solar photovoltaics will serve as the main energy source, backed up by the Tamil Nadu Electricity Board (TNEB). Alternative sources of energy will be incorporated. Solar panels will be installed on the rooftops. Auroville's approach would consist of both Demand Side Management (reducing wastage) and Supply Side Management from renewable sources of energy.

2.6.18 The requirement of 10,000 telephone lines for Auroville is based on the fact that it will have a proportionately larger number of resource persons engaged in several activities of sustainable development which naturally means that use of computers would be more or less universal. Accordingly, the Auroville Telephone Service is negotiating with the Department of Telecommunications to fulfil its future requirement of 10,000 telephone lines.

B. Social Infrastructure:

2.6.19 The social infrastructure in Auroville will consist of two distinct parts namely the facilities needed by the residential population (which is predominantly located in the Residential Zone) and the other facilities that will be part of the main function of the Auroville Universal Township. The latter will be located mainly in the International and Cultural Zones. The social infrastructure required for serving the residential population is proposed to be at four levels namely,

- Cluster or community level, serving a population of 250 persons.
- Sector level, serving a population of 1,000 persons.
- Neighbourhood level, serving a population of 5,000 persons
- City/District level, initially serving a population of 15,000 persons with an ultimate target of 50,000 persons.

2.6.20 The social infrastructure has been worked out for a population of 15,000 Aurovillians that is to be achieved in the first phase. The facilities indicated under City/District level have been worked out for a population of 15,000, but will also serve the needs of a bigger population as the city grows. During periodical review, the infrastructure requirement for the increasing population would be assessed in the development plan after every five years and provided as per necessity.

2.6.21 Details of such facilities proposed at the four levels mentioned above, as well as the summary of land requirements for the social facilities for a population of 15,000 in the Residential Zone are indicated in the **Tables 18 and 19**. The allocation of land for various categories of facilities would be worked out on the basis of UDPFI guidelines.

Table 18: Social Infrastructure requirement for a Population of 15,000

(No. of facilities at various levels)

Infrastructure	Total area (ha.)	Community Level	Sector Level	Neighbourhood Level	District / City Level
Population Served		250	1,000	5,000	15,000
Health	8				
Emergency Clinic		1	1		
Polyclinic				1	
Hospital					1
Alternative health Facilities			1	1	1
Education	80				
Crèche & Kindergarten		1			
School (age 6-10)			1		
School (age 11-19)				1	
University					1
Recreation					
Community parks & playgrounds		1			
Sector parks & playgrounds			1		
Neighbourhood parks & playgrounds				1	
City level playground					1
Commercial	30				
Shopping		5 shops	10 shops	25 shops	superstore
Guesthouses				2	8
Tourist centre					3
Culture	10				
Exhibition space			1		
Cinema				1(mini-cinema)	1
Auditorium					1
Utility & Services	25				
Maintenance centres			1	1	
Zonal offices					1
City level offices & Town administration					1
Burial & cremation site					1
Water distribution				1	
Waste water treatment				1	
Solid waste recycling				1	1
Service nodes	32				
Traffic & village interface facilities					8

Table 19: Social Infrastructure in Residential Zone

Infrastructure	Extent in ha.
Health	3
Education	7
Public & Semi-public	8
Shopping & Commercial	5
Recreation including open spaces & parks and playgrounds	17
Roads including cycle tracks and footpaths	30
Total	70

2.6.22 Tourist Facilities: Auroville, by its very concept and the diverse activities in which it is involved, will draw a large number of visitors from abroad as well as from within the country, who come to experience both spiritual and material experiments and progress. It will also attract a number of general tourists, particularly to visit the Matrimandir and to shop for special handicraft works, for which Auroville is becoming an important centre both nationally and internationally. Facilities for this activity are being provided at strategic points within the City area itself as well as in the service nodes provided at the four approaches to the City. Such facilities will consist of guesthouses, restaurants, information centres and other amenities required by tourists.

2.7 DISTRIBUTION OF THE ASSIGNED POPULATION

2.7.1 The ultimate population of 50,000, as well as the Phase I population of 15,000 is proposed to be distributed in various use zones as per the details given in **Table 20**.

Table 20: Distribution of population - Ultimate & Phase-I

Zone	Ultimate	Phase I
Residential	40,000	11,000
International	600	300
Industrial	1,800	600
Cultural	600	300
Crown area in all zones	5,000	1,800
Green Belt	2,000*	1,000*
All Zones	50,000	15,000

(*) Excludes the village settlement population in the Green Belt. The village population in the Green Belt in Phase I is estimated at 8,600 persons.

2.7.2 The main concentration of Auroville's population will be in the Residential Zone. The overall density in the Residential Zone will be 240 persons/ha. There will be housing developments ranging from low-density individual housing units to high-density community units as indicated in **Table 21**.

Table 21: Types of Residential Accommodation

Type of housing	No. of floors
Single family dwelling	1-2
Low rise apartment	2-4
High rise apartment	5-8

2.7.3 The floor space per person will be in the order of 30 sq. m and 55% of the area will remain unpaved. The proposed development would be achieved in a unique way—with lower densities closer to the crown area and higher densities as they approach the green belt, as per the original concept. The objective of the design is twofold:

- To establish that urban areas can and should achieve high densities, without compromising on form or amenities and without sacrificing or reducing

the amount of open spaces, which determine the quality of environment and living conditions.

To establish that conversion of agriculture lands for urban use should be avoided to the maximum extent.

2.7.4 Density and Distribution of Population: It is proposed that the Residential Zone be delineated into ten sectors of approximately 10 ha. each. Each of these sectors will be developed at densities varying from 100 persons/ha. to 640 persons/ha. particularly in high-rise building blocks in a wide range of urban forms. The net size of residential areas would be about 100 ha., which would provide a residential floor space of 1,500,000 sq.m. (FAR 150), that could accommodate the entire 40,000 persons at an average floor space of 30 sq.m. / person.

2.8 DEVELOPMENT MODELS FOR BUILT SPACE

2.8.1 Auroville has been developing new and innovative models of planning, building design and built-up spaces. This is evident not only in the use of materials and construction technologies, but also in the introduction of new principles of waste treatment, water harvesting, energy development and other fields. This work will continue with greater vigour as a follow-up of the Master Plan (Perspective: 2025). A few examples of projects/experiments, either ongoing or ready for implementation, showing the type of development and the principles underlying such models are:

Solar Kitchen & Plaza: The Plaza complex houses the community kitchen and other facilities required for the inhabitants, particularly those of the Residential Zone, and includes a department store, library, restaurant, communication centre and multipurpose public space. This complex is located in the Residential Crown. Here it forms the main link between the four zones, connecting the public services in each zone. On

the inner side of the Crown Road there will be a complex of buildings not more than 10 meter high and 20 meter wide, while on the periphery there will be a continuous boulevard. The complex will integrate several eco-friendly practices—water harvesting, waste treatment and use of alternative energy. The solar bowl on top of the Solar Kitchen, which is already installed and functioning, is one of the largest in the world and it provides energy required for cooking meals for 1000 persons at a time in the community kitchen (**Drawing 9**).



DEVELOPMENT MODELS PLAZA & SOLAR KITCHEN

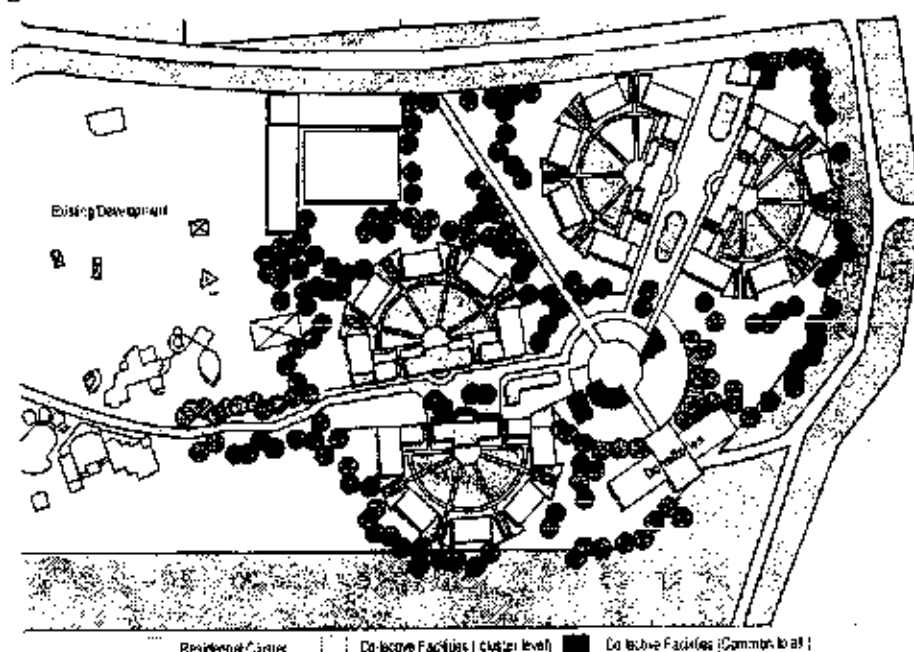
DRG 9

1-SOLAR KITCHEN 2-CROWN ROAD 3-PARKING 4-FOUR TOWNS-FINANCIAL STRAITS 5-MEDIA CENTRE AND LIBRARY 6-EXPANSION
7-PEDESTRIAN BOULEVARD 8-SEMI-PIVED AREA 9-PLAZA COVERED 10-PLANNED GREEN AREA 11-MANALAKSHI PARK

'Creativity' - Urban Eco-community: Creativity, a residential community, has been conceived as having housing units grouped into 6 clusters of 50-60 members each (**Drawing 10**). A central spine or pedestrian street runs through the site in a crescent shape serving all 6 clusters. This street is thus the main area of interaction and several community facilities spill over to it. Another pathway running perpendicular to it links the recreation area and the green corridor, and provides a quiet walkway and ambience. The different clusters enclose a courtyard space that is semi-public, yet protected from the larger

community. The individual units are separated from the interaction zone through the buffer of buildings for common facilities. Climatic comfort is being emphasised by using insulating roofing material, cross-ventilation and appropriate landscape design. Apart from single and family units of varying sizes, there will be provision for 4-5 groups of singles to share common kitchenettes, living rooms and bathroom facilities to encourage social interaction and community building.

Facilities for the whole cluster, such as common kitchen, laundry, internet, office, gym, TV and video room, and common study areas will encourage further interaction and avoid duplication.



DEVELOPMENT MODELS - CREATIVITY HOUSING PROJECT

DRG 10
NORTH

Line of Force - 'Progress': 'Progress' is proposed as a collective building of medium density, to be constructed shortly in sector II of the Residential Zone. It is composed of 7 interconnected modules shaped as one of the lines of force of a galaxy. The dimension and height of these modules vary from ground + 1 floor to ground +6 floors, so that this building grows horizontally and slowly increases in height towards its end. The whole project is a research in medium-density housing, combining architecture and art, eco-friendly construction materials and techniques, ecological systems for water, energy and landscaping. It will provide

accommodation for about 350 people. There will be some modules with pillared supports at ground level to allow air movement. 'Progress' will contain facilities to promote a more communal lifestyle. A number of common areas and collective services have been considered, such as kitchen and dining room, video room, laundry, swimming pool, library, communication centre and multipurpose spaces for physical exercise and cultural programs. Other facilities may be considered according to future needs and development. The collective life will be combined with a clear respect for individual movements and spaces. A special arrangement will be done for the youth. The modules can be built in phases and in various ways, allowing people to choose the part of the building which fits most with their lifestyle or present needs. There will be different types of apartments, varying in size, facilities and finishing. The finishing's will be designed in consultation with artists to create beautiful spaces.

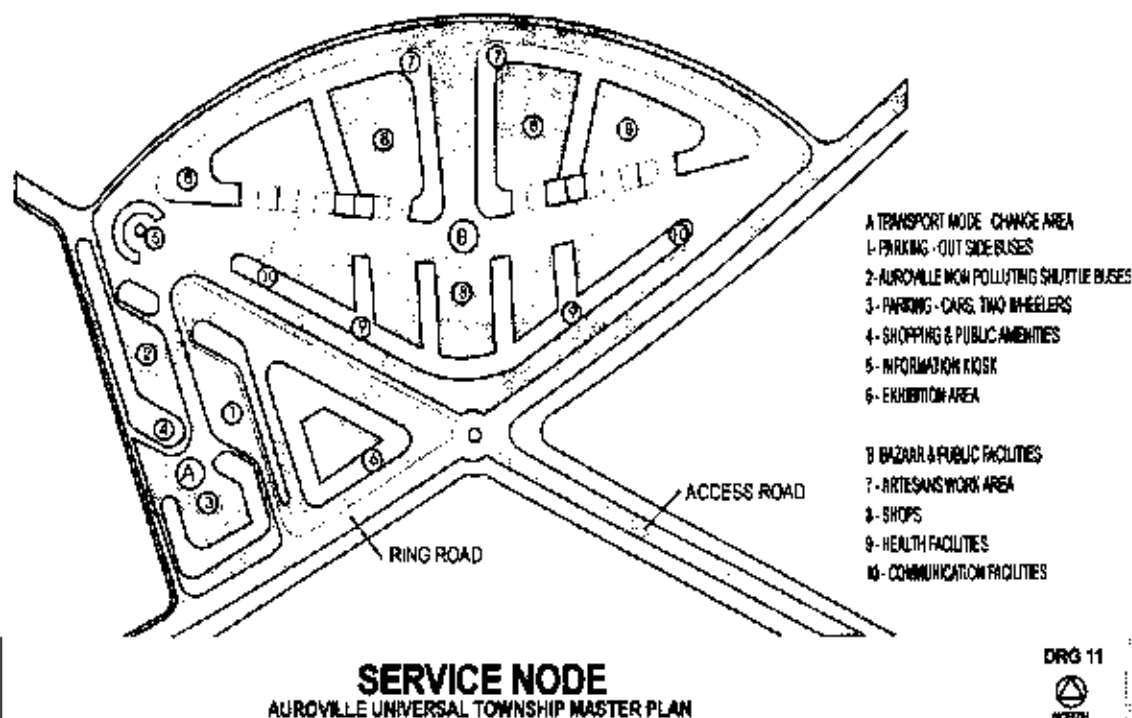
Savitri Bhavan: The proposed Savitri Bhavan is located in the Crown area of the International Zone. It will focus on studies related to Sri Aurobindo's revelatory epic 'Savitri'. It will accommodate facilities and activities to enhance the understanding and enjoyment of this text using supports such as an art gallery, hall, amphitheatre, library, audiovisuals, and office and study areas.

The Unity Pavilion: This proposed project is located in the Crown area of the International Zone. The Unity Pavilion will act as a seed and a catalyst for the development of the International Zone. It is seen as a movement to join forces, a transitional space and an experimental ground for the emergence of the individual pavilions. The Unity Pavilion complex will include spaces for offices, research, lectures, seminars, exhibitions and audiovisual equipment, as well as performance areas and guest accommodation. The focus of the work in the Unity Pavilion will be

collaboration and development of the continental areas and the interaction of cultures beyond national borders.

Bharat Nivas: Bharat Nivas is the Indian pavilion in the International Zone. It consists of an 840 seat auditorium, a Centre for Research in Indian Culture and its guesthouse facility. Presently the campus acts as a hub of various town-related services such as town planning, archives, post office, public library, entry group, visa service, secretariat, Auroville Foundation office and many others.

Service Nodes: There are two types of service nodes suggested in the Proposed Land Use Plan. Primary Nodes, located at the boundary of the township, would regulate most of the visitors' traffic. The visitor would shift to a non-polluting transport mode to visit the various places in the township. It would also provide a space (for social as well as economic purposes) for interaction between Auroville and the surrounding villages. It will include tourist related facilities and services. Secondary service nodes are proposed to function as additional regulatory / channelising nodes up to which the resident could bring their vehicles for parking and garage facilities. As Auroville has yet to acquire a large amount of land, especially in the green belt area, the secondary nodes, which are closer to the city area, would be developed first (**Drawing 11**).



2.8.2 All these models will be helpful in the Implementation of various built components of the Master plan in an innovative manner. The architectural design of public buildings will be barrier free—as per the requirements of the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995—and will provide a wide variety of experiences through its landscape design concept.

2.9 IMPLEMENTATION AND MONITORING MECHANISM

2.9.1 The implementation of the Master Plan (Perspective: 2025) for Auroville requires a more structured organisational set-up than hitherto available. A start will be made putting such an organisation in place when the European Union funded project on the Centre for Innovative Urban Management becomes operational in early 2001.

2.9.2 The Planning Group will be responsible for the preparation of the Five Year detailed Development Plans followed by Annual Plans and Layout Plans/Detailed Schemes within the framework of the Master Plan

(Perspective: 2025). The implementation and monitoring of the projects will continue to be the responsibility of the concerned AV group through their project leaders. However, the overall co-ordination and monitoring of the work will be the responsibility of the Planning Group.

2.9.3 There are three important aspects of the plan, the implementation of which will require full support and involvement of the Government of Tamil Nadu and the Pondicherry UT. The first one relates to the provision of main access ways to the township. There are four such principal access ways connecting the four main zones. The present accesses to these areas are narrow and pass through village settlements. Widening of the roads needs to be carried out on some stretches, and realignments need to be introduced to avoid disrupting village settlements. In the longer term it would also be necessary to establish the Northern and Southern by-passes connecting the East Coast Road and Tindivanam-Pondicherry roads to facilitate easy and direct access between these highways.

2.9.4 The second important aspect relates to securing the lands that are not under the ownership of Auroville for developments proposed in the Master Plan. For the securing of land, various options such as land exchange, lease of land, land pooling techniques etc., as indicated in Appendix IV, are suggested. This calls for the regulation of the use of lands not owned by Auroville to avoid non-conforming uses, and acquisition of such lands that are required for development by Auroville. The Auroville Foundation, being governed by an act of Central Government, anticipates full co-operation from the Government of Tamil Nadu and the Pondicherry UT in the implementation of these proposals.

2.9.5 Another important aspect is the development of villages within the designated area of Auroville as well as those in its 'bio-region'. Auroville groups are already assisting the villages in improving their socio-

economic conditions. The five-year indicative plan has envisaged a provision of about Rs. 3 crores for this purpose. Auroville would collaborate with the village panchayats as well as with the Government in identifying development projects, and funds for projects will be sought from the Central Government and the State Government to support various aspects of development in these villages and the bioregion.

2.9.6 The proposed set-up in the Planning group provides for an independent Division which will be involved in implementation work. The details of the proposed structure for the implementation of the Master Plan (Perspective: 2025) is given in Appendix V.

2.9.7 The present momentum in Development and Environmental activities will be strengthened through a participatory Environmental Management process which will be integrated within all development, planning and urban design elements.

2.10 PHASING AND RESOURCE MOBILISATION

2.10.1 The Master Plan (Perspective: 2025) has been conceived for a total population of 50,000, and takes into account a population of 15,000 by the year 2015. The Five Year Development Plan (2007-2012) proposals are given in **Table 22** along with the Five Year programme for overall city development and special projects.

Table 22

BBIC 22

Auroville Foundation. Auroville Eleventh Five Year plan 2007.2008 to 2011.2012

		Rupees in Lakhs				
Sl.No	Name of the Schemes	2007.08	2008.09	2009.10	2010.11	2011.12
1	SAIER:					
	Research	103.00	114.00	130.00	142.00	151.00
	Development (admn)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Equipment	30.00	35.00	40.00	45.00	50.00
	Construction Programme	212.00	175.00	190.00	220.00	255.00
	Total	345.00	324.00	360.00	407.00	456.00
2 (i)	Existing Development Scheme					
	Centre of Indian Studies/ Centre for Research in Indian Culture	9.55	10.74	10.45	11.69	11.45
	Kalakendra	6.95	7.10	7.60	7.91	8.42
	Sri Aurobindo Auditorium	13.12	10.10	10.61	11.14	11.7
	Land Heritage Centre	4.28	3.13	4.68	3.45	4.90
	Sri Aurobindo World Centre For Human Unity	5.10	5.35	5.63	5.90	6.19
	Bharat Nivas Maintenance	20.18	23.51	22.02	25.07	23.16
	Bharat Nivas Scholarship	3.00	3.00	3.00	3.00	3.00
	Publicity Public relation/Training	5.00	5.00	5.00	5.00	5.00
2 (ii)	Existing Construction	163.62	162.07	181.01	176.84	176.18
	Total	250.00	250.00	250.00	250.00	250.00
3	Construction of Auroville Foundation Office	81.00	0	0	0	0
4	Auroville Language Lab	60.00	40	0	0	0
5	Archives	50.00	50	0	0	0
6	Transit Hostel/Accommodation	125.00	125	125	125	125
7	Auroville Library		50	50	0	0
8	Archaeology		50	50	0	0
9	Infrastructure:-					
	Ring Road		300	300	0	0
	Approach Road				300	300
	Street Lighting	0	0	30	30	40
10	International Study Centre Felicity (70. 60 Hostel)		200	200	200	0
11	Administrative overhead 7%	63.77	97.23	95.55	91.84	81.97
		974.77	1486.23	1480.55	1403.84	1262.97
	Total	975.00				8676.59

2.10.2 In the Development Plan proposals for 2001-2006, Auroville proposes to invest Rs. 658 crores on infrastructure development.

2.10.3 Auroville activities are financed by donations and financial inputs from residents, through income generated by Auroville-run business units, and grants and donations from national and international agencies. Auroville, being an institution that has been established through an Act of Parliament, also obtains financial support from the Government of India.

2.10.4 The sources of funding for the Auroville activities are:

Trusts under the Auroville Foundation: At present, there are over a hundred large and small commercial units grouped in 30 trusts under the Auroville Foundation. Over the past 10 years, commercial units have contributed finances in the order of Rs.10 crores towards Auroville's maintenance and development.

Centre for Scientific Research (CSR): The CSR is a research institution set up in 1984 to focus on research and development in the field of renewable energy, wastewater recycling and sanitation, and appropriate building technology. Its activities include R&D projects, transfer of technology via training programmes and workshops, promotion of renewable energy systems, dissemination of information via seminars, workshops and publications, production of ferrocement building components and biogas plants, architectural design, consultancy and construction projects. It receives funds from national and international agencies, which are also channelled into Auroville's development.

Government of India: The Government of India's support for Auroville activities in the last 10 years has been in the order of Rs. 8 crores.

Grants and Donations: International-grants and donations, both from India and abroad, are channelled through Auroville Fund. Similarly, the Sri Aurobindo International Institute of Educational Research (SAIIR) receives Indian and international funds for its cultural and educational activities. Auromitra Trust receives funds for environmental, social, technological and research programmes in the field of soil and water conservation, afforestation and farming.

2.10.5 These funds have helped to finance and create assets which include a variety of infrastructure assets in the sector of road building, water and sanitation, power (including from alternate sources such as solar, wind and biomass), telecommunication, and housing for Auroville residents. It is established that the total value of assets created over the last 40 years is in the order of Rs.500 crores.

2.10.6 Mobilisation of Resources for Development: Even with limited resources, Auroville has undertaken innovative projects in human settlement building, which integrates environmental regeneration with urban development, on the national and international scene. This has generated interest from agencies, which are funding such sustainable development programmes, to support the further development of Auroville. A recent instance is the financial assistance from the European Union under its Asia Urbs programme towards the construction of a Centre for Innovative Urban Management, which has also put in place an effective municipal structure for Auroville's future development.

2.10.7 Auroville's work in the various sectors of innovative and appropriate technology, both in rural and urban areas, has been recognised by both the State Government of Tamil Nadu and the Central Government, which have provided grants via various ministries.

Also, the expertise accumulated over the past 30 years is attracting consultancy assignments from both non-government and public agencies from within India.

2.10.8 The organisational structure that is expected to be created shortly will explore other resource/avenues for funding and working out the projects in greater detail to meet the requirements of funding agencies. However, as Auroville is a unique experiment quite different from other towns, it cannot obtain resources from traditional sources such

as loans and bonds for all its development. Auroville's commercial units have been increasingly contributing to its development, but they would not be able to fund all of the anticipated developments. In the first phase, Auroville will continue to depend upon project funds and contributions from its present and future residents.

2.11 REVIEWING THE MASTER PLAN (PERSPECTIVE: 2025)

2.11.1 Although the Master Plan (Perspective: 2025) indicates a time horizon of 25 years, it will neither be traditional, nor static and rigid. In the framework of Perspective 2025, the Planning Group would prepare a detailed Five Year Development Plan containing the priority items to be taken up for development as given in Table 22. At the close of the first Five Year Development Plan, the progress would be assessed. A second-phase detailed development plan would then be prepared on the basis of the feedback obtained from the field/monitoring which will be followed by further detailed development plans for subsequent five-year periods.

2.11.2 The inputs for the review will flow from the implementation of five-year Development Plans and the monitoring of Land Use Regulations. Two Groups, namely the Planning Group and the Implementation and Monitoring Group (cf. Appendix V on the Organisational Structure), will assemble the necessary data required for such a review. The review process will be the same as the process followed for the preparation of the Perspective Plan, and the results will be approved by the Governing Board in consultation with the supervisory Ministry, namely the HRD Ministry of Government of India.

3. PART THREE

DEVELOPMENT PROMOTION REGULATIONS

3.1 ZONING AND DEVELOPMENT PROMOTION REGULATIONS

3.1.1 To achieve an orderly and balanced development, there cannot be a complete freedom for individuals, groups of individuals or institutions to carry out developments without consideration for the surrounding environment. Development guidelines need to be established, which would encourage development without violating the principles of planning for the common good. Therefore a number of zoning and development promotion regulations have been drawn up. The regulations cover four broad areas, namely land uses (what is permissible and what is prohibited), maximum buildable area on all floors in a given context, total floor area that can be covered on a site and minimum size of site required for development where applicable.

3.1.2 All project holders will have the freedom to try out innovative developments as long as the basic parameters of the Master Plan (Perspective: 2025) are met. The Planning Group envisaged under the Master Plan (Perspective: 2025) will be in charge of ensuring that all future projects conform to these regulations. These regulations would also serve as guidelines for the use of lands, especially in the Green Belt. Support from the concerned local bodies, i.e. the Panchayats becomes very important to the proper implementation of the Master Plan (Perspective: 2025). Both Governments, State and Central, have fully recognised Auroville's beneficial and positive activities, and various Departments and Ministries such as Environment and Forest and Rural Development have been assisting Auroville in various ways including providing finance for projects. Similarly, a large number of international development organisations are working with Auroville to promote a sustainable development that will benefit the country at large. The

UNESCO on several occasions has recommended Auroville to its member states, requesting them to accord full support.

3.1.3 In order to build further on the foundation that has already been laid, the State as well as the Central Government need to ensure that the proposals of the Master Plan (Perspective: 2025), together with the Development Promotion Regulations, are implemented effectively for an orderly development of Auroville and its surroundings.

3.2 DEVELOPMENT PROMOTION REGULATIONS

1. Title

These regulations may be called "Auroville Universal Township Master Plan Development Regulations" (hereafter referred to as the "Master Plan Development Regulations").

2. Definitions

(a) Auroville Foundation means the Foundation established under sub-section (1) of section 10 of the Auroville Foundation Act 1988.

(b) Development is defined and understood as the carrying out of building, engineering, mining or other activities in, over or under the land, or the making of any material change in the use of any building or land.

(c) Residents Assembly shall have the same meaning as assigned to it in the Auroville Foundation Act, 1988.

(d) Master Plan means the Master Plan of Auroville formulated by the Residents Assembly as per clause 19 (2) of the Auroville Foundation Act and approved by the Governing Board to ensure the development of Auroville as planned.

(e) Prescribed Authority means the authority decided by the Auroville Foundation for operation and implementation of Master Plan including Development Promotion Regulations.

(f) F.A.R. (Floor Area Ratio) means total floor area on all floors divided by the total site area multiplied by 100, i.e.

$$\text{F.A.R.} = \frac{\text{Total floor area on all floors}}{\text{Total site area}} \times 100$$

3. Permissible Land Use

(a) All developments in the Master Plan Area shall conform to these regulations.

(b) No land, premises or buildings shall be changed or put to any use not in conformity with the zoning regulations which are to be seen as part of these regulations.

4. Procedure for Development

(a) Any person intending to carry out development on any land shall make a written proposal to the prescribed authority with such plans and particulars as may be required.

(b) No person shall commence or carry out any development unless he or she has received the written approval from the prescribed authority.

(c) Development proposals will be considered only if the development is:

- i. In conformity with the requirements of these regulations.
- ii. In conformity with the applicable building rules/regulations or other provisions of the National Building Code as may be specified.

- iii. Effectively eco-friendly and environmentally appropriate as may be decided in each case.

(d) The prescribed authority, after considering feedback that may be received, may:

- i. Approve the proposal with such modifications as may be considered necessary or
- ii. Return the proposal for re-submission with additional particulars, or
- iii. Refuse approval, giving reasons for such refusal.

ZONING REGULATIONS

Zone / sub-zones	Uses permitted	Uses permitted on application to the prescribed Authority	Uses not permitted	FAR ----- max ground coverag e	Minimum plot size
A. Peace Area	Matrimandir, lake, parks and gardens and other landscape elements enhancing the dignity, peace and harmony of the area.	Only uses accessory/ancill ary to Matrimandir, namely: essential utility and transport related infrastructure, temporary non- polluting operational uses related to ongoing Matrimandir developments. Visitors facilities or any permissible structure not exceeding the height of 4.5 meters.	All uses not specifically mention ed in col. 2 and 3.	10 ----- 40%	---
B. Residential Zone					
1 - Primary Residential	Dwellings and community level retail stores, display areas, communication and recreation centers, restaurant and dining, library	Guest-houses, department stores, professional offices up to 40 sqm, utility maintenance centers,	All uses not specifically mention ed in col. 2 and 3	150 ----- 40%	Group development 0.1 ha.

	and reading rooms, health centers, essential utility uses, indoor recreation, administrative sub-offices of city management, including: fire, water, sanitation, sub-post office, parks and green areas and vehicle parking.	essential transport related infrastructure and conference facilities			
2 - Crown	Dwellings and community level retail stores, display areas, communication and recreation centers, restaurant and dining, library and reading rooms, health centers, essential utility uses, indoor recreation, administrative sub-offices of city management, including: fire, water, sanitation, sub-post office, parks and green areas and vehicle parking.	Guest-houses, department stores, professional offices up to 40 sqm, utility maintenance centers, essential transport related infrastructure and conference facilities	All uses not specifically mentioned in col. 2 and 3	200 — 60%	Group development 0.1 ha.
Zone / sub-zones	Uses permitted	Uses permitted on application to the prescribed Authority	Uses not permitted	FAR — max ground coverage	Minimum plot size

C. Internation al Zone					
1 - Pavilions	National and international pavilions, conference and exhibition halls, communication centers and visitors information centers and ancillary uses, residential staff quarters, hostels, guest houses, restaurants, kiosks and convenience stores, parks, playgrounds and green areas.	Medical centers, transport infrastructure.	All uses not specifically mentioned in col. 2 and 3.	100 — 35%	2 ha. Group Development
2 - Crown	Residential staff quarters, dwellings, shopping arcades, restaurants, guest houses, hostels, indoor recreation, visitors facilities, banking and financial services, parks and green areas.	Dwellings and community level retail stores, display areas, communication and recreation centers, restaurant and dining, library and reading rooms, health centers, essential utility uses, indoor recreation, administrative sub-offices of city management, including: fire, water, sanitation, sub-post office, parks and green areas and vehicle parking.	All uses not specifically mentioned in col. 2 and 3.	150 — 60%	0.1 ha.

Zone/sub-zones	Uses permitted	Uses permitted on application to the prescribed Authority	Uses not permitted	FAR max ground coverage	Minimum plot size
D. Industrial Zone					
1 - Manufacturing and Economic	Manufacturing services and other non-polluting industries, professional consultancy offices, retail and whole sale distribution, industrial display areas, R&D staff quarters, related welfare facilities, crèche, canteen, rest rooms, kiosk and convenience stores, and vehicle parking. Vocational training centers and related laboratories, City level administration offices. Parks and playgrounds and green areas.	Residential staff quarters, effluent and waste treatment plants and transport related infrastructure, material testing yards and buildings.	All uses not specifically mentioned in col. 2 and 3.	125 — 50%	0.5 ha.
2 - Crown	Hostels, dwellings and guesthouses, post and communication centers, retail stores, banking	Dwellings and community level retail stores, exhibition and display areas, conference hall,	All uses not specifically mentioned in	200 — 60%	Group development 0.1 ha.

	and financial services parks and green areas.	communication and recreation centers, restaurant and dining, library and reading rooms, health centers, essential utility uses, indoor recreation, administrative sub-offices of city management, including: fire, water, sanitation, sub-post office, parks and green areas and vehicle parking.	col. 2 and 3.		
Zone/sub-zones	Uses permitted	Uses permitted on application to the prescribed Authority	Uses not permitted	FAR ----- max ground coverage	Minimum plot size
E. Cultural Zone					
1- Major Cultural	Educational institutions and research centers related to education, arts and sports, City level cultural uses including auditoriums, exhibition halls and incidental uses	Residential staff quarters, major transport related infrastructure, stadium and large space consuming sports facilities.	All uses not specifically mentioned in col. 2 and 3.	100 ----- 40%	1.0 ha.

	thereto., kiosks and convenience stores, parks and playgrounds and green areas				
2 - Crown	All uses permissible in Residential Zone under col. 2, and galleries, guest rooms, dormitories, cafeteria, exhibition room, working ateliers.	Guesthouses, department stores and library, professional offices up to 40 sqm, utility maintenance centers and essential transport related infrastructure and conference facilities.	All uses not specifically mentioned in col. 2 and 3.	150 — 60%	0.1 ha.
Zona/sub-zones	Uses permitted	Uses permitted on application to the prescribed Authority	Uses not permitted	FAR ----- max ground coverag e	Minimum plot size
F. Green Belt Zone					

1 - Green Use Zone	<p>Agriculture, especially organic agriculture and rural development activities that can be applied to developing countries' situations, especially within the country and specifically Tamil Nadu, related to both traditional and modern geo-climatic, topographic and soil characteristics. Education, research including applied research in all areas of sustainable urban and integrated rural developments, including energy farms, water and waste management, traffic and transportation, forests, dairy, fruits and flowers, poultry and agricultural food products needed for the town. Botanical gardens, gene pools, bio-reserve. Ecological restoration, reforestation and restoration of the tropical indigenous forest. Watershed management and groundwater recharge. Co-development and partnership in</p>	<p>City level waste treatment plants and other uses. Dwellings will be restricted to essential operational persons. Uses associated with assembly and marketing and preliminary processing of farm products. Normal needs of village settlements.</p>	<p>All uses not specifically mentioned in col. 2 and 3.</p>	<p>10</p> <hr/> <p>5 %</p>	<p>---</p>
---------------------------	--	---	---	----------------------------	------------

	these areas with the village settlements.				
2 - Service Nodes	Public services & utilities	Infrastructure related uses	All uses not specifically mentioned in col. 2 and 3.	<div>75</div> <hr/> <div>—</div> <div>35%</div>	---

APPENDIX

Appendix I

Members of Governing Board and International Advisory Council of
Auroville Foundation

Governing Board

Dr. Karan Singh Member of Parliament (Rajya Sabha) & President, Indian Council for Cultural Relations	Chairman
--	----------

Shri Ajoy Bagchi Executive Director, The People's Commission on Environment & Development India, New Delhi	Member
---	--------

Ms. Ameeta Mehra Director, The Gnostic Centre, Gurgaon	Member
--	--------

Dr. (Ms.) Aster Mira Patel Member, Residents' Assembly Auroville Foundation, Auroville	Member
---	--------

Shri Balkrishna V.Doshi Founder-Director, Vastu Shilpa Foundation, Ahmedabad	Member
---	--------

Dr. (Ms.) Malini Parthasarthy Executive Editor, "The Hindu " Chennai	Member
---	--------

Dr. (Ms.) Mallika Sarabhai Director, Darpana Academy of Performing Arts Ahmedabad	Member
--	--------

Shri S.K. Ray Member Additional Secretary & Financial Adviser, Ministry of Human Resource Development New Delhi	Ex-Officio
--	------------

Shri Amit Khare Joint Secretary, Department of Higher Education Ministry of Human Resource Development New Delhi	Ex-Officio Member
--	-------------------

International Advisory Council

- (1) **Sir Mark Tully** (UK): Author, Journalist and Commentator on Contemporary Affairs; former head of the BBC's India operations.
- (2) **Dr Doudou Diène** (Senegal): Special Rapporteur to U.N. on Racism, Racial Discrimination, Xenophobia and Related Intolerance; Director, Intercultural and Inter-Religious Dialogue and Peace Culture, UNESCO;
- (3) **Dr Vishakha N. Desai** (US): President, Asia Society of New York, NY
- (4) **Dr Marc Luyckx Ghisi** (Belgium): Theologian & Researcher; Former Advisor to Presidents of the European Commission.
- (5) **Mr Julian Lines** (US): Chairman, Auroville International Association, New York, NY

Shri M.Ramaswamy, I.A.S.**Secretary, Auroville Foundation**

Appendix II

Role & Responsibilities of Different Working Groups in Auroville

Development Council

A broad-based co-ordination and planning group, the Development Council was established to ensure that the development of Auroville is in accordance with the ideals set forth by the Mother.

To facilitate this, the Group:

- Defines collective priorities for development.
- Defines and select surveys required and projects for study.
- Implements the Master Plan approved by the Residents Assembly.
- Monitors current and future Auroville Development Scheme grants, and allocates unspecified funds for development.
- Develops the strategy and sets priorities for purchase, sale and lease of land.
- Assesses and gives approval for all building applications on Auroville land.

Budget Co-ordination Committee

The Budget Co-ordination Committee monitors Auroville's internal economy and acts as a liaison body between the community and its commercial units. Particular attention is given to the Auroville Unity Fund and its disbursements each month. In specific terms, the Group grants loans; keeps close contact with the Auroville services, the Auroville Board of Commerce, the productive units and collective budget holders; raises funds for the overall maintenance needs of the community; and studies the AV economy to find ways of moving it towards a true collective economy.

Entry Group

The Entry Group processes all applications to join Auroville, oversees the entry procedures, and decides on the use of the Repatriation Fund.

Executive Council

The Executive Council deals with matters affecting the internal functioning of the community. This mostly entails:

- Policy co-ordination
- Facilitating communication by way of seminars, meetings and referendums.
- Acting as clearinghouse for problems arising within the community.

Funds and Assets Management Committee (FAMC)

The FAMC is one of the official committees of the Auroville Foundation, specifically required to advise the Governing Board on the following:

- The utilisation of the funds and management of assets.
- Taxes and audits.
- The sale, acquisition and utilisation of immovable assets.

The FAMC consists of representatives of the following working groups: ABC core group, AV Fund, AV Maintenance Fund, CSR, Development Group, Budget Co-ordination Committee, Entry Group, Executive Committee, Farms & Forest Groups, Financial Service, Housing Service, Land and Estate Management, Matrimandir, SAIER administration and the Working Committee. As members of the Governing Board residing in Auroville, the Secretary and the Finance Officer are also members.

Land and Resource Management (LRM)

Auroville's land and resource management office, is located at Bharat Nivas. LRM is the centralised facility where maps and records can be

consulted, land purchases and allocation discussed etc. Essentially, LRM has 3 main functions:

- Management of all Auroville lands and fields not looked after by or forming part of an AV community.
- Land surveys (where the boundary between AV and private land is not clear), administration, maintenance of records, payment of land taxes, liaison with local authorities on land matters, and court cases where land ownership is disputed.
- Negotiation and registration of new land purchases.

Project Co-ordination Group

Co-ordinates all grant proposals for AV Projects to ensure maximum effectiveness and non-duplication of approach to potential donors. In support of this, a project consultancy-cum-writing service called "Abundance" is provided.

The Group is Auroville's officially recognised channel to Auroville International Centres, the Foundation for World Education and Stichting de Zaaier on all fund raising matters, and is the only body authorised to endorse proposals for fund raising outside Auroville.

Working Committee

An official Auroville working group specifically responsible, under the Auroville Foundation Act, for assisting the Residents Assembly and liaising with the Governing Board of the Auroville Foundation and the outside. The Committee deals with many of the major issues that arise affecting Auroville vis-a-vis the outside world, while Auroville internal matters are mostly looked after by the Executive Council. Members usually hold office for a period of 2 years, but many serve longer.

Auroville Village Action Group

AVAG works in 35 local villages, directly benefiting 2,000 people and indirectly 30,000+ through its team of 20 development workers. The main aim of AVAG is to make the local people aware of their social, cultural and environmental conditions while bringing general benefit to them. Areas of specific action, involvement and/or achievement include:

- Supporting Isaiambalam Research School, Kindergarten and Crèche; a Life Education Centre in Kottakarai offering education and vocational training for young school-drop-out girls; and Night Schools in 23 villages plus crèches in schools by introducing innovative and participatory educational methods.
- Supporting 29 women's groups that meet regularly, initiate and implement community projects, operate savings clubs, and support each other in crisis.
- Promoting environmental awareness, health awareness and community hygiene in collaboration with the Auroville Health Centre and other Auroville groups.
- Giving small grants for community service initiatives on a cost-sharing basis with village groups.

Farm Group

The Farm Group meets regularly to coordinate Auroville's farming activities and share information with a view to increasing Auroville's self-sufficiency in food production. Along with the Forest Group (see separate note) the Group is represented on the Green Group, and also sends representatives to other policy-making meetings in Auroville.

Financial Service/Auroville Maintenance Fund

The maintenance Fund, which incorporates the Auroville Unity Fund (see separate Note), is Auroville's major fund concerned with internally generated and circulating money, as opposed to contributions from outside, which are handled by Auroville Fund.

The administrative aim is to collect monthly maintenance contributions for Aurovilians from Auroville units, individual contributions and guest contributions, and handle the distribution, mainly through the Auroville Unity Fund. The Fund is computerized and linked with Pour Tous, so can arrange payment for gas bottles, food, purchases from commercial unit, and water service, electricity, telephone, milk and bakery bills.

The Financial Service/AMS can also exchange foreign currency, travellers cheques and personal cheques.

Forest Group

A group actively involved in the planting and maintenance of Auroville's forested areas, particularly the protective Green Belt around the township.

Green Group

The Green Group, consisting of representatives from the Farm Group and Forest Group, reviews issues pertaining to the development of the Green Belt, and advises on them according to environment protection principles while trying to facilitate the overall growth of Auroville. Though the primary concern at present is watershed management and reforestation, integrated farming practices are also a priority. The Group interacts with the Development Council as required.

Appendix III

Auroville Foundation								
Consolidated Income and Expenditure for the period from 01.04.2008 to 31.03.2009								
Particulars	Activities						Current Year 2008-2009 Total	Previous Year 2007-2008 Total
	Education Research & HRD	Environment Research & Village Action	Science & Technology Research	Auroville Projects & Services	Auroville Finance Activities	Furthance Activities		
	Rs.P.	Rs.P.	Rs.P.	Rs.P.	Rs.P.	Rs.P.	Rs.P.	Rs.P.
A. INCOME								
Income/Transfer from	36,132,166.74	34,680,830.27	39,123,353.26	245,056,691.94	-	9,091,705.55	364,084,747.76	342,287,673.66
Contributions/Grants								
Income from								800,906,044.17
Sales/Services in furtherance of the objects								
a) Sales - Export				362,340.00	-	216,560,991.39	216,923,331.39	
b) Sales - Local & Interstate			7,644,417.18	53,460,483.92	-	366,810,154.45	627,935,055.55	
c) Income from services	3,191,348.00	18,040,444.96	15,917,471.69	78,414,863.60	2,646,799.19	41,948,810.95	160,161,740.39	
Income from investments					10,990,793.74	87,715.52	11,078,509.24	8,463,198.50
Interest earned	442.00	998,814.50	7,291.00	827,894.97	11,929,039.83	3,902,821.25	17,666,297.55	17,013,923.32
Other Incomes	15,564,013.94	3,828,894.29	33,785.63	5,480,295.85	3,844,926.71	53,309,222.76	82,851,139.18	
Prior Period Income						700,131.95	700,131.95	3,229,820.52
Total Income (A)	54,887,970.68	57,548,984.02	62,744,318.76	383,406,570.26	29,411,593.47	692,361,553.82	1,280,562,753.03	1,172,100,640.07
B. EXPENDITURE								
Programmes & Activities	36,945,571.10	24,387,600.31	31,487,836.61	166,404,357.26	-	376,888,679.88	634,145,986.14	683,437,137.35
Contribution / Donations	174,700.00	770,264.66	1,030,354.25	4,972,614.69	16,752,155.00	49,252,019.19	73,952,107.79	73,341,433.64
Personnel	749,370.25	13,102,520.69	10,198,489.60	33,730,372.73	-	85,067,864.07	142,846,617.34	118,084,777.45
Management and Administration	3,439,526.44	19,541,036.38	16,218,456.98	84,537,156.48	1,350,686.39	127,311,070.89	262,397,932.66	168,831,459.64
Prior Period Expenses						10,204.00	10,204.00	1,996,024.84
Depreciation	10,411,354.00	4,110,740.42	25,876,483.92	30,945,032.98	1,236.00	23,646,097.52	94,991,744.64	68,274,764.68
Total Expenditure (B)	51,720,461.79	61,912,162.45	84,813,622.46	320,620,334.14	18,104,077.39	662,176,935.53	1,199,346,593.78	1,880,937,586.13
Excess of Income over Expenditure (A) - (B)	3,167,508.89	{4,363,176.43}	{22,067,303.70}	62,786,236.14	11,307,476.06	20,184,618.27	81,216,359.25	121,163,071.94
Place : Auroville								
Date : 10.08.2009								

Auroville Foundation
Consolidated Balance Sheet as at 31st March 2009

Particulars	Activities						Current Year 2008-2009 Total
	Educational Research & R&D	Environment/ Research & Village Action	Science & Technology Research	Auroville Projects & Services	Auroville Financial Activities	Programme Activities	
	Rs. P.	Rs. P.	Rs. P.	Rs. P.	Rs. P.	Rs. P.	
SOURCES OF FUNDS							
A. Corpus/Trust Funds							
Auroville Foundation Funds	14,684,848.09	63,794,846.96	451,496,174.80	201,057,397.62	52,016,428.11	458,393,450.58	1,844,451,549.16
Govt. Grants	59,579,160.79	-	-	2,516,857.79	-	-	61,196,218.58
Grants/Contributions/Unutilized (others)	12,565,889.98	1,258,567.71	-	176,760.81	-	-	14,001,209.20
B. Reserves & Surplus							
Earmarked/Endowment Funds	30,436,507.59	5,056,895.00	-	-	-	47,050.00	35,539,452.59
C. Loan Funds							
Secured Loans	1,180,580.00	1,593,406.71	67,183.50	11,756,441.72	161,159.98	61,352,046.72	80,900,770.13
Unsecured Loans	-	-	-	-	-	-	-
Total	131,504,176.82	73,697,616.38	452,663,798.30	213,617,457.93	52,177,428.11	521,792,548.40	2,057,588,139.17
APPLICATION OF FUNDS							
C. Fixed Assets	123,617,953.28	27,916,556.60	611,807,704.84	723,592,929.38	7,003.26	173,070,942.85	1,470,154,038.91
F. Investments	3,335,894.85	-	263,257.00	6,653,664.00	708,706,457.13	78,141,764.63	334,600,079.61
G. Net Current Assets							
Current Assets							
a. Deposits	17,760.00	2,048,934.67	1,089,914.80	1,366,166.46	-	11,361,785.42	11,360,941.75
b. Loans & Advances (R)	995,184.00	12,781,662.50	8,743,637.53	31,753,515.31	9,858,373.36	46,856,961.87	107,751,374.17
c. Sundry Debtors/Receivables	9,252,463.71	9,431,264.79	1,063,585.80	50,977,396.14	2,370,375.88	75,249,731.80	149,314,689.12
d. Closing Stock	82,610.00	1,606,058.00	8,834,175.71	6,567,445.44	-	140,619,082.58	155,173,371.73
e. Cash & Bank Balances							
i. Cash in hand	104,644.75	177,517.96	191,017.95	626,432.60	4,845,242.42	2,884,503.24	3,930,999.11
ii. Cash in Bank a/c	6,068,568.13	18,682,359.14	11,576,348.83	50,317,358.80	36,406,879.19	111,304,908.51	287,270,235.57
f. Other Current Assets	535,922.60	17,590,089	70,036.00	1,833,083.83	13,730,964.15	19,927,940.44	17,095,945.17
Sub Total (i)	11,700,275.09	54,222,004.16	51,127,548.59	146,344,672.83	45,195,753.00	401,949,899.86	748,340,166.12
Less : Current Liabilities							
a. Sundry Creditors / Payables	17,084.00	1,338,323.25	18,177,064.77	50,608,773.74	93,548,998.86	40,573,223.87	349,653,807.71
b. Outstanding liabilities	90,392.00	702,811.33	927,848.70	8,395,714.51	-	23,866,773.44	33,244,349.18
c. Provisions	146,298.00	4,38,515.00	4,393,956.10	4,456,054.00	12,716,355.00	8,400,807.96	28,451,574.16
d. Other Current Liabilities	0,557.00	5,166,293.84	941,938.15	1,570,170.89	208,966,273.02	7,484,649.79	771,117,831.11
Sub Total (ii)	200,986.00	6,490,943.34	30,034,306.72	58,972,432.12	315,031,136.88	135,625,044.14	577,006,202.10
Net Current Assets (i) - (ii)	11,499,289.09	47,731,060.82	21,093,241.87	87,372,240.71	13,459,616.12	266,324,855.72	170,333,964.02
Net Assets/Equity & Reserves Exp.							
Total	136,504,176.82	73,697,616.38	432,543,706.39	810,617,467.93	52,177,428.11	521,792,548.40	2,057,588,139.17

Place : Auroville
 Date : 10.06.2009

Appendix IV

Securing Land for Orderly & Planned Development

The designated Auroville Township area covers 19.63 sq. km, i.e. 1963 ha. as on 1st August 2000 Auroville has under its ownership 778 ha. of land in the designated township area, while about 980 ha. still have to be secured for Auroville's proper and complete development into a township for 50,000 people. All the lands so far have been acquired by negotiated purchase from land owners.

All over India, the acquisition of land for development purposes by compulsory acquisition under the Land Acquisition Act has become more and more difficult. Acquiring land by negotiation is also becoming increasingly difficult and expensive because of speculative tendencies, particularly by real estate developers. In the case of Auroville, the situation is much more critical. The development of Auroville has transformed a barren inhabitable plain into a verdant area. This has attracted speculative developers from the neighbouring urban areas.

One of the principal objectives of the Auroville Master Plan (Perspective: 2025) is to ensure that planned developments are not overtaken by haphazard and deleterious development by speculators for personal gain. It will be observed from zoning regulations that farming and research for increasing productivity in the agricultural and farm sectors (especially to apply to other parts of the State) will be one of the main uses of lands that surround the inner part of the Auroville Township. In the context of the above situation, it is proposed to employ different options for securing the land for the development of Auroville as planned.

1. Land Exchange

Auroville has presently under its ownership extents of land outside the 20 square kilometres area. Some of these lands could be offered in exchange for unutilised lands that are needed to establish research and field stations for agricultural and farm development in the Green Belt.

2. Land for employment

There are several pockets of land owned by villagers, which are not of a viable size for supporting economic production. Further, a large number of persons have a right on the land, which makes it difficult to put it to useful purposes. In such cases, Auroville could offer employment in farming, forestry and other Auroville activities, including vocational training, in return for the land that will be offered at a negotiable price.

Leasing of land

As an alternative to (2), Auroville proposes to make lease agreements with landowners. These agreements would stipulate that Auroville has the first option of purchase against payment of a yearly amount to the landowner. The agreement would also stipulate restrictions on land use and prevent sale to third parties.

4. Land pooling and sharing for joint development

Auroville proposes this approach as a method that will benefit both the landowner and Auroville. Auroville will use its resources and expertise to generate crops and other produce on the land, which will generate much higher returns after setting apart amounts for the inputs of Auroville resources. The villager will continue to own and work on the land.

5. Purchase of land

Auroville's policy has always been to secure the land by voluntary sale via negotiation with the landowners, with no compulsion or coercion, keeping in mind their needs and long term welfare. This method will continue to be pursued for lands to be acquired for Auroville's development.

6. Acquisition under the Land Acquisition Act

The Auroville Foundation is a statutory body, created by an Act of Parliament to further the development of Auroville in accordance with its original Charter, given by The Mother. Therefore, any acquisition of land towards the development of Auroville would come under the definition of public purpose under the Land Acquisition Act.

There are certain important developments, such as road widening and construction of utility structures, which cannot be normally secured by the options mentioned above. Auroville proposes to approach the Tamil Nadu State Government in order to obtain such lands through the Land Acquisition Act.

Another instance is where real estate developers propose to dispossess the landowner of his land for his own monetary benefits. In such cases also, Auroville will propose acquisition of these lands, unless one of the above mentioned options can be used.

7. Zoning Regulations

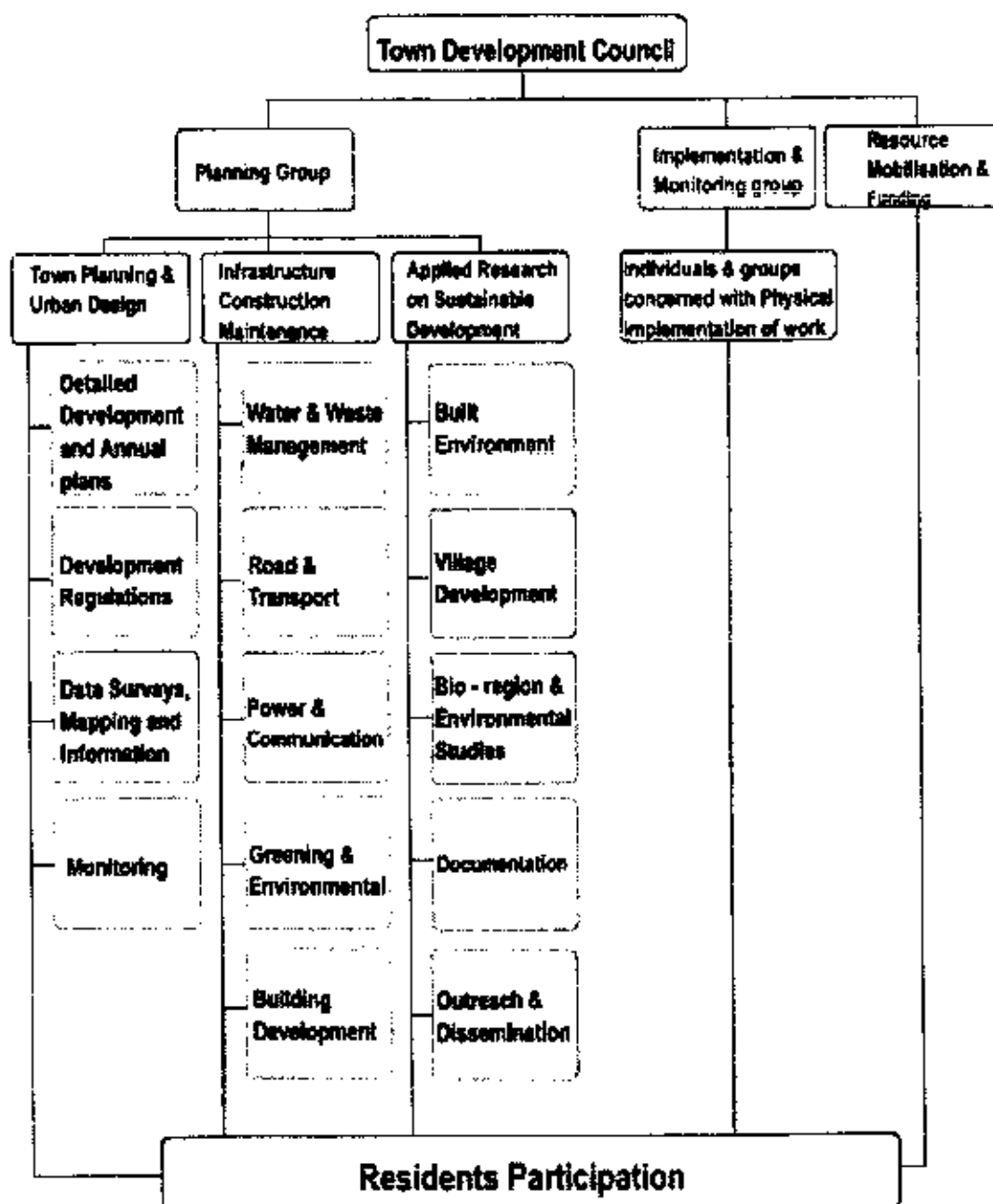
Most of the options listed above will take time and effort. There are bound to be instances where a single unplanned development may jeopardise not only future developments, but even those that have been carried out earlier. Hence, it becomes imperative that all the lands that are required for the development of Auroville are covered in such a way that no person would contravene the zoning regulations made in the Master Plan. For this purpose, necessary mechanisms have to be approved by the Government of India along with the State Government. Such mechanisms would provide a most important and decisive tool for safeguarding the lands needed for Auroville's development from speculative, damaging and environmentally unsound development.

8. Conclusion

It is envisaged to secure an annual average of 100 hectares per year over the next 10 years by employing these various mechanisms.

APPENDIX 5:

Organisational Structure for Master Plan



APPENDIX 6:**Parameters for Project Cost Estimation**

1.	First Phase 1st Stage (2010-2015)	Additional 5000 population
2.	Land Cost 1st Stage	Rs. 10 lakh/ha.
3.	Land Cost 2 nd Stage	Rs. 15 lakh/ha.
4.	Construction Cost:	
	Residential	Rs. 8000/sq.mt.
	Industrial	Rs. 8000/sq.mt.
	Crown	Rs. 10000/sq.mt.
	International / Cultural	Rs. 15000/sq.mt.
5.	Off-side infrastructure (Including roads, power, water, sewage, communication)	Rs. 10 lakh/ha.
6.	Land development in zones	About 10% of zone area for 1st Stage
7.	Residential space	30 sq.mt./person
8.	Social infrastructure in Residential zone per 1000 sqm of built up area	25 sqm
9.	Biomass energy generation for 1/2 Megawatt (assuming 6000 hours of operation)	Rs. 2 crores
10.	Security lighting for 25 km of road, at 10 per km and Rs. 30,000 per unit.	
11.	Township Access Road	Rs. 20 lakh/km

M. RAMASWAMY, IAS

Secy.